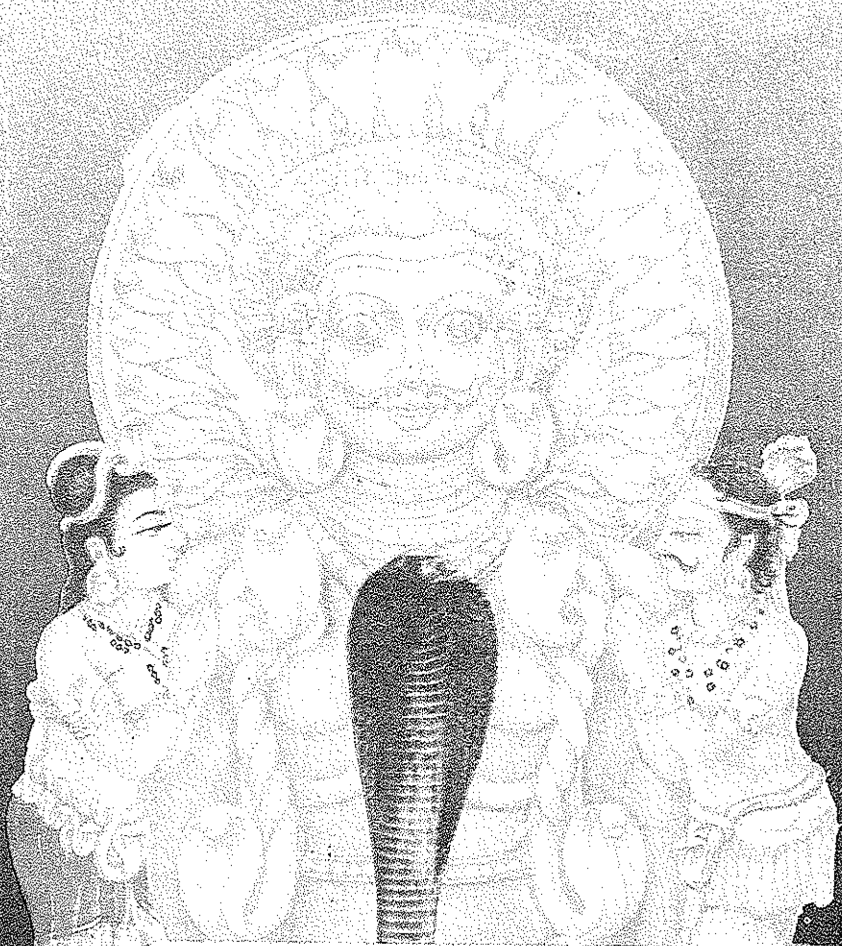
नाग संस्कृति कोश



नाग संस्कृति कोश

डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट
एम.ए., एल-एल.बी.,डी.लिट्.(U.S.A.)



नाग स्मृति प्रकाशन उज्जैन (म.प्र.)

NAGA SANSKRITI KOSHA

DR. AWANTIKA PRASAD MARMAT

नाम कोश- नाग संस्कृति कोश

लेखक- डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट
M.A., LL.B, D.Lit. (USA)

सर्वाधिकार- लेखकधीन

मूल्य- 150 रुपये

संस्करण- प्रथम- 1997

प्रकाशक- नाग स्मृति प्रकाशन
79, अशोकनगर, उज्जैन (म.प्र.)
फोन- 558941

मुद्रक- ऋषि आफसेट
गोलामण्डी, उज्जैन
फोन- 560261



प्रातः स्मरणीय
स्वर्गीय मातुश्री एवं पिताजी
की पुण्य स्मृति में
समर्पित।



आम्ही मैतरणी से साभार

(अप्रैल-जून १९९५ अंक)

Dr. Shyam Singh Shashi
Ph.D. D.Litt.

डॉ.श्याम सिंह शशि
पी.एच.डी. ,डी.लिट्

(अनेक राष्ट्रीय, साहित्यिक पुरुस्कारों
तथा पद्मश्री से अलंकृत)

दिनांक 30-11-96

पुरोवाक्

नाग संस्कृति का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। पूर्व वैदिक काल से लेकर आज तक उसमें अनेक परिवर्तन हुए हैं। भारत के अतिरिक्त चीन, पूर्वी एशिया तथा मैक्सिको में नाग संस्कृति के अवशेष आज भी स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं, किन्तु इस विषय पर शोध कार्य बहुत कम हुआ है। **डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट** आज के शोधार्थियों में ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने इस विषय का गहन अध्ययन करने का प्रयास किया है। प्रस्तुत कृति उनके दीर्घ शोध का परिणाम है। उन्हें यदि एक मनीषी के साथ **सर्पशास्त्री** की संज्ञा भी दी जाये तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह कोश निश्चय ही एक नया दर्शन **सर्पशास्त्र** की भांति सिद्ध होगा, ऐसी आशा है।

(डॉ. श्याम सिंह "शशि")

अनुसंधान बी-4/245, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली- 110 029



RAJ BHAVAN
ITANAGAR-791111
दिसम्बर 25, 1996

एक दृष्टिकोण

डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट ने "नाग-संस्कृति" पर विशेष खोज की है। नाग-संस्कृति के चिन्ह विश्व के बहुत से देशों में मिलते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में भी नाग-संस्कृति के उद्धरण मिलते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार अज्ञातवास में अर्जुन ने नाग राजकुमारी उलूपी से विवाह किया था, जिससे वभ्रुवाहन पैदा हुआ था और उन्होंने मणिपुर की राजकुमारी चित्राँगदा से भी विवाह किया था। भीम ने नाग कुमारी हिडिम्बा से विवाह किया था, जिसके नाम पर डीमापुर नगर नागालैंड में है। महाभारत युद्ध में तेजपुर के राजा भगदत्त तथा दूसरे पूर्वोत्तर के राजाओं ने कौरवों की ओर से पाण्डवों से युद्ध किया था। संभवतः महाभारत युद्ध के बाद भी पाण्डव वंशियों और नाग जन-जातियों में वैमनस्य चलता रहा। कहा गया है कि राजा परीक्षित की सर्प दंश के कारण अकाल मृत्यु हुई अर्थात् किसी नागवंशी व्यक्ति ने राजा परीक्षित का वध कर दिया था। उसके बदले में उनके पुत्र जनमेजय ने नागों से बदला लेने के लिए नाग यज्ञ करके नागों का विनाश किया संभवतया यज्ञ में नागो को आमंत्रित करके उन्हें विषैला दूध या खाद्य सामग्री खिलाकर उनका विनाश कर दिया था। इस प्रकार महाभारत काल में नागवंश का महत्वपूर्ण स्थान था। यह अनार्य जाति के वंशज थे और भारत में सर्वत्र इनका प्रभाव था। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने भी नागपुर को नाग जाति के नाम से ही संबंधित बताया है।

डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट ने वेद कालीन नाग जातियों, राजाओं तथा संस्कृति पर जो खोजपूर्ण ग्रंथ लिखा था उस पर उन्हें " वर्ल्ड यूनीवर्सिटी ऐराजोना बेंसन अमेरिका" से डी.लिट् की उपाधि मिल चुकी है। ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त ग्रंथ को लिखते समय ही इन्हें नाग जाति के समानार्थी अनेक शब्दों से पाला पड़ा होगा। इसलिए इनको नाग संस्कृति कोश रचने की आवश्यकता प्रतीत हुई। उसी का यह परिणाम है।

कई वर्षों के अथक परिश्रम से डॉ. अवन्तिकाप्रसाद मरमट ने नाग संस्कृति कोश की रचना की है। इसमें नाग और सर्प के समानार्थी तीन हजार शब्दों का संग्रह किया गया है। इसमें लगभग आधे शब्द पौराणिक धार्मिक ग्रंथों से और आधे सर्प शास्त्रियों, सर्प मंत्र वेत्ताओं से इन्होंने प्राप्त किये हैं। यह एक अकेला ग्रंथ है जो तीन हजार समानार्थ शब्दों का संग्रह है। शोधार्थियों के लिए यह ग्रंथ बड़ा उपयोगी सिद्ध होगा।

राजभवन
इटानगर,
दिसम्बर 25, 1996

माता प्रसाद

प्रारंभिकी

नाग-संस्कृति कोश को अन्तिम रूप देने और इस कार्य के प्रारंभ के बीच लगभग 23 वर्षों का समय लगा है। अनेक प्रकार के 'कोश' है परन्तु नाग संस्कृति कोश के रूप में मेरे मत में पहला बड़ा प्रयास है। इतिहासकारों के अनुसार भारत भूमि में नाग राजाओं का शासन था, परन्तु उन नाग राजाओं के उत्तराधिकारी कौन लोग है? इस जिज्ञासा ने ही मुझे नागों किंवा सर्पों पर खोज के लिए आकर्षित किया। मैं सन् 1973 में सांवेर जिला इन्दौर में शासकीय सेवा में था। उस समय मेरी मुलाकात **दिलीप** नामक सर्प पकड़ने वाले व्यक्ति से हुई। मेरी इच्छा पर इस व्यक्ति ने तीन घंटे के भीतर जो अद्‌भूत एवं चिरस्मरणीय जानकारी दी उसे मैं कभी नहीं भूला सकता। उसके द्वारा बनाये गये विभिन्न सर्पों के चित्र आज भी मेरे पास धरोहर के रूप में मौजूद हैं। मेरी खुश किस्मती थी कि वह व्यक्ति एक दलित समाज का था, परन्तु सपेरा जाति का नहीं था। ऐतिहासिक नागों तथा जातिगत गोत्रों पर आधारित सर्पों की जानकारी इसी व्यक्ति ने मुझे सर्वप्रथम दी, जिसके कारण मेरी जिज्ञासा बढ़ती चली गई। फिर क्या था, मैं इन्दौर के **श्री जहूरभाई** (बिजली वाले) जो सर्प-मंत्र वेत्ता भी है उनसे मेरी मुलाकात सांवेर में वर्ष 1975 में हुई तब से निरन्तर मैं उनसे सम्पर्क में रहा हूं और मैं उनके वर्षों के अनुभव का लाभ लेता रहा हूँ। कोटा निवासी **श्री किशोर** 'सपेरा' से मेरी मुलाकात 20 वर्ष पूर्व हुई थी, जातिगत नामों तथा मानव गोत्रों के संदर्भ में सर्पों की उपस्थिति का ज्ञान इन्हीं के माध्यम से मेरे अनुसंधान कार्य में प्रवेशित हुआ। बाद में मनावर जिला धार में वर्ष 1978 में **कन्हैयानाथ** नामक सपेरे से मेरी मुलाकात हुई। इसका डेरा मेरे आवासगृह के पास था। सर्वप्रथम

" शूद्र" नाम का सर्प आज भी मिलता है इसकी जानकारी इसी सपेरे से मुझे मिली थी। फिर क्या था, निरन्तर पूछ-ताछ जारी रही और जब मुझे दास, दस्यु, असुर और राक्षस नामक सर्पों की जानकारी इस सपेरे से मिली तो मै प्रसन्नता से गद्-गद् हो गया। क्योंकि ऋग्वेद में 'वृत्र' विरोधी राजाओं और जातियों तथा सेनापतियों के नाम आये हैं उनका सर्प प्राणी जाति के नामों से मिलान जहाँ एक और आनन्दप्रद था, वहीं सर्प संस्कृति तथा ऋग्वेदकालीन इतिहास के व्यापक सोच के लिए मुझे प्रोत्साहित कर रहा था। तत्पश्चात् उज्जैन के **श्री तुकोजीराव इंगले** से मेरा सम्पर्क हुआ इन्होंने 1980 से निरंतर मुझे सर्पों की व्यापक एवं विस्तृत जानकारी देकर एक प्रकार से मेरे हौंसले और अनुसंधान को आगे बढ़ाने में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्होंने अनेकों बार सहज भाव से और आत्मियता का आभास दिलाकर मेरे सोच को नई दिशा दी। **श्री मल्हारराव इंगले** भी मेरे इस कार्य में सहयोगी रहें।

महाभारतकालीन सर्पों तथा राजाओं, राजवंशियों एवं बारह ज्योतिर्लिंग तथा चौरासी महादेवों के मन्दिरों तक का संबंध जीवित सर्पों से हैं, यह जानकारी कौतुहलपूर्ण तो थी ही, साथ ही नाग संस्कृति के नये आयामों को उद्‌घाटित करने में मददगार थी।

नागोबा उर्फ श्री विजय एस. निकम से मेरा परिचय १० वर्ष पुराना हैं, वे सनावद में स्थित नाग मन्दिर के निर्माता हैं तथा निमाड़ क्षेत्र के प्रसिद्ध सर्प मंत्र विशेषज्ञ एवं विद्वान व्यक्ति हैं। सर्प संस्कृति और सर्पों के बारे में सामाजिक मान्यताऐं एवं रश्म-रिवाजों तथा रिश्ते नातों में नाग संस्कृति की विद्यमानता की संतोषजनक जानकारी इन्हीं के द्वारा मुझे प्राप्त हुई। इस कोश में नवोदित सर्प विज्ञानी **श्री मुकेश इंगले** (उज्जैन) के अध्ययन तथा अनुसंधान से भी हमने सहायता ली है।

श्री भेरुलाल व्यास वैद्य विशारद राजगढ़ (ब्यावरा) के इन्दौर स्थित रिश्तेदार के सौजन्य से प्राप्त **तिर्याक मस्सूम** (सर्प चिकित्सा) पुस्तक से भी सर्पों की जानकारी इस शब्द कोश में शामिल की गई है।

यहाँ उल्लेखनीय है कि उपरोक्त सर्प-मंत्र -वेत्ताओं के अलावा अनेक नगरों, ग्रामों में अनुसंधान के उद्देश्य से पचासों सपेरों से जीवन्त सम्पर्क स्थापित किया गया है, परंतु शिक्षा के अभाव के कारण अधिकांश सपेरा जाति के लोग मेरे अनुसंधान अनुरूप ठीक से जानकारी देने में असमर्थ रहे हैं।

भारत में सिन्धु घाटी की सभ्यता के पूर्व से लेकर आज तक " नाग संस्कृति" मौजूद हैं। लोक संस्कृति के विभिन्न रूपों में इसके दर्शन किये जा सकते हैं आज भी भारत में "नागपंचमी" के दिन साक्षात **नाग** की पूजा की जाती है। सिकन्दर महान के समय काश्मीर में ही ६०० नाग मन्दिर थे, इस बात के प्रमाण मिलते हैं। लुशियन के अनुसार सिकन्दर को सांपों की सन्तान माना गया है।

मेरी खोज तथा व्युत्पत्ति अर्थ के अनुसार द्रविड़ संस्कृति, नाग संस्कृति का ही पर्याय नाम है। "शूद्र" शब्द की व्युत्पत्ति के अर्थों में भी "नाग" का सन्दर्भ मिलता हैं। भारत के ऐतिहासिक युग में ऐसे कई काल मौजूद हैं जिनमें नाग शासकों के बारे में क्रमबद्ध ब्यौरा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

साहित्य में नागों के दो प्रकार के रूपों का वर्णन मिलता है। एक मंगलमय स्वरूप और दूसरा हानि पहुँचाने वाला स्वरूप। **काल के अन्तराल के कारण बुरे अर्थों ने नागों के अच्छे सन्दर्भों को भी भूला दिया हैं।** कहीं-कहीं तो साहित्य में नाग और मनुष्य दोनों की **साम्य को इस प्रकार प्रतिपादित किया गया है कि यह ढूंढना कठिन हो गया है कि आया सन्दर्भ "नाग" सर्प प्राणी का है या नाग "मानव" का है।**

मेरी पुस्तक "वेदकालीन नागजातियों, राजाओं तथा संस्कृति की खोज" के अनुसार भारत में नाग राजाओं का राज ऋग्वेदिक काल के समय मौजूद था। वेद में "नाग" शब्द कहीं नहीं मिलता, परन्तु वहाँ "सर्प" शब्द तथा "अहि" नामक शब्द का व्यापक प्रचलन देखा जा सकता है। अथर्ववेद में तो न केवल सर्पों का जिक्र

है अपितु उनके उपचार के मंत्रों का भी व्यापक उल्लेख मिलता है। यह तथ्य इस बात को उद्घाटित करता है कि वेदिककालीन भारत में सर्पों (प्राणियों) की बहुलता थी।

नाग और नाग संस्कृति की विशद् चर्चा करने के पूर्व नाग, लोक मान्यताओं में क्या है? इस पर विचार किया जाना प्रांसगिक ही होगा।

नाग एक रहस्यमय प्राणी है।यह दिव्य शक्ति का रूप माना गया है। सुश्रुत संहिता में **वैद्यराज धन्वतरी** ने कहा है "वासुकी जिनमें श्रेष्ठ है, ऐसे तक्षकादि सांप असंख्य है। ये पृथ्वी को धारण करने वाले, नागेन्द्र, होमाग्नि के समान तेजस्वी है और निरंतर गरजते हैं, बरसते हैं, तपते हैं, समुद्र, पर्वत, द्वीप समेत पृथ्वी जिनसे धारण की हुई है जो क्रुध होकर निःस्वास दृष्टि मात्र से सम्पूर्ण जगत को नष्ट कर सकते हैं उनके लिए नमस्कार"। भारतीय साहित्य में नाग को मनुष्य के रूप में, रूप परिवर्तन होने के उदाहरण प्रायः मिलते हैं। **जिस प्रकार मानव का संसार समस्त देशों में फैला हुआ है उसी प्रकार सर्पों किंवा नागों का भी अपना संसार है।** नदी स्रोतों, झीलों और जल सरोवरों के आस-पास नाग रहते हैं। नाग, भूमि-पुत्र हैं। मानव जाति का भूमि से निकट का संबंध है। कृषि से जुड़ा मानव आदि काल से प्रतीकवाद (टोटम) के रूप में सर्प से जुड़ा हुआ है। आज भी भारत के ग्रामीण अंचल के सांस्कृतिक परिवेश में सर्पों का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। **आज के संदर्भ में लगभग 30 करोड़ लोगों का भोजन सर्पों के कारण सुरक्षित रहता है, क्योंकि सर्पों का अधिकांश भोजन कृषि नाशक चूहें है।** रात के समय सर्प ही कृषक के खेत की रक्षा करते हैं- उसके नुकसान को बचाते हैं। इस कारण नाग को **कृषक -मित्र** कहां जावे तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

"नाग" प्राणी की विशेषता यह है कि जैसे मनुष्य घूमता रहता है वैसे बह भी विचरण करता रहता है। **नाग अनावश्यक कभी भी दंश नहीं करता क्योंकि वह भी मनुष्य से डरता है।** अध्यात्म रूप में नाग स्वास्थ्य एवं भाग्य का प्रतीक माना गया है।

यह युद्ध का देवता भी है। नाग, वर्षा के देवता के रूप में भी विख्यात है।

भारतीय लोक परम्पराऐं और मान्यताऐं यह बताती है कि सर्प मंत्रों से "नाग" बंधा हुआ है। **सर्प मंत्र विशेषज्ञ नागोबा के अनुसार काला नाग मंत्र शक्ति का पालन करता है इसलिए अधिकतर काले नागों की पूजा होती है।**

नाग दंश होने पर और दंशित व्यक्ति के शरीर में आकर नाग जब बखान करता है, जब यह आभास होता है कि मानव और नाग का एक अलौकिक रहस्यमय संबंध है। **सर्प संस्कृति मानव के मानसिक विकास का वह स्वरूप है जो धीरे-धीरे एक विशिष्ट संस्कृति के रूप में समाज में संस्कार के रूप में व्याप्त हो गई है।** सर्पों की बहुतायता आज भी है तथा सर्प दंश के कारण हजारों लोग समय पर इलाज न होने के कारण काल के गाल में समा जाते हैं। वैसे भी सर्प दंश उपचार के लिए नाग उप देवता के रूप में तेजाजी, गोगाजी तथा ताखाजी की तांती बांधी जाती है और सर्प दंशित व्यक्ति को इससे राहत भी मिलती है ऐसी आम धारणा है। इस संदर्भ में सर्प वैज्ञानिकों की धारणा अलग प्रकार की है।

नाग संस्कृति न केवल भारत में मिलती है, बल्कि इसकी व्यापकता विश्व के अनेक देशों में फैली हुई है। जैसे- मिश्र, यूनान, जापान, चीन, रोम, कोरिया, लंका, नेपाल, अमेरिका, मैक्सिको, आस्ट्रेलिया, कम्बोडिया, आयरलैंड आदि।

बौद्ध धर्म के संस्थापक **बुद्ध** का भी नाग से संबंध मिलता है। ऐसे उल्लेख मिलते हैं कि नाग जाति के लोगों ने सर्वप्रथम बौद्ध धर्म अंगीकार किया था। "मुचलिन्द" नाग की, समाधि के समय बुद्ध के रक्षक कवच के रूप में उपस्थिति, नाग देविक शक्ति का सशक्त उदाहरण है। इसी प्रकार जैनियों के **तीर्थकंर पार्श्वनाथ** से भी "नाग" संस्कृति जुड़ी है। उल्लेखनीय है कि काश्मीर में **अमरनाथ की यात्रा में जो छड़ी चलती है, वह सर्प पूजा का ही प्रकार है।**

देवकी पुत्र "कृष्ण" को भी वासुदेव द्वारा यमुना नदी पार करते समय नाग की छत्र छाया का उल्लेख मिलना, नाग की एक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को उजागर करता है। कृष्ण के समय बुरे व अच्छे नागों का भेद व्यापक रूप से दिखाई देता है। महाभारत काल में हुए नाग यज्ञ जैसे- खाण्डव- वन दहन तथा नाग यज्ञ के उदाहरण नाग संस्कृति के विरुद्ध संघर्ष का प्रतिबिम्ब हो सकते हैं।

नाग शब्द के पर्यायवाची शब्द में हस्ति (हाथी) प्रमुख रूप से मिलता है। लोक देवता **गणेश** के साथ हाथी की सूंड का लगना तथा कमर में नाग जनेऊ चिन्ह गणेश या गणपति को नाग जाति का देवता निरुपित करने का अच्छा उदाहरण हो सकता है। वैसे इतिहास में "गणपति" नाग राजा के सिक्के भी प्रचुर मात्रा में मिले हैं। नागों की प्रसिद्ध राजधानियों में यथा पद्मावती (पवाया), मथुरा, अहिछत्रा, विदिशा, कान्तिपुरी प्रमुख रही है।

आर्य और नागों की दुश्मनी सांस्कृतिक विभेद का कारण हो सकती है। नागों के प्राकृतिक दुश्मन "गरुड़" को आर्यों के देवता विष्णु ने अपना वाहन बनाया है। इसी प्रकार साहित्य और कला में मोर पंखी "कृष्ण" का जिक्र हुआ है। "मोर" प्राकृतिक रूप से सर्प का दुश्मन है। ऋग्वेद में "अहियो" के विरुद्ध सूक्त मिलते हैं। "अहि" नाग किंवा सर्प हैं। असुरों के विरुद्ध भी अनेक सूक्त मिले हैं। देवासुर संग्राम में दो प्रजातियों का विभेद स्पष्ट होता है। एक तरफ आर्य राजाओं को रूपरंग, आकृति, आकर्षक लुभावनी वेशभूषा में प्रस्तुत किया गया है वहीं दूसरी और देत्यों, असुरों आदि का चित्रण भयानक, दुष्ट प्रकृति, भीमकाय शरीर, अति घमंडी मनोवृत्ति के रूप में निरुपित किया गया है।

महाभारत पूर्णतया दो संस्कृतियों के विभेद को स्पष्ट करती हैं। एक का प्रतिनिधित्व पाण्डव करते हैं वहीं दूसरी का कौरव। नाग यज्ञ नागों को आमंत्रण कर जलाने का यज्ञ था जैसा कि कथानक व महाभारत के संदर्भों से स्पष्ट होता है, स्थिति जो भी रही

हो, नाग माता पुत्र आस्तिक मुनि ने इस युद्ध को रोका था और नागों के वंश को समूल नष्ट होने से बचाया था।

विनिता तथा कद्रु की कहानी, गरुड़ो और नागों की दुश्मनी को उजागर करती है। किस प्रकार सफेद घोडे की पूंछ काली हुई। विनिता हारी, दासी बनी। उसके गर्भ में गरुड हुए और उन्होंने नागों का संहार किया।

विष्णु के दस अवतारो की कल्पना हिन्दू धर्म की विशेष देन है। इसमें बुद्ध को भी शामिल किया गया है। आर्य, अनार्य, दास, दस्यु, राक्षस, देव, असुर सबको मिलाकर एक चार्तुवर्ण व्यवस्था को स्थाई रूप दिया गया, प्रतीत होता है। इस व्यवस्था में बहुसंख्यक आदिवासी, दलित एवं पिछडों को अद्विज रखा गया और आर्य तथा समर्थकों को द्विज। इस सांस्कृतिक सामंजस्य में सभी जातियों को नाग उत्पत्ति से जोड़ा गया होगा। इसलिए **सुश्रुत संहिता** (हिन्दी) के अध्याय चार में पंडित श्री लालचन्द वैद्य का विशेष मंतव्य काबिले गौर है। उन्होंने लिखा है कि "**भूतकाल में अन्य शास्त्रों, दर्शनों या वादों के समान सर्पशास्त्र भी रहा होगा** जिसमें यह प्रतिपादित या सिद्ध किया होगा कि **सर्प ही सब कुछ है यथा- ईश्वरवाद में ईश्वर, शक्तिवाद में शक्ति, सौर सम्प्रदाय में सूर्य, गणपति सम्प्रदाय में गणेश ही सब कुछ माना जाता है तात्पर्य यह है कि सर्पवादियों का ईश्वर सर्प ही हैं**"। मेरे मत में पंडित लालचन्द वैद्य का मत नाग संस्कृति की व्यापकता और लौकिकता को उजागर करता है।

आज सम्पूर्ण भारत में नाग पूजा का विधान है। आदिवासी जातियों में नाग आस्थायें, दलितों में नाग गोत्रों की व्यापकता और पिछड़ी जातियों का जातिय -नामों का नाग नामों से मिलान क्या यह नहीं दर्शाता कि ये भारत की मूल जातियों मूलतः प्राचीन नाग राजकुलवंश हैं।

शिव का नागो से संबंध अतिप्राचीन है। ये आदिदेव कहे गये हैं। शिव का आभूषण "नाग "है। इन्हें नागाधिपति भी कहा है। ये नागेश्वर भी है। **बारह ज्योतिर्लिंग स्थल नाग-पूजा के प्राचीन केन्द्र हैं**।लिंग मंदिर

नाग पूजा के प्रतिरुप हैं।वृक्ष-पूजा में नाग-पूजा का विधान ही प्रमुख हैं। पर्वत पूजा में भी नाग पूजा निहित है। नाग का पर्याय "पर्वत "माना गया है। शिव गणों का संबंध नागवंशजों से है। शिव के गण भैरव (भेरु) की पूजा सर्वत्र दिखाई देती है। महाभारत में भैरव नामक सर्प का जिक्र है। हनुमान को भी शिव का अवतार माना जाता है। नीलमत पुराण के अनुसार हनुमान सर्प (प्राणी) जाति में भी हैं। मानव रूप में राम भक्त भी।

हिन्दूओं की वर्ण व्यवस्था नागों पर आधारित कब हुई? आरंभ कब हुआ ? आर्यों का नाग संस्कृति में आत्मसात कब हुआ? यह शोध का विषय है। **नीलमत पुराण में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र सभी को नाग - सूची में माना है।** संभवतया चार्तुवर्ण व्यवस्था के विकासक्रम में आर्य और अनार्य संस्कृति का सम्मिलन किया गया होगा। **सुश्रुत संहिता** अध्याय चार में नागों को वर्ण व्यवस्था के अनुसार मोटे तोर पर विभाजित किया हैं जो इस प्रकार है- जो साँप मोती, चांदी की प्रभा के या जो कपिल वर्ण होते हैं, सुगंधित होते हैं, वे सांप ब्राह्मण जाति के हैं। जो सांप स्निग्ध वर्ण, अतिशय क्रोधी, सूर्य चंद्र की आकृति के या छत्र की चिन्ह वाले अथवा कमल चिन्ह वाले, वे क्षत्रियं जाति के हैं। काले, व्रज के समान लाल वर्ण के, धूम्र वर्ण या पारावत (घरेलू कबूतर) जैसे होते हैं, वे साँप वैश्य जाति के हैं। भैंस, चीता के वर्ण के कठोर त्वचा के, नाना प्रकार के चितकबरे रंगों के जो होते हैं, वे सांप शूद्र जाति के हैं। निष्कर्ष के तौर पर नागों में भी वर्ण व्यवस्था स्थापित की गई है जो परवृत्ति प्रतीत होती है। **नागों किंवा सर्पों में चार रंगों के अलावा अनेक रंग होते हैं, इसी प्रकार वर्ण व्यवस्था के एक वर्ण में भी अनेक रंग के मानव होते हैं।**

आज भ्रष्टाचार, अनाचार, दुराचार, असत्यकर्मी मानवों को पत्र-पत्रिकाओं में नागरूपी चित्रित किया जाता है जो नाग विरोधी प्रवृत्ति का परिचायक हैं। नागों के सौम्य रूप को कम और सौम्य विरोधी रूप को अधिक दर्शाया जाकर नाग संस्कृति के साथ खिलवाड़ की जाती है। ऐसे समय जबकि समस्त हिन्दू समाज को नाग संस्कृति की

परिधि में भी शामिल किया गया है फिर "नाग" किंवा सर्प जातियों को द्विज या अद्विज रुपी भेद में बांटकर क्या लाभ होना है? मानवीय समानता के इस युग में कुछ लोग "द्विज" उपाधि से उच्च बने हुए हैं और यज्ञोपवित संस्कार करते हैं। "शूद्र" सर्प अण्डे देता है और बाद में सर्प रूप में आता है जैसे ब्राह्मण आदि सर्प। ऐसी स्थिति में शूद्रों को अद्विज क्यों माना गया तथा मानव रूप में शूद्र को यज्ञोपवित संस्कारों से वंचित रखना कहां तक न्यायोचित हैं?

देश की अखण्डता और एकता के लिए आर्य और नाग प्रजातियों को एक होना चाहिए। इस प्रकार का सांस्कृतिक एकात्मय ही देश को स्थायी अखण्डता दे सकता है।

भारत में नाग संस्कृति के चिन्ह मानव समाज में पूरी तरह व्याप्त हैं, परंतु देश का एक बड़ा तबका अज्ञानता के अंधकार में डूबा होने के कारण तथा सदियों से अशिक्षित होने के कारण अपनी नाग संस्कृति को पहचानने में सक्षम नहीं हो पाया है।

इस शब्द कोश के द्वारा बहुत सी मानवीय धारणाओं के संदर्भ में छुपी हुई संस्कृति को उजागर करने का प्रयास किया गया है। **भारत की जातियों के नामकरण का, सर्प नामों से साम्य वस्तुतः खोज का विषय है**। नागों की संस्कृति त्यौहारों में, लिंग पूजा में, पहनाओं में, क्षेत्र नामों में, पहाड़ी तथा नगरों के नामकरण में, गोत्रों के नामों में, लोक देवताओं की मान्यताओं में मौजूद दिखाई देती है। यही नहीं वार (दिन) नाम, माह नामों में भी नाग टोटमवाद (प्रतीकवाद) की उपस्थिति पाई गई है। **नाग प्रतीकवाद को भारत में पुनः पृकटीकरण कर देश के बहुजनों तक पहुँचाना भी इस कोश का ध्येय है।**

भारत में प्रतिवर्ष सर्प पकडने वालों तथा अन्य उद्यमियों द्वारा सर्पों का निर्मम हत्यायें की जाती है और उनकी खालों को विदेशों में बेचा जाता है। नाग हत्या को रोकने के लिए यह शब्द कोश एक पृष्ठभूमि भी निर्धारित करेगा।

इस कोश में तीन हजार सर्पों के नाम संग्रहित है। कोश में नाग किंवा सर्प नामों को देवनागरीलिपि में अकरादि क्रम में रखा गया है। यह अनूठा प्रयास हैं। विद्वानों के संशोधन या परिवर्धन हेतु सुझावों का स्वागत रहेगा। इस अनुसंधान को प्रारंभिक आधार मानकर यदि आगे इस क्षेत्र में संबंधित विद्वान अपनी सोच के माध्यम से आगे गति प्रदान करेंगे तो यह एक सार्थक प्रयास होगा।

इस शब्द-कोश में जिन सर्प वैज्ञानिकों की पुस्तकों का उपयोग किया गया है उनकी संक्षेपिका तथा सर्प चित्र-सूची कोश के आरम्भ में दी गई है उनके प्रति मैं कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। शेष डेढ़ हजार सर्पों की जानकारी जिन महत्वपूर्ण व्यक्तियों से मिली है जिनका जिक्र मैंने प्रारंभिकी में पहले ही किया है, उनके अद्वितीय सहयोग के प्रति मेरा स्नेह भरा आभार।

नाग संस्कृति कोश के प्रति पूरोवाक् के रूप में **पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह "शशि" (दिल्ली)** का हृदय से आभारी हूं, जिन्होंने अस्वस्थ्य होने के उपरांत भी मुझे मार्गदर्शन प्रदान किया है। मैं अरुणाचल प्रदेश के महामहिम **राज्यपाल श्री माता प्रसादजी** का भी आभारी हूँ, जिन्होंने अपने अमूल्य समय में से कुछ क्षण निकालकर अपना "एक दृष्टिकोण" कोश हेतु लिख भेजा है।

संस्कृति कोश को मूर्त रूप देने में जिन अपनों ने महत्वपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया है उनमें सर्वश्री डॉ. श्यामसुन्दर निगम निदेशक श्री कावेरी शोध संस्थान एवं डॉ. जगदीश शर्मा (उज्जैन) के नाम विशेष उल्लेखनीय है। लेखन तथा मुद्रण कार्य के प्रुफ कार्य में भी सुरेन्द्र धावन तथा डॉ. हरिमोहन बरुआ का सहयोग प्रशंसनीय रहा है।

मुद्रण कार्य में ऋषि आफसेट के स्वामी एवं कर्मचारियों ने जिस तत्परता से पुस्तक को मूर्तरूप दिया है, वे भी धन्यवाद के पात्र हैं।

दिनांक 11 जनवरी, 97 **डॉ.अवन्तिकाप्रसाद मरमट**



नागमाता मनसा (मेणसल)

संपेक्षिका

सां.सं.- सांपों का संसार
लेखक- रामेश बेदी, वर्ष 1984, किताब महल, गांधी बाजार, दिल्ली- 110031

नी.पु.- नीलमत पुराण (वाल्यूम-दो)
डॉ. वेदकुमारी- 1973

महा.- हिन्दी महाभारत अनुक्रमणिका
सम्पादक- लल्लीप्रसाद पाण्डेय, 1936, इण्डियन प्रेस लि., प्रयाग

नालन्दा- नालन्दा विशाल शब्द सागर
श्री नवलजी सं. 2007

सु.सं.- सुश्रुत संहिता (हिन्दी)
अनुवादक- अत्रिदेव, वर्ष 1975, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

ना.प.- भारत में नाग पूजा और परम्परा
लेखक- हरिराम जसटा, वर्ष 1982, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली- 110007

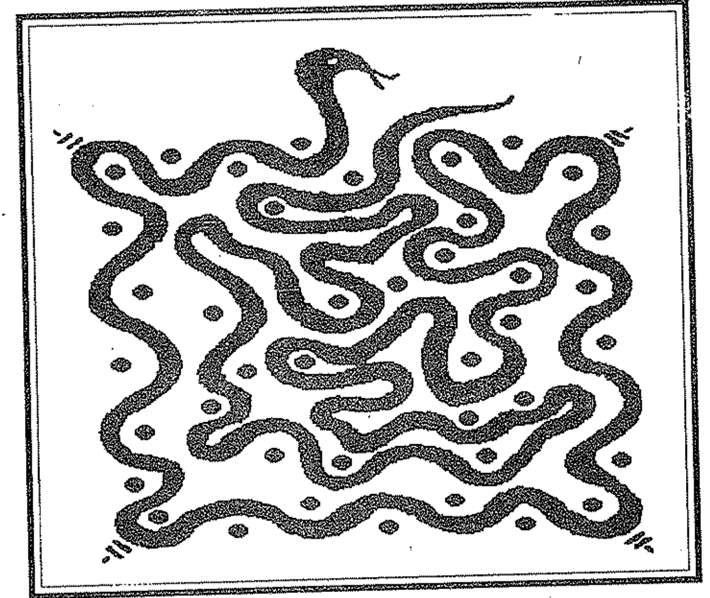
ति.म.- तिर्याक मस्सूम (सर्प चिकित्सा)
हिन्दी अनुवाद द्वारा जगन्नाथप्रसाद शर्मा, जसपुर जिला नैनीताल, वर्ष 1941

सर्प.दं.- सर्प-दंश विष-बाधा-उपचार
लेखक- भास्कर श्रीकृष्ण जोशी, परधाम प्रकाशन, पवनार

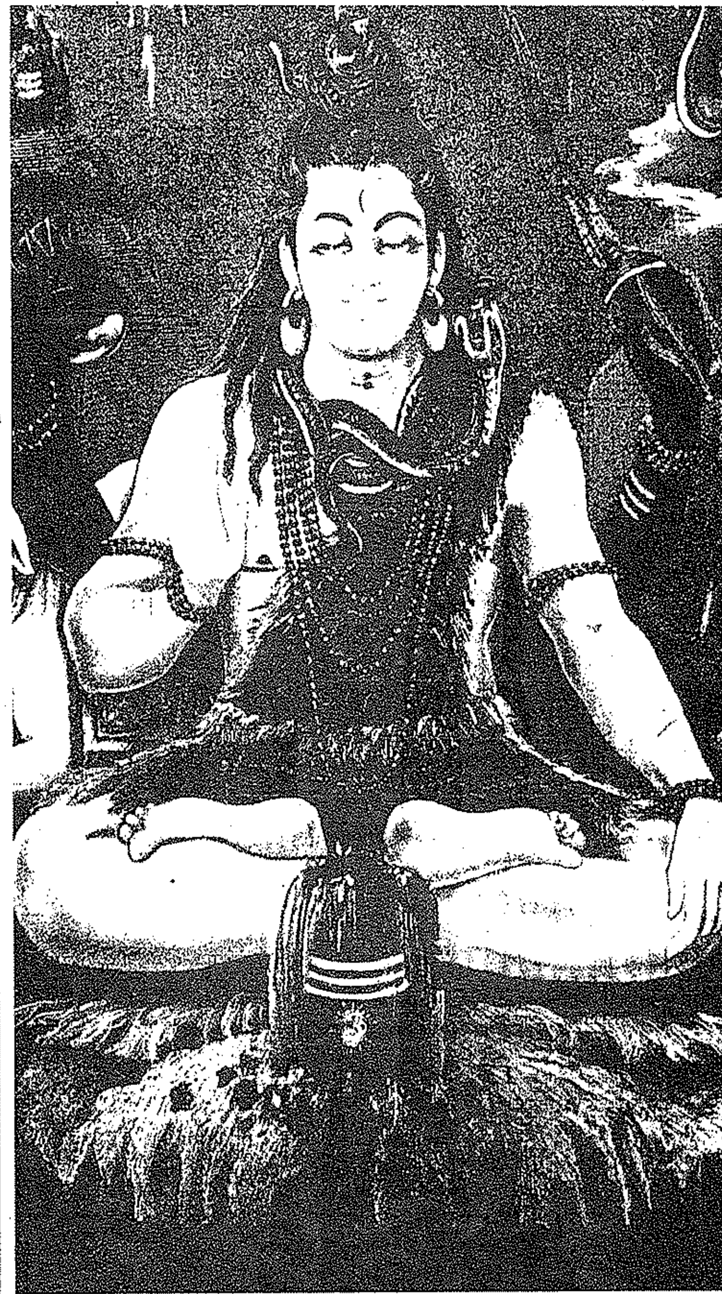
मानक- मानक हिन्दी कोश
सम्पादक- रामचंद्र वर्म्मा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

सं.हि.को.-	संस्कृत हिन्दी कोश वामन शिवराम आप्टे, वर्ष 1984 मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली- 7
वृ.प.-	वृहद पर्यायवाची कोश भोलाराम तिवारी- 1962
वेद.नाग.-	वेदकालीन नागजातियों, राजाओं तथा संस्कृति की खोज लेखक- अवन्तिकाप्रसाद मरमट, वर्ष 1988, नाग स्मृति प्रकाशन उज्जैन- 456 001
मीणा-	मीणा नागवंश क्यों और कैसे लेखक- अवन्तिकाप्रसाद मरमट, वर्ष 1988, नाग स्मृति प्रकाशन उज्जैन- 456 001
ना.शो.-	नागवंशीय शोध आलेख लेखक- अवन्तिकाप्रसाद मरमट वर्ष 1991, नाग स्मृति प्रकाशन उज्जैन- 456 001
स्नेक.इ.पा.	स्नेकस् आफ इंडिया एण्ड पाकिस्तान लेखक- के.जी. घारपुरे वर्ष 1962 पापुलर प्रकाशन, बम्बई
का.इ.स्ने.-	कामन इण्डियन स्नेकस् लेखक- रोमुलस व्हीटेकर, वर्ष 1978 द मेकमिलन कं. आफ इंडियन, लि. नई दिल्ली
स्ने. बुक.-	द स्नेकस् बुक आफ इंडिया लेखक- टी.एस.एन. मूर्ति वर्ष 1986 इन्टर नेशनल बिल डिसटीब्यूटर, देहरादून
स्नेक. इं.-	स्नेकस् बुक आफ इंडिया लेखक- पी.जे. देवरस, वर्ष 1978, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली
तुकोजी-	तुकोजीराव इंगले, सर्प विशेषज्ञ 8/1, खत्रीवाडा, उज्जैन

नागोबा-	नागोबा उर्फ विजय एस. निकम, सर्प विशेषज्ञ एवं सर्प मंत्र वेत्ता सनावद।
जहूर-	जहूर भाई (बिजली वाले) सर्प विशेषज्ञ एवं सर्प मंत्र वेत्ता, इन्दौर।
मुकेश-	मुकेश इंगले, सर्प विज्ञानी उज्जैन।
दिलीप-	दिलीप, सांपवाला, सांवेर (इन्दौर)
किशोर-	किशोर, सपेरा, कोटा
कन्हैया-	कन्हैयानाथ पिता चन्द्रानाथ, सपेरा, उटावद (धार)
मल्हार-	मल्हारराव, सर्प मंत्रवेत्ता, उज्जैन।
उम-	उमराव पिता मेघनाथ, सपेरा, उज्जैन
भंवर-	भँवरनाथ पिता अमरनाथ सपेरा, लक्ष्मणखेड़ी सांवेर (इन्दौर)



सर्प चित्र सूची



अ

अंगद- १.महान नाग का नाम २. महाभारत के एक यौद्धा का नाम ३. राम की सेना का एक बंदर जो बलि का पुत्र था। ४. बाह पर पहनने का गहना। (मानक; नी.पु.)

अंगरखी- १. सर्प नाम २. एक पहने जाने वाले वस्त्र का नाम। (तुकोजी; जहूर)

अंगुलराजि- वह सर्प जिसके अंगुली की मोटाई के बराबर चोडी रेखाए हो। (सां.सं.;सु.सं.)

अंग्य- अंग पर लिपट जाने वाला सर्प (जहूर;सां.सं.)

अंजन-१. सर्प नाम, लाल रंग, चितकबरा, जहरीला २. रात ३. पश्चिम् दिशा के एक दिग्गज का नाम ४.नीलगिरी पर्वत का नाम। (नागोबा; मानक)

अंडुवा-सर्प नाम, शिर और पूंछ के समीप दोनों ओर मछली की भांति पंख होते हैं, पटरी के नीचे या धोबी घाट के पास मिलता है, बहुत जहरीला होता है। (ति.म.)

अंस्य- बाहु पर लिपटने वाला सर्प। (नागोबा;सां.सं.)

अकद्र- एक महान नाग का नाम। (नी.पु.)

अकरण्यिआ- १. सर्प नाम, गोली बनाकर रहता है स्थान गोल बनाता हैं २. मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर;तुकोजी)

अकर्कर-सर्प नाम, जो कर-कर नहीं करता। (महा.)

अक्रुरेश्वर-सर्प नाम, पूजा योग्य सर्प इसे नुगरा सर्प भी बोलते है म.प्र.में झाबुआ इलाके में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

अकोदिया- १. सर्प नाम, फणवाला, जहरीला २. कई जातियो में पाये जाना वाला एक गौत्र (तुकोजी; दिलीप; किशोर;कन्हैया)

अक्षिपाल- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

अक्षोरधाम- १.नाग नाम २.अखरोट। (नी.पु.)

अक्षोट- १. नाग नाम २. अखरोट (नी.पु.)

अखण्ड- १. सर्प नाम जिसके फण के ऊपर का निशान पुरा होता है २. जिसके खंड या टुकडे न हुए हो। फलतः समूचा ३.जिसका खंडन न हो सके। (मानक; सां.सं.)

अगन झाड़-सर्प नाम, इस सर्प के मुंह से रात को आग और दिन को धुआं निकलता है, यह रंग बदलता है, रेत के स्थान पर पाया जाता है, भिड़ और हिसार में मिलता है। (ति.म.)

अगस्त- १.सर्प नाम २.ईसवी सन् का आठँवा महिना ३. एक प्रसिद्ध बड़ा वृक्ष (तुकोजी; नागोबा; मानक)

अगहण- १.सर्प नाम, पीला-कबरा रंग २. कार्तिक और पूस के बीच का महिना (जहूर; तुकोजी; मानक)

अग्नि- १. सर्प नाम, लालधारिया बनी, काले छीटे २.क्षत्रियों का एक प्रसिद्ध वंश ३. चीता नामक वृक्ष। (जहूर; तुकोजी; नागोबा; मानक)

अग्निक- १. सर्प नाम, जिसके काटने से पैत्रिक लक्षण प्रकट होते है २. एक प्रकार का पौधा (सु.सं; मानक)

अग्निवंशी- १.सर्प नाम फन पर अग्नि जैसा चिन्ह। २.क्षत्रियों का एक प्रसिद्ध कुल /वंश। (तुकोजी; जहूर)

अग्निहोत्री- १. सर्प नाम, फन वाला २. मानव जाति का गौत्र ३. अग्निहोत्र करने वाला। (तुकोजी; नालन्दा)

अग्रवाल- १.सर्प नाम, फण वाला, मालवा में पाया जाता है २. मानव जाति का गौत्र / जाति ३. वैश्यों का एक प्रसिद्ध वर्ग। (तुकोजी; जहूर; मानक)

अग्रसर- १.महान नाग का नाम २. नेता प्रधान ३. आगे जाने वाला अगुआ। (नी.पु.; मानक)

अग्रसेन- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

अघाश्ध- सर्प नाम, जीव को मारने का कार्य करने वाला सर्प (सां.सं)

अजअर-सर्प नाम, बलवान होता है। (ति.म.)

अजकर्ण- १. सर्प नाम २. साल नामक वृक्ष ३.बकरे का कान। (नी.पु; नालन्दा)

अजगर- १. विशालकाय सर्प, बकरे को निगल जाने वाला २राजा नहुष अगस्त्य ऋषि के शाप से अजगर हो गये ३. मनसा देवी का आसन (महा; मुकेश)

अजगर पथडा- सर्प नाम, खाकतरी रंग इसका सिर लम्बा और सफेद होता है। जहरीला, बंगाल, मोनीपुर और बूंदी में पाया जाता है। (ति.म.)

अजदहा- १.सर्प नाम २.बडा सांप (तुकोजी; जहूर; वेद नाग)

अजमेरा- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, चित्तोड, अजमेर पुष्कर में मिलता है २.मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर)

अजी- १. सर्प नाम। तीन से साढे तीन फूट लम्बा, राजस्थान में मिलता है २. राजस्थानी बोली का एक संबोधन जो बातचीत के दौरान किया जाता है। (नागोबा)

अजोग- १.चम्बा जनपद कानाग २. बेजोड। (ना.प)

अट- १.सर्प नाम २. शर्त, प्रतिबन्ध। (मानक; नी.पु)

अटोलिया- १. सर्प नाम, आक्रमण वाली प्रकृति का, जहरीला २.मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर)

अटवाई- १. सर्प नाम, धीरे चलने वाला गोदामों में पाया जाता है २. एक देवी का नाम। (तुकोजी; जहूर)

अणिजवाल- १. सर्प नाम, हल्का सफेद, दुधिया रंग, बिना जहरीला, तेज दौडने वाला, लम्बे भी होते है २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

अण्डेखां- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

अतिकोषन- सर्प नाम। (नी.पु)

अतिनिद्रा- सर्प नाम। (नी.पु)

अतिबहुभुग- सर्प नाम। (नी.पु)

अतिषण्ड- सर्प नाम (महा)

अतुलकर- सर्प नाम, शांत प्रवृत्ति। (तुकोजी; नागोबा)

अतुल्यष- सर्पनाम (नी.पु.)

अत्रि- १. सर्प नाम २. ऋषियों में एक ऋषि का नाम ३. सप्त ऋषि मंडल का एक तारा। (नी.पु; मानक)

अदिति- १.मादा सर्प, धारिया आडी, जहरीला, तेज दौड़ने वाला २. ऋग्वेद की एक प्रसिद्ध देवी ३. कश्यप ऋषि की पत्नि जो सूर्य आदि की माता कही गई है। ४.गाय। (जहूर; तुकोजी; मानक)

अदृष्टत्रह- सर्प नाम (सां.सं)

अनंगेश्वर- सर्प नाम, अंग से लिपट जाता है। (तुकोजी)

अनधोड़- सर्प नाम, रंग नीला, विषहीन, नदी किनारे मिलता है। (ति.म.)

अनन्त- १. पूजा योग्य नाग २.एक जिले का नाम अनन्तनाग ३.एक नाग पिता कश्यप और माता दक्ष कन्या कद्रू। इसने समुद्र मंथन के लिये मन्दराचल को उखाडा था ४.असीम/बहुत बडा ५. अविनाशी ६. शेषनाग। (महा; सां.सं.)

अनागपाद- सर्प नाम। (नी.पु.)

अनिक- १.प्रमुख नाग का नाम २.अनेक। (नी.पु; नालन्दा; मानक)

अनिरूद्ध- १.सर्प नाम, जहरीला, तेज भागने वाला २. स्वेच्छाचारी ३.शिव ४. गुप्तचर/जासूस ५.कृष्ण का पौत्र और प्रधुम्न का पुत्र। (नी.पु; मानक)

अनिष्ट- १. एक सर्प नाम २. अशुभ/अहितकर (नी.पु.; नालन्दा)

अनील- सर्प नाम। (महा)

अनूप- १. सर्प नाम, बड़ा २. जिसकी कोई उपमा न हो ३. अति-सुन्दर ४. अद्वितीय-निराला ५. हाथी ६. नर्मदा की घाटी का पुराना नाम। (तुकोजी; मानक)

अन्ध- १. सर्पनाम २. नयन ज्योति से रहित। (महा; मानक)

अन्धक- १. नाग का नाम २. अन्धा आदमी ३. बौद्धकाल की एक प्राचीन भाषा। (नी.पु.मानक)

अन्धा- १.सर्प नाम २.दृष्टिशक्ति से रहित प्राणी। (नी.पु.; मुकेश)

अन्धाहिक- छोटा अन्धा सर्प। (सां.सं)

अन्धेरिया- १.सर्प नाम, बहुत जहरीला, पत्थरों की चट्टानों में मिलता है, तेज दौड़ने वाला, अंधेरी रात में निकलता है २. मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

अपद- १. सर्प नाम २. जिसके पैर न हो ३. रेंगकर चलने वाला सांप। (वृ.प; नालन्दा)

अपय- १.सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सॉप। (नी.पु.;महा.)

अपराजित- १.महान नाग का नाम २. जो पराजित न हो ३. शिव। (नी.पु; सां.सं; नालन्दा)

अपोक- सर्प नाम, घरेलू सांप। (सां.सं)

अपोदक- सर्प नाम, जल के बाहर रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

अप्सरेश्वर- १. सर्प पूजा योग्य, बडा, जहरीला, अतिसुन्दर, पचमढी की तरफ मिलता है २.एक पूजा स्थल का नाम (जहूर; तुकोजी)

अफई- १. सर्प नाग २. दिल्ली के आसपास पाया जाने वाला सर्प। (स्नेक; इं.पा.; ति.म.)

अफवान- सर्प नाम। (ति.म.)

अफोला- सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, जहरीला, फूफकार जहरीली हाथ पैर में सूजन आ जाती है, चितकबरा, निमाड में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

अबतर- सर्प नाम। (ति.म.)

अबयकजान- सर्प नाम। (ति.म.)

अबुआसी- सर्प नाम। (ति.म.)

अबूबख्तरी- सर्प नाम। (ति.म.)

अबूमजऊर- सर्प नाम। (ति.म.)

अबूरबीअ- सर्प नाम। (ति.म.)

अबूरसाव- सर्प नाम। (ति.म.)

अबोर- १.सर्प नाम, बगैर फणवाला, पतला २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

अभयेश्वर- १. नाग, पूजा योग्य, फणवाल, बडा, जहरीला, मालवा, राजस्थान में मिलता है २. निडर ३. बेखोफ। (जहूर; तुकोजी)

अभवेश्वर-१. सर्प नाम, फणवाला, डरावना, जहरीला, म.प्र., राजस्थान में पाया जाता है २.प्रलय। (जहूर; तुकोजी)

अभिमन्यु- १. सर्प नाम २. अर्जुन के वीर पुत्र का नाम। (नी.पु)

अमआफीया- सर्प नाम। (ति.म.)

अमड़ेकर- १. दक्षिणी सर्प, देवता तुल्य, फणवाला, मध्यप्रदेश में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

अमतीक- सर्प नाम। (ति.म.)

अमफतह- सर्प नाम। (ति.म.)

अम महबूब- सर्प नाम। (ति.म.

अमर- १. सर्प नाम २. देवता ३. सोना ४. एक प्रकार का देवदास वृक्ष ५. चिरस्थायी। (नी.पु.; मानक)

अमानस- महान नाग का नाम (नी.पु.)

अमावस्या- १. सर्प नाम २. चांद्र मास के कृष्ण पक्ष का अंतिम दिन (तुकोजी; जहूर)

अमाहठ- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक साँप २.घरेलू सांप (महा; सां.सं.)

अमृशासन- सर्प नाम (नी.पु.)

अमोदक-१. गन्दे स्थान पर रहने वाला सर्प।(सु.सं.)

अम्बरचारि- महान नाग का नाम।(नी.पु.)

अम्बरीष- सर्प नाम ।(महा)

अम्बिका- १. मादा सर्प, आम के पेड़ के सुखे खोखलों में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

अम्बेड़कर- १. सर्प नाम, बगैर फण का, बिना जहरीला, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गौत्र । (तुकोजी)

अयन- सर्प नाम। (ति.म.)

अरंध्रमंडली- सर्प नाम, इसे घोणस भी कहते हैं। (सर्प.दं.)

अरक़त- सर्प नाम। (ति.म.)

अरकुम- सर्प नाम। (ति.म.)

अरजब- सर्प नाम , इस सर्प पर बाल होते हैं। (ति.म.)

अरफश- सर्प नाम। (ति.म.)

अरबद- सर्प नाम, बडा सर्प, दूसरे इसके भोजन होते हैं। (ति.म.)

अरल्या- सर्प नाम। (उमराव-मेघनाथ)

अरविन्द- १. महान नाग का नाम २.कमल ३. तॉबा। (नी.पु; मानक)

अरस- सर्प नाम, कम विषैला। (सां. सं.)

अरावली- १. सर्प नाम, फण वाला, जहरीला २. राजस्थान की एक प्रसिद्ध पहाड़ी। (जहूर; मानक)

अरीढया- एक सर्प, अरीढा वृक्ष में रहता है। (तुकोजी; जहूर)

अरूणा- १. सर्प नाम, लाल रंग, लम्बा, पतला तेज दौड़ने वाला, गन्ने के खेतों में रहता है। २. एक प्राचीन नदी। (जहूर; मानक)

अर्जुन- १.प्रमुख नाग का नाम २.पांच पांडव में से एक यौध्दा जो कृष्ण का सखा था ३.सोना/चांदी ४.सफेद रंग ५.दूब। (नी.पु.)

अर्बुद- १. महान सर्प का नाम २. दस करोड़ की संख्या ३. कद्रु के पुत्र, एक सर्प का नाम ४. एक असुर का नाम ५. राजस्थान का एक पर्वत ६. बादल/मेघ ७. एक नरक का नाम। (महा; मानक)

अलक- १.सर्प नाम २. घुंघराले या छल्लेदार बाल ३. महावर/हरताल। (मानक; सां.सं.)

अलख- १. सर्प नाम २. भगवान के नाम पर भिक्षा मांगने वाला ३. जिसका आकार या रूप दिखाई न पडता हो ४. अगोचर। (नागोबा; मानक)

अलगर्द-१.सर्प नाम,काला रंग २. पानी में रहनेवाला एक साँप। (सां.सु.; मानक)

अलीक- १.सर्प नाम, छोटा साँप २. मर्यादा रहित। (सां.सं)

अलोरी- सर्प नाम, बेसरम के झाड में पाया जाता हैं, बहुत जहरीला होता हैं। (तुकोजी; जहूर)

अवधूत-१. सर्प नाम २. सांसारिक मोह माया से मुक्त ३. नाथ पंथी सिध्द योगी। (तुकोजी; मानक)

अवन्तिका- १.सर्प नाम बडा, फणवाला, जहरीला, कम मिलता हैं। २. उज्जैन का एक प्राचीन नाम। (तुकोजी; जहूर)

अव्यय- १.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.दीर्घ-जीवी ३. जिसका न आदि हो और न अंत ४.शिव। (मानक; महा. सां.सं.)

अव्या रश्क- सर्प नाम, रंग बैजनी, सिर पर सफेद गुल होते हैं। ३-४ फीट लंबा होता है। हासी, हिसार में मिलता है। (ति.म.)

अशंरफी- सर्प नाम, कमर पर सफेद धब्बे, जहरीला। (ति.म.)

अशोक- १. सर्प नाम, मालवा में मिलता है एक मौर्य सम्राट का नाम ३. जिसे शोक न हों ४. एक प्रकार का प्रसिद्ध बड़ा पेड़, जिसकी पत्तियां धार्मिक/मांगलिक अवसरों पर काम में आती है। (दिलीप; जहूर; तुकोजी; मानक)

अश्व- १.सर्प नाम, समुद्र के किनारे पाया जाता है, उडकर चलते हैं, मादा कम होती है गले में अश्व खुर जैसा होता है चाल तेज होती है २.घोडा। (नागोबा; मानक)

अश्वकर्ण- १.सर्प नाम २. एक प्रकार का शाल वृक्ष ३.घोडे का कान। (नी.पु.; मानक)

अश्वतर- १. नागराज, काश्मीर में रहने वाला एक नाग २. घोड़ों से अधिक वेगवान ३. एक प्रकार का गंधर्व। (महा.; नी.पु.; सां.सं.; मानक)

अश्वत्थ- १. एक सर्प नाम २. पीपल का पेड़ ३. सूर्य ४. अश्विनी नक्षत्र। (जहूर; नागोबा)

अश्वसेन- १.सर्प नाम २. तक्षक का पुत्र। (महा.)

अष्टक- १. महान नाग का नाम २. विश्वामित्र के एक पुत्र का नाम ३. आठ वस्तुओं का संग्रह ४. आठ ऋषियों का एक गण। (नी.पु.; मानक)

अष्टावक्र- १. सर्प नाम २. जिसके शरीर पर आठ टेढी रेखा हो ३. एक प्राचीन ऋषि जिसके अंग टेढे थे। (सां.सं.; मानक)

असला- सर्प नाम, इसका काटा हुआ बिल्कुल नहीं बचता है, कहते है कि एक हजार वर्ष के पश्चात् इसका मुंह मनुष्य जैसा हो जाता है यह तुर्क एवं हिंदुस्तान में मिलता है। (ति.म.)

असवद- सर्प नाम, इसे असूद भी बोलते हैं, बहुत जहरीला, काटा हुआ मनुष्य नहीं बचता है। (ति.म.)

असावरा विष- सर्प नाम, रंग हरा, सिर पर सफेद फूल, इसके काटने से उल्टियां आती है। जम्मू इलाके में मिलता है। (ति.म.)

असावा- १. सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, म.प्र. में मिलता है २. मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर; तुकोजी)

असित- १. एक सर्प जो श्वेत हो २. ऋषि का नाम ३.राजा भरत का एक पुत्र ४.शनि ५. काला या नीला रंग ६. कृष्ण पक्ष। (महा.; मानक)

असिता- १.सर्प नाम, जो सफेद न हो, काला साँप, काला फनियर। २. यमुना नदी का एक नाम ३. नीली नामक पौधा। (जहूर; मानक)

असिविन- सर्प नाम काली सर्पिणी। (सां.सं.)

असुर- १. सर्प नाम २. देवताओं के शत्रु, दैत्य दानव। ३. असुर की जाति ४.पृथ्वी ५. राक्षस ६. राहु ७- देवदार नामक वृक्ष ८- बादल/मेघ। (वेद.नाग; मानक)

असुरिया- सर्प नाम। (वेद नाग.)

असोदे- १. सर्पनाम, फणवाला, आर्शीवाद देने वाला, देवता योग्य म.प्र. में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी.)

अस्तोल्या- १. सर्प नाम यह सूर्य अस्त के बाद निकलता है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

अस्वर- १. सर्प नाम २. बुरे या भद्दे स्वर वाला। (नी.पु.)

अहलुवाडिया- १. सर्प नाम, खेतों की कालीमिट्टी में तथा मोड पर मिलता है, जहरीला, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश में मिलतहै २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

अहि- १. घातक सर्प २. वैदकालीन प्रसिद्ध मानव जाति ३. राहु ४. पृथ्वी ५. पथिक ६. वृत्रासुर (वृ.प.; मानक)

अहिक- अंधा सर्प। (नालन्दा)

अहिण्या- १. सर्प नाम २. मानव जाति का एक गोत्र नाम। (तुकोजी)

अहिपताक- सर्प नाम। (सु.सं.; मानक)

अहिपातक- सर्प नाम, अविकसित सर्प। (सु.से.)

अहिरवाल- सर्प नाम, मानव जाति। (जहूर; तुकोजी)

अहिराज- सर्प, सांपों का राजा। (सां. सं.)

अहिरे- १. सर्प नाम, फण पर चक्र, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

अहिर्बुधन्य- १. पूजा योग्य सर्प २. ग्यारह रूद्रों में एक। (वेद नाग)

अहिवासी- १. सर्प नाम, फणवाला, राजस्थान में मिलता हैं २. एक मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)



आ

ऑवला- १. सर्प नाम, कुता सांप जैसी गोलाई बनाता हैं आवलिया कहते है २.ईमली की तरह की छोटी पत्ती वाला एक वृक्ष जिसमे छोटे फल लगे रहते है। (जहूर; मानक)

आंमाबडेकर- १. सर्प नाम, फण वाला, मालवा में मिलता है २. महाराष्ट्र के एक गांव का नाम। (तुकोजी)

आंसावरी- १.सर्प नाम, तेज भागता है, कम जहरीला, चट्टानों में म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

आकर- १. सर्पनाम २. खान ३. खजाना ४. श्रेष्ठ/उत्तम। (तुकोजी; किशोर; मानक)

आकोला- १. सर्पनाम २. एक शहर का नाम। (तुकोजी; जहूर)

आक्षनाग- सर्प नाग (सां.स)

आखा- १. सर्प नाम, पतासा जैसा मुंह, नीचे से चपटा ऊपर फूला हुआ, कम जहरीला, सफेद रंग उज्जैन एवं काठियावाड में मिलता है २. एक वैवाहिक संस्कार आखा तराई जिसमें पतासों को पानी में तिराया जाता है ३.कुल। (नागोबा; तुकोजी; जहूर; मानक)

आखुफाल- सर्प नाम (महा; नी.पु.)

आगम- १. सर्प नाम २. धर्म पर चलने वाला सर्प। (तुकोजी; जहूर)

आगीमण्यार- सर्प नाम (सर्प.दं)

आगेचाल- १. सर्प नाम आगे-आगे चलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

आठ- १. सर्प नाम २. ८ संख्या सर्प हैं ३. चतुर/छटा हुआ ४. आठों पहर/दिन रात। (नागोबा; नालन्दा)

आतक- १. सर्प नाम २. आंतक का अपभ्रंस। (सां.सं.)

आतिशी हरेवा- सर्प नाम विषैला, विष से शरीर में आग फूंक देता है, रंग हरापन लिये होता है। कपूरथला और सुल्तानपुर प्रांत में मिलता है। (ति.म.)

आदर्शमण्डल- सर्प नाम, रसल मंडली सर्प है जिसकी पीठ पर आदर्श मण्डल होते है। (सुं.सं.; मुकेश)

आदि- १.सर्प नाम, सफेद-मटयाला रंग, पतला, जहरीला २. परमात्मा ३. भूल ४. आरम्भ/शुरू, महाभारत का एक पर्व 'आदि पर्व'। (जहूर; मानक)

आदित्य- १. सर्पनाम, पतला तेज दौड़ने वाला अधिक जहरीला, राजस्थान में मिलता हैं २. अदिति का पुत्र, देव ३. सूर्य ४.वसु ५. वामन अवतार। (जहूर; मानक)

आदेश- १. सर्प नाम २. नमस्कार/प्रणाम ३. अधिकार पूर्वक यह कहना कि ऐसा करो या ऐसा मत करो। (नागोबा; मानक)

आनक- १. सर्प नाम २. एक प्रकार का सैनिक नगाडा ३. गरजता हुआ बादल। (नी.पु.; मानक)

आनन्द- १. सर्प नाम २. हर्ष/प्रसन्नता। (नी.पु.; नालन्दा)

आन्ध्र- १. सर्प नाम, रेगीस्तानी इलाके में मिलता है २. भारत के एक प्रदेश का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

आप- १. सर्प नाम, देवता सर्प, फन वाला २.तुम तथा वे के स्थान में आदरार्थक प्रयोग ३. जल/पानी। (तुकोजी; नी.पु.)

आपूरण- सर्प नाम भरे हुए बदन वाला। (महा.;सां.सं.)

आप्त- १. सर्प नाम २. विश्वास करने योग्य ३. कुशल/दक्ष। (महा.; मानक)

आमेर- १. सर्पनाम, मालवा में मिलता है २.जयपुर राज्य की पुरानी राजधानी। (तुकोजी; जहूर; दिलीप; नालन्दा)

आरूणि- १. लाल रंग का सर्प २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३. अरूण के वंशज ४. सूर्य के यम आदि पुत्र। (महा.; सां.सं.; मानक)

आर्य- १. सर्प नाम, जहरीला राजस्थान में मिलता है २. एक प्राचीन उन्नत एवं सभ्य कही जाने वाली जाति ३. एक पुराना संबोधन ४. एक बुध्द। (महा.; जहूर; मानक)

आर्यक- सर्प नाम। (महा.)

आलखा- १. सर्प नाम २. एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

आलिगी- १. सर्प नाम २. इकट्ठा रहने का जिसका स्वभाव है। (सां.सं.)

आलिया- १. सर्प नाम, शांत सर्प बगैर जहर वाला। मालवा में मिलता है २. एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

आलोरिया- १. सर्प नाम, रेतीले इलाकों में नर्मदा के किनारे मिलता हैं २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

आवतार्क्ष- सर्प नाम। (नी.पु.)

आवा- १. एक सर्प जहरीला तेज दौड़ने वाला, फणवाला २. एक गांव का नाम। (जहूर)

आशीविष- एक सर्प जिसके मुख के अंदर विष रहता है सुश्रुत ने इसे फनियर सांपों में गिना है। (सां.सं.; वृ.प)

आशुलाक्ष- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

आषाढ- १. सर्प नाम २. ज्येष्ठ के बाद और सावण के पहिले पडने वाला महिना ३. मलय पर्वत। (जहूर; मानक; तुकोजी)

आहड- १. सर्प नाम २. उदयपुर के पास आहड नामक स्थान जो प्राचीन सभ्यता के केन्द्र माना गया है। पास में आहड नदी है। (वेद.नाग.)

आहाडकुक्का- १. सर्प नाम पानी में रहने वाला उज्जैन में पाया जाता है। (स्नेक.ई.; पा मुकेश)



इ

इंगोले- सर्प नाम। इंगले भी कहते है, महाराष्ट्र में मिलता हैं। (नागोबा; तुकोजी)

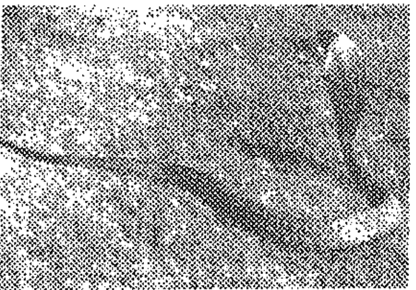
इच्छाधारी- सर्प नाम, सर्प रूप बदलता है, हिमालय की तराई के पहाडों में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

इनिटि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

इन्द्रधुम्नेश्वर- पूजा योग्य सर्प, पराने किलो की दरारों में रहता है मान्डु-धार आदि के आसपास मिलता है जहरीला एवं तेज दौड़ता है। (जहूर; तुकोजी)

इन्द्रनाग- नाग नाम, उ.प्र. गंगा के किनारे रेतीली जगह में पाया जाता है, ताकतवर तेज दौड़ने वाला। (जहूर; तुकोजी)

इन्द्रूनाग- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)



ई

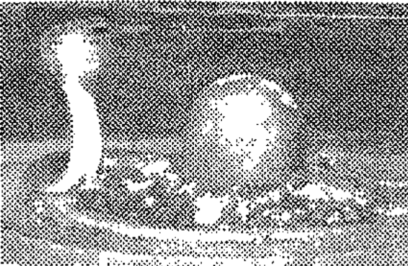
ईडयाय- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

ईडीवाल- १.सर्प नाम २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

ईश- १. सर्प नाम २. सिन्धु मुद्रा में अंकित शब्द ३. प्रभु/मालिक/स्वामी ४. राजा ५. पति/स्वामी ६. शिव। (नालन्दा; जहूर; मल्हार)

ईशान- १.सर्प नाम २. अधिपति/स्वामी ३. शिव की आठ मूर्तियों में से एक ४. ज्योति ५. पूर्व और उत्तर के बीच का कोना। (नागोवा; तुकोजी; मानक)

ईश्वर- १. सर्प नाम, सुनहरी, बडा जहरीला कम, सेन्धवा में पाया जाता है २. शिव का एक नाम ३. परमात्मा/भगवान।



उ

उखोल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

उगोल- एक प्रमुख नाग। (नी.पु.)

उग्र- १. साँप नाम २. प्रचन्ड/प्रबल/घोर रोद्र ३. महादेव/शिव ४. सूर्य ५. केरल देश का पुराना नाम ६. धृतराष्ट्र के पुत्र का नाम। (महा.;नालन्दा)

उग्रक- उग्र या तेज स्वभाव वाला सर्प। (सां.सं.)

उग्रतेजा- नाग नाम। (महा.)

उग्रसेन- १.सर्प नाम २. राजा कंस के पिता और मथुरा के राजा का नाम ३. परीक्षित का एक पुत्र। (जहूर;नालन्दा)

उग्रायुध- काश्मीर में पाये जाने वाला प्रमुख नाग। (नी.पु.)

उचीणीया- १. सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, बगैर फर्ण वाला पूछ ज्यादा हिलाता है, पूछ रबर जैसी पकड़ने पर खून रोकता हैं २. मानव जाति की एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

उच्छिक- १. सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में यह सर्प भी जला था। (महा.)

उच्छिख- १. सर्प नाम २. सिर को ऊँचा उठा सकता है। (सां.सं.)

उज्जयिनी- १. सर्प नाम २. मालवा देश की प्राचीन राजधानी जो शिप्रा नदी के तट पर स्थित है, इसे उज्जैन भी कहते हैं। (तुकोजी; जहूर)

उज्जैनिया- १. सर्प नाम फणवाला २. मानव जाति का एक गोत्र ३. उज्जैन केपास एक गांव का नाम। (जहूर; तुकोजी)

उडनबेल- सर्प नाम (किशोर; तुकोजी)

उत्कर- प्रमुख नाग, काश्मीर में पाये जाने वाला। (नी.पु.)

उत्तर- १. सर्प नाम २. देश का उतरी भाग ३. राजा विराट के पुत्र का नाम। (नागोवा; मानक; तुकोजी)

उत्तर मानस- १. काश्मीर में पाये जाने वाला प्रमुख नाग २. गया तीर्थ के अन्तर्गत एक सरोवर। (नी.पु.; नालन्दा)

उत्तेर्णिया- १. सर्प नाम, जहरीला बगैर फण वाला, सेन्धवा में मिलता है। २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

उदपारक- १. सर्प नाम जनमेजय के सर्प यज्ञ में यह सर्प जला था २. पानी को पार कर जाये ऐसा सर्प। (महा.; सां.सं.)

उदयसर- १.सर्प नाम फणवाला, जहरीला २. एक गांव का नाम। (जहूर; तुकोजी)

उद्रपारग- सर्प नाम, धृतराष्ट्र के देश के सर्प। (महा.)

उदाणी- १. सर्प नाम सूर्य के उदय होते ही उसके दर्शन करता हैं २. मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

उद्राही- सर्प नाम, पूंछ को जमीन पर टेक कर जो अधिक ऊपर उठ सके। (सां.सं.)

उनिजवाल- सर्प नाम, शरीर पर बाल मालूम पडते हैं, छोटा, जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

उन्दरीवाल- १. सर्प नाम, तेज चाल, गेहूँ के गोदामों में, खलियानों में रहता है मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

उप- नाग नाम, निमाड में मिलता हैं। (नागोवा; जहूर)

उपचित्र- काश्मीर में पाये जाने वाला प्रमुख नाग २.समवृत वर्ण के छन्द का एक भेद। (नी.पु.)

उपतक्षक- सर्प नाम। (नी.पु.)

उपतृण्य- घास में रहने वाले एक सर्प। (सां.सं.)

उपनन्द- १. सर्प नाम, यह काश्मीर में पाया जाता है २. भगवान बुद्ध के जन्म के समय महामाया को स्नान कराने वाले नाग में से एक का नाम ३. एक नाग कश्यप का पुत्र। (नी.पु.; महा.; सा.सं.)

उपाध्याय- १. सर्प नाम, मध्यप्रदेश में मिलता है २.पंडित नाम ३. शिक्षक ४. ब्राहम्णों की एक उपजाति। (नागोवा; नालन्दा)

उमरें- १. सर्प नाम महाराष्ट्र एवं गंभीर नदी के किनारे मिलता हैं २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोवा)

उमान- सर्प नाम, यह चम्बा जनपद में पाया जाता है। (ना.प.)

उमैठा- सर्प नाम, गेहूँ के खेतों में पाया जाता हैं। म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

उम्बाले- १. सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता हैं। २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

उरंग- सर्प नाम। (नालन्दा)

उरंगम- सर्प नाम। (नालन्दा)

उरग- १. सर्प नाम २. छाती से चलने वाला। (वृ.प.; सां.सं.; मानक)

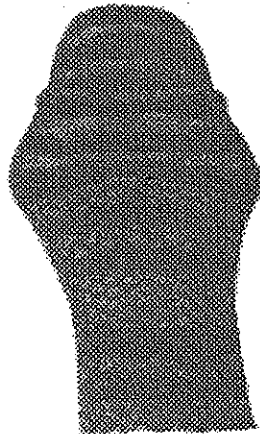
उरूगला- सर्प नाम, बहुत क्रियाशील मंडली वंश का सर्प। (वेद.नाग)

उलरास- सर्प नाम। (ति.म.)

उवाल- सर्प नाम, कुए का सर्प फण वाला पूजा योग्य। (तुकोजी; कन्हैया; दिलीप)

उषाय- सर्प नाम। (तुकोजी; किशोर; दिलीप; कन्हैया)

उषारा- १. सर्प नाम २. एक मानव जाति का गोत्र। (मीना)



ऊ

ऊडूच- प्रमुख नाग। (नी.पु.)

ऊत- सर्प, पूजा योग्य २.आज भी मिलता हैं, लम्बी उम्र होती है मालवा में मिलता है ३. वह जो मरने पर पिण्ड आदि न पाकर प्रेत या भूत बनता है। (नागोबा; जहूर; तुकोजी; नालन्दा)



ऋ

ऋच्छ- १. एक सर्प, जिसमें रूए होती है २. भालू/रीछ। (दिलीप; जहूर)

ऋजुसर्प- १.सरल स्वभाव वाला सर्प २. जिससे छल कपट न हो ३. ईमानदार और सच्चा। (सा.सं.; मानक)

ऋनागस- नागिन फणवाली, रंग काला, मालवा राजस्थान में मिलता हैं। (मल्हार; जहूर; दिलीप)

ऋषभ- १. सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला २. श्रेष्ठ साँप ३. बैल ४.दक्षिण दिशा का एक पर्वत ५.नर। (महा; सां.सं.; मानक)

ऋषि- १.कुल्लू क्षेत्र में पाये जाने वाला नाग २.देवताओं, असुरों और मनुष्यों से भिन्न महापुरूष या मंत्र द्रष्टा। (ना.प.; मानक)

ऋषिकेश-सर्प नाम, धार्मिक नगर का नाम। (दिलीप; तुकोजी)

ए

एक मुखीनाग- नाग नाम, फण का एक हिस्सा छोटा होता है। (रमेश; तुकोजी)

एणीपद- १.सर्प नाम २.इतना छोटा सर्प हिरणी के पैरो के नीचे कुचला जाय ३. नदी (एणी) के पास मिलने वाला। (सां.सं.)

एणीपाद-सर्प नाम। (सु.सं.)

एम- सर्प नाम। (ति.म.)

एरक- १. सर्प नाम २. कौरव्य वंश का एक सांप ३.एरका घास में रहने वाला। (महा.; सां.सं.)

एलाद- सर्प नाम, लंबा, मोटा, जहरीला, नमिाड में मिलता है। (जालम; तुकोजी)

एलापत्र-१.सर्प नाम २. एलायची के पत्ते की तरह फेलकर खडा हो जाने वाला। (महा.; सां.सं)

एलिधान- नाग नाम। (नी.पू.

ऐ

ऐण्डिल- नाग नाम, कौरव कुल में उत्पन्न एक नाग। (महा.)

ऐन- सर्प नाम। (ति.म.)

ऐरण- सर्प नाम। (सोनी; तुकोजी)

ऐरावत- १.प्रमुख नाग कानाम २. सर्पो का एक राजा ३. इन्द्र का एक हाथी। (ना.पु.; महा.)

ऐलपत्र- प्रमुख नाग का नाम। (ना.पु.; महा.)



ओ

ओंकार- १. सर्प नाम चितकबरा, तेज भागता है, जहरीला, पहाडी में मिलता है २. ओकारेश्वर एक धार्मिक स्थल ३. परमात्मा का सूचक 'ओ' शब्द ४. सोहन चिडिया नामक पक्षी। (किशोर; तुकोजी; मानक)

ओखलेश्वर- सर्प नाम। (तुकोजी)

ओड- १. सर्प नाम, पथरीली लाल मिट्‌टी में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

ओरन्डिया- १.सर्प नाम, फणवाला, निमाड में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

ओवा- सर्प नाम। (नईदुनिया इंदौर १४-१०-७९ से)

ओसवाल- १. सर्प नाम सूखें पतों पर, पेड़ के ऊपर पत्तों में, पतला, ओस का पानी अच्छा लगता है, इससे ज्योति बढ़ती है। (जहूर; तुकोजी; नालन्दा)

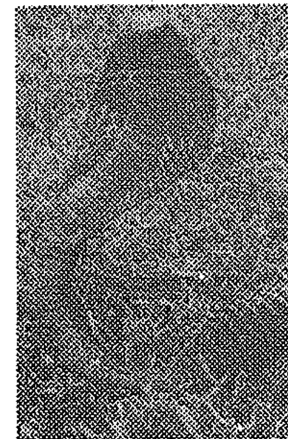
ओसार- १. सर्प नाम २. चौडा। (मीणा.)

ओसिरिस- बडा सर्प। (वेद.नाग.)

औ

औलिकर- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

औलिया- १. सर्प नाम फण वाला, पूजा योग्य, पुराने खण्डरों में म.प्र. राजस्थान में मिलता है २. बहुत बढे भक्त या पहुंचे हुए फकीर का नाम। (जहूर; तुकोजी)



क

कंकत- १. सर्प नाम, बड़े व पौने दांत वाला २. हर प्रकार का विषाक्त जन्तु (सां.सं.)

कंकपर्व- सर्प नाम (सां.सं.)

कंकाली- १. सर्प नाम;श्रेष्ठ सर्प २. दुर्गा का एक रूप। (तुकोजी; नालन्दा)

कंगूर- सर्प नाम, सिर को छोडकर शेष भाग में आसमानी रंग के चूहे से बाल होते हैं। जहरीला होता है। कानपुर के आस-पास मिलता है। (ति.म.)

कंचुकी- १. सर्प नाम केंचुली वाला २. अंगिया/चौली वस्त्र ३. द्वारपाल। (सां.सं.; नालन्दा)

कंठेश्वर- सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, पूजा योग्य। (जहूर; तुकोजी)

कंबोज- १. सर्प नाम, इसे कंबोजिया सर्प भी कहते है २. एक देश का नाम ३. आधुनिक सोवियत रूस के अन्तर्गत उस प्रदेश का पुराना नाम जिसमें आजकल पामीर और बदख्शां है। (नागोबा; तुकोजी)

कंस- सर्प नाम, कृष्ण का मामा। (दिलीप; तुकोजी)

कंसरा- सर्प नाम। (ति म.)

कंसल- सर्प नाम। (तुकोजी; [illegible])

कंस हल्दिया- सर्प नाम, पीले रंग का तथा लंबा होता है, लाहौर-वजीराबाद के प्रांतों में मिलता है। (ति.म.)

ककड़ा- सर्प नाम, फण वाला, गर्दन के अलावा पूरे शरीर पर जाल की भांति फूल होते हैं। इसका काटा व्यक्ति अंधा होकर मरता है। पंजाब एवं कड़ी भूमि में पाया जाता है। (ति.म.)

ककरोरया- १.सर्प नाम, ककड़ी जैसा होता है, रेत में रहता है, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

ककुद- पहाडी की चोटी पर रहने वाला नाग। (सां. सं.)

ककोड- १. सर्प नाम २. राजस्थान के एक प्राचीन गांव का नाम। (दिलीप; जहूर)

कक्ष- सर्प नाम;जन्मेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा)

कक्षक- सर्प जो, सूखे वन में रहने वाला है। (सां.सं.)

कचंग- सर्प नाम। (ति.म.)

कच्छप- १.सर्प नाम;श्रेष्ठ नर सर्प २. कछुआ। (तुकोजी; जहूर)

कटकटिया- १.सर्प नाम २. एक प्रकार का बुलबुल ३. लडाई झगडा करने वाला। (जहूर; मानक)

कठकरार- सर्प नाम, जहरीला। (ति.म.)

कठवार- सर्प नाम,हरे रंग का, गर्दन से पूंछ तक सफेद धारिया, विषहीन, नदी के किनारे मिलता है। (ति.म.)

कठाने- १. सर्प नाम, मालवा, कोकण में मिलता हैं २. मानव जाति का एक गौत्र (तुकोजी; नागोबा)

कठेडी- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प)

कठेरिया- १.सर्प नाम, निमाड में मिलता है। २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

कठोसी- शिमला जनपद का नाग। (ना.प.)

कड़ेल- १. सर्प नाम २. मानव जाति के गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

कढा- १. सर्प नाम, सुन्दर, कई रंग में, छोटा आकार २. हाथ पैर में पहनने के एक आभूषण का नाम। (तुकोजी; जहूर)

कणकती- १.सर्प नाम, सुखे पत्तों में, खाखरे के पेड में, निमाड में मिलता है २.डोरा ३.चांदी का एक आभूषण जो बच्चे के कमर में पहनाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

कणार- नाग का नाम। (नी.पु.)

कदम्ब- १. प्रमुख नाग का नाम २. एक वृक्ष का नाम। (नी.पु.)

कदूस- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कद्रवेय- सर्प नाम, जहरीला, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

कद्रुज- नाग का नाम, कद्रु से उत्पन्न नाग (वृ.प.)

कद्रू- १.मादा सर्प पूजा योग्य २. पुराणोनुसार कश्यप की पत्नि जिससे सर्प पैदा हुए थे। (नागोबा; जहूर; सं.हि.)

कनकाक्ष- नाग का नाम। (नी.पु.)

कनपटीनाथ- सर्प नाम। (भंवर)

कनफड़ा रंगीला- सर्प नाम। (ति.म.)

कनव- नाग का नाम। (नी.पु.)

कनारिया- सर्प नाम (जहूर; तुकोजी)

कनावरिया- १.सर्प नाम, मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

कनिक्रत-सर्प नाम (सां.सं.)

कनीफा- सर्प नाम। (भंवर; तुकोजी)

कनू- १.सर्प नाम फणदार, काला रंग, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

कन्दार- किन्नौर क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

कन्या- १. मादा सर्प, जहरीला २. कुंवारी लड़की ३.बारह राशियों के छटी राशी। (जहूर; मानक)

कपडी- सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, पतला, जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

कपरोट- सर्प नाम, कम जहरीला। (दिलीप; तुकोजी)

कपाल- १.नाग का नाम २. मस्तक/ ललाट ३. एक प्रकार का पुरान अस्त्र ४.ढाल ५.भिक्षापान। (नी.पु.; नालन्दा)

कपाली- १. नाग का नाम २. शिव महादेव ३. भैरव। (नी.पु.; मानक)

कपिल- १. नाग नाम, यह नाग सुगन्धित होता है २. एक मुनि का नाम ३. महादेव ४. तांबे का रंग जैसा ५. शिलाजीत।(नागोबा; मानक; तुकोजी)

कपिला- १. मादा नागिन नाम, तेज दौड़ने वाली, जहरीली, गेहूं के खोतों में काली मिट्टी में पाया जाता है २. एक नदी का नाम ३. दक्ष प्रजापति की कन्या ४.सफेद रंग की गाय। (जहूर; नालन्दा; तुकोजी)

कपोटगल- एक सर्प नाम। (सु.सं.)

कपोत- १. एक सर्प कबूतर के रंग का २.कबूतर (सां.सं; नालन्दा)

कबाडी- १. सर्प नाम, हल्के पीले रंग का, पतला, तेज दौडने वाला, जहरीला, राजस्थान के रेतीले इलाकों में मिलता है २. टूटी फूटी वस्तुएं खरीदने या बेचने वाला। (जहूर; नालंदा)

कमचूर- सर्प नाम, काला, गोल सिर का होता है, इसके काटने से मनुष्य के मुहं में झाग आते हैं। जालंधर में पाया जाता है। (ति.म.)

कमरिया- १. सर्प नाम २. एक मानव जाति का नाम ३. एक प्रकार का नाटा पर बलिष्ठ हाथी। (तुकोजी; मानक)

कमल- सर्प नाम। (नागोबा; तुकोजी)

कमाठी- १. सर्प नाम। हल्के पीले रंग का, गिली मिट्टी में रहता है, २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

कमोरी- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कम्बल- १. एक प्रमुख नाग का नाम, पानी वाला सर्प २. एक प्रकार का बरसाती कीड़ा। (नी.पु; महा; सां.सं.)

कम्भाट- सर्प नाम। (नी.पु; जहूर)

करंजिया- १. सर्प नाम जहरीला, पतला छोटा होता है, निमाड म.प्र. में मिलता है, २. मानव जाति का गोत्र का नाम। (जहूर; तुकोजी)

कर- १. सर्प नाम, छोटा, फणवाला, कोंकड में मिलता है २. हाथ ३. हाथी की सूंड जिसे वह हाथ के समान प्रयुक्त करता है। (नागोबा; नालन्दा; तुकोजी)

करडि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

करन- सर्प नाम। (तुकोजी)

करपरिया- १. सर्प नाम, पतला, छोटा, जहरीला होता है, म.प्र. में मिलता है २ मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर; तुकोजी)

करमेश्वर- सर्प नाम। जहरीला, फणवाला, पूजा योग्य, किलों, मंदिरों, खण्डहरों में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

करवर्प- सर्प नाम। (वृ.प.)

करवाट- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

करवाड़े- १. सर्प नाम, करोत जैसा आधे धड़ पर काटे हैं २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

करवार- सर्प नाम, चम्बा क्षेत्र का नाग २. कृपाण/तलवार। (ना.प; नालंदा)

करवाल- १. प्रमुख नाग का नाम २. तलवार ३. नख/नाखून। (नी.पु; नालन्दा)

करवीर- १. प्रमुख नाग का नाम, कनेर के आसपास रहने वाला २. कनेर का वृक्ष ३. एकं प्राचीन नगरी का नाम। (नी.पु; सां.सं; महा; मानक)

करव्वा- १. सर्पनाम २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

करहाल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

करांगर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.पू.)

करिक्रत- १. सर्प नाम २. क्री-क्री आवाज करने वाला। (सां.सं.)

करीवर्दार- सर्प नाम, इसको गरीवर्दार भी बोलते हैं। शरीर पर चूहे जैसे बाल होते हैं। जहरीला, स्यालकोट व मूल्थान में मिलता है। (ति.म.)

करुङ्ग- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

करैत- काला सर्प (विषैला) (तुकोजी; जहूर; मुकेश; मानक; हिन्दी कोश)

करोलिया- सर्प नाम २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; उम.)

कर्क- १. सर्प नाम, धीमी गति का, बिना जहरीला, छोटा होता है २. कर्क राशि ३. केकडा ४. पश्चिमी ईरान के कर्किया प्रदेश का पुराना नाम। (जहूर; तुकोजी; मानक)

कर्कटी- १.सर्प नाम २. छोटा घडा/हन्डिया। (वृ.प; मानक)

कर्कर- १. सर्प नाम २. कर-कर आवाज करने वाला सर्प ३. एक प्रकार नीलम ४. दर्पण/हथोडा। (सां.सं; नी.पु; महा;)

कर्कराज- सर्प नाम। (तुकोजी; नागोबा)

कर्कोट- १. नाग नाम, पूजा योग्य, मध्यप्रदेश में मिलता है २. काश्मीर का एक प्राचीन राजवंश ३. एक राजा का नाम ४. बैल का पेड़ा। (जहूर; दिलीप; नालन्दा)

कर्कोटक- १. काश्मीर का प्रमुख नाग २. कर्कोटक एक प्रमुख राजकुल वंश ३. एक सांप, दृष्टि विष। (महा; सां.सं.)

कर्ण- १. सर्प नाम, जहरीला होता है तथा प्रायः गंगा किनारे पीली मिट्टी में मिलता है, आवाज करता है २. कुंति के सबसे बडे पुत्र का नाम जो महादानी था, ३. कान ४. नाव की पतवार। (तुकोजी; जहूर; नालंदा)

कर्णवर्जित- सर्प नाम। (मानक)

कर्णा- श्रवण शक्ति वाला सर्प। (सां.सं.)

कर्णेश्वर- सर्प नाम, कान वाला सांप। (तुकोजी; नागोबा)

कर्ण्ढा- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कर्दम- १ सर्प नाम २ स्वायंभुव मन्वंतर के एक प्रजापति। (मानक; महा.)

कर्दमक- सर्प का नाम। कीचड या दलदल में रहने वाला सर्प। (सु.सं.)

कर्हसुर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कल- १. राजिल सर्प जाति का २. वीर्य ३. शिव ४.साल का वृक्ष ५. सुन्दर/मनोहर ६. आने वाले दिन का दूसरा सबेरा/ बीता हुआ दिन। (सां.सं; मानक)

कलकलेश्वर- १.सर्प नाम, बोलने वाला सांप, जहरीला, पानी के किनारे पाया जाता है २. झरने आदि के जल के गिरने की आवाज। (जहूर; तुकोजी)

कलन्दर- १. सर्प नाम। जहरीला, फणवाला, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

कलवार- १. सर्प नाम, जहरीला, पुराने खण्डहरों में पाया जाता है, आंध्रप्रदेश में मिलता है २. एक मानव जाति का नाम। (जहूर; नालंदा)

कलश- १. एक नाग २. घडा/गगरा जिसकी पूजा होती है ३. मंदिर आदि का ऊपरी भाग और शिखर ४. चोटी शिरा। (महा; नालन्दा)

कलशपोत- नाग नाम। (महा.)

कलशपोतक- घड़े आदि के पास रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

कलान- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कलायप- सर्प नाम, काली मुनक्का जैसा रंग, जहरीला। (ति.म.)

कलाल- १. सर्प नाम, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तप्रदेश में मिलता है २. एक प्रसिद्ध जाति का नाम जो प्रायः शराब का व्यवसाय करती है। (जहूर; तुकोजी; मानक; हिन्दी कोश)

कलिंकक- नाग का नाम। (नी.पु.)

कलिंग- १. सर्प नाम २. एक प्राचीन देश जो गोदावरी तथा वेतरणी नदी के बीच में बसा हुआ था ३. कलिंग देश का। (तुकोजी; जहूर)

कलि- १. प्रमुख नाग का नाम २.शिव ३. एक पौराणिक गन्धर्व जाति। (नी.पु; मानक)

कलुवा- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

कलुष- सर्प नाम। (सु.सं; सां.सं.)

कलोता- १. सर्प नाम। प्रायः काले रंग का होता है, झाड़ पर मिलता है २. मानव जाति का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

कल्माष- १. सर्पनाम। रंग-बिरंगा २. राक्षस। (महा; सां.सं; मानक)

कल्माषग्रीव- सर्प नाम जिसकी गर्दन हरी हो। (सां.सं.)

कल्याण- १. सर्पनाम जो डेढ से दो फुट लम्बा, तेज भागने वाला, जहरीला, पेडों की जड़ों में रहते हैं २. मंगल/शुभ, ३. सोना ४. बम्बई का एक उपनगर। (जहूर; मानक)

कवचिने- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

कवड्या- सर्प नाम। (सर्प.द.)

कवल- १. सर्प नाम २. ग्रास/कौर। (मीणा)

कवाड़े- १. सर्प नाम, कावड़ जैसा देवास के पास मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गौत्र। (तुकोजी; नागोबा)

कश्यप- सर्प नाम, जहरीला, फूक से चारा जलता है। (दिलीप; तुकोजी)

कषाय- १. सर्पनाम। पीले रंग का २. कसैला ३. सुगन्धित ४. कलियुग। (सुं.सं; नालंदा)

कसर्णील- १. सर्पनाम २. कांस में रहने वाला नीला सांप। (सां.सं.)

कहार- १. सर्प नाम, लकड़ी के डिपो, गोदामों में मिलता है मध्यप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; नालन्दा; तुकोजी)

काँचली- १.सर्प नाम, सौराष्ट्र, मध्यप्रदेश में मिलता है २. महिलाओं द्वारा पहनने का एक वस्त्र। (जहूर; तुकोजी)

कांकरवाल- १. सर्प नाम, आवाज करने वाला, तेज जहरीला, खेत की मेढ़ पर,पेड़ों की जडों में, मध्यप्रदेश, राजस्थान में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

कांकरेट- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

कांकश- १. सर्पनाम २. मीना जाति का एक ख्यात गोत्र। (मीणा)

कांगड़ा- १. एक सर्प जिसके शरीर पर बड़े-बड़े कंकर चिपके हो ऐसा लगता है २. पश्चिमी हिमालय का एक ऐसा पहाड़ी प्रदेश जिसमें एक छोटा ज्वालामुखी पर्वत है। (तुकोजी; मानक)

कांची- १. सर्पनाम २. धार्मिक एवं पवित्र नगरी का नाम। (दिलीप)

कांठा- सर्प नाम कुरडली सांप का प्रकार जो बादामी रंग का होता है, कमर पर सफेद फूल होते हैं, जहरीला। (ति.म.)

कांव ग्रास- सर्प नाम, फणवाला, लाल-पीला रंग, कठोर भूमि में पाया जाता है। अत्यधिक जहरीला होता है। (ति.म.)

कांसिया- सर्प नाम, कांस के जंगल में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

काक- १. प्रमुख नाग का नाम २. कौंआ पक्षी। (नी.पु.)

काकड़दा- १. सर्प नाम, काकड पर रहता है २. मानव जाति के गोत्र का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

काकड़े- १. सर्प नाम, ककड़ी जैसा होता है, रेतमें रहता है, मालवा में मिलता है २. मानवजाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

काकन- १. सर्पनाम २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

काकनाड-१. नाग नाम २. सांची के पर्वत का नाम। (वेद.नाग)

काकरिया- सर्प नाम। (स्नेक; इ.पा.)

काकाणी- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, लम्बा, पतला मुंह, जहरीला, निमाड में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

काकितमांगिया- १. सर्प नाम, जहरीला, रेतीले इलाकों में, राजस्थानों में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

काकोदर- सर्प नाम, कौए की तरह पेट वाला। (सां.सं; मानक)

कागोत- १ एक सर्प २. मानव जाति की एक खांप। (दिलीप; जहूर; मीणा)

काचर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

काजड़ा- सर्पनाम, काबरा, जहरीला, फणवाला, निमाड मध्यप्रदेश में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

काटस- १. सर्प नाम २. प्राचीन मुद्राओं में उल्लेखित नाम। (वेद.नाग.)

काठी- १. सर्प नाम २. तलवार की काठ की म्यान ३. काठियावाड का घोडा ४. शरीर का गठन। (तुकोजी; नालंद)

काण- १. सर्पनाम २. काणा/एक आँख का ३.कौंआ। (नी.पु; नालंदा)

काणा- कुल्लू जनपद का नाग। (ना.प.)

काण्ठाय- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

कादंरा- १. सर्प नाम, काले रंग का जहरीला, खेती की मुंडेरों पर काली मिट्टी में मध्यप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

कादार-१.सर्पनाम, काला काबरा, फणवाला, जहरीला, राजस्थान के पथरीली इलाकों या रेत के टीलों पर पाया जाता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

काद्रवेयस- सर्प नाम (कद्रू के बच्चे) (सां.सं.)

कानखेडिया- १. सर्प नाम, धान के खेतों में रहता है, उत्तरप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

कानतू- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कानफोड़े १. सर्प नाम, बगैर फण का, बिना जहर वाला, पतला कान के पास आकर सूंसायेगा, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

कानसर- नाग का नाम। (नी.पु.)

कानोधिया- सर्प नाम, चंचल प्रवृत्ति, तेज दौड़ने वाला, जहरीला, आईल के पास, खली, दाल मिल के पास म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

कापाडिया- १. सर्प नाम २. एक जाति/गोत्र का नाम। (तुकोजी; जहूर)

काबरा- १. सर्प नाम २. गोत्र नाम जो कई जातियों में मिलता है। (मीणा)

कामकार- १. सर्प नाम, काले भूरे रंग का फणवाला, जहरीला, पूजा योग्य, मध्यप्रदेश, राजस्थान के पथरीली इलाकों में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; दिलीप)

कामठ- १. एक सर्प २. जनमेजय के यज्ञ में जला सर्प नाम। (महा.; जहूर)

कामठक- १. सर्पनाम २. इधर-उधर फिरने से यह अधिक कर्मठ। (सां.सं.)

कामड़- सर्प नाम, मध्यप्रदेश में मिलता है। (तुकोजी)

कामडिया- १. एक सर्प नाम, कोबरा चमकीला, ताम्बा कलर काली मिट्टी, गेहूं के खेत में मिलता है २.रामदेव बाबा के अनुयायी साधु।(तुकोजी; नागोबा; नालंदा)

कामपाल- १. प्रमुख नाग का नाम २. श्रीकृष्ण ३. बलराम ४. महादेव। (नी.पु.; नालंदा)

कामरूप- १. एक नाग का नाम २. आसाम राज्य का जिला जिसमें कामाख्या देवी का प्राचीन मंदिर है ३. देवता। (नी.पु.; नालंदा)

कामले- १. सर्प नाम, जहरीला, कम्बल जैसे रुहें रहती हैं, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

कामीवाल- एक सर्प, खूबसूरत, तेज दौड़ने वाला। (जहूर; तुकोजी)

कायराक्ष- सर्प नाम। (नी.पु.)

कायस्थ- १. सर्प नाम, प्रायः सफेद रंग का होता है, मध्यप्रदेश में मिलता है २. एक मानव जाति का नाम जो ब्रह्मा की काया से उत्पन्न बतलाई गई है जाति भास्कर। (तुकोजी; जहूर; मानक)

कायावर्णेश- सर्प नाम, एकदम काला। (जहूर)

कारनालवाट- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, पीली मिट्टी की खदानोव में, मध्यप्रदेश, राजस्थान में पाया जाता है। २. मानव जाति का नाम। (जहूर; दिलीप)

कार्तिक- १. सर्प नाम २. एक महीने का नाम जो पवित्र माना जाता है। (जहूर; तुकोजी)

कार्तिकेय- १. सर्प नाम, जहरीला, तेज दौड़ता है, प्रायः पेड़ों पर रहता है २. पुराणानुसार शिव के ज्येष्ठ पुत्र है, दक्षिण भारत में इनका नाम सुब्रह्मण्यम है। (तुकोजी; जहूर)

कालंग- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

काल- १. प्रमुख नाग का नाम, काला सांप, चम्बा क्षेत्र में मिलता है २. प्राणियों के संबंध में उनका अंत या मृत्यु ३. मृत्यु के देवता यमराज। (नी.पु.; ना.प; मानक)

काल कंठ- सर्प नाम, यह सर्प मशाल की भांति आग सा होता है। काला रंग, दंश के बाद मनुष्य शरीर का रंग काला हो जाता है। पंजाब और उत्तरी पहाड़ों में मिलता है। (ति.म.)

कालकन्दक- सर्प नाम, पानी का सांप। (नालन्दा)

कालका- एक सर्प (मादा) २. एक देवी नाम ३. कश्यप की पत्नि का नाम जिससे नरक तथा कालक नाम के दो पुत्र उत्पन्न हुए थे। (नागोबा; मानक)

कालकुन्जर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कालकूट- १. काला बच्छ नाग २. एक तीव्र विष ३. उत्तर भारत के एक पर्वत का नाम ४. समुद्र मंथन के समय निकला हुआ परम भीषण विष जिसे शिव ने पान किया था। (मानक)

कालकेय- सर्प नाम काला रंग, रतीले इलाकों में, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

कालगंडेत- काली चित्तियों वाला विषधर सांप। (नालन्दा)

कालगंध- १. एक प्रकार का काला सांप २. काला चंदन। (नालन्दा)

काल गजार- सर्प नाम, देहली में हदहार कहते हैं, विषहीन, नदी के किनारे मिलता है। (ति.म.)

कालतोडिया- सर्प नाम (सर्प.दं.)

कालदन्त- सर्प नाग। जनमेजय के यज्ञ में जला सर्प का नाम। (महा.)

कालदन्तक- सर्प नाम जिसकी दाड का रंग काला हो। (सां.सं.)

कालन- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कालनाग- काला सांप, जिसके काटने से मौत अवश्य होती हैं। (नालन्दा)

कालभैरव- १. सर्प नाम उज्जैन में मिलता है २. शिव के मुख्य गणों में से एक गण ३. शिव। (दिलीप; जहूर; मानक)

कालमेह- १. सर्प नाम २. हर उग्र तथा घातक विषम ज्वर। (सर्प.दं.(मानक)

कालयूपर- सर्प नाम, जहरीला। (ति.म.)

कालरवाल- सर्प नाम बोल-चाल में कोलरवाल भी कहते है बहुत जहरीला राजस्थान में मिलता है २. मानव जाति की गोत्र। (जहूर; दिलीप)

कालवेग- सर्प नाम जनमेजय के यज्ञ में जला सर्प। (महा.)

कालाँग- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

काला- १. सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, पूजा योग्य राजस्थान में मिलता है २. कृष्णा/ स्याम ३. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

कालाचप- सर्पनाम, छोटा, फणवाला, जहरीला, काले रंग का, दिल्ली के आस-पास पाया जाता है। (ति.म.)

काला ताकि- सर्प नाम, रंग काला, जहरीला, इसकी एक आंख सफेद और दूसरी मटमैली होती है, दिल्ली के आस-पास मिलता है। (ति.म.)

काला तैलिया- सर्प नाम, रंग काला, जहरीला, दिल्ली के आस-पास मिलता है। (ति.म.)

काला लिहारंग- सर्प नाम, काला, स्याहीभरा दिखता है, चमकीला, बहुत जहरीला। (ति.म.)

कालिंग- १. सर्प नाम २. कलिंग देश का निवासी ३. हाथी ४. लोहा। (नालन्दा)

कालिका- १. सर्प नाम, जहरीला, पूजो योग्य, म.प्र. में मिलते हैं २. कालारंग ३. दुर्गा की एक मूर्ति ४. दक्ष की पुत्री का नाम। (जहूर; मानक)

कालिय- १. प्रसिद्ध नाग का नाम, जिसकी पूजा होती है २. कृष्ण ने कालिय नाग का दमन किया था। (महा.)

काली- १. श्रेष्ठ मादा सर्प, पूजा योग्य २. दुर्गा/पार्वती ३. हिमालय पर्वत से निकलने वाली एक नदी। (तुकोजी; जहूर; नालन्दा)

कालीखोह- १. सर्प नाम, जहरीला, चट्टानों की दरारों में पाया जाता हैं २. राजस्थान के एक स्थान का नाम। (जहूर; तुकोजी)

कालीढोर- १. सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता है २. मानव जाति का एक नाम। (जहूर)

कालीदास- १. सर्प नाम २. संस्कृत के एक प्रख्यात महाकवि का नाम। (तुकोजी; दिलीप; जहूर)

कालीनाग- कुल्लू जनपद का नाग। (ना.प)

कालीबंगा- १.सर्प नाम मालवा राजस्थान में पाया जाता है २. राजस्थान प्रांत के गंगानगर जिले में घग्गर नदी की घाटी में स्थित एक पुराना पुरातात्विक स्थल। (वेद.नाग.)

कालीयक- १. सर्प नाम २. दारू हल्दी ३. पीला चंदन ४. केसर। (मानक; महा.)

कालू- १. चम्बा क्षेत्र का नाग २. सीप के अंदर रहने वाला कीडा ३. काला। (ना.प.;मानक)

काले- १. सर्प नाम २. जहरीला, फणवाला, म.प्र. में पाया जाता हैं २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

कालेश्वर- सर्प नाग, पूजा योग्य। (तुकोजी; नागोबा)

कावजी- १. सर्प नाम जहरीला रेतीले इलाकों में, नहरों के किनारे मिलता है राजस्थान में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर; दिलीप)

कावरिया- सर्प नाम कानडियां भी कहते हैं। (इ.पा.; स्नेह)

काविश- एक सर्प, जहरीला, कम लम्बा। (दिलीप; जहूर)

काशी- १. सर्प नाम, उ.प्र. मलियागिरी में मिलता हैं २. उत्तर भारत की एक प्रसिद्द नगरी, जिसे आजकल बनारस या वाराणसी कहते हैं। (मानक; तुकोजी; जहूर)

काशीवाल- १. सर्प नाम, काशी के तरफ गंगा के किनारे रेतिले इलाकों में मिलता है २.मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर; दिलीप)

कासलवाल- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

कासार- १. सर्प नाम, नदी के किनारे, तालाबों के पास, खेतो की मुन्डेर में, काली मिट्टी में मध्यप्रदेश में है २. एक मानव जाति का नाम ३. छोटा तालाब/ताल/पोखर। (जहूर; मानक)

कासिप- १. सर्प नाम बगैर फणवाला,पतला, जहरीला, रेतिले इलाकों में मिलता हैं २. मानव जाति का एक गौत्र। (जहूर; दिलीप)

कासिर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना. प.)

किक्किसाद- १. एक सर्प २. चातक पक्षियों को खाने वाला सर्प। (सां.सं.; सु.सं.)

कितना- नाग नाम, कुल्लु क्षेत्र में मिलता है। (ना.प.)

कितव- १. सांप का नाम २. जुआरी ३. धतुरा। (नी.पु.; नालन्दा)

किदारू- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

किमूद- नाग नाम। (नी.पु.)

किराड- १. सर्प नाम, दरारों में मिलता है बगैर जहरीला २. एक मानव जाति का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

किरार- १. सर्प नाम, बरड़ों में, झाड़ पर चढ़ता हैं २. मानव जाति का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

किरीट- सर्प नाम।

किर्तना- नाग का नाम (ना.प.)

किर्यानी- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

किवाड- १. सर्प नाम, आवाज करता है जहरीला फणवाला खण्डहरा में, राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम ३. लकडी का पल्ला जो चौखट में जड़ा रहता है। (जहूर; नालंदा)

किशुक- नाग नाम। (नी.पु.)

किसान- १. सर्प नाम, काली मिट्टी में पाया जाता हैं २.उडीसा की एक जाति का नाम ३. वह जो खेती बाडी का काम करता है। (जहूर; मानक)

किसानया- सर्प नाम कांसले के खेत में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

कीकट- १. सर्प नाम २. मगध प्रदेश का प्राचीन नाम जहां अनार्य जाति रहती थी। (जहूर; तुकोजी; वेद.नाग.)

कीचक- १. सर्प नाम २.राजा विराट का सांला जो उनका सेनापति भी था ३. खोखला या पोला बाँस। (जहूर; नालन्दा)

कीड़वा- १. सर्प नाम २. मानव जाति की शाखा का नाम। (मीणा)

कीड़ा- सॉप (वृ.प.)

कीडू- सर्प नाम, शरीर पर समानान्तर रेखाएं होती हैं,विष देर से चढता है, बिलासपुर व रोपड के पहाडों में मिलता है। (ति.म.)

कीर- १.सर्प नाम २.कश्मीर देश का एक नाम ३. मानव जाति का नाम। (तुकोजी; मानक)

कुंगरा- सर्प नाम,विषहीन, कई इलाकों में मिलता है। (ति.म.)

कुंजर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.; महा.)

कुंडली- एक सर्प नाम। (वृ.प.)

कुंती- १.सर्प नाम (मादा) २. पांडु की पत्नि का नाम ३. बरछी/भाला। (दिलीप; जहूर)

कुंभ- १. सर्प नाम, जमीन में घडे की स्थिति बनाकर बैठता है, मालवा में मिलता है, नीमच, कोटा पहाडी इलाकों में भी पाया जाता है २. एक राशि का नाम ३. प्रति बारहवें वर्ष लगने वाला एक धार्मिक पर्व ४. गौतम बुद्ध के एक पूर्वजन्म का नाम। (जहूर; तुकोजी; मानक; नालन्दा)

कुईकेढा- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

कुकडी- १. एक सर्प २. कुक्कुटी ३. मुरगी। (ना.प.;नालन्दा)

कुकडेश्वर- १. सर्प नाम २. शिव का एक पूजा स्थल। (तुकोजी; नागोबा)

कुकुण- नाग नाम (महा.)

कुकुर- १. सर्प नाम २. एक देश (आज का बाडमेर) ३. यदुवंशी क्षत्रियों की एक जाति। (महा; नालन्दा)

कुक्कर- १. सर्प नाम २.कुत्ता ३. एक यदुवंशी राजा ४.एक मुनि का नाम।(सर्प द.; नालन्दा)

कुक्कुटेश्वर- १. सर्प नाम बोलने वाला सॉप, मालवा में मिलता है गेहूं के खेत या गोदाम में पाया जाता है २. चौरासी लिंग में से एक नाम। (जहूर; तुकोजी)

कुच्छल- सर्प नाम। (तुकोजी; सोनी)

कुट- १.सर्प नाम, मुर्गी पालन केन्द्र के आस-पास रहते हैं जहरीला, छोटा, म.प्र. में मिलता है २.घर/गृह ३. दुर्ग/गढ ४.पहाड ५. वृक्ष। (जहूर; मानक)

कुटको- नाग नाम। (नी.पु.)

कुटासन- नाग नाम/चम्बा क्षेत्र में पाया जाता है। (ना.प.)

कुटिल- १. सर्प नाम २. टेढा प्रवृत्ति का सर्प, काश्मीर में रहना वाला प्रमुख सर्प। (सां.सुं.; नी.पु.)

कुटुम्बेश्वर- १. सर्प नाम, गरीब सीधा, बिना जहरीला, खूबसूरत, राजस्थान की पहाडियां में मिलता है, कुटम्ब की रक्षा करता है २. चौरासी लिंग में से एक इसके पूजन से कुटुम्ब में वृध्दि और सुख प्राप्त होता है। (जडुर: तुकोजी: नालन्दा)

कुठर- १. सर्प नाम २. कुल्हाडे के फल की तरह चपटी पूंछ वाले समुद्रीय सांप ३. वह डन्डा जिससे मथानी की रस्सी लिपटी रहती है। (सां.सं.:मानक)

कुठार- १. सर्प नाग २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३. कुल्हाडा/फुरसा। (महा.:मानक)

कुत्तामुख - सर्प नाम, जिसका मुख कुत्ते जैसा दिखाई देता है। (स्नेह: इ.पा.)

कुथरहू- चम्बा क्षेत्र का नाम। (ना.प.)

कुन्डधार- नाग नाम। (महा.)

कुन्डर- सर्प नाम, सांवेर के आस-पास मिलता है। (तुकोजी)

कुन्डल- १. सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप ३. कान में पहने जाने वाला मंडलाकार प्रसिद्ध गहना जो बडे बालें कीतरह होता है ४.किसी प्रकार की मंडलाकार आकृति/ रचना जैसे सॉप का कुंडल बनाकर बैठना।(महा :मानक)

कुन्डलक- १. सर्प नाम २. शरीर को कुण्डली से लपेट लेने वाला। (सां.सं.)

कुन्डिनाश-सर्प नाम (सां.सं.)

कुन्डुकअजगर- सर्प नाम (जहूर: तुकोजी)

कुन्डोदर-१.सर्प नाम २. कुण्ड के समान आयतन के पेट वाला अथवा पेट को जलकुल में डालकर बैठने वाला। (महा: सां.सं.)

कुमरदानु- नाग नाम, कुल्लु क्षेत्र में मिलता है। (ना.प.)

कुमार- १.सर्प नाम २. पांच वर्ष की उम्र का बालक ३. कार्तिकेय ४. पुत्र/बेटा/ लडका। (नी.पु: नालन्दा)

कुमारक- १.सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प नाम, कामवासना की अधिकता वाला सर्प।३. राजकुमार। (महा.: सां.सं.)

कुमावत- १. सर्प नाम २. मानव जाति का नाम (तुकोजी: दिलीप)

कुमुद- १. नाग नाम २. कमलिनियों में मिलता हैं ३. एक दिग्गज का नाम ४. राम की सेना के एक बंदर का नाम ५. एक द्वीप का नाम ६. एक केतु तारा। (नी.पु.: सां.सं.महा: मानक)

कुमुदाक्ष- सर्प नाम। (महा.)

कुम्भमंडली- सर्प नाम। जिसका शरीर फूलकर घडे की तरह कुप्पा बन गया हो एक सा सर्प। (सां.सं.)

कुम्भीनस- सर्प नाम जिस की नाक घड़े की तरह हो। (सां.सं.)

कुम्हार- १.सर्प नाम, जहरीला, पीली मिट्टी की खदानो में, म.प्र. उ.प्र. में मिलता है २. एक जाति का नाम, जो प्रायः मिट्टी के बर्तन बनाती है। (जहूर: दिलीप)

कुरमर- सर्प नाम, चलने पर हड्डी बोलती है। (तुकोजी: जहूर)

कुरमार- सर्प नाग। (तुकोजी: जहूर)

कुरमी- १. एक सर्प म.प्र. में मिलता है २. मानव जाति का नाम। (जहूर: तुकोजी)

कुराडोदर- सर्प नाम, कुण्ड के समान आयतन के पेट वाला। (सां.सं.)

कुरू- १. सर्प नाम, अधिक जहरीला २. एक प्राचीन देश का नाम ३. एक प्रसिद्ध राजा जिसके वंश में पान्डु व धृतराष्ट्र हुए थे। (कन्हैया: तुकोजी)

कुर्म- १. सर्प नाम दक्ष कन्या कद्रू का पुत्र २. कच्छप/कछुवा ३. विष्णु का दूसरा अवतार। (महा: नालन्दा)

कुलत्थक-सर्प नाम कुलथी के खेतों में मिलने वाला। (सां.सं.)

कुलपट- सर्प नाम। (स्नेक: इ.पा.)

कुलबन्धिया- सर्प नाम, फनवाला, जहरीला। (तुकोजी: जहूर)

कुलमी- सर्प नाम, मानव जाति का नाम। (दिलीप: जहूर)

कुलिक- १. सर्प नाम २. एक सांप दक्ष कन्या कद्रू का पुत्र ३. वह सर्प जिसका रंग हल्का भुरा रंग का होता है तथा जिसकें मस्तक पर अर्ध चद्र बना होतहै ४. एक प्रकार का विष। (नी.पु.: महा.: मानक)

कुलुष- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कुलूरात्र- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कुवलिया- सर्प नाम। मालवा में मिलता है। (दिलीप: मल्हार)

कुवॉर- १.सर्प नाम चितकबरा २.एक मास का नाम। (जहूर: तुकोजी)

कुवाल- १. सर्प, पूजा योग्य २. राज. में स्थित एक पवित्र मंदिर कुवालजी ३. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कुशरास- सर्प नाम, छोटे सरकंडो में रहने वाला। (सां.सं.)

कुशवाह- १. सर्प नाम सीधा, कम दौड़ने वाला, राजस्थान में मिलता है २. क्षत्रियों की एक जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

कुष्ठमंडली- वह सर्प जिसके खाल पर कोढ जिसे चकते हो। (सां.सं.)

कुष्ठी- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कुसुम- १.नाग नाम २.एक फूल का नाम। (नी.पु.)

कुसुमेश्वर- १. सर्प नाम, पूजा योग्य, रफ्तार तेज, गीली मिट्टी में या ठंडी जगह में रहता हैं २. उज्जैन स्थित चौरासी लिंगों में से एक। (जहूर: तुकोजी)

कुह- १.सर्प नाम २.चीख चिल्लाहट ३. हाथी की चिंग्घाड़। (नी.पु.)

कुहर- १. एक प्रमुख नाग का नाम २. बिल/ सुराख ३. गुफा ४.कण्ठनील।(नी.पु.: मानक)

कुहुर- एक नाग। (महा.)

कूपन- नाग का नाम। (नी.पु.)

कूष्माण्डक- सर्प, पेठे के रंग का। (सां.सं)

कृत- १.प्रमुख नाग नाम २. सतयुग ३. संपादित रचित ४. चार की संख्या (नी.पु.)

कृतिसार -सर्प नाम (सा.सं.)

कृत्तिका-१. सर्प नाम (मादा) जहरीला, कालरंग , तेज दौड़ने वाला हनुमानगढ़ राजस्थान में मिलता हैं २ .सत्ताईस नक्षत्रों में से तीसरा नक्षत्र ३. छकडा गाडी। (जहूरनालन्दा)

कृपाण -१ प्रमुख नाग नाम २-सिख धर्म के लोगों का एक हथियार का नाम ३. छोटी तलवार। (नी.पु.: नालन्दा)

कृमि- १. सर्प नाम २.छोटा कीडा (वेद: नाग)

कृश-१.सर्प नाम-जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप ११६ :पतले सिकडे शरीर वाला २.दुबला पतला ३.अल्प छोटा। (महा: सां.सं.: नालन्दा)

कृशक- एक नाग। (महा)

कृष- सर्प नाम। (जहूर: तुकोजी)

कृष्ण-१.एक सर्प २.कालारंग ३.यशोदा का पुत्र कृष्ण ४.चन्द्रमा का दाग ५.कोयल ६.अंधेरा पक्ष। (जहूर: नालन्दा)

कृष्ण भोगी- काला साँप। (नालन्दा)

कृष्ण मंडली- काले रंग की मंडली सर्प (सा.सं.)

कृष्णराज-१.सर्प नाम, काला सर्प राज २.भुजंगा पक्षी। (सा.सं.)

कृष्णराजि- कालि रेखाओं वाला सर्प। (सा.सं.)

कृष्णोदर-काले पेट वाला एक प्रकार का सर्प। (मानक)

केतु- १.सर्प नाम २.एक ग्रह का नाम ३. पुरानोनुसार राहू नाकक राक्षस का कबंध ४.निशान ध्वजा। (नी.पु.: मानक)

केदार- १.एक नाग, चमकिला फणवाला।पहाडी के पास, मालवा में मिलते है २.एक शिव लिंग ३.हिमालय के अन्तर्गत एक पर्वत ४.कामरूप देश एक तीर्थ। (तुकोजी: जहूर: नालन्दा)

केबुक- एक प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

केमखोइया-१.सर्प नाम, पानी का सर्प २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

केरीया- सर्प नाम, कम जहरीला। (दिलीप: जहूर)

केला-१.सर्प नाम, हल्का पीला रंग जहरीला चाल तेज ढाई फीट लम्बा २.कदली फल या वृक्ष। (जहूर: तुकोजी)

केलुक- प्रमुख आग का नाम। (नी.पु.)

केवट- १. सर्प नाम, जहरीला म.प्र.निमाड़ में पाया जाता है २.नाव चलाने वाली एक जाति मल्लाह। (नालन्दा: जहूर)

केवरिया- सर्प नाम। (जहूर: तुकोजी)

केशपिंगल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

कैरात-सर्प नाम। (सा.सं.)

कैलाँग- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

कैलाजी-१.सर्प नाम, फणधारी २.एक तीर्थ स्थल। (जहूर: नागोबा)

कोकिल-१.सर्प नाम २.कोयल ३.एक प्रकार का जहरीला चूहा। (मानक: तुकोजी)

कोच-१.सर्प नाम, कबरा जहरीला राजस्थान में मिलता है २. जाति का गोत्र नाम।(जहूर: दिलीप)

कोटपाल- सर्प नाम। (नी.पु.तुकोजी जहूर)

कोटया- सर्प नाम मालवा में मिलता है। मानव जाति के गोत्र का नाम। (तुकोजी: दिलीप)

कोटरक- नाग, वृक्ष की खो में रहने वाला। (सा.सं.: महा.)

कोटवाल - १. सर्प नाम २.अखाडे पंचायत या बिरादरी का वह आदमी जिसका काम सब लोगों तक निमंत्रण आदि पहुंचाना होता है। (तुकोजी: मानक)

कोटिश -१. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.पुराने किलो के आसपास रहने वाला सर्प। (सां.सं)

कोटेश्वर- एक शिमला जनपद का नाग। (ना.प.)

कोड़िया- सर्प नाम। (जहूर: तुकोजी)

कोणीय- १.सर्प नाम जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.वासुकि के वंश का एक सर्प। (महा)

कोणप- भोजव- सर्प नाम। (महा.)

कोपति- नाग का नाम। (नी.पु.)

कोभालकर- १.सर्प नाम जहरीला तेज दौड़ने वाला रेतिले इलाकों में राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कोमलक- सर्प, नाम गुदगुदा छोटा सर्प ।(सां.सं.)

कोरकू- १.एक नाग, फणवाला जहरीला म.प्र.राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कोरवा- १.सर्प नाम, पतला, तेज दौड़ने वाला जहरीला (राज) में मिलता हैं २.उ.प्र.की एक जाति। (जहूर: दिलीप)

कोल - १.सर्प नाम २.उ.प्र. एक जनजाति का नाम। (किशोर: दिलीप)

कोलटा- १.सर्प नाम, मटमेला रंग, जहरीला, तेज दौड़ने वाला २.मानव जाति का गोत्र नाम ।(दिलीप: तुकोजी)

कोलवाल- १.सर्प नाम, बहुत जहरीला नर्मदा के किनारे पहाडी चट्टानों में मिलता २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कोली- १.सर्प नाम २.मानव जाति का नाम। ३. प्राचीन राजकुलीन जाति। (जहूर: मानक)

कोशिया १.सर्प नाम काला रंग, जहरीला, फणवाला, पथरीली चट्टानी-म.प्र.में मिलता हैं २-मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कोष्टा-१. सर्प नाम, कपास, रूई के आसपास रहता है २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी)

कोसरा- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला म.प्र., राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

कौणपाशन -सर्प नाम, प्राणियों के शरीर को खाने वाला साँप। (सां.सं.)

कौरव-१. एक लम्बा सर्प बिकानेर में मिलता है २.महाभारत की प्रसिद्ध जाति ३.राजा कुरू के वंशज या सन्तान। (दिलीप: जहूर: मानक)

कौरव्य- १.सर्प नाम, कुरूप्रदेश का निवासी २.कुरू के वंशज ३.प्राचीन भारत का एक नगर। (सा.सं.: मानक)

कौरा कावार - १.सर्प नाम वाला, जहरीला, फणवाला, पथरीले इलाकों में म.प्र., राजस्थान में पाया जाता हैं २.एक मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

कौलवाल-१.सर्प नाम, जहरीला कोयले की खदानों में पथरीले इलाकों में पाया जाता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

कौशल- १.सर्प नाम, खूबसूरत जहरीला उ.प्र. में मिलते हैं २.कौशल एक प्राचीन देश का नाम ३.कौशल प्रदेश का निवासी। (जहूर: मानक)

क्राथ- १.एक नाग २.एक राजा जो राहुग्रह के अवतार माने जाते है ३.धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम। (महा: मानक)

क्रितिरिया-१.सर्प नाम केरेत जैसा पतला जहरीला म.प्र.में हर जगह पाया जाता हैं २. मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

क्री- सर्प नाम। (वेद नाग)

क्रोध-१.सर्प नाम २.क्रोधी, सहन न करने की शक्ति वाला। (जहूर)

क्षत्रिय- १.सर्प नाम, चिकने वर्ण वाले तथा अतिकोष वाले सर्प क्षत्रिय जाति के है, २.हिन्दुओं के चार वर्णों में से दूसरा वर्ण ३.राजन्य,राजा ४.शक्ति बल। (जहूर: सु.सं.)

क्षारसाहिक- कल्लर जमीन (क्षार) में पाया जाने वाला सर्प। (सा.सं.)

क्षीरकुम्भ-काश्मीरमें मिलने वाला नाग। (नी.पु.)

क्षीरिकापुष्पक- १.एक सर्प, खीरनी के फूल्के रंग जैसा। (सु.सं.; सां.सं.)

क्षेमक- १- एक नाग का नाम २.एक राक्षस ३.शिव का एक गण। (सा.सं.; मानक)

ख

खंगर - १. एक सर्प नाम हल्के पीले रंग का, छीटेवाला जहरीला उ.प्र. में गंगा-जमना के किनारे मिलता २.दुबला पतला ३.मानव जाति का नाम। (जहूर ; मानक)

खंडारे-१.सर्प नाम २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खग- १.नाग नाम २.पक्षी चिड़िया ३.गंधर्व ४.वायु। हवा ५.चन्द्रमा। (नी.पु.; नलान्दा)

खगहर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प)

खचोट- सर्प नाम। मालवा में मिलता है। मानव जाति के गोत्र का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

खजवाण्या- सर्प नाम। खजूर के पेड पर रहता है। मालवा में मिलता है। मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खटनावदिया- १.सर्प नाम जहरीला, नाली के किनारे, गीली मिट्टी में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर: दिलीप)

खटवा- १. सर्प नाम काले -पीले छीटे जहरीला राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

खटवे-सर्प नाम, राजस्थान के रेगिस्तान में, रेतली टीलो पर मिलता हैं। मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

खटीक- १.एक सर्प, कम लम्बा हरी घास के मैदानो में, हरियाली में जहरीला म.प्र.में मिलता है २.प्रसिद्ध जाति जो तरकारी का व्यवसाय करती है। (जहूल;नालन्दा)

खटोर- १.सर्प नाम। कम जहरीला लम्बाई कम, चूहो के बिलो में, काली मिट्टी में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

खडखडया -सर्प नाम। (सर्प.दं)

खडगपूच्छ- नाग नाम। (नी.पु.)

खडिया- १.सर्प नाम। जहरीला खेतो में रहता हैं २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर)

खण्डफण- सर्प नाम। (सु.सं., मानक)

खण्डहर- सर्प नाम। (नागोबा)

खण्डेलवाल- १.सर्प नाम। फणवाला, कम जहरीला उज्जैन जिले में पाया जाता हैं। २.मानव जाति का नाम। गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खादिर- १.नाग नाम २-खैर का पेड ३.चन्द्रमा ४.एक प्राचीन ऋषि। (नी.पु. ;मानक)

खनुफण- एक फण वाला सर्प जिसके फन पर चिन्ह होता है चिन्ह से मानो फन अलग-अलग खण्डों में विभक्त हो गया हैं। (सु.सं.)

खनू- शिमला क्षेत्र का नाम। (ना.प.)

खन्डवार- एक सर्प फणवाला पुराने खण्डहरों, किलो में पाया जाता हैं राजस्थान में मिलता हैं । (जहूर: तुकोजी)

खन्डवाल- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

खन्डेश्वर- १.नाग नाम २.एक खण्ड का राजा। (तुकोजी;नालन्दा)

खमनवाडा- सर्प नाम। आगर के तरफ पाया जाता हैं। (तुकोजी: जहूर)

खरतला- १.सर्प नाम चलने पर खर-खर की आवाज करता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी: दिलीप)

खरबुज्या- एक सर्प खरबुजे जैसे मुंह वाला। मालवा में मिलता है। मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खरवाट- १.सर्प नाम गेहूं के खेतों में, मुडेर के पास, उ.प्र., म.प्र.मिलता हैं २.मानव जाति का नाम। (जहूर: दिलीप)

खरात- १.सर्प नाम बगैर जहर का, पीठ पर तलवार जैसी धारी, पूंछ पर कांटे, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खरिया- १. सर्प नाम जहरीला उ.प्र.में नैनीताल-इलाहाबाद में मिलता हैं २.मानभुम रांची आदि में रहने वाली एक मानव जाति। (जहूर: दिलीप)

खरेटिया - १.सर्प नाम। धारियों वाला, छिब्बे वाला, बगैर फण वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर: दिलीप)

खर्गसनाग- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

खलखुआ- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खल्लार- चम्बा **क्षेत्र** का नाग। (ना.प)

खल्वाट- नाग **नाम।** (नी.पु.)

खांदेला- १.सर्प नाम। खांदे पर रहता है। मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खापरिया- १.सर्प नाम जहरीला, पेडो के खोखलो में (खजूर), जडो में, बासों में पाया जाता है, **२**.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

खापर्डे- १.सर्प नाम मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

खाबल- नाग नाम। पूज्यनीय। (तुकोजी;ना.प.)

खालची- नाग नाम। शिमला क्षेत्र में मिलता है। (ना.प)

खिडिव- नाग नाम। (नी.पु.)

खिरीया- १.सर्प नाम खिरनी के झा में मिलता है, खिरनी जैसे काटे २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

खिलेचार- नाग नाम (नी.पु.)

खीमसरा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खुडारा (कुन्डारा)- एक सर्प नाम। कम जहरीला बिना फन वाला नदी के किनारे पीली मिट्ठी की खदानो में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

खुल- चम्बा क्षेत्र का नाम। (ना.प.)

खुलतिया-१.सर्प नाम। सारे शरीर को फुला लेता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खेजडा-१.एक सर्प, खेजड़िया भी कहते है। चमकीला, धारियो वाला तेज दोडने वाला जहरीला फणवाला राजस्थान में मिलता है यह खेजडे की झाड की जड में रहता हैं। (नागोबा;तुकोजी)

खँड- नाग नाम। (नी.पु.)

खेडिम- नाग नाम। (नी.पु.)

खेतरवाल- सर्प नाम। पूजा योग्य। (तुकोजी;जहूर)

खेरवा- १.सर्प नाम। खेर की पेड की जडो में रहता हैं जहरीला, फणवाला (राजस्थान) में मिलता हैं २.समुद्र में जहाज चलाने वाला नाविक/मल्लाह। (जहूर;नालन्दा)

खेरातीवाल- १.सर्प नाम। सुखे डिपो में आरा मशीन में म.प्र.में मिलता हैं बगैर फणवाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

खेरीक्ष- नाग नाम। (नी.पु.;जहूर)

खेलाणी-१.सर्प नाम खेलता है, डरता नहीं। २.एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खेलुगरिया-१.सर्प नाम। चनचल प्रकृति का होता है। लगातार खेलता रहता है। मालवा में मिलता है। मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खैरतला- सर्प नाम। मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खैराटी -१.सर्प नाम। गुर्रा भी कहते है। गरम ज्यादा होता है। भुरमटा रंग। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

खोडा- १.सर्प नाम २.गोत्र नाम ३.अनाज रखने का गड्ढा। (जहूर;नालन्दा)

खोडो- १.सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

खोदा- सर्प नाम। (तुकोजी, कन्हैया)

खोबरागड़े- १.सर्प नाम यह दक्षिणी महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

खोरवाल- १.सर्प नाम जहरीला, फणवाला, म.प्र. एवं राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

खोह -१.सर्प नाम २.कन्दरा/गुफा ३.दर्रा/खाई। (तुकोजी ;मानव)



ग

गंग- १.सर्प नाम पानी में रहने वाला बिना जहरीला उ.प्र.में गंगा जमना के किनारे मिलता है। (कन्हैया;किशोर)

गंगा- १.सर्प नाम गंगा के पठारी इलाको में मिलता हैं २.भारत की एक प्रधान एवं पवित्र नदी जो हरीद्वार से निकलकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है ३.भागीरथी। (दिलीप; जहूर; मानक)

गंगाठी- सर्प, नाम, जहरीला, लकडी के डिपो में, सुखी लकडी में, सागवान के जंगलों में, म.प्र.में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

गंगावणे- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

गजगरया- सर्प नाम हाथी जैसा मद मस्त प्रवृति का। मानव जाति का गौत्र। (तुकोजी; दिलीप)

गजनेत्र- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गजभक्ष- सर्प नाम हाथी की खा जाने वाला। (सां. सं.)

गजभिये- १.सर्प नाम। मूह हाथी के सूंड जैसा मालवा में मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी,नागोबा)

गजरानिया- १.सर्प नाम। गरजता है, बोलता है जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गजव- सर्प नाम। (तुकोजी कन्हैया)

गठानेश्वर- १.सर्प नाम, फणवाला, मूह पर छब्बे होते है, मालवा में मिलता हैं। (तुकोजी; जहूर)

गठिया- सर्प नाम। छोटा व तेज चलने वाला, बैर की झाडियो में पाये जाने वाला, राजस्थान में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

गडेरिया- १.सर्पनाम, जहरीला, म.प्र.राजस्तान के रेतीले इलाके में मिलता हैं २.भैडे पालने वाली एक प्रसिद्ध जाति। (जहूर;मानक)

गडेला- सर्प नाम, गड्डो में रहता है। (तुकोजी: जहूर)

गणपति- १. सर्प नाम। पेट मोटा बुद्धिमान धीरे चलता है जहरीला देवरूप नर्मदा किनारे मिलता है। २. गण का स्वामी। ३. एक राजा का नाम। (नागोबा;तुकोजी)

गणवीर- सर्प नाम फणवाला, जहरीला, पहाडी तथा पथरीले इलाको में पाया जाता है। (जहूर: तुकोजी)

गण्डल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गदा- १.सर्प नाम, जहरीला, तेज दोडने वाला पथरीले इलाको में मिलता हैं २.एक प्रकार का प्राचीन अस्त्र जिसमें लम्बे डन्डे के आगे मोटा गोला लगा होता है। (जहूर;मानक)

गदाहात- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गन्नाई- सर्प नाम, हल्का पीला रंग का जहरीला होता है। म.प्र.में मिलता हैं। (जहूर: तुकोजी)

गन्ध- १.प्रमुख नाग का नाम २.सुगंध। (नी.पु.; मानक)

गन्धर्व- १.नाग नाम २.एक प्रसिद्ध प्राचीन जाति। (मानक; तुकोजी;जहूर)

गन्धिल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गया- १.सर्प नाम, हल्दी के समान रंग जहरीला २.आधुनिक बिहार हाज्य का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थान। (जहूर;तुकोजी;मानक)

गरलया- सर्प नाम। (सर्प दं)

गरवाल- सर्प नाम। (तुकोजी;जहूर)

गरान्डिया- सर्प नाम। (स्नेक;इ.पा.)

गरिया- १.सर्पनाम गिली मिट्टी के आसपास रहता है मानव जाति का गोत्र २.दक्षिण और मध्य भारत में मिलने वाला एक प्रकार का वृक्ष। (तुकोजी;मानक)

गरुड़-१. सर्प नाम। कृष्ण के एक पुत्र का नाम ३. गिध्द की जाति का एक प्रकार का बहुत बडा पक्षी जो पुराणों में विष्णु का वाहन रहा गया है। (मानक, नागोबा)

गर्ग-सर्प नाम, जहरीला बगैर फण,झाडियों व सुखे पत्तों में मिलता है। (जहूर;सोनी)

गलगोली- सर्प नाम (निर्विष सर्प)। (सु.सं.)

गलीचाअजगर- सर्प नाम। (जहूर: तुकोजी)

गल्लुलुल्लो- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गवंडे- १.सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

गवई- १.सर्प नाम, बगैर फण का, पतला, जमीन की दरारों में रहता है, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

गवालिया- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

गवेधुक- सर्प नाम, गवेधुक नाम के घास में रहने वाला नाग। (सु.सं.)

गांगिया- १.सर्प नाम, बिना जहर काली मिट्टी, गीली मिट्टी, नहरो, तालाबो किनारे मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप; तुकोजी; कन्हैया)

गागराणी- १.सर्प नाम, काटेदार वृक्षों के पास रहता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गाडीहार- सर्प नाम, पथरीली चट्टानों में राजस्थान- चुरू, हनुमानगढ में मिलता है। (जहूर: तुकोजी)

गान्धार- १.काश्मीर के प्रमुख नाग का नाम २.सिन्धु नदी के पास का एक देश। (नी.पु.)

गान्धारी- १.मादा सर्प बहुत जहरीला, तेज रफ्तार, पूज्ञा योग्य, २.धृतराष्ट की पत्नि का नाम। (तुकोजी;जहूर)

गाबिया- सर्प नाम, रंग गुलाबी, सटकसा,दंशित व्यक्ति पागलपन की दशा में आ जाता है, भिंडी में पाया जाता है। (ति.म.)

गायकवाड- १.सर्प नाम, दो रंग का, महाराष्ट्र में मिलता है २.मानव जाति में पाये जाने वाला गोत्र का नाम ३.बडोदा के पूर्व महाराजा का गोत्र नाम। (तुकोजी ; नागोबा)

गायन- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गायोत्री- मादा सर्प। जहरीला म.प्र. ,राजस्थान में मिलता हैं। (जहूर: तुकोजी)

गारत- १.सर्प नाम रेतिले इलाकों में रहता है, बगैर फणवाला ३ फुट तक लम्बा २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गार्ग्य- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गालव- १.प्रमुख नाग का नाम २.एक प्राचीन ऋषि का नाम जो विश्वामित्र के शिष्य थे। ३.तैंदू का पेड़। (नी.पु.;मानक)

गावडे- १.सर्प नाम बगैर फण वाला मूंह चौडा, गर्दन पतली मालवा में मिलता हैं २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी ; नागोबा)

गिर- १.सर्प नाम २.पर्वत ३.दस प्रकार के सन्यासियों में से एक। (नागोबा: तुकोजी)

गिरिप्रिय- प्रमुख नाग का नाम। (सां.सं.)

गिरीकर्ण- सर्प नाम, फनीयर सांप। (सां.सं.)

गिरीसर्प- १. सर्प नाम, २.पहाडो में रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

गुंगरवाल- सर्प नाम मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

गुगेरया- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

गुड- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गुडवाय- १.सर्प नाम २.देवता रूप, गन्ने के खेत में म.प्र.में मिलता है २.एक देवी नाम। (जहूर: नागोबा)

गुढपाद- सर्प नाम जिस जीव के पैर छिप गये है। (सा.सं)

गुणावत- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (उम.)

गुन्डली- सर्प नाम। रेतीली जगह में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

गुप्त- १.सर्प नाम, खामोश प्रकृति का सर्प, बगैर जहरीला, राजस्थान में चट्टानों व पहाडों में मिलता हैं २.मगध का प्राचीन राजवंश जिसने सारे उत्तरी भारत में अपना साम्राज्य स्थापित किया था।(चौथी-पांचवी शताब्दी)। (मानक ;जहूर)

गुरु- १. सर्प नाम, पूजा योग्य, सिन्दूरी रंग का, फण वाला, उज्जैन के आसपास मिलता है, गिरनार पर्वत पर शिव-आराधक २. आचार्य, शिक्षक ३. द्रोणाचार्य ४. बृहस्पति नामक ग्रह ५.ब्रह्मा/विष्णु/महेश। (नागौबा; जहूर; तुकोजी; मानक)

गुर्जर- १. सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, तेज दौडने वाला, मध्यप्रदेश में मिलता है २. एक प्राचीन जाति जो अब गुजर कहलाती है ३. गुजरात प्रांत ४. उक्त देश का निवासी। (तुकोजी; जहूर; मानक)

गुलगुलिया- सर्प नाम, केचुए जैसा पतला, पीले मटियाले कलर, छीटे वाला, तेज दौडने वाला, जहरीला, राजस्थान में रेतीले इलाकों में मिलता है। (जहूर: तुकोजी)

गुलधन- नाग नाम/चम्बा जनपद में मिलता है। (ना.प.)

गुलधार- नाग नाम, चम्बा जनपद में मिलता है। (ना.प.)

गुलाटी- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

गुलाब- १. सर्प नाम, राजस्थान के पुष्कर में मिलता है २. एक प्रसिद्ध कटीला पौधा जिसमें सुन्दर हलके लालरंग के सुगंधित फूल लगते हैं। (नालन्दा; नागोबा)

गुलाम- १. सर्प नाम, गरीब सीधा सर्प, बडे सर्पो से डर के रहता है, बगैर फणवाला, ज्यादातर पहाडी इलाकों, पथरिली चट्टानों, खण्डहरों में पाया जाता है, गंगानगर (राजस्थान) के आस-पास मिलता है २. साधारण सेवक/ नौकर ३.खरीदा हुआ दास। (जहूर; नालन्दा)

गुलिक- सर्प नाम, गोली (ग्रन्थि) वाला। (सां.सं.)

गुल्लक- सर्प नाम। (नी.पु.)

गुसाँई- १. सर्प नाम, गुस्सा आता है, कोबरे जैसा होता है, उज्जैन में मिलता है।२. गोस्वामी। (तुकोजी; नालन्दा

गूंगा- सर्प नाम, विषैला। (ति.म.)

गृत्स- १. प्रमुख नाग का नाम २. चतुर तथा योग्य व्यक्ति ३. मेधावी। (मानक; नी.पु.

गृहपति- १. सर्प नाम २. घर/मकान का मालिक ३. घर में रहने वाले परिवार का मुखिया। (तुकोजी; जहूर)

गेंडोलिया- १. सर्प नाम काली मिट्टी में, नालों के किनारे, गिली मिट्टी में रहता है, मालवा में मिलता है, २. मानव जाति का एक गौत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गेडेत- सर्प नाम, जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

गेनोलिया- १. सर्प नाम तेज दौडता है, तालाब की मेढ पर गीली मिट्टी के पास में मिलता है २. मानव जाति का एक गौत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गेहुअन- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर; नागोबा)

गोंड- १. सर्प नाम। फणधारी नाग। (नागोबा: तुकोजी)

गोकर्ण- सर्प नाम, जो सर्प मुख के हिस्से से सुनता है। (सां.सं.)

गोगना- १. सर्प नाम गुर्राता है २. मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

गोगा- १. सर्प नाम २. एक देवता का नाम। (तुकोजी; कन्हैया)

गोगोरिया- १. सर्प नाम उखेडे के ढेरों के पास, जहरीला २. मानव जाति का गौत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गोजर- सर्प नाम। (तुकोजी; कन्हैया)

गोजीर- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

गोठडीवाल- सर्प नाम। उज्जैन में मिलता है। (तुकोजी)

गोठवाल- १. सर्प नाम, छोटा, जहरीला, बगैर फणवाला, पूजा योग्य, राजस्थान में मिलता है २. मानव जाति का गौत्र नाम। (मीना)

गोदरा- १. सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, घने जंगल में, पहाडी इलाकों में, चट्टानों में तेज दौडने वाला, निमाड क्षेत्र में पाया जाता है, महेश्वर मण्डलेश्वर में मिलता है २. गुजरात के एक नगर का नाम। (जहूर)

गोदो- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (जहूर)

गोधी- सर्प नाम छोटा, काबरा, कम दौडने वाला, जहरीला, औंकारेश्वर में मिलता है। (जहूर)

गोध्मक- सर्प नाम, सायंकाल बाहर निकलने वाले सर्प। (सु.सं.)

गोनस- सर्प नाम जिसकी नासिका गो की नाक की तरह हो। (सां.सं.)

गोनास- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गोप- १. सर्प नाम २. ग्वाला/अहीर ३. गोशाला का अध्यक्ष ४. राजा ५ गांव का मुखिया। (तुकोजी; जहूर; मानक)

गोपरिया- १. सर्प नाम, काला रंग, फणवाला, चूहे के बिल में रहता हैं, मालवा निमाड में मिलता है २. मानव जाति का गौत्र नाम। (जहूर)

गोपाल- १. प्रमुख नाग का नाम २. श्री कृष्ण ३. गो को पालने वाला। (नी.पु.)

गोफण- सर्प नाम। (नईदुनिया, १४-१०-७९)

गोम- सर्प नाम गोमी, गोहरा, करेत भी कहते हैं। (कन्हैया; जहूर; दिलीप; तुकोजी)

गोमन- सर्प नाम,जहरीला। (ति.म.)

गोमलाडू- १. सर्प नाम गुलछी मारने वाला बडा कबरा तेज दोडने वाला, मध्यप्रदेश में जबलपुर, कटनी में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप ; जहूर)

गोयल- सर्प नाम। (तुकोजी;सोनी)

गोरखनाथ- सर्प नाम। हठयोगी,जिनका चलाया हुआ गोरखपंथ सम्प्रदाय है। गोरखपुर इन्हें के नाम पर बसा है। (नागोबा;मानक

गोराहिक- सर्प नाम सफेद रंग का सांप। (सु.सं.)

गोलघाटिया- १. सर्प नाम, जमीन में बैठने की जगह गोलाई में बनाता है, मालवामें मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी;जहूर)

गोला- १. सर्प नाम गोल होकर बैठता है, बदन भी गोल है, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम ३. गेंद की तरह कोई गोलाकार वस्तु। (तुकोजी राव;मानक)

गोलिया- १. सर्प नाम, बगैर फण वाला, फर्शी की चट्टानों में नीमच में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

गोली- शिमला जनपद का नाग। (ना.पं.)

गोविन्द-सर्प नाम (दिलीपः तुकोजी)

गोश- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गोशकवार- शिमला जनपद का नाम। (ना.प.)

गोशिरा- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

गोस्वामी- सर्प नाम। (तुकोजी;जहूर)

गोह- सर्प नाम। (जहूरः तुकोजी)

गोहर- १. सर्प नाम २. बिस खोपडा नामक जंतु। (जहूरः तुकोजी)

गौगडिया- सर्प नाम २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जूहर; दिलीप)

गौड- सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (सर्प. दं.)

गौतम- १. सर्प नाम २. एक ऋषि ३. बौद्ध धर्म के प्रवर्तक बुध्द देव का एक नाम। (तुकोजी; मानक; जहूर)

गौदन्ता- सर्प नाम, इसे घुड दन्ता भी कहते हैं, जहरीला, भिंड जिले में मिलता है। (ति.म.)

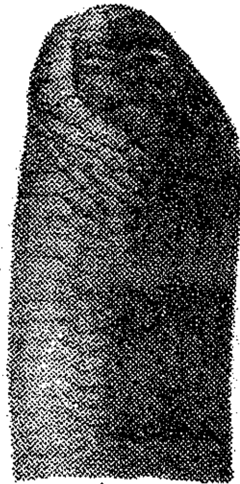
गौरव- सर्प नाम गुस्सा करके बैठा रहता है, रास्ता रोकता है। (तुकोजी; जहूर)

ग्यारस- १. सर्प नाम। जहरीला पहाडो के किनारे चट्टानों में रहने वाला २. व्रत त्योहार का दिन। (जहूरः तुकोजी)

ग्वारी- सर्प नाम। बगैर जहरीला। (तुकोजी; जहूर)

ग्वालबाबा- सर्प नाम, यह अन्य सर्पो साथ मे लेकर चलता है पीछे फिरकर नहीं देखता है और अपने स्थान पर वापस आ जाता हैं। २.एक देवता का नाम। (तुकोजी; नागोबा)

ग्वाला- १. सर्प नाम। गति तेज, हरी या सुखी घास की गंजी या खलों में रहता हैं, उ.प्र. राजस्थान में मिलता है २. दुधारू जानवर पालने वाली जाति। (तुकोजी; जहूर)



घ

घट तूसर- सर्प नाम, जहरीला, अफयी सर्प का एक प्रकार। (ति.म.)

घटवाल- सर्प नाम तेज दौडने वाला जहरीला उ.प्र.राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

घटोदन- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

घण्टेश्वर- सर्प नाम, काला रंग, फणवाला जहरीला, पूजा योग्य, बोलता है, आवाज करता है, कम लम्बा पथरीले इलाको में पाया जाता है म.प्र.राजस्थान में मिलता है। (जहूर; नागोबा)

घाघरा- १.सर्प नाम, लहरे डलती हैं कम भागता हैं, नदी किनारे मिलता है २.सरयु नदी का एक स्थानिक नाम, ३.महिला वस्त्र का प्रसिद्ध नाम। (नागोबा ; जहूर)

घाटम- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

घाड़गे- १.सर्प नाम , मालव महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र । (तुकोजी; दिलीप)

घास- सर्प नाम, हरे रंग का हरियाली में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

घुणावत- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (किशोर;तुकोजी)

घुमटकर- १.सर्प नाम, फणवाला, बिना जहरीला, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

घूंडा- नाग नाम, शिमला जनपद में मिलता है (ना.प.)

घूतगर- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

घूसवाल- १.सर्प नाम, हलका सांप,चारे में रहता है। मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

घोडेस्वार- १.सर्प नाम, तेज दोड़ने वाला, जहरीला, बिना फणवाला, सात फूट लम्बा, घोड़े पर चिपक जाते है, सेंधवा में पाया जाता २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

घोणस- सर्प नाम। (सर्प दं.)

घोरपडे- १.सर्प नाम, बिना जहरीला, मालवा, महाराष्ट्र में मिलता है, २.मानव जाति का एक गोत्र (तुकोजी; दिलीप)

घोलप- १.सर्प नाम, बगैर फण का, बगैर जहरीला, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र (तुकोजी; दिलीप)

घोलीवाल- १.सर्प नाम। सफेद रंग का होता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

घोसी-सर्प नाम अहि सर्प जैसा। (तुकोजी;जहूर)

च

चंडी- मादा सर्प नाम। (दिलीप; तुकोजी)

चंद दिने-सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

चंदन- १.प्रमुख नाग का नाम २.एक वृक्ष का नाम। (नी.पु.)

चंदवाडा- १. सर्प नाम, जहरीला, तेज दौड़ने वाला २.मानव जाति का गोत्र नाम (दिलीप; तुकोजी; जहूर)

चंद्र- १.प्रमुख नाम का नाम जहरीला, लम्बा, म.प्र.में मिलता हैं। (नी.पु.)

चंद्रगुप्त- १.सर्प नाम, छीटेवाला, २.मगध देश के प्रथम मौर्य वंशी राजा का नाम (दिलीप; जहूर ; तुकोजी)

चंद्रबोडा- एक प्रकार का अजगर। (मानक)

चंद्रमा- १.सर्प नाम। पूजा योग्य, सुनहरी रंग, जहरीला कम। २.पृथ्वी का एक प्रसिद्ध उपग्रह। (जहूर)

चंद्रमुखी- सर्प नाम फणवाला, जहरीला, प्रायःचोदस के दिन बहार निकलता है एवं नैनीताल में मिलता है। (जहूर ; तुकोजी)

चंद्रवंशी- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, चमकीला-खूबसूरत,पहाडी इलाकी में विंध्याचल में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; दिलीप)

चक्र - सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा)

चक्रधर- १.प्रमुख नाम का नाम २.विष्णु, कृष्ण। (नी.पु.)

चक्रमन्द- नाग नाम। (महा)

चक्रहस्त- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चक्री- सर्प नाम, चक्र नूमा चलने वाला। (सां.सं.)

चक्रे- १.सर्प नाम, चक्री जैसा चलेगा, दक्षिण गुजरात में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

चक्षुश्रवा- सर्प नाम, आंखों से सुनने वाला। (सा.से.वृ.प)

चण्डप्रद्योत- १.सर्प नाम २.उज्जयिनी का एक शासक। (दिलीप; तुकोजी)

चण्डवाल- सर्प नाम, पतला, तेज दौडने वाला, म.प्र.,रेतीली जगह में गंभीर (उज्जैन) नदी के पास मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चण्डेश्वर- सर्प नाम, काला रंग, अत्यधिक जहरीला, तेज दौडने वाला, चट्टानों, फर्शी के खदानों, खण्डहरों की दिवारों में मिलता है। राजस्थान में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

चतुर्वेद- १.प्रमुख नाम का नाम। (नी.पु.)

चत्रक- सर्प नाम, जिसके शरीर पर चक्र की तरह गोल निशान हो। (सु.सं.)

चनिर- सर्प नाम। चम्बा जनपद में पाया जाता है। (ना.प.)

चन्दनोयम- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चन्दपाटनक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चन्द्रबोरई - नाम, फणवाला, जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

चन्द्रवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

चन्द्रसार- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चन्दादिलेश्वर- सर्पनाम, फणवाला, जहरीला, पथरीली इलाके में पाया जाता है। निमाड में भी मिलता है चांदनी रात में ही निकलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

चमरिया- सर्प नाम। तीखा मूँह, तेज दौडने वाला। (मीणा ; दिलीप;जहूर)

चमाउ- कुल्लू जनपद का नाग। (ना.प.)

चम्पावती- सर्प नाम। सफेद रंग, म.प्र.में मिलता है। (दिलीप;जहूर)

चम्ब- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चम्मचमार- सर्प नाम, चम्मच जैसा मूंह होता है। (स्नेक;इं.पा.)

चम्मार- सर्प नाम। (कन्हैया; दिलीप)

चम्मू- कुल्लू जनपद का नाग। (ना.प.)

चरज- सर्प नाम। कम जहरीला, मालवा में मिलता हैं। (मल्हार; जहूर; दिलीप)

चरणषण्ड - प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चरस- चम्बा जनपद में नाग। (नी.पु.)

चराज- सर्प नाम।(जहूर;तुकोजी)

चरामुडिया- सर्प नाम, अजगर, काटता नहीं। पूछ में काटा होता है। धीरे दौडने वाला। (जहूर;मल्हार; दिलीप ; तुकोजी ; कन्हैया)

चरावण्डया- १.सर्प नाम २-गोत्र नाम मानव जाति का । (उम; दिलीप)

चसूनाग- नाग नाम, किन्नौर क्षेत्र। (ना.प.)

चहादे- १.सर्प नाम, अलग प्रकृति का, सिर पर चांद, फण वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

चांपल- १.सर्प नाम, पानी में डूबता नहीं। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी ; दिलीप)

चाकसू- १.सर्प नाम २.राजस्थान के एक नगर का नाम। (कन्हैया; दिलीप)

चाग- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

चाटर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चाण्ड- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चानोऊ- सर्प नाम, फनवाला, काला मटमेला रंग, पूजा योग्य नहरों के किनारे राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चान्दा- १ सर्प नाम, मानव जाति का गोत्र ।(मीणा)

चाबुक- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

चाबुकस्वार- १.सर्प नाम, बगैर फन का घोडे जैसा कूद-कूद कर दौडता है, सुर पुत्र हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

चामुण्डा- १.सर्प नाम (मादा), पूजा योग्य २.एक देवी का नाम। (जहूर)

चालजी- सर्प नाम। (स्नेक; इं.पां.)

चालदा- शिमला जनपद का नाग। (ना.प.)

चावला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (सर्प.दं.)

चावो- सर्प नाम, काला पीला कलर जहरीला पहाडी इलाकों में- म.प्र.। (जहूर; तुकोजी)

चिकर- सर्प नाम। (वृ.प.)

चिकुर- प्रमुख नाग का नाम। पुत्र सुमुख, पिता आर्यक। (नी.पु.)

चिटी (चिती)- सर्प नाम। (स्नेक ;इं.पा.)

चिडाराखेद- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

चितरावला- सर्प नाम, जहरीला, सिर चकला व पतली गर्दन सफेद फूल वाला होता है। (ति.म.)

चितल- सर्प नाम। (स्नेक इं.)

चित्तोड- १.सर्प नाम रंग भूरा भीलवाडा में मिलता है २.राजस्थान का एक प्रसिद्ध नगर। (दिलीप जहूर)

चित्र- १.प्रमुख नाग का नाम २.चित्रगुप्त ३.एक यम का नाम। (नी.पु.;महा.)

चित्रइव- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चित्रक- सर्प नाम। चित कबरा। (सु.सं.)

चित्रकूट- १.सर्प नाम २.एक प्रसिद्ध रमणीय एवं धार्मिक स्थल। (दिलीप;तुकोजी)

चित्रगुप्त-सर्प नाम। बगैर फण, जहरीला, उ.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चित्रमण्डल- सर्प नाम रंग बिरंगे चकते वाला। (सु.सं.)

चित्रवेग- सर्प नाम, जनमेजय के यज्ञ में जला एक सांप। (महा.)

चित्रवेगिक- एक सर्प नाम, विचित्र चाल चलने वाला। (सां.सं.)

चिरकर्ण- सर्प नाम। (सां.सं.)

चिराडीफाड- १.सर्प नाम, पहाडी सांप, नैनीताल में मिलता हैं। (छोटूनाथ; दिलीप)

चीज- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

चीटी चुटकुल- सर्प नाम। (मीणा)

चीड़- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

चीता- सर्प नाम। (मीणा)

चुटिया- सर्प नाम, फण में चोटी जैसा चिन्ह होता हैं, जहरीला, पूजा योग्य। (जहूर; तुकोजी)

चुन्गर- सर्प नाम। जहरीला उज्जैन में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

चुन्नी- १.मादा सर्प २.मानिक आदि का बहुत छोटा टुकडा ३.एक प्रकार का छोटा कीड़ा। (नागोबा;मानक)

चुरता- सर्प नाम। (स्नेक;इं.)

चूडिया- सर्प नाम। (ति.म.)

चूरिया- १.सर्प नाम रेतिले इलाको में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

चैत- १.सर्प नाम। चितकबरासा २.एक माह का नाम। (दिलीप;जहूर; तुकोजी)

चैतला- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

चैना- सर्प नाम। तेज दौडने वाला जहरीला कांच-चीनी के कारखानो के पास। (जहूर)

चोक- सर्प नाम कत्थई कलर जहरीला, म.प्र.में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चोखामेला- १.सर्प नाम, फणवाला, पूजा योग्य,मालवा का प्रसिद्ध सर्प २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

चोटपाल- सर्प नाम। जहरीला तेज दोडने वाला फणवाला पूजा योग्य राजस्थान में पथरीले रेतीले क्षेत्र में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चोटी- १.सर्प नाम, तेज दोडने वाला। २.शिखा ३.जुडे में खोंसने का एक गहना ४.खोपडी के मध्य के वह थोडे से बाल जिन्हे हिन्दू लोग धार्मिक चिन्ह समझते है। (नागोबा;नालन्दा)

चोतरावंशी- सर्प नाम जहरीला, पथरीले इलाकों चट्टानों में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

चोर- सर्प नाम। (वेद; नाग)

चोरपोटा- सर्प नाम जहरीला फनवाला तेज दौडने वाला राजस्थान में गंगानगर, हिसार, नोहर में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

चोरमा- १.सर्प नाम। देखते ही चल देता हैं। मालवा में मिलता है। २.एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

चोरल- १.सर्प नाम चितकबरा, पतला, कम जहरीला, सम्पूर्ण म.प्र.में मिलता है २.नदी का नाम ३.कस्बे का नाम। (जहूर; तुकोजी)

चोरे-१.सर्प नाम, मालवा में मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

चौकीदार- सर्प नाम। (सर्प दं.)

चौथमाता- १.सर्प नाम, (मादा) २.राजस्थान की देवी का नाम। (तुकोजी;जहूर)

चौपरिया- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

चौरक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

चौहान- १.सर्प नाम, चकौर निडर जहरीला पहाडी पथरीले इलाकों में मिलता है २.अग्नि कुलीन क्षत्रियों की एक शाखा ३.मानव जाति का गोत्र नाम (नागोबा; तुकोजी)

च्यवनेश्वर- १.सर्प नाम, पूजा योग्य जहरीला तेज दौडता है महाराष्ट्र में नान्देड, पूना, नासिक के अंगुर के पेडों में मिलता हैं २.पूजा स्थल मंदिर। (जहूर; तुकोजी)



छ

छंदवाल- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

छकिया- १.एक सर्प नाम जम के आराम करता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

छछुंदर सर्प- सर्प नाम, छछुंदर को खाने वाला। (मीणा)

छड़वाल-सर्पनाम (दिलीप; तुकोजी)

छड़ी- १.सर्प नाम छडी जैसा २.एक सीधी पतली लकडी ३.काश्मीर में अमरनाथ यात्रा में जो छडी गलती है, वह सर्प पूजा का प्रकार है। (तुकोजी;सुं.स)

छत्र- १.सर्प नाम फणवाला, जहरीला, पथरीले इलाको में, म.प्र.राजस्थान में मिलता पूना की पहाडी में मिलता हैं २.छतरी ३.राजाओं या राजा-सिंहासन के ऊपर लगाया जाने वाला बडा छाता। (नागोबा; तुकोजी)

छत्रपति- १.सर्प नाम, पूजा योग्य फणवाला सतपुडा- विंध्याचल की पहाडियों में मिलता है २.बहुत बडा राजा। (जहूर;नालन्दा)

छत्री नाग - कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.पा.)

छपरवाल- १.एक सर्प प्रायःछपरों पर मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

छमाह- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना. प.)

छलासार- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

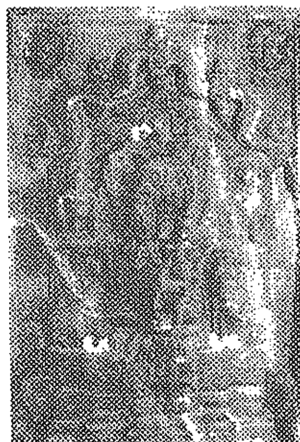
छाज- १.सर्प नाम २.सूप, जिससे अनाज फटका जाता है। (स्नेक.इ. प.)

छाजीवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र (तुकोजी; दिलीप)

छापोला- एक सर्प नाम। (मीणा)

छीपा- १.सर्प नाम छपके वाला, जहरीला। २.जाति का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

छीपी- एक मादा सर्प उज्जैन में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)



ज

जंगलिका - शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जंसोडिया- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

जगताप- १.सर्प नाम, बगैर फण का मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जगेसर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जग्गरवाला- १.सर्प नाम फणवाला, जहरीला, तेज दौड़ने वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

जघट- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

जटिया-१. सर्प नाम २. मानव जाति का नाम। (जहूर; नागोबा)

जटिल- प्रमुख नाग का नाम (नी. पु.)

जटेश्वर- १. सर्प नाम पूजा योग्य बड़ के पेड़ों की जड़ों में रहता है जहरीला म.प्र.के घने जंगलों व पहाडी ढलानों के पेड़ों में पाया जाता है। शिव की जटा में रहने वाला सर्प। पानी बरसाने वाला सर्प २.चौरासी शिव लिंग मंदिर में से एक का नाम। (जहूर; तुकोजी)

जड़नाग- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जडू- शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जतरून- चम्बा क्षेत्र का नाग (ना.प.)

जनबन्धु- १.सर्प नाम, सामान्य प्रकृति, मिलनसार, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

जनमेजय- १.नाग नाम २.महाभारत के प्रसिद्ध राजा का नाम। (महा)

जनवा- सर्प नाम, मूंह पतला, छोटा (राजस्थान) में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

जनार्दन- १.प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

जनेऊ- १.सर्प नाम, डोरी जैसा पतला २.यज्ञोपवीत ३.ब्रह्मसूत्र (नागोबा; तुकोजी; नालन्दा)

जनेश्वर- १.एक सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (नागोबा; तुकोजी)

जमन- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जमपय- १.सर्प नाम, जहरीला नहीं, मालवा में मिलता है, २.मालव सिक्कों पर अंकित नाम। (जहूर; तुकोजी)

जमींदार- १.सर्प नाम २.जमीन का मालिक (मीणा)

जमोरी- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जम्मू- १.चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जय- १.प्रमुख नाग का नाम २.महाभारत नामक महाकाव्य का पुराना नाम। (नी.पु.; महा; मानक)

जयन्त- १. प्रमुख नाग का नाम २.कार्तिकेय ३.अक्रूर के पिता ४.इन्द्र का पुत्र। (नी.पु.)

जयपय- १.सर्प नाम २.मालव सिक्कों पर अंकित नाम। (तुकोजी; जहूर.)

जयानन्द- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

जरथुश्त्र- १.सर्प नाम २.जरूथ ३.ईरान का धार्मिक आचार्य। (वेद.; नाग.)

जरयून- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जरा- १.मादा सर्प, जहरीली, फणवाली, काला राजस्थान के रेतिले इलाके में मिलता है २.काल की कन्या का नाम। (नागोबा; जहूर)

जरासन्ध- १.एक प्रमुख नाग का नाम जहरीला, तेज गति, पेड़ों पर अधिकतर रहने वाला है २.मंगध का एक प्रसिद्ध प्राचीन राजा जो कंस का ससुर था। (जहूर; नी.पु.)

जल- १.किन्नोर का एक नाग २.पानी। (ना.प.)

जलधरना- सर्प नाम। (स्नेक;इ.)

जलन्धम- प्रमुख नाग का नाम। (नी. पु.)

जलवानिया- सर्प नाम। जल में रहता है। (उम)

जलव्याल- पानी का सर्प। (सां. सं.)

जलसू- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (न.पा.)

जलांधर- १.सर्प नाम। बहुत गर्म होता है। जला देता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जलालुस- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

जलुथरिया- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

जलेबी- १.सर्प नाम, जलेबी जैसी चाल, धीमा जहर, दिल्ली में मिलता हैं २.एक प्रकार के घेरदार मिठाई ३.गोला घेरा या कुन्डली (जहूर; नालन्दा)

जल्पेश्वर- सर्प नाम, पानी के अन्दर रहने वाले, बिना जहरीला तालाब, नदियों में, म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

जहरू- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

जांगडा- १.सर्प नाम, मोटा होता है। मालवा में मिलता है। २.एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जांगल- १.सर्प नाम २.एक प्राचीन क्षेत्र का नाम। (किशोर; दिलीप)

जांगलवा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जागरीवाला- १.सर्प नाम बोलता है, जहरीला, खेतों में रहता है, फणवाला, म.प्र. में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

जागोरिया- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

जाजोरिया- १.सर्प नाम घास में होता है बिना जहरीला म.प्र.सतपुडा विन्ध्याचल की पहाडी में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

जाटवा- १.सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम, मालवा में मिलता हैं। (तुकोजी; जहूर; कन्हैया; दिलीप)

जादव- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

जादुप- सर्प नाम, पतला, छोटा, जहरीला, म.प्र.(नीमाड)। (जहूर; तुकोजी)

जान सांप- सर्प नाम, छोटा-पतला सटक सा, सफेद रंग, डरता अधिक है। (लि.म.)

जाना- सर्प नाम, छोटा पतला भूरे रंग का धारिया म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

जानुव - प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

जाबडोलिया- १. सर्प नाम बगैर फणवाला, जहरीला, धारियावाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

जामक- सर्प नाम पीला, एवं पतला। (कन्हैया; मल्हार; दिलीप)

जामण- १.सर्प नाम २.जन्म देनेवाली माता (दिलीप; तुकोजी; मल्हार; कन्हैया; जहूर)

जामणा- सर्प नाम, काला-नीला रंग का होता जहरीला उज्जैन में मिलता है २. लड़की के मां बनने पर माता-पिता द्वारा लड़की तथा ससुराल पा को कपड़े आदि देने की सामाजिक संस्कार का नाम। (तुकोजी; जहूर)

जामली- सर्प नाम। (नागोबा; तुकोजी)

जायक- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

जायसवाल- १. सर्प नाम २.मानव जाति का नाम। (नागोबा; तुकोजी)

जार- १.सर्प नाम (किशोर; तुकोजी)

जारवाल-१.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (किशोर; कन्हैया; तुकोजी)

जाखाली- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

जालवाल-१.सर्प नाम, जाल बनने जैसी स्थिति में रहता है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जालू- १.सर्प नाम, पत्थरों में रहता है। बिना फण वाला। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जाहरन- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

जिन- १.सर्प नाम २.गौतम बुद्ध ३.जैनो के तीर्थकर। (नागोबा; तुकोजी)

जिन्द- १.सर्प नाम, पूजा योग्य, पानी के किनारे गुलची बनाकर रहता है छोटा। २.एक जिले का नाम। (जहूर; तुकोजी)

जिहा- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

जिह्ग- टेढा मेढा चलने वाला एक सर्प। (सां.सं.)

जीजी- १. सर्प नाम दुबला- पतला मालवा में मिलता है २.मां या बहन का सम्बोधन। (जहूर; तुकोजी)

जीनवाल- १.सर्प नाम,निमाड में पाया जाता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

जीवने- १.सर्प नाम महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

जुगी- सर्प नाम गीली मिट्टी, खेतों की काली मिट्टी के किनारे जहां चीटी अधिक होती है चीटी खाता है, जहरीला उ.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

जुझारू- १.सर्प नाम, चमकीला, तेज जहरीला हरियाली में मिलता है मालवा- उज्जैन में पाया जाता है २.एक यौद्धा। (जहूर; तुकोजी)

जुर्णी- सर्प नाम बुढी साँपिनी। (सां. सं.)

जूंणिया- १.सर्प नाम मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जूडा- १.सर्प नाम बडे परिवार वाला सांप २. मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जूणवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (कन्हैया; दिलीप; तुकोजी)

जूनठर- सर्प नाम, जून हलरा भी बोलते है, सांप कीजमीन सुर्ख उस पर स्याह चिन्ह होते हैं, पेट का रंग सोफद उस पर काले बिन्दु होते हैं, अत्यधिक जहरीला, जयपुर, जौधपुर और भरतपुर इलाके में मिलते है। (ति.म.)

जूनसिरा- सर्प नाम, विषैला सर्प। (ति.म.

जूनीवाल- १. सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

जेठ- १.सर्प नाम मटियाला कलर २.पति का बडा भाई, ३.बेसाख व आषाड के बीच का महिना। (जहूर; तुकोजी)

जेत- १.सर्प नाम २.मानव जाति की एक खाप का नाम। (मीणा)

जेफ- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (मीणा)

जैडिया- सर्प नाम, छोटा। (जहूर; तुकोजी)

जैरवाल- सर्प नाम, जहरीला काला नाग जैसा पूजा योग्य। (मल्हार; तुकोजी; दिलीप; कन्हैया)

जैसवाल- १.सर्प नाम, म.प्र. में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

जोगियाजूनसिरा- सर्प नाम, रंग सुर्ख पीला होता है, सिर पर चिन्ह होते हैं। (ति.म.)

जोगी- १.सर्प नाम, जहरीला फणवाला तेज दौड़ने वाला म.प्र., उ.प्र. में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (जहूर; दिलीप)

जोगीनाथ- सर्प नाम। इस सर्प की नाक छीदी होती है। (तुकोजी; जहूर)

जौनवाल- १.सर्प नाम चितकबरा सूखी पेड़ों की खोखर, डिपो में जहरीला म.प्र.राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र (तुकोजी; दिलीप; किशोर; कन्हैया)

ज्योतिक- सर्प नाम, जिसके शरीर का कोई भाग चमकता हो। (सां.सं.)

ज्योतिरथ- सर्प नाम, धुव्र तारे के सदृश। (सु.सं.)

ज्योतिष्यक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.; महा)

ज्वरान्ति- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

ज्वालेश्वर- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

ज्ञानेश्वर- १.सर्प नाम, सफेद रंग का २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

झ

झकोरे- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

झड़ग- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

झलवार- सर्प नाम, आंध्रप्रदेश में, नान्देड में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

झांक- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

झांझट- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

झाटल- १.सर्प नाम, राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; कन्हैया; दिलीप)

झाड़प्पा- सर्प नाम। (सर्प.द.)

झाड़ोत्या- १.सर्प नाम झड़ोतिया भी कहते है झाड़ियों में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

झारड़ेश्वर- १.नाग, पेड़ पर रहने वाली, कोबरा नाग की जाति बड़ा ही सुन्दर, हरे और काले रंग जैसा पूज्यनीय, फणवाला २.ग्राम झारडा जिला उज्जैन में स्थित एक महादेव मंदिर। (तुकोजी; नागोबा)

झारणा- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

झालरा- १.सर्प नाम, पूंछ के बल होते हैं, २.झालरा का रुपहला हार। (कन्हैया; दिलीप)

झाला- १.सर्प नाम, मध्यप्रदेश में मिलता है। २.मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी)

झिझनू- सर्प नाम, राजस्थान में मिलता हैं। (किशोर; जहूर; दिलीप)

झीमर- सर्प नाम जहरीला, झाड़ियों में रहता है। राजस्थान में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

झुलेलाल- १.सर्प नाम, सिन्ध में मिलता है २.सिन्धी समाज के पूज्यनीय देव का नाम। (नागोबा; तुकोजी)

झूरवाल- १.सर्प नाम २.मारवाड के मीणों की एक सॉंप। (मीणा)

झोजर- १.शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)



ट

टंक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

टंकसालिया- १.सर्प नाम बगैर फण का, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र।(तुकोजी; दिलीप)

टकरासी- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

टटवाडिया- १.सर्प नाम, सुखी लकड़ियों में, डिपो में म.प्र., उ.प्र. में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

टटवाल- सर्प नाम, बिच्छू सर्प भी बोलते हैं। (कन्हैया; दिलीप; तुकोजी)

टांक- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (कन्हैया; दिलीप)

टाटू- १.सर्प नाम, जहरीला, कम दौड़ने वाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (उम)

टिटवाडे- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

टेटवा- १.सर्प नाम, नदी के किनारे गिली मिट्टी में रहता हैं मध्यप्रदेश में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

टेटूआ- सर्प नाम, सुखे पत्तों व पेड़ों की जड़ों में, बागों में रहता है। (जहूर; तुकोजी; दिलीप)

टेम्बुर्णे- १.सर्प नाम महाराष्ट्र तथा माण्डो में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

टोडरमल- १. सर्प नाम, बडा सांप होता है, जहरीला किंग कोबरा से मिलता जुलता है निमाड में, पहाड़ों में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

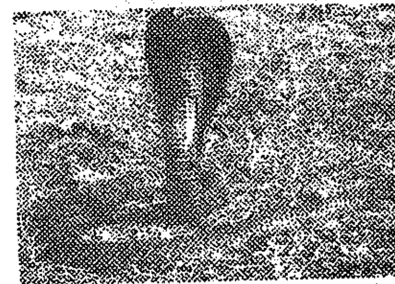
टौनी- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)



ठ

ठाकर- १.सर्प नाम, ठाकुर भी कहते हैं फणवाला, जहरीला २.मानव जाति का नाम। (महाराष्ट्र) (जहूर; दिलीप)

ठाकुरिया- सर्प नाम, जहरीला घास के मैदानों में। (जहूर; तुकोजी)



ड

डंडूभ- सर्प नाम, डुण्डु आवाज करने वाला। (वृ.प.; सां.सं.)

डंढेरवाल- १.सर्प नाम, बिना फन अनाज के गोदामों में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डगवाल- १.सर्प नाम डगमगाता है पूजा योग्य २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

डणियारा- १.सर्प नाम डण्डी जैसा पतला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

डबरौलिया- १.सर्प नाम बहुत तेज जहरीला बगैर फण २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डबिआ (डाबी)- सर्प नाम, कपास के खलों में २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

डमरू- १.सर्प नाम यह सर्प आवाज करताहै बड़ा सर्प है मालवा तथा विंध्याचल पहाड़ियों में मिलता है २.एक प्रकार का बाजा, जो शिव के हाथ में रहता है। (जहूर; तुकोजी)

डम्बर- प्रमुख सर्प नाम। (नी.पु.)

डसलाया- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

डहाट- १.सर्प नाम फुसकार खतरनाक होती है, बगैर फन का मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

डांग- प्रमुख सर्प का नाम। (नी.पु.)

डांगी- १.सर्प नाम, पतला छोटा जहरीला अंजन के पेड़ों पर पाया जाता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डाउप्या- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

डागर- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

डागल- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

डागा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डाड- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डामर- १.सर्प नाम २.आदिवासी जाति का गोत्र। (नागोबा)

डुंड- सर्प नाम। (वृ.प.)

डुबरिया- १.सर्प नाम रेतिले इलाकों में रहता हैं, राजस्थान में मिलता हैं। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डुराडुभ- जल में रहने वाला सर्व। (महा.)

डूरिया- १.सर्प नाम तेज दौड़ता है, बगैर फण का, २.मानव जाति का गोत्र नाम।(जहूर; दिलीप)

डेचर- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

डोंगरे- १.सर्प नाम, पानी के किनारे, गीली मिट्टी के आसपास रहने वाला जहरीला बिना फणवाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

डोंड - सर्प नाम। (जहूर; दिलीप)

डोन्या- सर्प नाम। (सर्प.दं)

डोबवाला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (मीणा; दिलीप)

डोभ- सर्प नाम।(तुकोजी; कन्हैया; दिलीप)

डोमी- सर्प नाम। (स्नेक.; इ.)

डौरिया- १.सर्प नाम, पतला, धारियाँ २. मानव जाति का गोत्र। (दिलीप; जहूर; किशोर; कन्हैया)



ढ

ढबली- सर्प नाम (मादा)। (तुकोजी; जहूर)

ढल्ला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

ढालेया- १.सर्प नाम, इसे ढालिया सर्प भी कहते है, फणवाला, बगैर जहर, शरीर को ढाल की तरह बना लेता है, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

ढुंढ- सर्प नाम, बिना फण का, बिना जहरीला,पुराने पेड़ों के खोखलों में सुखी जड़ोंमें रहता है। (कन्हैया; जहूर; तुकोजी)

ढेढ- सर्प नाम, कवडिया सांप जैसा। (कन्हैया; दिलीप)

ढेमना- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

ढोंटिया- सर्प नाम। (उम.)

ढोबले- १.सर्प नाम, हरा रंग, नदी किनारे रहता है, पानी का २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

ढोलीया- सर्प नाम, ढोल जैसी आवाज करता है। (जहूर; तुकोजी)

त

तक्षक- १.सर्प नाम २.पाताल के आठ नागों में से एक जो कश्यप का पुत्र था और कद्रु के गर्भ से उत्पन्न हुआ है। राजा परीक्षित की मृत्यु इसी के काटने से हुई थी। ३.विश्वकर्मा। (वृ.प.)

तख्त- एक नाग। (तुकोजी; स्नेक; इ)

तड़कें- १.सर्प नाम, तिड़किया भी कहते हैं, फणवाला, धूप में बैठता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

तनकड़ा- सर्प नाम, जहरीला,पटियाला और सतलज नदीके किनारे मिलता है। (ति.म.)

तनणू- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

तन्तुक- सर्प नाम। (सु.स.)

तन्तुकापुष्प- सर्प नाम। सरसों के फूल के रंग का सर्प। (सां.सं.)

तपनोध- सर्प नाम। (महा)

तबक- सर्प नाम। (ति.म.)

तमस- सर्प नाम। (वृ.प.)

तमोम- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

तरबल- सर्प नाम,सिर काला, रंग गेहुँआ होता है, इसकी पूंछ जिसके बदन पर भी लगती है, खाल उतर जाती है। (ति.म.)

तराली- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

तरूण- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा)

तरूणक- सर्प नाम (छोटा)। (सां.सं.)

तर्पण- सर्प नाम, नर्मदा किनारे पाया जाता है। (नागोबा; तुकोजी)

तल- सर्प नाम, पृथ्वी का राजा कहलाता है इसे पानी की प्यास लगती है। (तुकोजी; जहूर)

तलवटकर- १.सर्प नाम, फणवाला, मालवा में मिलता है, २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

तलवार- १.सर्प नाम ; जहरीला फणवाला, गोरखपुर में मिलता है २.एक लोहे का लम्बा धारदार प्रसिद्ध हथियार। ३.मानव जाति का एक गोत्र। (नागोबा; दिलीप)

तलावले- १.सर्प नाम, पानी तालाब का सर्प भी बोलते है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (किशोर; रामनाथ; कन्हैया; दिलीप)

तस्कर- १.प्रमुख नाग का नाम २.चोर ३.सुनने की इन्द्रिय, कान ४.एक प्राचीन जाति। (नी.पु.; वेद.; नाग; सर्प.दं.)

तस्तुव- सर्प नाम, गन्दे स्थान पर रहने वाला नाग। (जहूर; तुकोजी)

तांगडा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

तांगनू- शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.पं.)

तांबे- १.सर्प नाम, ताबेंकर भी कहते है, प्रायः ताबें जैसा रंग, छोटा २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

तांवडा जूनसिरा- सर्प नाम, विषहीन,कई जगह मिलता है, दो गज लंबा होता है। (ति.म.)

ताजी- १. सर्प नाम २.मीणा जाति की मुख्य शाखा का नाम। (मीणा)

तानदेव- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

तापड़- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

तापड़े- १.सर्प नाम, सूर्य देवता से गर्मी (ताप) लेता है, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

ताबुवं- सर्प नाम, विषधारी सर्प।(वेद नाग)

तामडोसेवल- सर्प नाम। ताम्बे के रंग जैसा। (तुकोजी; जहूर)

तामुलतांबु- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

ताम्बावती- १.मादा नागिन २.एक प्राचीन नगर का नाम। (दिलीप; जहूर)

ताम्राकार- नाग नाम। (महा)

तायल- सर्प नाम। (तुकोजी; सोनी)

तारा- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

तारेबान- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

तावड़ा- सर्पनाम, शरीर पर सफेद फूल, जहरीला,कुरण्डी सांप का प्रकार, आँखें बिल्ली सी, बदन कांटेदार और सुर्ख रंग का होता है। (ति.म.)

तिगंनिया- सर्प नाम, छोटा जहरीला तेज दौड़ने वाला बासों की झाडियों में, म.प्र.में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

तिड़किया- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

तितरा- सर्प नाम, इसको स्थानीय भाषा में तंतर भी बोलते हैं, चाल तेज है, कूदकर काटता है, हाशिये और हिसार में मिलता है।(ति.म.)

तित्तिर- सर्प नाम। (महा)

तित्तिरि- सर्प नाम। (सां.सं.; महा.)

तिरश्चिराजि- सर्प नाम तिरछी रेखाओं वाला सर्प। (सां.सं.)

तिरुपड़े- १.सर्प नाम, बहुत कम मिलता है, पथरीली जगह पर मालवा, महाराष्ट्र में मिलता हैं। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

तिलकई मालक-सर्प नाम, लंबा सिर, सफेद पूट, रंग हरा, कोमल बदन।(ति.म.)

तिलकूनाग- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

तिलखा- सर्प नाम,जहरीला, काटने पर जोडों में पीड़ा होती है, छाती में आग लग जाती है, बंगाल महासागर व फतहाबाद में मिलता है।(ति.म.)

तिलथुआ- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

तिलयर-सर्प नाम,काला रंग औ सफेद तिल होते हैं, हांशा और भिटीन्डे के पास मिलता है। (ति.म.)

तिलित्स- सर्प नाम, विचित्र गतिवाला सांप। (सां.सं.)

तिलोत्तमा- सर्प नाम, छपके वाला , तेज दौड़ने वाला, कम जहरीला, भूरी मिट्टी में गंगा किनारे उ.प्र.में मिलता है २. एक परम रूपवती अप्सरा जिसे ब्रह्मा ने बनाया था। (जहूर; नालन्दा)

तीक्ष्णमंडली- सर्प नाम, तेज दांतों वाला सर्प। (सां.सं.)

तीतरवालु- १.सर्प नाम, छोटी झाडी या झुरमुट में रहते है। तीतर पकड़ लेता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

तीरमार-सर्प नाम, सफेद रंग सुर्खीनुमा,सिर गोल तथा छोटा होता है, जहरीला, तेज दौडकर काटने वाला, जयपुर और कच्छ में पाया जाता है। (ति.म.)

तीर्थश्वर- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर; नागोबा)

तुंगारे- १.सर्प नाम, इक तारा जैसी मधुर आवाज करने वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

तुंदी- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

तुकोजी- १.सर्प नाम। (नागोबा; दिलीप)

तुम्बारे- १.सर्प नाम, तुम्बे की तरह बैठने वाला, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

तुम्बुस- सर्प नाम, हल्का पीला रंग, जहरीला तेज दौड़ने वाला, बगैर फणवाला, तम्बाकु के खेतों में मंदसौर में मिलता हैं। (जहूर)

तुरू- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

तुलखा तूतिया- सर्प नाम, रंग सफेद, कई रंग की रेखाएं सिर से पूंछ तक होती है,कूदकर काटता है।(ति.म.)

तुला- १.सर्प नाम, गरीब, सीधा, डंडी सीधी नर्मदा किनारे पाया जाता है २.ज्योतिष की बारह राशियों में से सातवीं राशि ३.तराजु। (जहूर; नालन्दा)

तुसिया- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

तृणशोषक- सर्प नाम, एक सर्प जो विष से या फुत्कार से घास सुखा दे। (सां.सं.)

तेजा- १.सर्प नाम, छोटा फण शक्तिशाली पूजा योग्य २.एक लोक देवता का नाम, जिसकी स्मृति में प्रति वर्ष भाद्र पद शुक्ल दशमी को मैला लगता है। (नागोबा; जहूर)

तेरह- सर्प नाम। (ति.म.)

तेलंग- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

तेलगोटे- १.सर्प नाम बगेर जहर वाला, २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

तेलड़ा- सर्प नाम,प्याज के रंग का, सिर आसमानी होता है, बंगाल व बनारस में मिलता है।(ति.म.)

तेलिया- सर्प नाम। (नागोबा; मुकेश)

तेलिया पथड़ा- सर्प नाम, रंग खाकतरी, अत्यधिक जहरीला, कडी भूमि मेंपाया जाता है।(ति.म.)

तैमात- सर्प नाम, इसे तियामत भी कह आता है। जल में रहने वाला। (वेद नाग; सां.सं.)

तो- १.सर्प नाम २.तोता-तोता की चौंच नाग रूप २.बातचीत को आगे बढाने वाला शब्द। (नागोबा; दिलीप)

तोठागरया- सर्प नाम, जहरीला निमाड तरफ एवंउज्जैन में भी पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी; उम)

तोड़िया- सर्प नाम, गेरुआ रंग तथा बदन पर नरम बाल होते हैं। जब बोलता है तोबाल खडे हो जाते हैं, आक के पेड़ों के पास मिलता है।(ति.म.)

तोतरा-सर्प नाम,इसे तुतरा भी बोलते हैं, यह पानी के रंग का होता है, ३ फूट लंबा, चाल तेज है, चुस्ती चालाकी से काटता है,नवाबगंज व बाराबंकी में मिलता है।(ति.म.)

तोरणमाल- सर्प नाम उचककर चलता है, पतला है। (नागोबा; तुकोजी)

तोरणिया- सर्प नाम। तलवार की धार जैसा घाव करता है। ऊपर की चमडी मुलायम होती है। (तुकोजी; जहूर)

तोसी- सर्पनाम, हल्का पीला रंग, गर्दन से पूंछ तक काली रेखाएं, अत्यधिक जहरीला, जगराऊ और सरहानपुर में मिलता है।(ति.म.)

त्रंबक- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

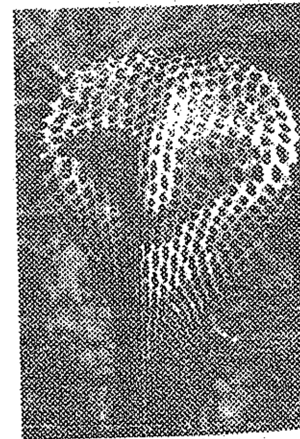
त्राता- १.कश्मीर में रहने वाले एक सर्प नाम २.त्राण या रक्षा करने वाला ३.वह जो किसी का त्राण या रक्षा करे। (नी.पु.; मानक)

त्रिनिक्रमा- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

त्रिलोकीनाथ- १.सर्प नाम फणवाला, ग्वालियर तरफ मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

त्रिशूल- १.सर्प नाम खतरनाक अधिक, त्रिशुल चित्र नुमा निशान, पथरीले इलाकों में मिलता हैं कम मिलते हैं। २.लौह का एक अस्त्र जिसके सिर पर तीन नुकीले फल होते हैं और शिवजी का अस्त्र माना जाता है ३.हिमालय की एक प्रसिद्ध चोटी। (जहूर; तुकोजी; मानक; सर्प दं.)

त्वौसम- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)



थ

थने- १.सर्प नाम २.एक सम्बोधन प्रायः राजस्थानी लोग इसका प्रयोग करते हैं। (ना.पं.; नागोबा)

थाप- सर्प नाम। (नागोबा; तुकोजी)

थाम्बा- १.मोटा सर्प, चाल धीमी पूंछ को गोल कर खड़ा हो जाता है, पूज्यनीय, लकड़ी जैसा रंग, घने जंगलों में पाया जाता हैं २.शादी के वक्त मंडप में गाडा जाने वाला एक स्तम्भ, जिसको पूजा जाता है। (तुकोजी; नागोबा)

थारवाल- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

थारू- १.सर्प नाम, पूजा योग्य, म.प्र. में मिलता हैं २. मानव जाति का नाम। (जहूर; दिलीप)

थाली- १.सर्प नाम २.भोजन करने का एक प्रसिद्ध गोल छिछला बर्तन ३.शादी के समय की एक रश्म जो जाति पंचायत द्वारा मान्य होती है। (नालन्दा; तुकोजी)

थिंग- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.पं.)

थूणगर- १.सर्प नाम, बार-बार थूकने। मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

थैनंग- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.पं.)

थोरात- १.सर्प नाम मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

द

दंगवाडा- १.सर्प नाम काली मिट्टी में रहने वाला पूजा-योग्य फणवाला तेज दौड़ने वाला जहरीला २. उज्जैन में स्थित एक प्राचीन पुरातत्व स्थल। (जहूर; तुकोजी)

दंद्रुभ- सर्प नाम। (वृ.प.)

दक्षिण- १.सर्प नाम २.एक दिशा। (नागोबा; तुकोजी)

दतात्रेय- १.सर्प नाम २.अत्रि मुनि और अनुसुइया के पुत्र, अवधूत वेष धारी महात्मा। (मानिक; नागोबा)

दत्र- एक नाग, दतात्रय की स्तुति करता है। (नागोबा; तुकोजी)

ददरवाल- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

ददोरिया- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

दधिनक्र- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दधिमुख- सर्प नाम, दूध दही का चटोरा सर्प। (महा.; सां.सं.)

दधिवाहन- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दन्दशूक- सर्प नाम, बुरी तरह काटने वाला। (सां.सं.)

दबोईया- सर्प नाम विषधर सर्प। (जहूर; मुकेश)

दमकड़ा- सर्प नाम, फिरोजी रंग, माथे पर लाल गुल, जहरीला, गोरखपुर में मिलता है। (ति.म.)

दमनी- सर्प नाम इस सर्प का लक्षण है कि यह दम नहीं लेता है। (तुकोजी; जहूर)

दयातन- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

दरजी- सर्प नाम। जमीन पर टांके जैसे निशान हो जाते हैं, इसे दरजिया भी बोलते हैं। राजस्थान के अजमेर, जयपुर आदि में मिलता है। २.कपडा सीने का काम करने वाले लोगों की एक जाति। (जहूर; तुकोजी)

दरद- १.सर्प नाम २.भयदायक, भयंकर ३.काश्मीर और हिन्दूकश पर्वत के बीच के प्रदेश का प्राचीन नाम ३.उक्त देश में रहने वाली प्राचीन जाति। (तुकोजी; मानक)

दरवीकर- सर्प नाम, कडछी की तरह फणवाला। (वृ.पं.; सां.सं.)

दराड़ी- सर्प नाम दरारों के अंदर, पेड़ में जहरीला बगैर फणवाला पतला मुरैना में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

दरि- १.सर्प नाम २. एक सम्बोधन, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा)

दरिया- १.सर्प नाम २. नदी/ समुद्र। (जहूर; तुकोजी)

दरियाई- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

दरीमुख- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दरोबी- चम्बा क्षेत्रा का नाग। (ना.पं.)

दर्पी- सर्प नाम। (वृ.पं.)

दर्भपुष्प- सर्प नाम दाभ के फूलों में रहने वाला या दाभ के फूलों के रंग का। (सां.सं.)

दर्भास- सर्प नाम, दाभ घास में रहने वाला। (सां.सं.)

दल- १.सर्प नाम, चट्टानों में पाया जाता है तीखे मुख का, बगैर फण, जहरीला, करेत जैसा, नर सर्प है। २.एक ही जाति या वर्ग के प्राणियों का गिरोह या झुंड। (नागोबा; जहूर; तुकोजी)

दवकवाड़- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

दश- १.सर्प नाम २.दश संख्या। (नागोबा; तुकोजी)

दशोनसी- सर्प नाम, दंश से नाश करने वाला। (सां.सं.)

दस्यु- १.सर्प नाम, सेंधवा के आस पास पाया जाता है। २.एक प्राचीन अनार्य नाग जाति ३.दस्यु का पारसियों की भाषा में आदरणीय अर्थ है। (वेद नाग; कन्हैया)

दाखला- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.पं.)

दाता- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दानव- १.प्रमुख नाग का नाम। २.कश्यप की पत्नी दनु के वे पुत्र जो देवताओं के घोर शत्रु थे। इन्हें असुर, राक्षस भी कहा है। (नी.पु.)

दान्ती- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दायर- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

दारूवा- सर्प नाम, महूए के पेड़ की जड़ों में रहता हैं। (जहूर; तुकोजी)

दास- १.नाग नाम २.दूसरों के अधीन रहने वाला ३.शूद्र ४.एक उपाधि जो शूद्रों के नाम के पीछे लगाई जाती है। ५.ईरानी 'दाह' से मिलता-जुलता ६.एक जाति का नाम, जो गढवाल क्षेत्र में रहती है।(वे.ना.; नालन्दा; दिलिप; कन्हैया; जहूर; तुकोजी)

दासा- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

दिगलपानिहरगिसाल- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दिग्धनपाल- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दिग्धू- सर्प नाम, चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दित- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दिति- १.सर्पनाम, नागिन जहरीली २.दैत्यमाता दिति का यह नाम अदिति के विपरीत है। (जहूर; तुकोजी

दियाड़ी- १.सर्प नाम। नागिन, दीमक के पास मिट्टी में २.गोत्र-देवी। (जहूर)

दियापोलोगां- सर्प नाम। (स्नेक.; इ.पा.; मुकेश)

दियाभरिया- सर्प नाम। (स्नेक.; इ. पा.)

दिवदी- शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

दिवाचर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दिवेकर- १.सर्प नाम, संध्या के समय, दिये बत्ती के समय निकलता हैं पूजा योग्य, देव के स्थान पर, फणवाला उज्जैन जिले में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

दिव्यक- सर्प नाम, चन्दन पर रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

दिव्येलक- सर्प नाम इलायची के फल की तरह जिसका मुख हो। (सां.सं.)

दीया- सर्प नाम मुंह दीये जैसा होता है इसे दीवालिया भी बोलते हैं पानी के किनारे चिकनी मिट्टी में रहता हैं। (तुकोजी; जहूर)

दीर्घपृष्ठ- सर्प नाम, बड़ी पीठ वाला सर्प। (सां.सं.)

दीवड- सर्प नाम। (स्नेक.; ई.पा.; मुकेश)

दुतोदिया- सर्प नाम। (स्नेक.;इ.पा.)

दुधराज- १.सर्प नाम, घोडा पछाड जैसा, आसाम में मिलता हैं। (तुकोजी; जहूर)

दुधिया- सर्प नाम, दूध जैसा। (जहूर)

दुधिया राजविष- सर्प नाम, श्वेत रंग का, ढाई हाथ का होता है, फण पर दोनों ओर दो सफेद फूल दिखाई देते हैं।(ति.म.)

दुधेरा- सर्प नाम, कम मिलते है नदी वाली जमीन पर, कम जहरीला। (तुकोजी; जहूर)

दुधेश्वर- सर्प नाम सफेद रंग का, दूध जैसा जहरीला हरी दुब में, बगीचों में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

दुमाला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (मीणा)

दुमुही- सर्प नाम। (स्नेक;इ.; मुकेश)

दुर्गा- १.सर्प नाम (मादा), पूजा योग्य, पथरीले इलाकों में (राजस्थान) एवं दुर्ग जिले में मिलता है २.एक देवी का नाम। (दिलीप; जहूर)

दुर्जय- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दुर्मुख- १.एक नाग २.खराब या बुरे मुहवाला ३.कडवी और बुरी बातें कहने या बोलने वाला। (महा; मानक)

दुलहा- १.सर्प नाम, २.वर ३.पति/स्वामी। (तुकोजी; नालंदा)

दुलारिया- १.सर्प नाम, बगीचे में मिलता है, जहरीला, बगैर फणवाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

दुल्हन- १.सर्प नाम २.वधु। (तुकोजी)

दुष्यन्त- १.सर्प नाम २.चन्द्रवंश में उत्पन्न एक राजा, पुरू की संतान, शकुन्तला का पति, भरत का पिता। (नागोबा; सं.हि.को)

दुहिता- सर्प नाम। (जहूर; दिलिप)

दूरबदू- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

देत- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

देतवाल- १.सर्प नाम, धीरे चलने वाला कम जहरीला खुबसूरत रेतीले इलाकों में, नदी-तालाबों के किनारे पाया जाता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (मल्हार)

देव- १.एक प्रमुख नाग का नाम २.दिव्य पुरुष, देवता, सुर ३.राजा का सम्बोधन करने के लिये सम्मान जनक उपाधि। ४.ब्राह्मण की एक उपाधि या संज्ञा ५.दैत्य राक्षस। (नी.पु.; मानक)

देवकवाल- १.सर्प नाम, जहरीला चूहों के बिल पर कब्जा करते है म.प्र.में मिलते हैं।(जहूर)

देवका- सर्प नाम, अंगूठे के बराबर मोटा और जमीन के रंग का हरापन लिये हुए होता है, कपूरथला और मुल्तानपुर में मिलता है।(ति.म.)

देवगन्धर्व- सर्प नाम, जहरीला पुराने मंदिरों में रहता हैं। (जहूर)

देवड़वाल- १.सर्प नाम २.मानव जातिका गोत्र नाम। (मीणा)

देवड़ा- १.सर्प नाम पूजा योग्य, फणवाला। मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

देवनाग- सर्प नाम, फण वाले जहरीला मालवा में मिलता हैं। (तुकोजी)

देवनिया- १.सर्प नाम, पूजा योग्य जहरीला काला रंग। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

देवपाल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

देवयानी- १.सर्प नाम, एक मादा सर्प, बहुत गरम, ठंडी जगह पसन्द है। २.असुरगुरू शुक्राचार्य की पुत्री ३.राजा ययाति की पत्नि। (तुकोजी; जहूर; सं.हि.को.)

देवरा- १.सर्प नाम, काला रंग का सर्प २.छोटा-मोटा देवता। ३.किसी महापुरुष की समाधि। (जहूर; मानक)

देवरिया- १.सर्प नाम, फणवाला, तेज दौडने वाला मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र ३.विवाहिता स्त्री की दृष्टि से उसके पति का छोटा भाई। (जहूर)

देशनाम- सर्प नाम। (जहूर)

देश भरतार- १.सर्प नाम, पुरा काला पेट तक २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी;नागोबा)

देशवाली- १.सर्प नाम, उज्जैन जिले में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी)

देशिया- सर्प नाम। (मीणा)

देसवाल- सर्प नाम, सीधा, गरीब प्रवृत्ति, बिना जहरीला, पीली मिट्टी की खदानों में, म.प्र.में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

देहारक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

देहिल- प्रमुख नाग। (नी.पु.)

दैत्यराज- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो कच्छप- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो काल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो गजा- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो तक्षक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो पद्म- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दोबलदिया- १.सर्प नाम, कोमल सांप। दूब पर चिपक जाता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

दो महापद्म- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो समुद्र- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दो समुद्रण- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

दोहडिया- १.सर्प नाम दो धड होते है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

दौड़-सर्प नाम, इसे डौड भी कहते हैं, प्रायः हरा रंग का होता है, ढोल की शब्द सुनकर बाहर निकलता है।(ति.म.)

दौसर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

द्रवि- फणवाला सांप। फनियर, द्रवीकर। (सां.सं.)

द्रविड़- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, ओंकारेश्वर की पहाडियों में मिलता है। २. एक प्राचीन मानव जाति का नाम। (वेद.; नाग; जहूर; दिलीप)

द्रुह- प्रमुखनाग का नाम। (नी.पु.)

द्रोणाचार्य- १.सर्प नाम, पतला, छोटा, कम जहरीला धीमी गति मालवा में मिलता है २.कौरव पाण्डवों का गुरू ३.अश्वत्थामा का पिता। (जहूर)

द्वापर- १.प्रमुख नाग का नाम। २.तृतीय युग का नाम ३.कृष्णयुग। (नी.पु.)

द्विजिहा- सर्प नाम, जीभ दो भागों में विभक्त हो। (सां.सं.; वृ.प.)

द्विरसन- सर्प नाम। (वृ.प.)



ध

धनंजय- १.नाग नाम, २.धन जीतने वाला या रक्षा करने वाला। (नी.पु.; सां.सं.; नालन्दा)

धनकर- सर्प नाम, पतला कम जहरीला तेज दौडने वाला सेंधवा, नेमावरी में मिलता है। (जहूर)

धनका- सर्प नाम, कमर पर सफेद रेखा, पेट प्याजी रंग, जहरीला, पहाड की तराई में मिलता है।(ति.म.)

धनद- १.एक प्रमुख नाग २.धन देने वाला। कुबेर। (नी.पु.; नालन्दा)

धनाहाहू- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

धनु- सर्प नाम (पीले पना पर) धान के खेतों में, गिली मिट्टी, तालाब, नदी के किनारे रहता है। २.ज्योतिष की बारह राशियों में से नवीं। (जहूर)

धनुष- सर्प नाम, कमर पर आसमानी जमीन और सफेद गुल होते हैं, इसे धनक भी कहते हैं, हर जगह मिलता है।(ति.म.)

धनुसहस्तेश्वर- सर्प नाम कम जहरीला पिली मिट्टी में। (जहूर)

धनेर- १.सर्प नाम धनेरा भी कहते है। फन वाला। खेतो के किनारो, मेड़ों पर रहता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

धन्वन्तरि- १.सर्प नाम २. देवताओं के वैद्य का नाम। (नागोबा; तुकोजी)

धमना- १.सर्प नाम २.धौकना फूंकना। (जहूर)

धरद्द- सर्प नाम। (मीणा)

धराड- १. सर्प नाम। (नागोबा; तुकोजी)

धर्मलावण्य- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

धाकड- १.सर्प नाम, इस सर्प को धाकडिया भी कहते हैं यह ऐसा सर्प है तो खाट पर पाये के सहारे चढ जाता हैं। २.मानव जाति गोत्र नाम। (तुकोजी)

धाकारू- सर्प नाम, प्रायः बबूल की झाडियों में पाया जाता है। राजस्थान, म.प्र.में मिलता है। (जहूर)

धानक- १.सर्प नाम धार के पास मिलता है। २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी)

धामन- १.सर्प नाम २.मानव की अनेक जातियों में पाये जाने वाला गोत्र। (जहूर)

धामनार- १.सर्प नाम पीला रंग २.एक प्राचीन पुरातत्व स्थल का नाम। (मल्हार; दिलीप)

धामिन- सर्प नाम (मादा) कबरा जहरीला तेज दौड़ने वाला पुराने खन्डहरों, गोदामों में पाया जाता है। (जहूर)

धार- १.सर्प नाम, धार में मिलता है २.प्रांत/ प्रदेश, ३.पानी का सोता/चश्मा। (तुकोजी; नालन्दा)

धारण- १.नाग नाम, २.कश्यप के एक पुत्र का नाम शिव महादेव ३. मानव जाति का गौत्र नाम। (नालन्दा;महा)

धारिणी- सर्प नाम (मादा) रंग कबरा चाल तेज। (जहूर)

धारिया- सर्प नाम। बगैर जहरीला २. मानव जाति का गौत्र। (तुकोजी;जहूर)

धारी- सर्प नाम काला, सफेद धारी, जहरीला पत्थरीले इलाकों में, चट्टानों में पाया जाता है राजस्थान में अधिक मिलता है। (जहूर)

धीमर- सर्प नाम, तेज दौडने वाला जहरीला मान्डू, असीरगढ़ में मिलता है। (जहूर)

धीवर- सर्प नाम जहरीला, राजस्थान में पथरीली इलाकों में पाया जाता है। (जहूर)

धुतिमान- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

धुनकर- १.सर्प नाम २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी; जहूर)

धुनावत- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहर; किशोर; कन्हैया; दिलीप)

धुनिया- सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, घास के मैदानों में, म.प्र.में घास की बीड़ों में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

धुन्धु- १.सर्प नाम, २.एक राक्षस का पुत्र जो मधुराक्षस का पुत्र था। (तुकोजी; नालन्दा)

धुमिया- सर्प नाम, छबके वाला ज्यादातर बंजर जमीन में, ढलानों में पहाडों के चट्टानों में पाया जाता है। (जहूर)

धुम्मल- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

धुरिया- सर्प नाम, बगैर जहर का। (तुकोजी)

धुलनाग- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

धुलनागरी- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

धूपड- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

धूर्तक- सर्प नाम, धूर्त स्वभाव वाला छोटा सर्प जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा.सां.सं.)

धूसर- १.एक प्रमुख नाग का नाम २.धूल के रंग का ३.मट मैले रंग का ४.एक मानव जाति। (नी.पु.; नालन्दा)

धृतराष्ट्र- १.नाग नाम, रात को धुंधला दिखता है। २.एक कौरव जो दुर्योधन के पिता होकर जन्मांध थे। (महा.; दिलीप)

धैर्या- १.सर्प नाम खूबसूरत, म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

धोधीग- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। शाखा (मीणा)

धोबी- १.सर्प नाम, इसे धोबिया भी बोलते हैं जहरीला २.मानव जाति का नाम। इसका रजक नाम भी है। (जहूर; तुकोजी)

धौम्य- १.प्रमुख नाग का नाम २.धूम ऋषि के पुत्र। (नी.पु.)

धौरन- सर्प नाम, झड़ पर रहता हैं। (उम.)

धौरसार- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

ध्यावण्या- १.सर्प नाम। कम जहरीला बगैर फण वाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

ध्वनि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

न

नंदागवली- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

नंदी- १.सर्प नाम, पूजा योग्य प्रायः बांस के जंगलों में रहता है। २.शिव का द्वारपाल बैल ३.शिव का एक प्रकार का गण ४.बंगाल के कायस्थ, तेली, नाई आदि की जातियों की उत्पत्ति ५.वट वृक्ष। (तुकोजी,; नालन्दा; सर्प.दं.)

नकुल- १.सर्प नाम, सीधा २.पान्डुराजा के चौथे पुत्र का नाम जो माद्री के गर्भ से उत्पन्न हुए थे। ३.नेवला नामक एक प्रकार का जंतु। (नालन्दा; दिलीप; जहूर)

नक्षत्र- १.काश्मीर का एक प्रमुख नाग, विशेष चिन्ह लिये हुवे २.तारों का वह समूह या गुच्छा जो चन्द्रमा के मार्ग पर पडता है। (नी.पु.)

नग- १. सर्प नाम २.न गमन करने वाला ३.पर्वत, पहाड ४.सुर्य, सांप। (वृ.प.; नालन्दा)

नगवाड़ा- १.सर्प नाम नर है, फणवाला जहरीला, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

नट- १.नाग नाम २.एक मानव जाति का नाम। (नालन्दा)

नडकूबर- एक नाग। (महा.)

नडबल- एक महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नणदेव- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नद- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नन्द- १.कश्मीर का एक प्रमुख नाग २.एक नाग का नाम जिसने भगवान बुद्ध के जन्म के समय महामाया को स्नान कराया ३.एक दिव्य सर्प ४.वसुदेव के एक पुत्र का नाम ५.धृतराष्ट्र के एक पुत्रका नाम ६.मगध देश के कई राजाओं का वंश नाम। (महा.; नी.पु.सां.सं.)

नन्दक- १.नाग नाम २.धृतराष्ट्र का एक पुत्र। (महा.; नालन्दा)

नन्दन- १.एक प्रमुख नाग का नाम २. कामाख्यादेश का एक नाम ३.शिव महादेव। (नी.पु.)

नन्दा- १.सर्पनाम, जहरीला २.दुर्गा ३.विभीषण की कन्या ४. एक नदी का नाम। (तुकोजी; जहूर)

नन्दायासुर- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नमुचि- १.सर्प नाम २. जो जाने वेदकालीन योद्धा जिसका इंद्र से युद्ध हुआ था और इन्द्र के ने इसका सिर काटा था ३.एक ऋषि का नाम। (वेद नाग)

नय- सर्प नाम। (स्नेक; इ.पा.)

नयनी- सर्प नाम, आंखें चमकीली, चतुर सर्प, जहर गरम। (जहूर; तुकोजी)

नर- सर्प नाम, पानी में रहता है २.विष्णु ३.शिव महादेव ४.पुरुष/मर्द। आदमी ५.गय राक्षस के पुत्र का नाम। (तुकोजी; मानक; नालन्दा)

नरवरिया- १-सर्प नाम, जहरीला, फणवाला म.प्र.व राजस्थान में मिलता हैं २-मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

नाराणा- सर्प नाम। (जहूर)

नर्तन- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नर्मदा- १.सर्प नाम रंग भूरा २.मध्यप्रदेश की पवित्र नदी जो विन्ध्य गिरी से निकल कर खंभात की खाडी में गिरती है। ३.एक गंधर्व स्त्री का नाम जो, केतमती की माता थी। (दिलीप; जहूर; मानक; नालन्दा)

नवरा- सर्प नाम, पहाड़ी घाटों पर मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

नवले- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

नवस- १.सर्प नाम २. नाग सिक्कों पर अंकित नाम, नवस। । (तुकोजी; जहूर; ना.शो.)

नवात- सर्प नाम।(ति.म.)

नवारू- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नवाल- १.सर्प नाम, फणवाला, राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

नहाण- १.सर्प नाम २. राजस्थान का प्रसिद्ध स्थान, जिसे वर्तमान में नई कहते हैं जहां महादेव का मेला भरता है। (जहूर; मीणा इतिहास)

नहुष- १.नाग का नाम मनुष्यों के सम्पर्क में अर्थात नगरों में पाये जाने वाला सर्प २.ययाति के पिता का नाम, जब इन्द्र के वृत्त को मार दिया और उस समय ब्रहम हत्या का प्रायश्चित करने के लिये एक सरोवर में जा छिपा, तो उस समय नहुष को इन्द्र के आसन पर बिठाया गया। (सां.स.; तुकोजी; सं.हि.को.)

नांदलीकर- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

नाई- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का एक नाम। (तुकोजी)

नाईक- १.सर्प नाम महाराष्ट्र में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

नाग- १.सांप, विशेष कर फणवाला काला सांप २.एक काल्पनिक नाग दैत्य जिसका मुख मनुष्य जैसा और पूंछ सांप जैसी होती है। ३.सात की संख्या ४.हाथी ५.एक प्राचीन नाग जाति, जिसका ईष्ट नाग है। (नागोबा; मानक; नालन्दा)

नागईमाता- सर्प नाम महाराष्ट्र में मानते हैं धुलिया में मंदिर है। (नागोबा)

नागक्षीमाढक- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नागचित्रक- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नागड़ा- सर्प नाम,सिर पर तीन रखा,तेज दौड़,कई रंग का,जयपुर के आसपास मिलता है। (ति.म.)

नागण- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नागदेवे- १.सर्प नाम, पूज्य देवता मालवा, निमाड़ में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

नागधानल- शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

नागनाथ- सर्प नाम, बहुत बड़ा जहरीला। (जहूर)

नागपुरिया- १.सर्प नाम, पूजा योग्य, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

नागर- १.सर्प नाम, राजस्थान में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (दिलीप; जहूर)

नागराज- सर्प नाम, सर्पों में बडा सर्प २.शेष नाग ३.हाथियों में बडा हाथी ऐरावत। (नागोबा; मानक)

नागरी- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

नागवंशीविश्वकर्मा- सर्प नाम, फणवाला, पूजा योग्य, जहरीला पूरे भारत में पाया जाता है। (जहूर

नागस कयोच- किन्नोर क्षेत्र का एक नाग।(नी.पु.)

नागिन- सर्प नाम (मादा फण वाली)। (नागोबा)

नागोबा- १.सर्प नाम २. मध्यप्रदेश के सनावद में सर्प देवता का मंदिर 'नागोबा' नाम से विख्यात। (सर्प.दं.)

नाजीर- सर्प नाम, यह नजर से काम तमाम करता है।(ति.म.)

नाड़ा- सर्प नाम, पीला रंग का, जहरीला, जगराऊ, मालवा और पटियाला में मिलता है।(ति.म.)

नाढला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (वेद नाग)

नात्री- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नाथ- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला चितोड के आस-पास मिलता हैं २.प्रभु/स्वामी ३.गोरख पंथी साधुओं की एक पद्वी जो उनके नामों के साथ जुडी रहती है ४.वह मदारी जो सांप पालते और नचाते है ५.एक जाति नाम। (जहूर; मानक)

नाथजोगी- १.सर्प नाम २.एक मानव जाति का नाम। (तुकोजी; जहूर)

नाथद्वारा- १.सर्प नाम, नाथ बिंधी हुई, पतला, चकवा जैसे बीकानेर के पास मिलता है २.राजस्थान का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थान। (दिलीप; जहूर)

नाना- १.सर्प नाम, पतला,छीटेवाला कम जहरीला नदी के किनारे, पीली मिट्टी में, रेती में म.प्र., उ.प्र.गंगा- जमना के किनारे मिलता है २.माता का पिता। (जहूर)

नानी- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला जहरीला, सुखे पतों, झाडियों में, सुखे पेड़ों में पाया जाता म.प्र.- सेंधवा, हरसूद, बुरहानपुर आदि में मिलता है २.माताकी मां।(जहूर)

नानेटी- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

नामदेव- सर्प नाम, सनावद के पास मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम ३. महाराष्ट्र के प्रसिद्ध वेष्णव भक्त कवि। (मानक; नागोबा)

नामशूद्र- १.सर्प नाम, पतला, तेज दौड़ने वाला कम जहरीला २.एक मानव जाति का नाम। (जहूर)

नायक- १.सर्प नाम २.अधिपति स्वामी ३.श्रेष्ठ पुरुष ४.गोत्र/जाति। (तुकोजी; जहूर; मानक)

नाया- सर्प नाम, रंग जहरीला पत्थरीले इलाकों में पाया जाता है, जोधपुर, राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

नार- १.सर्प नाम (मादा)२.सभी औरत। (तुकोजी)

नारद- १.महान नाग का नाम, २.कच्छप ऋषि की पत्नि से उत्पन्न एक गन्धर्व का नाम, ३.चौबीस बुद्धों में से एक कानाम ४.शाक द्वीप का एक पर्वत ५.एक प्रसिद्ध देवर्षि। (नी.पु.;मानक)

नारायण- १.सर्प नाम जहरीला पथरीली इलाके पर में खासतौर पर राजस्थान में मिलता है २.ईश्वर/ भगवान ३.एक ऋषि का नाम। (महा;जहूर; कन्हैया)

नारायणी- सर्प नाम, हरयाली में पाया जाता है जहरीला २.दुर्गा का एक नाम ३.विश्वामित्र के एक पुत्र का नाम। (जहूर; मानक)

नारेडा- सर्प नाम, पतला, फणवाला, लम्बा होता है घास की जगह में मिलता है म.प्र.में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

नाल- १.सर्प नाम २.रस्सी के आकार कीवह नली जो एक ओर गर्भाशय से मिलती है तथा दूसरे गर्भस्थ बच्चे भी नाभि से। (तुकोजी; कन्हैया)

नालवन्द- सर्प नाम, जहरीला, फणवाला पहाडी इलाकों में पाया जाता निमाड (म.प्र.)में मिलता है। (जहूर)

नाली- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नावली- १.सर्प नाम। (तुकोजी;नागोबा)

नासर-सर्प नाम। (ति.म.)

निकुम्भ- १.महान नाग का नाम २.शिव के एक अनुचर का नाम ३.सुन्द और उप सुन्द के पिता का नाम ४.कुम्भकर्ण के एक पुत्र जो रावण का पुत्र था ५.शतपुर का असुर राजा जिसका वध कृष्ण ने किया था। (नी.पु.;मानक)

निकोसकर- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

निगम- १.सर्प नाम, रेतीले इलाके में राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

निमि- एक महान नाग का नाम, २.महाभारत के अनुसार एक ऋषि जो दत्तात्रेय के पुत्र थे, ३ ईश्वाकुवंशीय एक राजा का नाम जो मिथला के राजवंश का पूर्व पुरुष था। (नी. पु.; नालन्दा)

नियमेन्द्रिय- सर्प नाम। (तुकोजी)

निरवाण- १.सर्प नाम मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

निवारिया- १.सर्प नाम, निम्बू के पेड के आसपास गिली मिट्टी में रहता हैं बगैर फणवाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

निशाचर- १.काश्मीर में रहने वाले एक प्रमुख नाग का नाम २.रात्रि ३.सर्प ४.वह जो रात को चले। (नी.पु.; नालन्दा)

निशाद- १.सर्प नाम २.केवल रात को खाने वाले। (जहूर)

निषाद- १.सर्प नाम, २.एक प्राचीन अनार्य जाति ३.श्रंग बेर पुर के पास का प्राचीन प्रदेश। (तुकोजी; जहूर; मानक)

निष्ठानक- सर्प नाम, एक जगह स्थिर रहने के स्वभाव वाले सर्प। (महा;सां.प.)

निष्ठुरक- नाग नाम। (महा)

निसिचर- सर्प नाम। (वृ.प.)

निसिचारी- सर्प नाम। (वृ.प.)

नीगह- शिमला क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नीचीन- गर्दन को ऊपर न उठाने वाला सर्प। (सां.सं.)

नीम- १.सर्प नाम २.एक वृक्ष। (तुकोजी)

नीमी- कुल्लू क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

नीरमंडली- सर्प नाम (गुजराती)। (स्नेक.इ.)

नील- १.नाग नाम, गहरा आसमानी रंग का,काश्मीर में रहने वाले एक प्रमुख नाग का नाम २.एक नदी का नाम ३.एक प्रसिद्ध पौधा। (नीलम,;महा.;सां.स.)

नीलगर- सर्प नाम निले रंग का। (तुकोजी)

नीलसर- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नुन्गा- सर्प नाम। (तुकोजी)

नूपुर- महान नाग का नाम। (नी.पु.)

नेपाल- १.सर्प नाम २.भारत के उत्तर में एक रुखा पहाडी देश जो हिमालय के तट पर है ३.ताम्बा। (नागोबा; नालन्दा)

नेमावर- सर्प नाम, नगर का नाम। (तुकोजी)

नेवज- १.सर्प नाम २.एक नदी का नाम ३.भोग। (मानक ; नागोबा; तुकोजी)

नेवरी- १.सर्प नाम छोटा होता है चाल तेज जहरीला २.स्त्री का आभूषण। (जहूर)

नोगिया- १.सर्प नाम लम्बा, पतला, मटियाले रंग का- गिली मिट्टी में रहता है, म.प्र.में मिलता है, धारियो वाला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

नोदर- सर्प नाम। (जहूर)

नोनगरे- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

नोनवाल- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी;जहूर)

नोनिया- सर्प नाम, जहरीला काली मिट्टी में पाया जाता है म.प्र.में मिलता है। (जहूर)

नौनाग- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

न्यग्रोध- महान नाग का नाम। (नी.पु.)



प

पंगु- नाग नाम। (नी.पु.)

पंचुडे - १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

पंचोली- १.सर्प नाम पांच रंग का होता है, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

पंडित- १.प्रमुख नाग का नाम २.विद्वान, बुद्धिमान ३.सुक्ष्म बुद्धि, चतुर ४.एक उपाधि। (नी.पु.)

पंवार-१.सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

पक्षी- १.सर्प नाम। (नागोबा)

पगडी- १.सर्प नाम, पूजा योग्य, बडा, लम्बा, तेज दौड़ता है कम जहरीला, म.प्र., राजस्थान में पाया जाता है २.सिर पर बाधे जाने वाला लम्बा कपडा ३.मान मर्यादा का प्रतीक ४.पगडी बांधना, उत्तराधिकार प्राप्त होना। (जहूर)

पगारे- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

पङ्क- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

पचतोडिया- १.सर्प नाम, वचन तोड देता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी)

पचनाग- सर्प नाम। (स्नेक.;इ.पा)

पचवाडिया- सर्प नाम, पचरंगी, फणवाला, जहरीला पथरीला इलाकों में रहता है। (जहूर)

पच्छ- सर्प नाम, जहरीला, खेती की जमीन में मालवा में मिलता हैं। (तुकोजी)

पज- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

पञ्चहातक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

पञ्चास्य- नाग नाम। (नी.पु.)

पटन- नाग नाम। (नी.पु.)

पटनायक- सर्प नाम, तेज दौडने वाला जहरीला म.प्र., राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

पटयार- सर्प नाम। (सर्प.दंश)

पटलशूचि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

पटवा- सर्प नाम, जहरीला म.प्र.राजस्थान में मिलता है २.रेशम या सूत में गहने गुथने वाला ३.पटवा, एक जाति। (जहूर)

पटेलिया- १.सर्प नाम जहरीला २.मानव जाति का एक नाम (महाराष्ट्र) (जहूर)

पठान- १.सर्प नाम शरीर से तगडा फणवाला, निमाड में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

पड़िहार-सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

पडोलया- सर्प नाम। (सर्प;दंश)

पणि- सर्प नाम २.वैभवशाली एवं सुसम्पन्न ॠग्वेदिक जाति, जिनके पास अतुल माया में गोधन था। (वेद;नाग)

पताक- सर्प नाम। (सां.सं.)

पताकी- सर्प नाम २.राज्य चिन्ह ३. महाभारत के अनुसार एक योद्धा का नाम जो कुरूक्षेत्र के मैदान में कौरवों की ओर से लडा था। (महा.)

पत्तनेश्वर- सर्प नाम, छोटा, जहरीला, तेज गति वाला पड़ों के सुखे पतो व जड़ों में रहता है सेन्धवा म.प्र.के आस-पास मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

पद्म- १. नाग का नाम जिसके पण में पदम का चिन्ह हो २.एक संख्या सूचक ३.एक पुराण ४.काश्मीर का एक प्राचीन राजा, जिसने पद्मपूर नगर बसाया है। ५.जैनों के अनुसार भारत के नवें चक्रवर्ती का नाम ६.बौद्धों के अनुसार एक नक्षत्र का नाम ७.पदमा नदी का एक नाम। (नी.पु.; सं.सं; महा)

पद्मनाथ- सर्प नाम, छोटा, पतला,रंग श्वेत, सिर पर खुर के निशान,अत्यधिक जहरीला, दिल्ली के आसपास पाया जाता है।(ति.म.)

पद्मावती- १.सर्प नाम २.पटना उज्जैन, पन्ना एवं पवाया नगर का एक प्राचीन नाम ४.युधिष्ठर की एक रानी का नाम। (मीणा)

पनवारा- १.सर्प नाम पनवाड़ी में मिलता है। २.पत्तों की बनी हुई पत्तल। (तुकोजी; नालंदा)

पनस- १.सर्प नाम, काटें की तरह तेज दांत वाला २.कटहल का वृक्ष, फल ३.राम की सेना का एक बंदर ४.विभीषण का एक मंत्री। (सु.सं.;मानक)

पनेजी- कुल्लू जनद का एक नाग। (ना.प.)

पनेरी- १.सर्प नाम पानी के पास मिलता है, नदी/तालाब के किनारे गीली मिट्टी में मिलता है,नर्मदा के किनारे मिलता है २.पनवाडी (तंबोली)। (जहूर; मानक)

पन्छेडा- यह सर्प सांपों का मुखिया होता हैं, तुरन्त आंखों में फोटो ऊतार लेता हैं बदन से पेसीने की गंध को ग्रहण कर लेता है ओंकारेश्वर के आस-पास मिलता हैं। (तुकोजी)

पन्नग- सर्प , सांप २.एक प्रकार की जड़ी या बूटी। (वृ.प.)

पमारिया- सर्प नाम,जहरीला म.प्र., राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

पय- १. नाग का नाम २.दुध ३.पानी जल। (नी.पु.)

पर- १.प्रमुख नाग का नाम २.शिव ३.ब्रह्मा ४.पक्षी का पंख। (नी.पु.)

परधान- १.सर्प नाम लम्बा, बगैर फणवाला २. मानव जाति का नाम। (जहूर)

परभूत- १.चम्बा क्षेत्र का नाग २.जिसका पालन किसी दूसरे ने किया है। (ना.प.; मानक)

परसोया- सर्प नाम, उज्जैन जिले में मिलता है। (तुकोजी)

परहू- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

परालिया- सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला कम जहरीला। (जहूर)

पराशर- १.सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २.वशिष्ठ के पोत्र और कृष्ण द्वैपायन व्यास जो पराशर स्मृति के रचयिता माने जाते है। ३.आयुर्वेद के प्रधान आचार्य। (महा)

परिपात्र- सर्प नाम। (सां.सं.)

परियात- सर्प नाम, जमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा)

परिसर्प- १.सर्प नाम, कुन्डलियों मे बैठने वाला नाग २.इधर-उधर घूमना, किसी के चारों ओर घुमना। (सु.सं.; नालन्दा)

परिहार- १.सर्प नाम पहाडी में उ.प्र.में मिलता है २.मनु के अनुसार एक प्राचीन स्थान- विशेष ३.अग्निकुल के अन्तर्गत आने वाला एक राजवंश का नाम।(जहूर; मानक)

परेला-सर्प नाम,जहरीला, इसके बदन पर नर्म नर्म खपरे होती है,चलने पर शब्द उत्पन्न करता है। अफयी सर्प का एक प्रकार है।(ति.म.)

परोर- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

परोहल- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पर्वत- १. प्रमुख नाग का नाम २.पहाड ३.सात की संख्या ४.एक गंधर्व का नाम (महाभारत)५.मरीचि के एक पुत्र का नाम। (नी.पु.; नालन्दा)

पलक-सर्प नाम, कमर पर लाल जमीन और सफेद फूल होते हैं। आबादी के इलाकों में पाया जाता है। (ति.म.)

पलपोलांगा- सर्प नाम (सिंहली)पानी में रहने वाला हरा सांप। (स्नेक;इं.पा.)

पलिया- १.सर्प नाम नदी नाले के किनारे रहता है, काली मिट्टी में फणवाला, तेज दौडने वाला, नर्मदा के किनारे मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

पलौडा- १.सर्प नाम बगैर फणवाला, पतला राजस्थान में मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

पल्लव- १.सर्प नाम २. दक्षिण का एक राजवंश ३.नये निकले हुए कोपल। (तुकोजी; नालन्दा)

पल्लवी- १.सर्प नाम २.पल्लव देश की निवासी। (तुकोजी)

पल्ला- सर्प नाम तेज दौडने वाला, बगैर फणवाला, जहरीला हनुमानगढ (राज) के आस-पास मिलता हैं। (जहूर)

पवडी- १.सर्प नाम, इसे पबडी भी कहते है। बिना फन का तथा चिकना, चाल बहुत तेज राजस्थान में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र। (मीणा)

पवन- १.सर्प नाम मेंढक की तरह कुदने वाला हवा में उडने वाला छोटा सांप हवा खाता है २.हवा/वायु ३.जल/पानी। (जहूर)

पवनाशक- सर्प नाम। (ना.प.; नालन्दा)

पवनाशन- सर्प नाम। वायु खा कर रहने वाला। (सां.स.)

पवनाशा- सर्प नाम। (वृ.प.)

पवासी- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पशुपत्रेश्वर- सर्प नाम, पशुओं के पास रहता है। (जहूर)

पश्चिम- १.सर्प नाम २.एक दिशा का नाम। (नागोबा)

पहाड- १.सर्प नाम २.भूमि के तल से बहुत-ऊंचा पथरीला प्राकृतिक भाग जो दूर से सर्प के फण जैसा लगता है। (दिलीप)

पहाडचीनी- सर्प नाम। (जहूर;दिलीप)

पांडव- नाग नाम, ओंकारेश्वर की पहाडी के आसपास मिलता है २.प्राचीन काल में पंजाब का एक प्रदेश जो झेलम नदी के किनारे था २.कुंति और माद्री के गर्भ से उत्पन्न राजा पांडू के पांच पुत्र। (जहूर; मानक)

पांडी- सर्प नाम, अंजन झाडो पर पाया जाता है छोटा, निमाड में बहुत मिलता है। (जहूर)

पांडु- १.सर्प नाम २.हस्तिनापुर के प्रसिद्ध राजा का नाम ३.सफेद हाथी। (सु.सं.;नालन्दा)

पांवडेडिया- १.सर्प नाम २.मानवजाति का गोत्र। (तुकोजी)

पाकल- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

पाखरी- सर्प नाम। (मल्हार;दिलीप)

पाचा- सर्प नाम, पांच धारी वाला बिना फण का। (कन्हैया)

पाट- सर्प नाम, धृतराष्ट्र के वंश का सर्प। (महा)

पाटील- १.सर्प नाम गुस्सा ज्यादा आता है सांप महाराष्ट्र एवं पूर्व निमाड में मिलता हैं २.मानव जाति की अनेक जातियों में पाये जाने वाला गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

पाठर- नाग का नाम। (नी.पु.)

पाणदिवड- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

पाणवा- सर्प नाम, पान की पनवाड़ी में होता है हरा रंग पतला, तेज दौडने वाला जहरीला। (जहूर)

पाणीमान- सर्प नाम। (महा)

पात-सर्प नाम, कौरव कुल में उत्पन्न नाग।(महा.)

पातडी- १.सर्प नाम, पूजा योग्य (मादा)ठोस सर्प होता है २.शादी में दुल्हन को दी जाने वाली महत्वपूर्ण गले में बांधने की वस्तु जिसमें नाग रूपी देवी का चिन्ह होता है राजस्थान की जातियों में इसकाविशेष महत्व है। (नागोबा; तुकोजी)

पातञ्जली- नागनाम। (नी.पु.)

पातर- नाग नाम। (महा.)

पातलवास - सर्प नाम, पतला बगैर फणवाला तेज दौडने वाला कम जहरीला, म.प्र.में मिलता है। (जहर; तुकोजी)

पाताडे- १.सर्प नाम पन्तडे भी बोलते है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

पातालअजगर- सर्प नाम। (जहूर;तुकोजी)

पात्र- १.प्रमुख नाग का नाम २.ऐसा व्यक्ति जो काम या बात के लिये सब प्रकार से योग्य समझा जाता हो ३.राज्य का प्रधान मंत्री। (नी.पु.; मानक)

पाथ- १.नाग का नाम २.जल सूर्य ३.अग्नि ४.आकाश ५.वायु। (नी.पु.;मानक)

पाथर- १.सर्प नाम, जहरीला तेज दौडने वाला, राजस्थान के हनुमानगढ इलाके में पाया जाता है। २.पत्थर। (जहूर)

पान- १.सर्प नाम, हरा रंग जहरीला बगैर फणवाला डेढ फीट लम्बा पान की पनवाडी में मिलता हैं। २.पत्ता। (जहूर)

पानतावणे- १.सर्प नाम पत्तों पर चलता हैं फणवाला महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

पानबुडे- सर्प नाम, पवन सर्प भी कहलाते है हरियाली में निवास करते है जहरीला तेज दौडने वाला पतला। (जहूर)

पानीय- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

पानीवाला- सर्प नाम। (इं.पा.;मुकेश)

पाबजी- सर्प नाम, पूजा योग्य, फणवाला उज्जैन, सांवेर में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

पाभेकर- सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता है। (तुकोजी;नागोबा)

पाम गोमन- सर्प नाम। (ति.म.)

पारया- सर्प नाम, जहरीला काली मिट्टी में, सोयाबीन-कपास के खेत में म.प्र., राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

पाराडर- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जल एक सांप। (महा)

पारावत- सर्प नाम, कबूतर के रंग का, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (सां.सं.;महा.)

पारिजात- १.काश्मीर में रहने वाले एक प्रमुख नाग का नाम २. एक वृक्ष का नाम ३.एक हाथी का नाम जो ऐरावत कुल का बताया जाता है। ४.एक मुनि का नाम। (नी.पु.;नालन्दा)

पार्वती- १.सर्प नाम। पतला जहरीला काटने वाला २.हिमालय पर्वत की पुत्री, जिसका विवाह शिव से हुआ था। ३.भवानी ४.गिरीजा ५.उमा। (नालन्दा; तुकोजी; जहूर)

पाल- १.सर्प नाम, वासुकि के कुल में उत्पन्न एक नाग, अंडे, बच्चे पालने वाला,फणवाला २.अहिर/ग्वाल ३.राजा ४.नामान्त शब्द ५. बंगाल के प्रसिद्ध राजवंश का नाम। (महा.; सांपों का संसार; जहूर)

पालास- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

पालिन्दिर- सर्प नाम। (सं.सं)

पालिहिर- सर्प नाम। (सां.स.)

पाली - १.सर्प नाम, सुखे पत्तों में, सुखी लकडी में रहता हैं २.प्राचीन भारत कीएक प्रमुख भाषा जिसमे गौतम बुद्ध के धर्म ग्रंथ लिखे गये। (जहूर; मानक)

पालीतस- १.सर्प नाम २.प्राचीन सिक्के पर टंकित नाम। (वेद नाग)

पाशी- १. प्रमुख नाग का नाम २. मानव जाति का नाम, जो जाल या फंदे से चिडिया आदि पकडते है ३.वरुण देवता ४.यम। (नी.पु.;मानक)

पासर दंडी- सर्प नाम, अत्यधिक जहरीला, सिर पर सलीबी का चिन्ह होता है, जम्मू के आसपास पाया जाता है। (ति.म.)

पाहैरा- सर्प नाम जहरीला गेहूं के खेतों में उ.प्र.,पंजाब, हरियाणा में मिलता है। (जहूर)

पिंगल- १.सर्प विशेष का नाम, पीला रंग, फणवाला, जहरीला २.एक यक्ष का नाम ३.विष नाम ४.एक प्राचीन मुनि जिन्होंने छंद- शास्त्र की रचना की, नागमुनि। (मानक; महा.; जहूर)

पिंगला- १.सर्प नाम (मादा) हल्के पीले रंग की जहरीली, ओंकारेश्वर के आस-पास मिलता है २.सूर्य नाड़ी ३.लक्ष्मी ४.शीशम का पेड़। (मानक)

पिंगलेश्वर- सर्प नाम, पीले रंग का हल्के छीटे वाला, जहरीला, निमाड राजस्थान, पचमढ़ी में मिलता है। २.एक उज्जैन स्थित देव स्थान का नाम। (जहूर; तुकोजी)

पिंगलोदर- नाग का नाम। (नी.पु.)

पिञ्जरक- १.सर्प नाम जिसका ढांचा पिंजरे जैसा। २.हर ताल। (महा.;सां.सं.)

पिंड- १. नाग नाम, पिन्डली जैसा, लम्बाई कम भूरा रंग २.पैर की पिन्डली। (नागोबा)

पिंडार- १.सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.साधु ३.गाय बैल चराने वाला ग्वाला। (नालन्दा; महा.)

पिंडारक- १.सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.एक प्राचीन तीर्थ का नाम ३.वासुदेव और रोहिणी के एक पुत्र का नाम ४.एक पवित्र नदी का नाम। (महा;नालन्दा)

पिच्छल- १. प्रमुख नाग का नाम जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला सांप- नशीला विष उगलने वाला या दलदली भूमि का सांप २.वासुकि के वंश का एक सर्प ३.आकाशबेल ४.शीशम का पेड। (सां.स.; नी.पु.; महा.; मानक)

पिटक- सर्प नाम। (तुकोजी)

पिठरक- १. सर्प नाम, जो रसोई घरों के आस-पास रहता है, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप २.थाली ३.कढाही। (सां.सं.;महा)

पिता- १.सर्प नाम, पपीता, ककडी के क्षेत्र में रहता हैं, जहरीला, म.प्र. निमाड में मिलता है। २.जन्म देकर पालन पोषण करने वाला बाप, जनक, तात। (जहूर;मानक)

पिन- सर्प नाम, जहरीला। (ति.म.)

पिन्डसेला- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा)

पिपील- सर्प नाम, पीले रंग का सांप। (सां.सं.)

पिप्पलाद (पिपलाद)- सर्प नाम, नागिन, तेज दौड़ती है कम बाहर निकलता है, म.प्र. राजस्थान में मिलता है २.अथर्ववेद के एक शाखा- प्रवर्तक एक ऋषि का नाम ३. एक देवी का नाम। (जहूर; मानक)

पिप्रु- १.सर्प नाम २.पिप्रु एक ऋग्वेदिक असुर सेनापति, जिसके अनेक दुर्ग थे और ५०,००० असुर सेना थी। ऋजिश्वन का यह प्रधान-शत्रु था। इसे मायावी दानव भी माना है। (वेद;नाग)

पिराडरीक- सर्प नाम। (सा.स.)

पिलादिया- सर्प नाम, पीला रंग, छीटे वाला,कम जहरीला, बिना फण, गीली मिट्टी की जगह रहता है। (जहूर) .

पिल्लाई- सर्प नाम, तेज दौडने वाला, छोटा, जहरीला, बिना फणवाला। (जहूर)

पिशङ्ग- १.सर्प नाम, कमल के फूल की पराग धूलि के समान जिसका रंग हो, २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप ३.लाली लिये भूरा रंग। (महा.;सां.सं.)

पिशाच- १.सर्प नाम २.एक हीन देव योनी भूत-प्रेत ३. कश्मीर की सीमा से प्राचीन भारत के पश्चिमोत्तर सीमा तक के प्रदेश का प्राचीन नाम। (सां.स.)

पिशिताद- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला सांप। (महा)

पींगोलिया- १.सर्प नाम घास के इलाकों में, गंजी में, खली में रहता हैं, जहरीला राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

पीउला- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पीत- नाग का नाम। (नी.पु.;नागोबा)

पीतरंग- सर्प नाम। जिसकी आंख का रंग पीला हो। (सां.स.)

पीपल -१.सर्प नाम पूजा योग्य फणवाला २.पीपल का एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी पूजा की जाती है, यह वृक्ष पवित्र होता है, बोधि द्रुम। (तुकोजी; जहूर)

पीर- १.सर्प नाम २.वृद्ध ३.बडा, पूज्य, बुजुर्ग ४.महात्मा, सिद्ध पुरुष ५.सोमवार का दिन। (नागोबा; मानक)

पीलाम्पूरस- सर्प नाम, जहरीला। (ति.म.)

पीवाण नाग- सर्प नाम। (नागोबा)

पुछेरिया- १.सर्प नाम, पूंछ पर बारीक बाल होते है, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी)

पुजाली- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पुण्डरिक- प्रमुख नाग का नाम, फण पर लाल कमल का चिन्ह हो। (सा.सं.;नी.पु.महा.)

पुनू- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पुरिया- सर्प नाम फन वाला, जहरीला, निमाड में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम (तुकोजी; जहूर)

पुलिंद- सर्प नाम २.भारत वर्ष की एक प्राचीन जाति ३.उक्त जाति का व्यक्ति ४.उस जाति के बसने का देश (मानक; जहूर)

पुष्कर- १.सर्प नाम, जहरीला, फूंक मारता है, एक प्रमुख नाग का नाम २.अजमेर के निकट एक प्रसिद्ध तीर्थ-स्थान ३.तालाब , सरोवर ४.शिव ५.गौतम बुद्ध का एक नाम ६.एक असुर का नाम। (मानक;नी.पु.;जहूर)

पुष्प- १. सर्प नाम २.फूलों में रहता हैं दुबला होता हैं ३.पेड -पोधों के फूल। (महा; नागोबा)

पुष्पदंष्ट्र- एक सांप जो फूलो में से कांटता है। (सां.स.; महा)

पुष्पदन्त- १.नाग नाम २.शिव का अनुचर, एक गंधर्व। (महा)

पुष्पपाण्डु- सर्प नाम। (मानक; सं.स.)

पुष्पमित्र- १.सर्प नाम बगीचा वाला सर्प खुशबू की जगह रहता है सभी जगह मिलता है २.शुंग वंश के एक राजा का नाम। (मानक; जहूर)

पुष्प-शकली- सर्प नाम, विषहीन सांप, ऐसा सर्प जिसके शरीर में फूल का चित्रण दिखाई दे। (सां.सं.)

पुष्पसाहाथ- नाग का नाम। (नी.पु.)

पुष्पाभिकर्ण- सर्प नाम, फूलों से घिरी जगहों पर रहने वाला एक सर्प। (सां.सं.)

पूरिया पलक- सर्प नाम, गेहुँआ रंग, चौड़ा माथा, गोल सिर, आँख सफेद होती है, लाहौर में मिलता है। (ति.म.)

पूर्ण-१.सर्प नाम, भरे हुवे बदन वाला सर्प २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (सां.स.; महा.)

पूर्णभद्र- १.सर्प नाम २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप सीधा सादा सर्प (सज्जन सर्प) ३.स्कन्द पुराण के अनुसार हरिकेश नामक यक्ष के पिता। (सां.सं.; महा.)

पूर्णमुख- सर्प नाम, जिसका मुख खूब बडा हो,जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (सां.स.;महा.)

पूर्णाङ्गद- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (सां.सं.)

पूर्णिमा- १. सर्प नाम, सफेद रंग का होता है २.चांद मास के शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि। (तुकोजी;जहूर)

पूर्व- १.सर्प नाम २.एक दिशा, जिसमें प्रातःकाल सूर्य निकलता हुआ दिखाई देता है। (नागोबा)

पूर्वदेवा-१.सर्प नाम, फणधारी पुष्कर में मिलता हैं २.देवों के पहिले के अर्थात असुर। (नागोबा; वेद-नाग)

पृथु- १.सर्प नाम २.शिव ३.एक विश्वदेवा ४.वेणु के पुत्र एक प्रसिद्ध राजा जिनके नाम पर भूमि का नाम पृथ्वी पड़ा था। (मानक; जहूर)

पृथुकेश्वर सर्प नाम। (जहूर)

पृथुश्रवा- १.एक नाग २.कार्तिकेय का एक अनुचर। (महा.)

पृदाकु- सर्प नाम, चूहे खाने वाला सांप, छींबा गण का सांप। (सां.सं.)

पृशत- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

पृश्न- सर्प नाम चितकबरा सांप। (सां.सं.)

पृषल- सर्प नाम। (सु.सं.)

पेछी- सर्प नाम। (जहूर)

पेड़वा- १. सर्प नाम, पेड़ के ऊपर (केवडे के विशेष रूप से) बागों में, झाडों पर जहरीला, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; कन्हैया)

पेड़वाल- १.सर्प नाम पेडो पर ही एक डाल से दूसरी पर जाता है, घुमता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

पेयी- सर्प नाम। (जहूर)

पैजवन- १.सर्प नाम, तेज चाल वाला २.पैजवन, एक ऋग्वेदिक राजा। (वेद नाग)

पैल- सर्प नाम, वासुकिकुल का सर्प। (महा.)

पोखवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

पोटगल- १.सर्प नाम २.जडों और सरकण्डों के झुन्डों में रहने वाला सर्प। (सां.सं.;मानक)

पोत- एक नाग (महा.)

पोतक- सर्प नाम। (तुकोजी)

पोन्ड्र- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। (तुकोजी)

पोरवाल- १.सर्प नाम, मालवा में पाया जाता है २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी)

पोवरा- सर्प नाम। (तुकोजी)

पोहल- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पौण्डा- किन्नोर जनपद का एक नाग। (ना.प.)

पौंडकालिक- सर्प नाम, पौंड देश में रहने वाला, काले रंग का बरसात में विचरने वाला सर्प। (सां.सं.)

पौरोगव- १.प्रमुख नाग का नाम २.राजभवन की पाठशाला का प्रधान अधिकारी। (नी.पु.;मानक)

पौष- १.सर्प नाम, पीली काली धारी का सर्प २.एक हिन्दी माह का नाम। (जहूर; तुकोजी)

प्रकंकत- सर्प नाम, फूर्सा जैसा। (सां.सं.)

प्रकालन- जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प, जल्दी मौत लाने वाला। (सां.सं.;महा.)

प्रच्छाण्डक- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा.;सा.सं)

प्रजापति- १.सर्प नाम, तेज दौडने वाला, कबरा रंग, धारी वाला, जहरीला, म.प्र.में मिलता है २.सृष्टि का रचयिता ३.कुम्भकार/कुम्हार ४.एक प्रकार का विवाह। (जहूर.; तुकोजी; मानक)

प्रढाट- नाग नाम।(महा.)

प्रतर्दन- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

प्रतिहारेश्वर- बड़ा सर्प, पूजा योग्य, भूरा काला रंग, जहरीला बास के पेड़ों में पाया जाता है। (जहूर;तुकोजी

प्रधान-१.चम्बा जनपद का एक नाग २.मुख्य, सर्वोच्च,श्रेष्ठ ३.मंत्री/ सचिव, नेता, सरदार ४.किसी संस्था का मुख्य अधिकारी (चेअरमेन) ५.ईश्वर, सेनापति। (ना.प.)

प्रधुम्न- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

प्रभाकर- १.सर्प नाम, चमकीला सांप २.सूर्य ३. चन्द्रमा ४.अग्नि ५.समुद्र।(महा.सां.सं.)

प्रमोद- १.सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प, खूब मस्त २. कार्तिकेय का एक अनुचर। (सां.सं.; महा.)

प्रयागेश्वर- सर्प नाम, पूजा योग्य, फणवाला जहरीला, गंगा के किनारे एवं म.प्र.में मिलता है २.एक प्रसिद्ध स्थान प्रयाग जो इलाहाबाद में गंगा और यमुना के संगम पर है। (जहूर; तुकोजी)

प्रवेपन- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प, एक सर्प जिसके विष से कपकपी हो। (सां.सं.;महा.)

प्रषत- सर्प नाम, बिन्दु वाला सर्प। (सां.सं.)

प्रसव- नाग का नाम। (नी.पु.)

प्रस्तभद्र- सर्प नाम जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा.)

प्रस्त्रुत- एक नाग। (महा.)

प्रहलाद- १.काश्मीर में रहने वाले एक प्रमुख नाग का नाम २.हिरणय कश्यप का पुत्र जो विष्णु का परमभक्त कहा गया है। (नी.पु.; नालन्दा)

प्रहास- १.सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २.शिव ३.कार्तिकेय का एक अनुचर। (नालन्दा;महा)

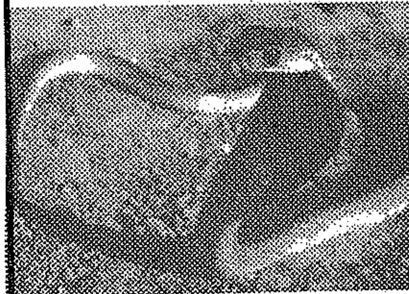
प्रातः- १.सर्प नाम , जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २.प्रभात, प्रातःकाल। (महा.)

प्रातर- सर्प नाम, तैरने की सामर्थ्य जिसमें अधिक हो। (सां.सं.;नालन्दा)

प्रियस्वामी- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

प्रियसारक- नाग का नाम। (नी.पु.)

प्रीतम- नाग नाम। (स्नेक.आ.इ.)



फ

फणि- सर्प नाम, फणवाला सांप। (वृ.प.)

फतरोटी-सर्प नाम कम जहरीला। (दिलीप; जहूर)

फरथाउ- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

फरसोया- सर्प नाम। (उम.; तुकोजी)

फरिया- सर्प नाम, हरे रंग का,नदी के किनारे मिलता है। (ति.म.)

फलवाडिया-१.सर्प नाम, बगीचों में रहता है, खजूरों के पेड के आस-पास में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

फलसर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

फलाक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

फसी पथड़ा- सर्प नाम, खाकी सतरंगी रंग का, पथरीले इलाके में मिलता है, पेशावर और मुल्थान में मिलता है, जहरीला।(ति.म.)

फागुन- १.सर्प नाम छीटे वाला सर्प २.हिन्दी महिने का नाम (जहूर;तुकोजी; मानक)

फाहली- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

फुरिय्या- सर्प नाम, जहरीला, रेतीली मिट्टी में राजस्थान इलाके में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

फुलसरा- सर्प नाम, सिर पर एक गुल ऐसा होता है मानो सिर पर फूल रखा हो।(ति.म.)

फूटवार- सर्प नाम, जहरीला सर्प धार जिले में मिलता है। (जहूर;तुकोजी)

फूटानट- सर्प नाम, जहरीला, फर्शी, चट्टानों में राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

फूरसा- सर्प नाम। (सर्प द.;मुकेश)

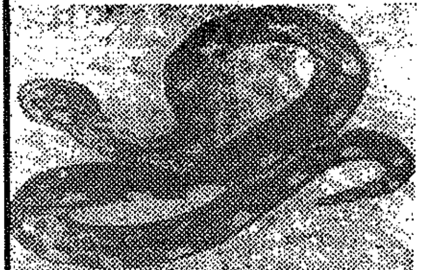
फूलझले- १.सर्प नाम, मुंह उल्टा कर फूल झेल लेता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी;नागोबा)

फूल तपाश- सर्प नाम, रंग काला, कमर पर सफेद गुल होते हैं जिनमें स्याही सी प्रतीत होती है,फगवाड़े में मिलता है।(ति.म.)

फूलमाली- सर्प नाम, फूल जैसे खुसबू वाला, फुस्कार डरावनी नहीं सुहानी , महाराष्ट्र व माराडों में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

फूलाबंसी- सर्प नाम, फण वाला, जहरीला,तांबे के रंग का, सिर के ऊपर सफेद और फण के नीचे काले फूल जैसे निशान होते हैं। यह पंजाब और पहाड़ों पर पाया जाता है। (ति.म.)

फेरा- १. सर्प नाम, यह सर्प गोल फिरता है तथा इसके साथ अठखेलिया की जावे तो टूट जाताहै २.किसी चीज के चारों ओर फिरने अर्थात घुमने की क्रिया ३.भाँवर। (तुकोजी; जहूर; वृ.प.)



ब

बंकराज- १. सर्प नाम २. एक शिव मन्दिर का नाम। (मानक)

बंगडी- १. सर्प नाम, पतला, छींटेवाला, तेज रफ्तार, मध्यप्रदेश में मिलता है, २. लाख या कांच की बनी हुई चुड़ी या कंगन, ३. हाथ में पहनने का आभूषण जो प्रायः चांदी आदि का होता है। (नागोबा; जहूर)

बंजारा- १. सर्प नाम, जहरीला, उज्जैन के आसपास मिलता है, २. मानव जाति का नाम। (तुकोजी)

बंशीवाल- १. सर्प नाम, जहरीला बासों के जंगल में, डिपो में, बांस के अन्दर पाया जाता है, २. मानव जाति का गोत्र नाम। (दिलीप; कन्हैया; जहूर; तुकोजी; किशोर)

बंसोडे- १. सर्प नाम बगैर जहरीला, बांस के झाडों में रहता है, २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

बकपति- नाग का नाम। (नी.पु)

बकोराज- सर्प नाम। (स्नेक इं.)

बखनिया- १. सर्प नाम, शरीर में आकर बखान करवाता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बगावदा- सर्प नाम, उज्जैन में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

बघेरया- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; मुकेश)

बच्छ- सर्प नाम (पछनाग) (वृ.प.)

बजुरू- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बजौग- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बटुक- सर्प नाम, छोटा सर्प, एक भैरव का नाम। (दिलीप; जहूर)

बड़गोती- १. सर्प नाम, बड की जटाओं में पाया जाता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (किशोर; जहूर; दिलीप)

बड़वाल- सर्प नाम। (तुकोजी; दिलीप)

बड़वासन- सर्प नाम। जहरीला, बड के पेडों में रहता है, मध्यप्रदेश में सर्वत्र मिलता है। (जहूर)

बड़वाह- १. सर्प नाम, काला रंग, तेज दौडने वाला, जहरीला, पहाडी इलाके में मिलता है २. मध्यप्रदेश के एक नगर का नाम। (नागोबा; जहूर)

बड़ोदिया- १. सर्प नाम, मालवा में मिलता है, नर्मदा किनारे, बड़ा होता है, चाल धीमी २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बड़ोनिया- १. सर्प नाम, फणवाला, तेज दौडता है, छबके वाला २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बडि- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

बणजारी- सर्प नाम, रस्सी जैसा, रफ्तार तेज, मध्यप्रदेश में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

बण्डा- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बदयाला- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बदरिया- १. सर्प नाग, फणवाला, तेज दौडता है, मध्यप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बदसोडे- १. सर्प नाम, बगैर जहरीला २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

बदीनागन- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बधिर- नाग का नाम। (नी.पु.)

बधिराजा- १. सर्प नाम २. मारवाड के मीणा खांप का नाम। (मीणा)

बनजार- सर्प नाम, पतला, छोटा बगैर फणवाला, हल्का भूरा कलर, उत्तरप्रदेश में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

बनराज- १. सर्प नाम २. वन का राजा अर्थात् सिंह। (नागोबा; तुकोजी)

बनवाल- १. सर्प नाम, वन में रहने वाला २. मानव जाति का गोत्र का नाम। (तुकोजी; जहूर)

बन सिरा- सर्प नाम, आसमानी रंग, जहरीला, छोटा होता है। (ति.म.)

बनावत- सर्प नाम, सीधा, कम दौडने वाला, म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

बनावदिया- सर्प नाम, बडा सर्प, जहरीला, बावडी व कुओं की दरारों में मिलता है। (जहूर)

बनेकदेव- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बनोतिया- सर्प नाम, पतला, बगैर फण, छोटा, हरियाली, गीली मिट्टी, तालाब किनारे पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

बन्दोरीवाल- १. सर्प नाम, तेज दौडता है, बगैर फण वाला, जहरीला २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बन्धन- १. सर्प नाम, बादामी रंग का २. बांधने की क्रिया या भाव ३. शिव/महादेव। (नागोबा; नालन्दा)

बन्सोडे- १. सर्प नाम, बंश का, गुस्से वाला सांप, प्रकृति क्रोध महाराष्ट्र एवं भिण्ड मुरैना में मिलता हैं २. मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

बबातेर- चम्बा जनपद का प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बभ्रु- सर्प नाम, मटियाला पीला। (सु.स.)

बरंड- सर्प नाम। (दिलीप; कन्हैया)

बरंडवाल- सर्प नाम, पतला, बगैर फणवाला उ.प्र. में पानी में मिलता है। (जहूर; तुकोजी; दिलीप; किशोर; कन्हैया)

बरई- सर्प नाम निमाड में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

बरड़- सर्प नाम। (दिलीप)

बरथूनिया- १. सर्प नाम, कम दौडने वाला, सीधा २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बरदा- १. सर्प नाम, म.प्र. में मिलता हैं। २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बरबुजा- सर्प नाम, बरगद की जटाओं में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

बरवाड़ा- १. सर्प नाम, जहरीला सुखे पतों के गोदामों में, आरा मशीनों के पास रहता २. राजस्थान में एक कस्बे का नाम। (जहूर; तुकोजी)

बरार- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बर्बरा- १.सर्प नाम , कबरा, पत्थर जैसा रंग, पत्थरों में मिलता हैं २.वर्णाश्रम विहिन आदमी ३.एक कीड़ा ४.एक प्राचीन नदी। (तुकोजी;नालन्दा)

बलभद्र- १.नाग का नाम २.पुराणानुसार एक पर्वत। (नी.पु.)

बलराम- १.सर्प नाम, लम्बा सर्प, फणवाला, निमाड़ में नर्मदा के किनारे मिलताहै। २.कृष्ण के बड़े भ्राता का नाम।(तुकोजी; जहूर)

बलवान- नाग नाम। (नी.पु.)

बलसोरा- १.सर्प नाम, हर स्थिति में बल खाता रहता है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

बलहर- एक नाग का नाम। (नी.पु.)

बलहेड़ा- सर्प नाम। (महा.)

बलाहक- १.एक प्रमुख नाग का नाम, वर्षा ॠतु में बादलों के समय भूमि पर घुमने वाला सांप २.पहाड ३.प्रलय काली न सात बादलों में से एक। (नी.पु.; महा.; सु.सं.)

बलि- १.सर्प नाम, तेज दौडने वाला, राजस्थान में मिलता हैं। २.प्रहलाद का पोत्र और विरोचन का पुत्र जो देत्यों का प्रसिद्ध राजा था और जिसे विष्णु ने वामन अवतार धारण करके छल पूर्वक बांध लिया था और ले जाकर पाताल में रख दिया था। (जहूर;मानक)

बलिपुष्प- नाग का नाम। (नी.पु.)

बलिप्रिय- १.नाग का नाम २.लोध का पेड ३.कौआ। (नी.पु.;मानक)

बलुआ- सर्प नाम, बिना जहरीला, हरी घास, बागों में, रेतीली जमीन के पास। (जहूर; तुकोजी)

बलू- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बलूतिया- सर्प नाम। (ति.म.)

बलोदर- चम्बा जनपद का प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बवेला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बशैरू- नाग नाम (ब्रज दर्शक)शिमला जनपद में मिलता है। (ना.प.)

बहरवाल- सर्प नाम, बगैर फणवाला उज्जैन में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

बहुकेश- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुत्साह- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुदर- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुनेत्र- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुपुत्र- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुभोग- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुमूलक- एक सांप, जडों में छिपकर रहता है। (महा.;सां.सं.)

बहुरूप- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहुरोमा- नाग का नाम। (नी.पु.)

बहेचक- नाग नाम। (नी.पु.)

बहेल- सर्प नाम, पतला होता है। (तुकोजी; जहूर)

बांकरवाल- सर्प नाम। (उम.; तुकोजी)

बांडा- १.सर्प नाम, खण्डित सर्प २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; मुकेश)

बांदी- १. सर्प नाम, नहर के किनारे रहता हैं, राजस्थान नोहर इलाके में पाया जाता हैं। २.दासी। (जहूर; तुकोजी)

बांबी- सर्प नाम, बांस के जंगलों में, बासवाड़ा (राजस्थान) में मिलता है २. सांप का बिल ३. दीमकों द्वारा बनाया गया मिट्टी का स्थान जो रेखाकार होता है। (जहूर; मानक)

बांसखोवा- १.सर्प नाम, मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बांसफोड- १.सर्प नाम, जहरीला, तेज दौडने वाला, बांस की घनी झाडियों में रहता है, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

बांसेडा- १.सर्प नाम, बांस में रहता है, पहाडी इलाके में पाया जाता है, मालवा में मिलता है, २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

बागड़ी- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

बागड़े- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बागल- १.सर्प नाम। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बागोरिया- १.सर्प नाम, तेज दौडने वाला कम जहरीला, म.प्र.के निमाड में, फूलों के बगीचों में सूरजमुखी, गेंदे में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बाघमार- सर्प नाम। काले रंग का कबरा सर्प, झाडियों में घन जंगलों में रहता है, जहरीला, फणवाला। (दिलीप ; तुकोजी)

बाजूबंद- १.सर्प नाम महाराष्ट्र में पाया जाता है झाबुआ में मिलता है, २.महिलाओं द्वारा बाह पर पहनने का एक प्रकार का आभूषण।(नागोबा; जहूर)

बाढ- सर्प नाम, पानी के किनारे रहता है। (जहूर)

बाण- १.सर्प नाम तीखा मुंह वाला। २.एक प्रकार का नुकीला अस्त्र जो कमान या धनुष पर चढा कर चलाया आजा है। (तुकोजी; जहूर)

बाणासुर- १.सर्प नाम उत्तर प्रदेश में मिलता हैं २.राजा बलि के सबसे बड़े पुत्र का नाम, जो बहुत वीर, गुणी और सहस्त्र बाहु था। (मानक; नालन्दा; तुकोजी; जहूर)

बाणिया- सर्प नाम, फन वाला, मालवा में मिलता है, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बाथनिया- सर्प नाम। बगैर जहरीला। (तुकोजी; जहूर)

बाथरया- १.सर्प नाम, सफाई करता चलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बाथा- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

बान्दरवाल- १.सर्प नाम ऊचक-पुदक करता है, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बाबल- १.सर्प नाम, २.बाप/पिता ३.एक संबोधन। (दिलीप; जहूर; तुकोजी; कन्हैया)

बाबा- १.सर्प नाम। कोबरा प्रजाति, उज्जैन में आस-पास मिलता है २.पितामह दादा ३.बंगाल में सर्प को बाबा कहते है। (तुकोजी; जहूर)

बामनोत- सर्प नाम, पतला, तेज, बगैर फण, निमाड क्षेत्र में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

बामला- १.सर्प नाम, उज्जैन में मिलता है, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बाम्बो- एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बालाजी- १.सर्प नाम, दिव्य शक्ति युक्त होता है, द्वारका के पास (राजस्थान)में मिलता है २.एक लोक-देवता। (नागोबा;जहूर)

बालिशिख- सर्प नाम, चोटी के बाल की तरह पतला और लम्बा। (सां.सं.)

बालु- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बाषी- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बासक- प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बासकी- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बासणवाल- १.सर्प नाम, प्रायःइसे बासक नाग भी कहते हैं। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (किशोर; कन्हैया; जहूर; दिलीप; तुकोजी)

बासन- १-चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग २.बर्तन।(ना.प.)

बाहुक- १.सर्प नाम। भुजा के आकार वाला, जनमेजय के सर्प यज्ञ के जला एक सर्प २.राजा नल का उस समय का नाम जब वे अयोध्या के राजा के सारथी थे। ३.नकुल का एक नाम। (महा.;सां.सं.;मानक)

बाहुड- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बाहेती- १.सर्प नाम। सुखे पत्तों के पास, गर्मियों में घूमता रहता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बाह्य कर्ण- सर्प नाम। (महा)

बाह्यकुण्ड- नाग नाम। (महा)

बिछिया- १. सर्प नाम, पतला, छोटा, फुर्तीला, मटमेला रंग उज्जैन के आसपास मिलता है २.महिलाओं द्वारा पैर की उंगलियों में पहनने का एक प्रकार का छल्ला। (तुकोजी; जहूर)

बिजकू- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग।(ना.प.)

बिजासन- १.सर्प नाम, नागिन, फणवाली, जहरीली, पहाडिया, पथरीला इलाकों में, चट्टानों में म.प्र.में मिलता है। २.पूज्यनीय माता का नाम। (जहूर; तुकोजी)

बिजोरे- १.सर्प नाम। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बिनोतिया- १.सर्प नाम, बिना फन वाला मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

बिन्दु- नाग का नाम। (नी.पु.)

बिन्दुनाद- एक नाग का नाम। (नी.पु.)

बिन्दुराजि- सर्प नाम धारियों के बीच में बिन्दु वाला सर्प। (सुं.स.)

बिन्दुसार- १. नाग का नाम २.मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त का पुत्र और उत्तराधिकारी। (नी.पु.)

बिबल्या- सर्प नाम। (सर्प.द.)

बिम्बिसार- १.सर्प नाम, जहरीला चूहे के बिलो के पास तथा अनाज भण्डारों के पास मिलता है। २.भगवान बुद्ध के समय मगध राज्य का एक शासक। (तुकोजी; जहूर)

बिरजू- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

बिरादरी- १.सर्प नाम, ताम्बे जैसा रंग का होता है तमोगुण स्वभाव है। २.एक जाति या वर्ग के सब लोग जो सामाजिक उत्सव पर दूसरे के यहां आते जाते हो। (तुकोजी; जहूर)

बिरू- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बिलपांक- १.सर्प नाम बिलेश्वर भी बोलते हैं २.रतलाम जिले में एक प्राचीन शिव मंदिर एवं ग्राम। (नागोबा;तुकोजी)

बिलावा- सर्प नाम, बिल के अन्दर रहता है, तेज दौडने वाला है। (जहूर; तुकोजी)

बिलूणिया- १-सर्प नाम, बिल के अन्दर स्थान बनाता हैं फणवाला, जहरीला, राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बिलेशय- सर्प नाम। बिल में सोने वाला। (सां.सं.)

बिल्व- सर्प नाम, भूरा रंग, ताकतवर बडा, कम जहरीला, मालवा में पाया जाता हैं। (जहूर; नागोबा)

बिल्ली सर्प -सर्प नाम। (सां.सं.;वेद;नाग)

बिल्लोरे- १-सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बिल्वक- सर्प नाम। बिल वृक्ष में रहने वाला। (सां.सं.;महा)

बिल्वतेजा- सर्प, नाम जिसका तेज बिल्व वृक्ष में है। (सां.सं.)

बिल्वपाण्डुक- सर्प नाम। (महा)

बिल्वमण्डूर- सर्प नाम, बिल की मिट्टी में जिसका घर हैं।(सां.सं.)

बीच्छा- १.सर्प नाम छोटा मालवा में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम ३.महिलाओं के पैर की उंगलियों का एक आभूषण। (तुकोजी; जहूर)

बीटोलिया- १.सर्प नाम सीधा, पतला, कम दौडने वाला, कम जहरीला, म.प्र.में पहाडियों में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम (जहूर; तुकोजी)

बीरजी- १.सर्प नाम २.भाई/भ्राता।(नागोबा; तुकोजी)

बीर्हन- सर्प नाम, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

बीलपत्र- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, बेल के पेड में जडो के पास रहता है २.शिव -पूजा में उपयोगी पूजा-सामग्री। (तुकोजी; जहूर)

बीलवाल- १.सर्प नाम, छीटे वाला, बगैर फण वाला, बिना जहरीला सुखे पतो में रहता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बीलादेवी- १.सर्प नाम, (नागिन) जहरीला, पहाडी पर, राजस्थान में मिलता है, २.पूजा योग्य देवी का नाम। (जहूर; तुकोजी)

बीसरवाल- १.सर्प नाम। जहरीला, फणवाला, पूजा योग्य २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बीसोतरा-१.सर्प नाम, शांत होता है २.मानवजाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बुंबाल- १.सर्प नाम आधे धड पर बाल रहते है। २.मानव जाति का गोत्र नाम।(तुकोजी;जहूर)

बुआ- १.सर्प नाम, मध्यप्रदेश में मिलता है मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; उम)

बुजिर- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बुद्ध- १.सर्प नाम, सीधा सर्प, बुद्धिमान, बगैर जहर का, पीला रंग का, राजस्थान में पाया जाता है २.सिद्धार्थ गौतम का एक प्रसिद्ध नाम, जो बौद्ध धर्म के प्रवर्तक है। (नागोबा; दिलीप)

बुद्धस- १.सर्प नाम २.मारवाड के मीणा खांप का नाम। (मीणा)

बुध- १.नाग का नाम २.सौर जगत का एक प्रसिद्ध ग्रह जो सूर्यके बहुत पास है ३.एक देवता नाम ४. एक सूर्य वंशी राजा का नाम। (जहूर; नी.पु.)

बुधरेश्वर- सर्प नाम, फणवाला, पूजा योग्य। (जहूर; तुकोजी)

बुधू- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बुन्देला- १.सर्प नाम। फणवाला, पूजा योग्य, जहरीला, म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बुहरो- सर्प नाम। पीले रंग का, राजस्थान में मिलता है। (दिलीप; जहूर)

बूंदा- १.सर्प नाम २.मोती या मणि जो कान में या नथ में पहना जाता है। (तुकोजी; कन्हैया; दिलीप)

बूंला- १.सर्प नाम, इशारा कर सांपो को बुला लेता है। २.मानव जाति का गोत्र (तुकोजी)

बूढीनागन- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बूदरायाम- सर्प नाम,जहरीला। (ति.म.)

बेडाफोड- सर्प नाम। (नईदुनिया)

बेतवा- १.सर्प नाम २.बुन्देल खण्ड की एक नदी। (नागोबा; तुकोजी)

बेताल- १.सर्प नाम। पीली मिट्टी में रहता है, मालवा में मिलता है। २.भारत और जापान में पाया जाने वाला सर्प। (जहूर;सर्प.दं.)

बेतेडा- १.सर्प नाम जहरीला तेज दौडने वाला २.मानवजाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बेदले- १.सर्प नाम, मालवा, निमाड में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

बेन्डवाल- १.सर्प नाम राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (किशोर; रामनाथ; जहूर; तुकोजी)

बेन्देड़ा- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप; किशोर)

बेफलावत- सर्पनाम। (तुकोजी; कन्हैया; दिलीप; मीणा)

बेबिलोनिया- सर्प नाम। (जहूर)

बेरगी- सर्प नाम। (तुकोजी; जहूर)

बेलिया- १.सर्प नाम, जहरीला, लम्बा, तेज दौडने वाला म.प्र. में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बेलिया कराट- नागनाम। (जहूर; तुकोजी)

बेसिर- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

बेसिरी मालन- सर्प नाम, कई रंगों का सर्प, बूंदी जिले में मिलता है। (ति.म.)

बैरी- १.सर्प नाम एक-डेढ फूट लम्बा, कबरा, छीटेवाला, तेज दौडने वाला, जहरीला, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

बैगल- १.सर्प नाम २.मीणा लोगों की एक शाखा। (मीणा)

बैठकवाल- १.सर्प नाम। बैठा रहता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

बैनाडा- १सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (मीणा)

बैर- १.सर्प नाम, दुब के पास रहता है २.एक वृक्ष का फल। (जहूर; नागोबा)

बैरवा- सर्प नाम, पूजा योग्य लम्बा तेज दौडने वाला, फणवाला,पीली मिट्टी, रेतीली इलाकों में पाया जाता है बेरी की झाडियों के आस-पास मिलता है। राजस्थान, मध्यप्रदेश में मिलता है, २.राजस्थान की एक जाति का नाम, जो राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली.उ.प्र.हरियाणा, गुजरात आदि में निवास करती है। (जहूर;तुकोजी)

बैरागी- १.सर्प नाम, लम्बा व जहरीला उज्जैन के आस-पास मिलता है २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी; नागोबा)

बैराट- १.सर्प नाम, शरीर मोटा, चाल धीमी, भुजंग जैसा २.राजस्थान का प्राचीन ऐतिहासिक नगर का नाम। (नागोबा; जहूर)

बैल- १.सर्प नाम, फण वाला, फूंफाता है २.गौ-जाति का बधिया किया गया नर चौपाया जो हलो और गाडियां में जोता जाता है। (नालन्दा; तुकोजी; जहूर)

बैलदार- १.सर्प नाम, गाय बैल बांधने की जगह पर रहता हैं। जहरीला, बगैर फणवाला , तेज दौडने वाला। २.मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

बैसाख- सर्प नाम। भूरे रंग का २.एक माह का नाम जो चैत के बाद और जेठ के पहिले का महिना है। (जहूर; तुकोजी)

बोआ- सर्प नाम (सर्प.दं.)

बोठा- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

बोडा- १.सर्प नाम २.एक आदिम जाति। (जहूर)

बोरला- १.सर्प नाम, स्वर्ण जैसा हल्के पीले रंग का छोटा सर्प २.महिलाओं के पहनने का एक आभूषण जो सिर पर पहना जाता है। (नागोबा; तुकोजी)

बोरहार- सर्प नाम भूरे रंग का, खेतों में गेहू, काली मिट्टी में, म.प्र., पंजाब, हरियाणा में मिलता है। (जहूर)

बोस- सर्प नाम। (सर्प.दं.)

बौधिया- सर्प नाम। सीधा-गरीब, कम जहरीला, हल्का सफेद रंग पर, उ.प्र.में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

बौरा- १.सर्प नाम सीधा सांप कम दौडने वाला कम जहरीला नर्मदा के किनारे मिलता है, २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

ब्याडवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (मीणा)

ब्रजवासी- सर्प नाम। (तुकोजी;जहूर)

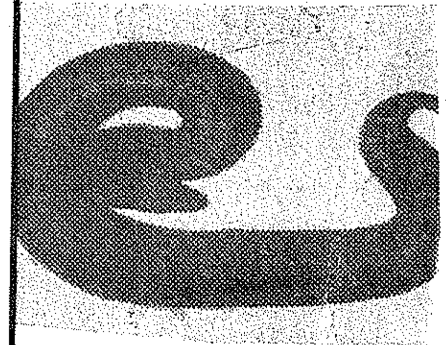
ब्रह्मा- नाग, फण वाला, पूजा योग्य, सफेद काले छींटे राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

ब्राह्मण- १.सर्प नाम सफेद रंग २.हिंदुओं के चार वर्णों में से पहला ३.द्विज, ४.विष्णु ५.अग्नि। नी.पु.मानक; तुकोजी; जहूर)

ब्राह्मणप्रिय - नाग का नाम। (नी.पु.)

ब्राह्मणी- १.मादा सर्प बगैर जहरीला पीली मिट्टी की खदानों में पाया जाता है २.ब्राह्मण जाति की स्त्री। (तुकोजी; जहूर)

ब्रुआ- किन्नोर क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)



भ

भंगी- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला जहरीला राजस्थान में पथरीले इलाकों में मिलता है २.सफाई कामगारों की एक जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

भंडारी- १.चम्बा जनपद का एक नाग २.भंडार का प्रबंधक ३.तोपखाने का दरोगा। (ना.प.)

भंवर- १.सर्प नाम, मटमेला रंग २.भौर ३.काला। (नागोबा; तुकोजी)

भखण्ड- १.सर्प नाम, काली गिली मिट्टी में, खेतों में, तालाबों के किनारे रहता है बिना जहरीला, राजस्थान में मिलताहै। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

भगत- १.सर्प नाम, कबरा, बडे मंदिरों में आकर बैठ जाता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

भगवा- १.सर्प नाम, गिरनार में मिलता हैं २.वीरता का धनी ३.एक प्रकार का रंग जो गेरू की तरह का लाल होता है। (नागोबा; मानक)

भगवान- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला पूजा योग्य, रेतीले इलाकों में, ओंकारेश्वर, राजस्थान में मिलता है २. ईश्वर, परमेश्वर, शिव, विष्णु, गौतम बुद्ध। (दिलीप; जहूर)

भगोरिया- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम ३. आदिवासियों द्वारा मनाये जाने वाला एक उत्सव। (जहूर; नागोबा)

भगोसिया- सर्प नाम, भागने वाला, बिना जहरीला, बिना फणवाला। (जहूर; नागोबा)

भड़भुजा- १.सर्प नाम, जहरीला मूंगफली के खेतों में निमाड़ में मिलता है २.एक जाति नाम जो भाड़ में अन्न भुनने का काम करती है। (जहूर; तुकोजी)

भट्ट- १.सर्प नाम, कम लम्बा, फर्शी की खदानों में पाया जाता है कोटा- जयपुर तरफ मिलता है २.ब्राह्मणों की एक उपाधि ३.सूर योद्धा। (जहूर; नागोबा)

भदाला- १.सर्प नाम, काला रंग, जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

भयनागस- सर्प नाम। (किशोर; तुकोजी)

भयानक- १.प्रमुख नाग का नाम २.डरावना ३.बाघ ४.राहू। (नी.पु.वृ.प.)

भरत- १.सर्प नाम, रंग लाल, जहरीला २.दुष्यंत का शकुन्तला के गर्भ से उत्पन्न पुत्र ३.राम के एक भाई का नाम। (तुकोजी; नागोबा; मानक)

भरद्वाज- १.प्रमुख नाग का नाम २.एक वैदिक ऋषि का नाम ३.बौद्धों के अनुसार एक अर्हत् का नाम ४.एक प्राचीन जनपद। (नी.पु.; मानक)

भलोगू- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

भवंग- सर्प नाम। (वृ.प.)

भव- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

भांगड- १.सर्प नाम, भयमुक्त पडा रहता है। **२.मानव जाति का गोत्र नाम।** (तुकोजी)

भांवा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

भाऊमूसा- सर्प नाम। फणवाला। (तुकोजी; जहूर)

भाटीयार- सर्प नाम, हरे रंग का, पतला। (तुकोजी; जहूर)

भादुरा- सर्प नाम, पत्थरों में पाया जाने वाला सर्प। (तुकोजी)

भादो- १.सर्प नाम सफेद पीला रंग २.भाद्रपद या भादो का महिना। (जहूर)

भानु- १.सर्प नाम, धामन जैसा तेज दौडता हैं पीले कबरे रंग का बगैर फनवाला २.सूर्य ३.राजा ४.कृष्ण के एक पुत्र का नाम। (नालन्दा; जहूर)

भाप- सर्प नाम, गरम स्वभाव वाला। (तुकोजी)

भाबु- सर्प नाम, चमकीला, जहरीला घातक। (नागोबा)

भाभा- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

भाभी- सर्प नाम। (नागिन)। (तुकोजी)

भारवाद- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक नाम। (महाराष्ट्र)।(जहूर)

भारशिव- १सर्प नाम, पतला तेज रफ्तार कम जहरीला, भूरी पीली मिट्टी की खदानो में पाया जाता है। २.एक प्राचीन ऐतिहासिक जाति। (जहूर)

भार्गवत- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

भावक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

भावसार- १.सर्प नाम। प्रायःभूरे रंग का २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी; जहूर)

भास्कर- १.सर्प नाम, तेज दौडने वाला, जहरीला, राजस्थान में मिलता है २. सूर्य, अग्नि ३.शिव महादेव। (नालन्दा; जहूर)

भियानिया- १.सर्प नाम, काले रंग का तेज दौडने वाला जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

भिलिया- १.सर्प नाम, पतला, मुंह लम्बा तीर जैसा मालवा में मिलता हैं। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

भीडला- १.सर्प नाम, फन वाला मुखिया, उज्जैन के पास मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी)

भीत- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)।

भीम- १.बड़ा सर्प २.भयंकर भीषण ३.बहुत बड़ा ४.बहादुर ५.भीमसेन। (दिलीप; जहूर)

भीमाशंकर- सर्प नाम, तालाब में, जल के पास मिलता है जहर गरम, बिच्छू जैसा असर होता है। (तुकोजी)

भील- १.सर्प नाम, इसका माथा सफेद होता है २.एक प्रसिद्ध आदिवासी जाति जो प्रायःमध्यप्रदेश , राजस्थान, गुजरात में पाई जाती है। (जहूर; तुकोजी; नागोबा)

भुअंग- सर्प नाम। (वृ.प.)

भुईय़ार- सर्प नाम। यह सर्प मूली के खेतों में अधिक पाया जाता है। (जहूर)

भुजंग- १.सर्प नाम २.हठयोग में, कुंडलिनी रूपी नागिन का पति या स्वामी। (वृ.प.; सां.सं.)

भुजंगम- सर्प नाम, १.बडा सांप २.सीसा नामक धातु। (सां.सं.)

भुजगर- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना. प.)

भुजवाल- सर्प नाम, पानी में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

भुड़की- १.सर्प नाम २.मीणा जाति की मुख्य शाखा का नाम। (मीना)

भुरजी- सर्प नाम, पीली मिट्टी में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

भूडवी- सर्प नाम। (कन्हैया; दिलीप)

भूतड़ा- १.सर्प नाम, तेज दौड़ता है, जहरीला। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

भूतिया- सर्प नाम, मुंह आगे से भारी होता है और डरावना लगता है, आदमी के पीछे दौडता हैं, उज्जैन में मिलता है। २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

भूमरा- सर्प नाम। नर्मदा के किनारे पाये जाते है। (तुकोजी; कन्हैया; किशोर)

भूमिपुत्र- १.सर्प नाम, खेतों की मिट्टी में घुमता रहता है जहरीला, उ.प्र.में पाया जाता है। २.मंगल -ग्रह ३.नरकासुर का एक नाम। (जहूर; मानक)

भूय- प्रसिद्ध नाग का नाम। (नी.पु.)

भूरिया- सर्प नाम। (जहूर; तुकोजी)

भूर्गिल- प्रसिद्ध नाग का नाम। (नी.पु.)

भूवीर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

भृकुटीमुख- सर्प नाम, मुंह पर सदा त्यौरी चढी रहती है, ऐसा नाग। (सां.सं.)

भृड- सर्प नाम, इसमें टेड़ापन अधिक होता है। (सां.सं.)

भृटिमुख- सर्प नाम। (सां.सं.)

भेड़िया- १.सर्प नाम २.उज्जैन में बहुतायत से पाया जाता है। (स्नेक; इ.पा; तुकोजी; मुकेश)

भेरू- सर्प नाम, गोल घुमता हैं, पूजा योग्य फणवाला, जहरीला मटियाले रंग का, आखेट करता हैं म.प्र.में मिलता हैं।(तुकोजी)

भैजारे- १.सर्प नाम, दक्षिणी कोकण में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम।(तुकोजी; नागोबा)

भैरव- १.सर्प नाम जिसका शब्द भय उत्पन्न करता है। जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। २.महादेव/शिव ३.शिव के एक प्रकार के गण जो उन्हीं के अवतार माने जाते है। (महा;सां.सं.)

भैरवाल- सर्प नाम, जहरीला, नदी किनारे, गीली मिट्टी में चित्तौड़ में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

भोई- १.सर्प नाम। जहरीला, काला, फणवाला। २.मानव जाति का नाम। (जहूर)

भोक्ता- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

भोग- १.सर्प नाम, कबरा रंग तेज दौडता हैं २.साँप का फण, सांप, ३.देवी-देवताओं के मूर्ति के सामने उनके काल्पनिक उपयोग के उद्देश्य से रखे जाने वाला खाद्य पदार्थ/नैवेध। (जहूर; नागोबा; नालन्दा)

भोगधर- सर्प नाम। जमीन के अन्दर रहने वाला। (सां.सं.;मानक)

भोगपति- प्रमुख नाग का नाम। २.प्राचीन भारत में किसी क्षेत्र विशेष का शासक। (नी.पु.)

भोगाड़े- १.सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; नागोबा)

भोगी- प्रमुख नाग, का नाम २.शेषनाग ३.जमीदार ४.राजा। (नी.पु.; नलान्दा; वृ.प.)

भोजक- १.प्रमुख नाग का नाम २.भोजन करने वाला या खानेवाला। (नी.पु.)

भोजपुर- सर्प नाम, नगर का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

भोजल्या- १.सर्प नाम। २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी)

भोपा- १.सर्प नाम, स्थायी जगह पर रहने वाला, कंकर मारने पर रूकता है। झाड़ने के समान पूंछ हिलाता हैं। (तुकोजी; दिलीप)

भोरम- सर्प नाम, सुनहरा, स्लेटी रंग बिना फण वाला पथरीली इलाकों में रहता है मालवा में मिलता हैं।(जहूर)

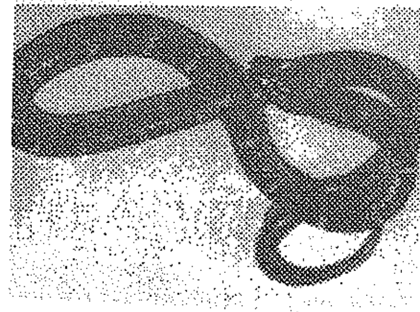
भोरारेश्वर- सर्प नाम, बडा फणवाला पूजा योग्य जहरीला चट्टानों में, म.प्र.में मिलता है।(जहूर)

भोसले- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

भौमिया- १.सर्प नाम, मटयाले रंग का, धारिया होती है, कम जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

भौयार- सर्प नाम। (तुकोजी)

भौसवाल- १.सर्प नाम, जहरीला कम, तेज दौडता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)



म

मंगल- १.सर्प नाम, कबरा, पतला, जहरीला, छोटा, रफ्तार तेज, पूजा योग्य २.शुभ ३.सौर जगत का एक ग्रह ४.सात वारों में से एक वार। (जहूर; तुकोजी; मानक)

मंड- १.सर्प नाम, जहरीला ढाई फूट तक लम्बा मध्यप्रदेश में मिलता हैं। २.मदिरा, शराब, ३.आभूषण, गहना। (कन्हैया; मल्हार; दिलीप; मानक)

मंडप- १.सर्प नाम, २.मंदिर के ऊपर का छाया हुआ गोला कार अंश/भाग ३.विशिष्ट काम के लिये छायादार स्थान जैसा विवाह मंडप। (नागोबा;मानक)

मंडल- १.सर्प नाम। बडा, पूजा योग्य, तेज दौडने वाला, फणवाला, जहरीला, काले पीले चट्टे वाला। २.प्राचीन भारत में चालिस योजन लम्बा और बीस योजन चौडा क्षेत्र ३.कुछ विशिष्ट प्रकार के लोगों का वर्ग या समाज ४.एक प्रकार की गोलाकार सैनिक व्यूहरचना ५.एक प्रकार का सांप, ६.जावेद का कोई विशिष्ट खंड या भाग। (नागोबा; मानक)

मंडारे- १.सर्प नाम, बगैर फण का, पतला हरियाली में म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

मंडावरिया- १.सर्प नाम २.राजस्थान के एक गांव का नाम मंडावरी। (तुकोजी)

मंडावेरा- १.सर्प नाम जहरीला, फणवाला, भूरे रंग का। २.मानव जाति का एक गोत्र।(जहूर)

मंडेरिया- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, पतला, जहरीला, फणवाला म.प्र. में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

मकर- १.सर्प नाम, खेतों की मुडरों में रहता है २.मगर या घडियाला नामक प्रसिद्ध जल-जंतु ३.बारह राशियों में से दसवीं राशी ४.एक प्राचीन पर्वत। (जहूर;मानक)

मकराक्ष- १.प्रमुख नाग का नाम २.खर नामक राक्षस का पुत्र जो रावण का भतीजा था। (नी.पु.)

मकला- १.सर्प नाम २.उज्जैन जिले के एक कस्बे का नाम। (नागोबा; तुकोजी)

मक्का- १.सर्प नाम, जिसके ऊपर मक्का के दाने जैसा चित्रण है २.मक्का, एक मोटा अनाज। (जहूर;नागोबा)

मग- १.सर्प नाम, २.मगध ३.मगध का निवासी ४.पीपल। (सर्प.दं.; मानक)

मगच्छ- सर्प नाम ठण्डे स्थानों में नमी में रहते हैं, बड़े धब्बे वाले, जहरीला नहीं, मालवा में मिलता हैं। (तुकोजी)

मगज-१.सर्प नाम, नीला जहरीला, बिना फणवाला, २.दिमाग मस्तिष्क। (मल्हार; कन्हैया; जहूर; दिलीप)

मगजश- १.सर्प नाम, फणवाला, फूर्तिला छोटा, सुखी जगह में रहताहै राजस्थान में मिलता हैं २.मालव सिक्कों पर टंकित एक नाम।(कन्हैया; मल्हार; जहूर; दिलीप; ना.शो.)

मगध- १.सर्प नाम, फणवाला, राजस्थान में मिलता हैं। २.दक्षिणी बिहार का प्राचीन नाम। (जहूर; नालंदा)

मचलाणा- १.सर्प नाम, पानी में रहने वाला। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

मच्छी- १.सर्प नाम, छोटा, सुनहरा, बगैर फणवाला, तेज दौडने वाला जहरीला नहर के किनारे रहता हैं २.मछली। (जहूर)

मजवार- सर्प नाम, काला-कबरा जमना किनारे उ.प्र. में मिलता है। (जहूर)

मजूप- १.सर्प नाम, बिना जहरीला, कम लम्बा, २.मालव सिक्कों पर टंकित नाम। (दिलीप;कन्हैया;मल्हार;ना.शो.)

मट- १.प्रमुख नाग का नाम २. मट-मैला ३.मटका। (नी.पु.;मानक)

मणि- १.प्रमुख नाग का नाम, मणिमती पुरी एक स्थल का नाम जो हेदराबाद स्टेट में था २.बहूमूल्य रत्न। (नी.पु.;महा.;नालन्दा)

मणिकण्ठ- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मणिधर- एक नाग। (वृ.प.; मानक)

मणिमान-१.सर्प नाम, मणिमान तीर्थ २.सूर्य ३.एक प्राचीन पर्वत ४.मणी मुक्त। (महा; मानक)

मणियार- १.सर्प नाम, बगैर फणवाला, पेड पर रहता है,म.प्र. में मिलता है। २.बिहार के एक प्राचीन मठ का नाम, जिसमें नाग मूर्तियां बनी हुई है। ३.मानव जाति का एक गोत्र। (सर्प.द.;तुकोजी;जहूर)

मणिस्कन्ध- सर्प नाम, जिसकी पीठ पर मणि के निशान हो। (सा.सं.)

मण्डलक- सर्प नाम। मण्डलो वाला छोटा सांप। (सां.सं.)

मण्डली- सर्प नाम। सांपों के आठ भेदों में से एक भेद का सांप। (सु.सं; नागोबा; मानक)

मण्डाल- सर्प नाम। चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

मण्डूकनास- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मत्स्य-१.प्रमुख नाग का नाम,२.मछली ३.प्राचीन विराट देश का दूसरा नाम। (नी.पु.; मानक)

मत्स्यानक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मथुरा- १.सर्प नाम, पानी के साथ रहता है, इसे माहूर भी कहा जाता है २.पश्चिमी उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध नगरी, जिसकी गिनती सात मोक्षदायिनी पुरियों में होती है। (जहूर; तुकोजी)

मदत्त- १.सर्प नाम राजस्थान में मिलता हैं २.प्राचीन सिक्के पर उल्लेखित नाम। (मल्हार; जहूर; दिलीप; ना.शो.)

मदन- १.सर्प नाम, वसन्त ऋतु (मदन)में निकलने वाला सर्प २.कामदेव ३.महादेव के चार प्रधान अवतार में से तीसरे अवतार का नाम ४.प्रेम-स्नेह। (सां.सं.; मानक)

मधु- १.प्रमुख नाग का नाम २.शिव का एक नाम ३.एक दैत्य जिसे विष्णु ने मारा था/ शहद। (नी.पु.मानक)

मनसवाल-सर्प नाम। (मीणा)

मनसा- १.नागिन का नाम २.एक देवी जो जरत्कारू मुनि की पत्नि और आस्तीक की माता थी तथा कश्यप की पुत्री और वासुकी की बहन थी वह सांपों के कुल की अधिष्ठात्री मानी गई है। (मानक; जहूर)

मनोरमा- १.सर्प नाम, खेत के पाले, मुन्डेर, पानी के पास रहता हैं तेज दौडने वाला, कम जहरीला, छोटा राजस्थान में मिलता है २.सुन्दर ३.गौतम बुद्ध भी एक शक्ति। (जहूर; नागोबा)

मपय- १.सर्प नाम, पतला होता है, छोटा होता हैं पथरीली जमीन में रहता हैं जहरीला, शरीर में अग्नि लगती हैं ज्यादा गर्म होता हैं २.मालवगण के सिक्के पर अंकित नाम। (तुकोजी; ना.शो.)

मपोजय- १.सर्प नाम, फणवाला राजस्थान में मिलता हैं २.मालवगण के सिक्कों पर उल्लेखित एक नाम।(कन्हैया; मल्हार; जहूर; ना.शो.)

ममलेश्वर- १.सर्प नाम, जहरीला, नर्मदा के किनारे पहाडी चट्टानों पर मिलता है २.ओंकारेश्वर स्थित एक मंदिर का नाम। (जहूर; नागोबा)

मम्मट-१.सर्प नाम २.संस्कृत के प्रसिद्ध आचार्य का नाम। (तुकोजी; किशोर; दिलीप; कन्हैया)

मयश- सर्प नाम, बिना फणवाला, मालवा में मिलता हैं। (कन्हैया; मल्हार; दिलीप)

मयूर- १. प्रमुख नाग का नाम २.मोर ३.एक दैत्य का नाम। (नी.पु.)

मरज- १.सर्प नाम लालपन में होता है जहरीला कम मालवा में मिलता हैं २.मालवगण की मुद्रा पर अंकित नाग। (तुकोजी;ना.शो.)

मरमट- सर्प नाम, मटिया कलर, फणवाला, जहरीला, तेज दौडने वाला, मालवा में मिलता है। (जहूर ; तुकोजी; दिलीप)

मराठा- १.सर्प नाम, फुंक फुफार करने वाला, फणवाला, जहरीला २.महाराष्ट्र देश का रहने वाला ३.महाराष्ट्र देश का अब्राहमण निवासी। (तुकोजी; जहूर; नालन्दा)

मरार- १.चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग २.खलिहान। (ना.पं.नालन्दा)

मरू- १.सर्प नाम २.एक देश का नाम ३.मरूस्थल ४.मारवाड देश ५.नरकासुर के सहचर दैत्य का नाम। (मीणा ;नालन्दा)

मरुसोनिया- सर्प नाम, धार में मिलता है। (तुकोजी)

मर्क- १.प्रमुख नाग का नाम २.बन्दर ३.शुक्राचार्य के एक पुत्र का नाम। (नी.पु.; नालंदा)

मल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मलक- सर्प नाम, सिरपर सफेद चिन्ह या रेखायें होती है, यह सर्प आवाज (शब्द) से ही मार देता है, रंग सुनहरा, एक बालिश्त लंबा। (ति.म.)

मलय- १.प्रमुख नाग का नाम २.दक्षिणी भारत का एक प्रसिद्ध पर्वत ३.एक उपमहाद्वीप। (नी.पु.; मानक)

मलुन्दू- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

मलून- चम्बा जनपद का प्रसिद्ध नाग। (ना.पा.)

मल्लाह- १.पानी का एक सर्प २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी;जहूर;नालन्दा)

मषक- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मसुरिया- सर्प नाम, प्रायः खलों में रहता हैं। (जहूर)

महदर्दक- सर्प नाम। (सां.सं.)

महर- १.चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग २.ब्रज में बोला जाने वाला एक आदर सूचक शब्द ३.एक प्रकार का पक्षी। (ना.प.;मानक)

महराप- सर्प नाम, पानी के किनारे, मध्यप्रदेश में मिलता है। (कन्हैया; मल्हार; दिलीप)

महल- १.चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग २.बडा मकान ३.पहाडी मधुमक्खी। (ना.प.;नालन्दा)

महा- १.बडा सर्प २.सबसे बडा, सर्वश्रेष्ठ ३.महान। (मीणा)

महाकपोत- १. सर्प नाम, २.सफेद कपोत की बडी किस्म का सांप ३. छब्बीस प्रकार के विषधर सर्पो में से एक। (सुं.सं.;नालन्दा)

महाकर्ण- १.सर्प नाम २.एक नाग ३.शिव (सां.सं.;मानक)

महाकाल- १.सर्प नाम, काला रंग, एकधारी बडा भुजंग सर्प, जहरीला, धार मान्डु उज्जैन में मिलता है। सबसे ऊँचा सर्प माना जाता है २.महादेव या शिव का एक रूप ३.शिव के एक पुत्र का नाम ४.उज्जयिनी में स्थित शिव का एक प्रसिद्ध मंदिर (तुकोजी; जहूर; नागोबा)

महाकाली- १.मादा सर्प, अन्डे अधिक देती है २.शिव की पत्नि ३.दुर्गा का एक प्रसिद्ध रूप। (तुकोजी; जहूर; मानक; नालन्दा)

महाकुल- १.सर्प नाम उज्जैन एवं राजस्थान में मिलता है २.वह जिसका उत्तम कुल में जन्म हुआ हो। (तुकोजी; जहूर; नालन्दा)

महाकृष्ण- सर्प नाम बहुत अधिक काला सर्प २.सुश्रुत के अनुसार एक प्रकार का बहुत जहरीला सांप। (जहूर; मानक)

महाक्ष- १.प्रमुख नाग का नाम २.शिव ३.विष्णु। (नी.पु.; नालन्दा)

महादेव- १.प्रमुख नाग का नाम लम्बा, जहरीला, फणवाला, पूजायोग्य २.सबसे बडे देव, शिव। (नी.पु.; जहूर; मानक)

महानाग- नाग नाम, शेषनाग। (नागोबा; जहूर)

महानिहाशज- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

महानील- १.एक प्रमुख नाग का नाम २.एक पर्वत का नाम ३.सबसे बडी संख्या। (नी.पु.)

महापद्म- १.बडा पद्म वाला नाग २.एक प्रकार का फणदार सांप ३.पद्म की संख्या ४.आठ दिग्गजों में से एक ५.एक प्रकार का दैत्य ६.महाभारत काल का एक जगह जो गंगा के किनारे था। (मानक; सु.सं.; नालन्दा)

महापनस- एक ऐसा सर्प जिसके विष दन्त बडे हो। (सां.सं.)

महाभोगी- बडा फन वाला सांप। (नागोबा; मानक; नालन्दा)

महामंडली- सर्प नाम। (सां.सं.)

महामाया- १.सर्प नाम, बडा, तेज दौडने वाला, जहरीला, २.दुर्गा ३.गंगा ४.गोतम बुद्ध की माता का नाम, ५.शिव ६.एक दैत्य का नाम। (मानक; तुकोजी; जहूर)

महार- १.बडा सर्प, जहरीला, तेज दौडने वाला, फणवाला, काली मिट्टी गिली मिट्टी में मिलता है। म.प्र., उ.प्र., राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी;जहूर)

महाराज- १.सर्प नाम, फन वाला लाल रंग का उज्जैन के पास मिलता है। २.बहुत बडा राजा ३.गुरू आदि के लिये आदर सूचक संबोधन। (तुकोजी; नालन्दा)

महालयेश्वर- बडा सर्प, जहरीला, काले रंग का तेज दौड़ने वाला, म.प्र.के पुराने खन्डहरों तथा पहाडी इलाके में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

महावीर- १.सर्प नाम, ताकतवर, दूसरे सर्पो को पास में नहीं आने देता २.गौतम बुद्ध का एक नाम ३.हनुमान ४.देवता, सिंह। (नागोबा; नालन्दा)

महाशिर- बडे शिर वाला सर्प। (सां.सं.)

महासू- सर्प नाम शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

महाहनु- १.सर्प नाम बडे जबडे वाला २.शिव ३.तक्षक जाति का एक सर्प। (सां.सं.; नालन्दा; मानक)

महाहि- १.सर्प नाम, बडा फनियर २.वासुकि, नाग। (सां.सं.; मानक)

महिटी- सर्प नाम कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

महिनाग- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

महिपाल- १.प्रमुख नाग का नाम। २.राजा। (नी.पु.; मानक)

महिष- १.प्रमुख नाग का नाम। २.भैसा ३.एक वर्ण शंकर जाति का ४.कुश नाम द्वीप का एक पर्वत। (नी.पु.; मानक)

महेन्द्र- १.प्रमुख नाग का नाम २.विष्णु ३.इन्द्र ४.महेन्द्राचाल नामक पर्वत। (नी.पु.; नालन्दा)

महेश- १.सर्प नाम, सीधा सर्प २.ईश्वर ३.शिव। (दिलीप; जहूर; मानक)

महेशुर- १.शिमला जनपद का एक नाग २.महेश्वर। (ना.प.)

महेश्वरी- १.सर्प नाम, शान्त प्रकृति का सर्प, पास से निकल जावेगा काटेगा नहीं २.एक मानव जाति का नाम ४.दुर्गा। (तुकोजी; मानक; नालन्दा)

महोदर- १.प्रमुख नाग का नाम, बडे पेट वाला, अजगर २.एक राक्षस का नाम ३.धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम। (नी.पु.; सां.सं.; नालन्दा)

महोबिया- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला, तेज दोडता है, मालवा व राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

मांझी- १.सर्प नाम २.नौका खेने वाला केवट, मल्लाह ३.बलवान। (तुकोजी; जहूर; मानक)

मांदड- सर्प नाम। (मीणा)

माकड- १.सर्प नाम। मकडी जैसी स्थिति बनाकर उसमें रहता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

माकरिया- सर्प नाम, जहरीला तेज दौडने वाला काले रंग का झाबुआ (म.प्र)में मिलता है। (जहूर)

माकुली- सर्प नाम। (सां.सं.: नालन्दा)

माक्षिकस्वागी- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

माचाडी- १.चितल जैसा एक सर्प २.राजस्थान के प्राचीन स्थल का नाम। (कन्हैया; किशोर)

माजा- १.सर्प नाम, पवित्र, फणवाला, २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी ; जहूर)

माटोलिया- १.सर्प नाम, निमाड़ म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर;तुकोजी)

माठर- १.प्रमुख नाग का नाम २.सुर्य के परिपार्श्वक जो यम माने जाते है ३.वेद व्यास ४. ब्राह्मण ५.कलाल। (तुकोजी; मानक)

माड- १.सर्प नाम २.ताड की जाति का एक वृक्ष। (दिलीप; मानक)

माणतवाल- १.सर्प नाम २.मीणा जाति की एक प्रमुख शाखा का नाम। (मीणा)

माण्डोलिया- १. सर्प नाम फणवाला मान्डो में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

मातंगेश्वर- सर्प नाम। (तुकोजी; नागोबा)

माताजी- १.नागिन फणवाली,लम्बाई कम तेज दौडने वाली सुखे पत्तों में, काली मिट्टी में, ओंकारेश्वर नर्मदा के किनारे मिलताहै। २.चेचक ३.लक्ष्मी। (जहूर; मानक)

माथुर- १.सर्प नाम,फणवाला, जहरीला उत्तरप्रदेश में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

माधव- १.सर्प नाम म.प्र.में मिलता है २.मधु राक्षस का (वंशज) ३.कृष्ण। (तुकोजी; जहूर; मानक)

माधवी- सर्प नाम, फण वाला, कत्थई कलर, खंडवा, धार में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

मान- १.सर्प नाम २.प्रतिष्ठा , सम्मान ३.पुष्कर द्वीप के एक पर्वत का नाम। (जहूर; नालन्दा)

मानगर- सर्प नाम जहरीला फणवाला काला छीटे वाला राजस्थान में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

माननेश्वर- १.शिमला जनपद का एक नाग २.इसे मगनेश्वर भी कहा जाता है। (ना.प.)

मानव- १.सर्प नाम, सीधा, कम दौड़, गिली मिट्टी में, तालाब, नदी के किनारे रहता बगैर फणवाला नर्मदा किनारे म.प्र. में मिलता हैं २.मनुष्य जाति। (जहूर;मानक; महा.)

मानस- १.प्रमुख नाग का नाम। २.धैर्यवान सांप। (नी.पु.; वृ.प.; सां.सं.; नालन्दा)

माने- १.सर्प नाम काला नाग, सम्मानजनक सर्प २.मानवजाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

मानोत- १.सर्प नाम २.मीणा जाति की एक खांप का एक नाम। (मीणा; दिलीप; जहूर)

मानोबर- चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

मामा- १.सर्प नाम, बडा सर्प (मोठो बापजी) सतपुडा में मिलता है २.मां का भाई ३.भीलों की एक सम्मान-सूचक सम्बोधन। (नागोबा;जहूर)

मामी- १.सर्प नाम कबरे रंग का हरी घास, हरियाली बगीचे में पाया जाता है म.प्र.में मिलता है। २.मामा की पत्नि। (जहूर)

मार- १.सर्प नाम २.कामदेव ३.विष, जहर। (वेद नाग)

मारकन्ड- सर्प नाम जहरीला तेज दौडने वाला लाल पत्थरों की चट्टानों में मिलता है। (जहूर)

मारण - १.सर्प नाम २.मीणाओं का एक जातिय सम्बोधन मारण ३.मार डालना ४.मारणपुर (मीणा: नालन्दा)

मारमूनिरक- सर्प नाम, इसका सिर मुनक्का के रंग जैसा होता है और बदन खाकी रंग का होता है। (ति.म.)

माराकुल- प्रमुख नाग का नाम (नी.पु.)

मारूताशन- १.सर्प नाम २.कार्तिकेय का एक अनुचर। (मानक)

मारूती- १.सर्प नाम फणदारी, सांस लेने पर गाल फूल जाते है काले रंग का म.प्र. में मिलता हैं २.भारत में चल रही एक प्रसिद्ध कार का नाम ३.हनुमान/भीम। (नागोबा; मानक.)

मार्कण्डेश्वर - सर्प नाम फणवाला पूजा योग्य छीटेवाला जहरीला तेज रफ्तार कटनी, बडवाह की पहाडी ईलाकों में पाया जाना वाला बडा सर्प। (जहूर; तुकोजी)

माल- १.सर्प नाम चम्बा जनपद का एक प्रसिद्ध नाग २.एक प्राचीन अनार्य या मलेच्छ जाति ३.एक प्राचीन देश। (ना.प.;मानक)

मालपाणी- १.सर्प नाम गेहूं के खेतों में रहता हैं मालवा, पंजाब में मिलता हैं २-मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

मालव - १.सर्प नाम, काला, मटमेला, हरा, कई रंग का होता हैं मालवा में मिलता हैं २.आधुनिक मध्यप्रदेश का एक भू-भागे जो मध्य तथा प्राचीन काल में एक स्वतंत्र काल था, एक देश का नाम। (तुकोजी; मानव)

मालवा- १.सर्प नाम मालवा में पाये जाना वाला एक सर्प २.आधुनिक मध्यप्रदेश के अन्तर्गत एक भू-भाग। (तुकोजी; मानक)

माला- १.सर्प नाम शंकर के गले में २.एक प्राचीन नदी का नाम ३.फूलों का हार। (तुकोजी; नालन्दा; मानक)

मालार- सर्प नाम, जहरीला फूलों के बगीचों में होता है राजस्थान, उ.प्र.में मिलता है। (जहूर)

माली- १.सर्प नाम छीटेवाला, भूरा तेज दौडने वाला जहरीला बगैर फण हरियाली स्थान में मिलता है २.मानव जाति का नाम ३.मुकेश राक्षस का पुत्र। (नालन्दा; जहूर)

मालीय- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मालुधान- सर्प नाम, आठ पूज्य नागों में से एक, मातुल नाम की बुटी के पास रहने वाला सर्प। (नागोबा;सां.सं.)

मालू- १.सर्प नाम सीधा, बगैर फण वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

माल्यपिण्डक- एक नाग। (महा)

माल्यवान- १. सर्प नाम एक प्रमुख नाग का नाम २.पुराणो अनुसार एक पर्वत का नाम २.एक राक्षस जो मुकेस का पुत्र था। (नी.पु.; नालंदा)

माशप- सर्प नाम, जहरीला बडा-छोटा सभी साईज़ में शहरों में मालवा में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

माशय- सर्प नाम। (कन्हैया;मल्हार)

माषाद- १.प्रमुख नाग का नाम २.कछुआ। (नी.पु.;नालन्दा)

मासुरिया- सर्प नाम, जहरीला काला कबरा फणवाला राजस्थान में रेतीले इलाको में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

माहतो- सर्प नाम, म.प्र. राजस्थान में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

माहू- १.सर्प नाम कुल्लू जनपद का एकनाग २.कनसलाई नामक एक बरसाती कीड़ा। (ना.प.;नालन्दा)

माहूरी- १.कुल्लू जनपद का एक नाग २.संगीत में कर्नाटक पद्धति की एक रागिनी। (ना.प.)

माहेटा- सर्प नाम पतला जहरीला घास के मैदानों में होता है म.प्र. में मिलता है।(जहूर; दिलीप)

मित्र- १. एक प्रमुख नाग का नाम २.सखा या दोस्त ३.सूर्य ४.भारत के एक प्रसिद्ध प्राचीन देश का नाम। (नी.पु.; नालन्दा)

मिथुन- १.सर्प नाम, कम दौड़ने वाला, भूरी पीली मिट्टी में पाया जाता है। २.बारह राशियों में से तीसरी राशी ३.समागम ४.स्त्री पुरुष का युग्म। (जहूर; मानक)

मिरियासिल- सर्प नाम, जहरीला काली मिट्टी में, गेहूं के खेत में रहता है निमाड़ में मिलता है। (जहूर)

मिलिंदक- सर्प नाम एक मण्डली जाति का सर्प। (नागोबा; सु.सं.; नालन्दा)

मीचडवाल- सर्प नाम, आवाज करता है। बिना जहरीला। (जहूर)

मीन- सर्प नाम सीधा छोटा कम दौडता है विष होता है धारीया होती है गिली मिट्टी के किनारे मिलता है। २.मछली ३.बारह राशियों में से एक राशी। (मीना;मानक)

मीना- १.सर्प नाम २.राजस्थान की एक प्रसिद्ध योद्धा जाति का नाम ३.नीले रंग का एक बहुमूल्य पत्थर। (मीणा; नालन्दा; मानक)

मीमरोट- १.सर्प नाम पणवाला, खेतों के किनारे म.प्र. में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र। (कन्हैया; जहूर; तुकोजी; दिलीप)

मीर शिकार -१.सर्प नाम काली मिट्टी में मिर्ची के खेत में होता है निमाड में मिलता है २.एक प्रधान कर्मचारी जो अमीरों या बादशाह की शिकार की व्यवस्था करता था। (जहूर; मानक)

मुंगियासांप- १.सर्प नाम २.मुंग के दानों के रंग का। (वेदनाग; मानक)

मुक्तिश्वर -१.सर्प नाम सीधा, पूजा योग्य कम जहीराला चाल बहुत तेज गिली मिट्टी में नदी तालाब के किनारे पाया जाता है। २.एक शिवलिंग का नाम।(जहूर; तुकोजी; नालन्दा)

मुखतिशा- सर्प नाम। (मि.त.)

मुखसेचक- सर्प नाम, मुख के विष से घास को सीचने वाला। (सा.सं.)

मुखी- १.सर्प नाम, स्वर्ण कलर का, छोटा राजस्थान में मिलता है २.मुख से युक्त, नाहर मुखी, सुर्य मुखी। (नागोबा; मानक)

मुघाटे-१.सर्प नाम घाटियों में रहता हैं,मालवा में मिलता हैं मूंग जैसा कलर .२.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा

मुचकुंद-१.नाग २.सुगंधित फुलो वाला एक बडा वृक्ष ३.मांधता के एक पुत्र का नाम। (जहूर; मानक)

मुचलिन्दनाग- १.सर्प नाम २.बौद्ध गया स्थित एक तालाब में स्थापित नाग।(वेद नाग)

मुजाल- सर्प नाम (सर्प द.)

मुद्गर- १सर्प नाम २.कसरत करने वाला, काठ के बडे टुकडों की जो व्यायाम में काम में आता है। (सां.सं.; नालन्दा)

मुन- १.सर्प नाम बोलता नहीं, फुस्कारता नहीं, काटेगा कम जहीराला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

मुनि- १.सर्प नाम सीधा, कम दौड़ने वाला बगैर फणवाला कम जहरीला खेलों में, गोदामों में रहताहैं २.तपस्वी, त्यागी ३. पुराणों अनुसार क्रोच द्वीप का एक देश ४.जैनों के जिन देव ५.कुरू के एक पुत्र का नाम। (जहूर; नालन्दा; मानक)

मुनेश्वर- १.सर्प नाम, माथे एवं मूंह पर बाल होते हैं महाराष्ट्र में मिलताहैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

मुन्ड वेदाङ्ग-१.ज्ञान युक्त सर्प २.महाभारत के अनुसार एक नागासुर का नाम। (नालन्दा; सां.सं.)

मुन्डोतिया- १.सर्प नाम सीसम के जंगलों में पेडों में- जडों में मिलताहैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

मुन्डौलू- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

मुर- १.सर्प नाम २.एक दैत्य का नाम जिसका वध श्री कृष्ण ने किया था।(दिलीप; मानक)

मुरा- १.बडा वजनदार सर्प २.चन्द्र गुप्त की माता का नाम। (दिलीप; जहूर; किशोर; नालन्दा)

मुराडा- १.जहरीला सर्प, नर्मदा के किनारे पाया जाता है। २.ऐसी लकडी जिसका एक सीरा जल रहा हो। (कन्हैया; किशोर; मल्हार; मानक)

मुरारि- सर्प नाम जिसे मुरारिया भी रहते हैं फणवाला, पूजा योग्य जहरीला मंदिरों के पुराने खंडहरो में २.मुर नामक दैत्य के शत्रु कृष्ण। (जहूर; नालन्दा)

मुर्हवाह- सर्प नाम। (तुकोजी)

मुहास्या- १.सर्प नाम २.मानक जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

मूक- १.सर्प नाम जो गूंगा हो या फूत्कार न करे २.गूंगा, अवाक ३.दीन, विवश, लाचार ४.दानव ,राक्षस ५.तक्षक का एक पुत्र। (सां.सं.; नालन्दा; महा.)

मूछों वाला- सर्प नाम, इसके कानों के समीप बड़ी-बड़ी मूंछें होती है फण छोटा, रंग खाकी, अत्यधिक जहरीला। (ति.म.)

मूथल- सर्प नाम चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

मूदगरपिण्डक- सर्प नाम। मुदगर की तरह जिसका मोटा शरीर हो। (सां.सं.)

मूरदारिया- १.सर्प नाम, धारिया वाला, पतला मूंह, बगैर फणवाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

मूलकलुवा- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

मूलेश्वर- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मूषकाद- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

मूषकाभक्षी- सर्प नाम। चूहों का भक्षण करता है। (मीणा)

मूसा- १.सर्प नाम, अजगर जैसा मूंह मोटा राजस्थान में मिलता है। (तुकोजी;जहूर)

मूहर्त- १.सर्प नाम जहरीला फणवाला दौड़ तेज २.एक क्षण, समय का अल्पांश ३.काल, समय/शुभ-अशुभ।(जहूर; तुकोजी; सं.हि.को.)

मेंढक सर्प- सर्प नाम। (मीणा)

मेघनाद- १.सर्प नाम, गरजन वाला भारी जहरीला उडीसा, बिहार में मिलता है २.रावण के पुत्र इन्द्रजीत का नाम। ३.एक दैत्य। (नालन्दा;जहूर)

मेजुब- सर्प नाम। (जहूर)

मेडलोक- सर्प नाम पानी के किनारे, गिली मिट्टी में मेढक के स्थान पर निवास करता है म.प्र. में मिलता है। (जहूर)

मेडू- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

मेढ़े- १.सर्प नाम महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

मेणसल-१.सर्प नाम, २.मनसा देवी का एक नाम। (मीणा)

मेद- १.नाग का नाम २.एक प्राचीन अंत्यज जाति ३.एक नाग राक्षस का नाम। (वृ.प.; सं.हि.को.; नालन्दा)

मेर- सर्प नाम। (मीणा)

मेरूपाल- सर्प नाम। (मीणा)

मेव- १.सर्प नाम २.राजपुताने की एक जाति। (वेद नाग; मानक)

मेवाण- सर्प नाम १.बगेर फण वाला, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में पाया जाता है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी)

मेष - १.सर्प नाम, भूरा, पीला, चमकीला, धीमी गति २.बारह राशी में से पहली राशी ३.भेड। (जहूर; मानक)

मेहर- १.सर्प नाम पानी के किनारे , गीली मिट्टी में, कम जहरीला तेज दौडने वाला म.प्र.में मिलता है २.कृपा, अनुग्रह, दया ३.एक प्रसिद्ध पहाडी देवी का नाम, मानव जाति का गौत्र। (जहूर; नालन्दा)

मेहरा- १.सर्प नाम जो प्रायः सरसों के खेतों में पाया जाता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र ३.खत्रियों की एक जाति। (जहूर; नालन्दा)

मेहरू- सर्प नाम लहर लेता हैं। (जहूर)

मैनपाल-१.सर्प नाम २.एक गांव का नाम। (जहूर)

मैना- १.सर्प नाम २.एक मैना पक्षी का नाम ३.हिमालय की पत्नी ४.राजस्थान की एक जाति जिसे मीणा कहते है। (मीणा)

मैलण्या- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है २. एक मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी)

मोची- १.सर्पनाम, खूबसूरत जहरीला २.मानव जाति का नाम। (जहूर)

मोञ्च- १.मूंज घास पर रहने वाला सर्प २.धारा पति राजा मुंज का नाम। (जहूर)

मोड़- १.सर्प नाम, इसे मोडिया सर्प भी बोलते हैं बडनगर तहसील में पाया जाता है २.शादी के समय सिर पर बांधने का मोड़। (तुकोजी; मानक)

मोथू- सर्प नाम। (दिलीप जहूर; मीना)

मोद- १.मस्त रहने वाला एक सर्प २.म्हक, सुगन्ध ३.वित्त वृतियों के प्रफुल्लित होने की अवस्था या भाव। (सां.सं.; मानक)

मोरजवाल- सर्प नाम। (मीणा)

मोरजाला- सर्प नाम। (मीणा)

मोरध्वज- सर्प नाम, मोर जैसा रंग खुबसूरत २.एक पौराणिक प्रसिद्ध राजा का नाम। (दिलीप; जहूर)

मोरवाल- १.सर्प नाम खुबसूरत, पतला, जहरीला बगीचों में म.प्र.में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

मोरिया- १.सर्प नाम लम्बा, फणवाला, जहरीला, राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

मोरे- १.सर्प नाम, बिना फण का, मालवा में मिलता २.मानव जातिका एक गोत्र। (तुकोजी)

मोहिते- १.सर्प नाम बगैर फण का, महाराष्ट्र एवं मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

मोहिल- १.सर्प नाम, बगैर फणवाला, राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; नागोबा)

मौनबेपग-सर्प नाम मौन किस्म का सांप। (सां.सं.)

मौनेय- १.सर्प नाम, जहरीला, राजस्थान में मिलता हैं २.गंधर्वों, अप्सराओं आदि का एक मातृक गोत्र। (जहूर; मानक)

मौर्य- १.सर्प नाम २.मगध का एक प्रसिद्ध भारतीय राज-वंश जो चन्द्र गुप्त से आरम्भ हुआ। (जहूर; तुकोजी; दिलीप; ना.शो.)

मौहूतिक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

य

यक्ष- १.सर्प नाम २. कुबेर (सर्प दं)

यम- १.सर्प नाम २.मृत्यु के देवता, यमराज ३.शनि ४.विष्णु। (दिलीप; जहूर)

यमक- १.प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

यमदूत- १.सर्प नाम २.यमराज का दूत ३.कौआ। (जहूर; मानक)

यमुना- १.सर्प नाम काला, नीले रंग का २.दुर्गा ३.एक नदी का नाम ४.यम की बहिन। (जहूर; दिलीप; मानक)

ययाति- १.सर्प नाम पतला तेज दौड़ने वाला कम जहरीला २.राजा नहू का पुत्र, जिसका विवाह शुक्राचार्य की देवयानी से हुआ। (तुकोजी; नालन्दा)

यवनप्रिय- १.प्रमुख नाग का नाम २.मिर्च (नी.पु.; मानक)

यवमाली- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

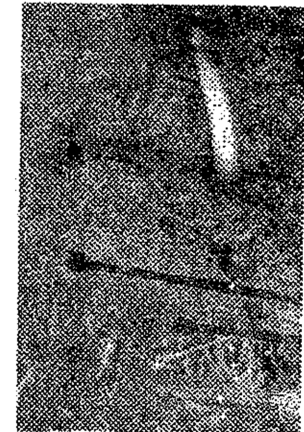
यादव- १.सर्प नाम, बडा, दूध जैसा रंग, मालवा में मिलता हैं २.यदु के वंशज ३.श्री कृष्ण। (तुकोजी; जहूर; मानक)

युज्वा- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

युधिष्ठिर -१.प्रमुख नाग का नाम २.हस्तिनापुर के राजा पाण्डु के सबसे बड़े पुत्र।(नी.पु.; मानक)

येउना- कुल्लू जनपद का नाग। (ना.प.)

योग- १.कश्मीर के प्रमुख नाग का नाम २.तपस्या ३.दूत, चर ४.ईश्वर, परमात्मा ५.दो या दोसे अधिक राशियों का जोड। (नालन्दा;नी.पु.)



र

रंगरेज- १. सर्प नाम, जहरीला, भूरी मिट्टी में , म.प्र. में मिलता है २. वह जो कपडे रंगने का व्यवसाय करता है। (जहूर; मानक)

रंगवा- १. सर्प नाम, पतला, हल्का पीला रंग म.प्र.में मिलता है २. चौपायों का रोग। (जहूर; मानक)

रक्तमण्डल- १.ऐसा सर्प जिसके चकत्तो का रंग लाल हो २. लाल कमल ३. एक जहरीला पशु। (सु.सं; मानक)

रक्तांग- १. सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प लाल रंग वाला ३. मंगल ग्रह ४.मूंगा ५. केसर ६.लाल चंदन। (महा; सां.सं; मानक)

रक्ताबर- १.सर्पनाम २.सन्यासी ३.लाल वस्त्र। (जहूर; नागोबा)

रक्षा- १. सर्प नाम, रंग काला २.भस्म ३. बालकों को भूत-प्रेत नजर आदि बचने के उद्देश से बाधा जाने वाला कवच। (नागोबा; मानक)

रक्षिता- १. सर्प नाम, फनवाला किंग कोबरा जैसा काले-सफेद छीटे, कम लम्बा २.रक्षक ३.एक अप्सरा का नाम। (जहूर; नालन्दा)

रखिया- १. सर्प नाम, शरीर पर राखी जैसा निशान, चित कबरा रंग, मालवा में मिलता है। (तुकोजी; दिलीप)

रघु- १.सर्प नाम त्रिभंगा आटी लगाता है २.रघुवंश के मूल पुरूष एवं संस्थापक ३.राजा रामचंद्र के पर दादा। (दिलीप; मानक)

रच्छोया- १. सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला, पतला, पीले छीटे वाला बगैर फणवाला २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

रजक- १. सर्प नाम, जहरीला आगर मालवा की तरफ मिलता है २. धोबी। (तुकोजी; मानक)

रजत- १.प्रमुख नाग का नाम २.चांदी ३. हांथी दांत ४. पुराणों अनुसार शाकद्वीप के अस्ताचल का नाम (नी.पु.; मानक)

रणथम्बोर- १. सर्प नाम २. सवाई माधोपुर के समीप एक प्राचीन ऐतिहासिक किला। (दिलीप; जहूर)

रतनासर- १.सर्प नाम २. एक गांव का नाम। (जहूर; तुकोजी)

रतूरा- सर्प नाम, रंगकाला, बिना फण का अत्यधिक जहरीला, लाहौर और लुधियाना में मिलता है। (ति.म.)

रथर- सर्प नाम, रंग भूरा सा, गोरखपुर, बहारायच और नेपाल में सहसवा कहते हैं, यह ऊँट की भांति सिर उठाकर फिर नीचे ले जाकर पीठ को कुवड़ी करके चलता है, अधिक जहरीला। (ति.म.)

रथर्वी- सर्प नाम चंचल एवं तेज दौडने वाला सर्प। (सां.सं)

रफता- सर्प नाम, इसे रफ्श भी बोलते हैं, बड़ा सर्प, बदन पर काले औरश्वेत तिल होते हैं। (ति.म.)

रभेणक- १. सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला २. हिरण जैसा वेगवान या हिरणों को पकडने वाला। (महा; सां.सं)

रमडवाल- १. सर्प नाम धीरे चलता है बिना जहरीला, छोटा ,राजस्थान में गर्म इलाके में रेतीले इलाके में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जूहर; तुकोजी)

रम्भ- १.प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

रवारी- १.सर्प नाम, खाद की जगह में रहता है, पतला, जहरीला २. मानव जाति का एक नाम (जहूर; तुकोजी)

रवि- १. सर्प नाम २. सूर्य ३. धृतराष्ट्र का एक पुत्र ४. एक प्राचीन पर्वत ५.लाल अशोक का पेड़। (जहूर; मानक)

रसेनिया- १. सर्प नाम म.प्र. में मिलता हैं २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

रॉस- सर्प नाम। (जहूर; चौथा संसार ३०-८-९१)

रांगोठा- सर्प नाम, फुन फंकार जैसा दिखाई देता है, मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

राई- १. कुल्लू जनपद का एक नाग २. एक प्रकार की छोटी सरसों। (ना.प; नालन्दा)

राईन- सर्प नाम पतला राई के खेतों में रहता है म.प्र.राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

राउतिया- सर्प नाम जहरीला झाबुआ जिले में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

राक्षस- १. सर्प नाम २. देत्य, असुर ३. कुबेर के धन रक्षक ४. विवाह की वह प्रणाली जिसमें वधू के लिये युध्द करना पडता है। (नागोबा; जहूर; नालन्दा)

राक्षसाकृति- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

राखी- १.एक नाग, फणधारी एवं सुनहरा २. ब्राहमण द्वारा यजमान को बाँधा जाने वाला सूत्र ३. एक हिन्दू त्यौहार का नाम यथा रक्षा बंधन। (नागोबा; मानक)

रागमंडली- सर्प नाम, रंग-बिरंगा संगीत में अनुरक्ति। (सां.सं)

राजगीर- १. सर्प नाम, लम्बा, जहरीला होता है २. मकान बनाने वाला कारीगर। (जहूर; तुकोजी)

राजथार- फणवाला सर्प, दूसरे सर्प डरते हैं जहरीला उ.प्र. में मिलता है। (जहूर)

राजधोब- बडा सर्प ७ फुट तक लम्बा फणवाला, रेतीले इलाकें में राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

राजपूत- १. सर्प नाम, लडाकू प्रवृत्ति फणवाला २. एक पद या उपाधि जो राज्य की और से मिलती था ३.राजपूताने के क्षत्रिय वीर। (तुकोजी; मानक)

राजलवाल- १.सर्प नाम, तेज दौड़ने वाला म.प्र. में पथरीली इलाकों में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र। (जहूर)

राजवोशी- सर्प नाम, पूजा योग्य, बड़ा सर्प ज़हरीला राजस्थान, अजमेर, जयपुर में मिलता है। (जहूर)

राजसर्प- १. एक प्रकार का बड़ा सांप, भुजंग भौजी। (मानक)

राजा- १. सर्प नाम, बड़ा सर्प, फण वाला जहरीला प्रायः काले रंग का पथरीले इलाकों में पाया जाता है राजस्थान में मिलता है २.नृपति ३.अधिपति, मालिक ४. वह जो राज्य या भूखण्ड का मालिक हो। (तुकोजी; मानक)

राजाधिराज- १. काश्मीर के प्रमुख नाग का नाम २. राजाओं का राजा, सम्राट। (नी.पु.; मानक)

राजिका-चित्र- सर्प जिसके ऊपर सरसों के समान छोटी छोटी बुंदकियां होती है। (सु.सं; मानक)

राजिल- सर्प नाम, धारीधार सर्प। (वृ.प.; सां.सं)

राजिव- १. सर्प नाम २. कमल। (सर्प.दं; मानक)

राजीमान्- सर्प नाम। (सु.सं; नालन्दा)

राजेरा- १. सर्प नाम, सर्प इनके हुकुम में रहते है २. मानव जाति का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

राजेश्री- सर्प नाम। (सर्प.दं)

राजेसाहेब- सर्प नाम। (सर्प.दं)

राजोद- सर्प नाम। (तुकोजी; कन्हैया)

राजोरिया- १. सर्प नाम, छीटे वाला-कबरा तेज दौड़ने वाला, जहरीला म.प्र. में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

राठ- १. सर्प नाम २. राष्ट्र, राज्य ३. राजा। (जहूर; नालन्दा)

रात- १.सर्प नाम २. रजनी, रात्रि ३. रात को सांप मानागयाहै। (स्नेक; इं.पा)

रातडिया- १. सर्प नाम २. एक गांव का नाम, जिला उज्जैन। (तुकोजी; दिलीप)

रातीजगा- १. सर्प नाम, रात में फिरता रहता है, जगता हैं, रात को आवाज करता है २. रात भर 'उत' देवता एवं डोलामारू के गीत गाने की एक सामाजिक रश्म जो राजस्थान की कई जातियों में पाई जाती है। (नागोबा; जहूर)

रानीवाल- १. सर्प नाम (मादा) बहुत खुबसूरत, जहरीला, फणवाला २. मानव जाति का गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

रापड-नागस- १. सर्प नाम, कुल्लू जनपद का एक नाग २. बंजर भूमि का सर्प (ना.प., मानक)

राम- १. प्रमुख नाग का नाम २. राजा दशरथ के पुत्र श्री राम ३.किसी से भेंट होने पर/राम राम कहकर अभिवादन करना ४.मलिन, धूमिल, काला ५. सुन्दर, प्रिय, मनोहर। (नी.पु.,सं.हि.को)

रामदात- १.सर्प नाम, तेज तर्राट जहरीला मालवा में कम मिलता है २. एक अधिपति जिसने सिक्के चलाये जो ब्रिटीश म्यूजियम में मौजूद है। (तुकोजी; जहूर)

रामदेव- १. सर्प नाम रंग भूरा राजस्थान में मिलता हैं २. राजपूताने में प्रचलित एक सम्प्रदाय ३. दलितों का एक उन्नायक देवता। (नागोबा;मानक)

रामनुन- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

रामेश्वर- १. एक सर्प, पूजा योग्य, बहुत जहरीला, निमाड तथा राजस्थान के पथरीली रैती की जगह पर मिलता हैं २.दक्षिण भारत में समुद्र के तट पर एक शिवलिंग जो राजा रामचन्द्र द्वारा स्थापित कहा गया बताते है। (जहूर; तुकोजी; मानक)

राव- १.सर्प नाम, फणवाला, निमाड व महाराष्ट्र में मिलता है २.राजा ३. राजा का दरबारी या सरदार ४. भाट ५. कच्छ के राजाओं की पदवी। (नागोबा; मानक)

रावण- १. प्रमुख नाग का नाम २. लंका का राजा, राक्षसों का मुखिया ३. राजा रावण का वध श्री राम ने किया था (नी.पु.; मानक; सं.हि.को)

रावत- १.सर्प नाम २.छोटा राजा ३.राजपूत ४.सरदार। (मीना; नालन्दा)।

रावल- १. सर्प नाम २.राजा ३.राजस्थानी राजाओं की एक उपाधि। (तुकोजी; नालन्दा)

राष्ट्रकूट- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला स्थान से लगाव है जगह नहीं बदलता है २.दक्षिण भारत का एक क्षत्रिय राजवंश जो आजकल राठौर नाम से प्रसिद्ध है। (जहूर; नागोबा; नालन्दा)

राष्ट्रेश्वर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

राह- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

राहगिर- १. एक सर्प २. मुसाफिर ३.पथिक। (तुकोजी; नालन्दा)

राहु- १. काश्मीर में रहने वाले एक प्रमुख नाग का नाम २. पुराणोंनुसार नौ ग्रहों में से एक ३. एक राक्षस का नाम। (नी.पु.; जहूर; दिलीप)

राहुलें- १. सर्प नाम २.मानव जाति की अनेक जातियों का गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

रिद्धि- सर्प नाम, मादा, मटयाले रंग का कम जहरीला तेज दौड़ने वाला। (जहूर; नागोबा)

रिनन्द- सर्प नाम, क्रोधी स्वभाव। (नागोबा; जहूर)

रुंडवाल- १.सर्प नाम २. मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

रूणा-भूरा- १. सर्प जो प्रायः पीली मिट्टी में रहता है २. राजस्थान के रणथम्बौर किले का एक नाम। (तुकोजी; जहूर)

रूद्र- १.सर्प नाम २.भयंकर ३. शिव का एक रूप। (सां.सं; मानक)

रूपेश्वर- एक खूबसुरत सर्प, कबरा-चमकीला म.प्र. में मिलता हैं (जहूर; नागोबा)

रेकवार- सर्प नाम, जो रेती में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

रेड़- १.सर्प नाम छोटा, धीमे चलता है २. राजस्थान के प्राचीन स्थल का नाम। (जहूर; दिलीप)

रेड़िया- १. सर्प नाम कम दौडने वाला, धीमी गति का उत्तरप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

रेतवाल- एक सर्प खुबसूरत, रेती में, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

रेवडी- १. सर्प नाम चांदी के समान रेवडी शक्कर जैसा जहरीला, तेज दौड़ने वाला चट्टानों में मिलता है २. छोटी टिकिया के रूप में तिल या चीनी की बनी एक मिठाई। (नागोबा; जहूर; नालन्दा)

रेवत- १. सर्प नाम, उज्जैन के पास मिलता है २.बलराम के ससुर का नाम (तुकोजी; नालन्दा)

रेवनी- सर्प नाम पतला जहरीला घास के इलाकों में, सतपुडा विंध्याचल की पहाड़ियों में मिलता है। (जहूर; नागोबा)

रेवा- १.प्रमुख नाग का नाम २.नर्मदा नदी ३.दुर्गा ४. कामदेव की पत्नि। (नी.पु.;मानक)

रेवाडिया- १. सर्प नाम, भूरे रंग का रेवाडी जगह पर रहता है ,राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का गोत्र। (जहूर; दिलीप)

रेसवाल- १. सर्प नाम, छोटा, दो से ढाई फुट तक, केलों के झाडों में, शहतूत के पेड़ों में मध्यप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र। (जहूर; दिलीप)

रैगर- १. सर्प नाम, रेतिले इलाके में मिलता है, नहर किनारे हल्का हरा रंग का, पतला जहरीला २. एक मानव जाति का नाम। (जहूर; तुकोजी)

रोकडे- १.सर्प नाम बिना फण का, मालवा में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

रोचन- १.काश्मीर का एक प्रमुख नाग २. प्रिय लगने वाला ३.लाल ४. मार्कण्डेय पुराणानुसार एक पर्वत का नाम। (नी.पु.; नालंदा)

रोधिया- सर्प नाम, पतला, छीटें वाला, पीले रंग का, पतली दुम वाला। (जहूर; तुकोजी)

रोध्रपुष्प- सर्प नाम, लोध के फुल के रंग वाला या आकृति वाला। (सु.सं)

रोना विष- सर्प नाम, रंग आसमानी, दो-ढाई गज लम्बा, कपूरथला में पाया जाता है। (ति.म.)

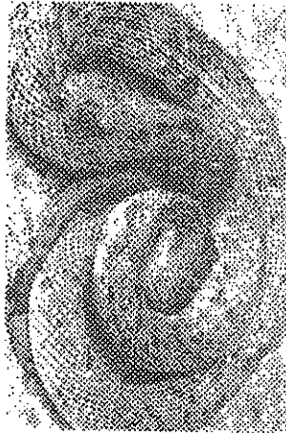
रोमानी- सर्प नाम, हल्के पीले रंग का जहरीला राजस्थान में रेतीले इलाकों में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

रोरया-१. सर्प नाम, रोल करता है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

रोलिया- १. सर्प नाम, गन्ने के खेतों में, पानी वाली जगह पर रहता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

रोहिण- १.काश्मीर का एक प्रमुख नाग २.गूलर ३. पीपल। (नी.पु.; नालन्दा)

रोहित- सर्प नाम, रंग लाल। (दिलीप; तुकोजी)



ल

लंकावाल- सर्प नाम, फण पर निशान, हनुमान, डबल चौकी, उज्जैन संभाग में मिलताहै। (तुकोजी)

लंजवार- १.सर्प नाम, शर्मदार, लज्जावान सर्प २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

लकवाल- १.सर्प नाम, पतला, बगैर फण वाला, तेज दौडने वाला पेड पर रहता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (दिलीप; जहूर; तुकोजी; कन्हैया)

लकुलीा- सर्प नाम।(जहूर; तुकोजी)

लक्ष्मण- १.सर्प नाम, बहुत जहरीला २.सुमित्र के गर्भ से उत्पन्न राजा दशरथ के पुत्र जो शेष नाग के अवतार माने जाते है ३.नाग। (दिलीप; मानक)

लक्ष्मी- १.सर्प नाम (मादा) २. वासुकि नाग की कन्या हैं नागराज भाई हैं ३.विष्णु की पत्नि ४.दुर्गा ५.घर की मालकिन के लिये आदर सूचक शब्द। (नागोबा;मानक)

लखेरिया- १.सर्प नाम। पीपल के झाड़ में रहता है जहां लाख मिलती है खोखलो में रहता है। उज्जैन में मिलता है।२.एक जाति का नाम, लखेरा। (तुकोजी; जहूर)

लखोड- १.सर्प, पूजा योग्य फण वाला जहरीला उज्जैन, पूना घाटी, नादेड, नासिक के आसपास मिलता है २.एक माता का नाम। (जहूर; तुकोजी)

लगन- १.सर्प नाम, उज्जैन जिले के आस-पास मिलता है २.विवाह का मुहर्त (लग्न)।(तुकोजी; जहूर)

लढ्ढा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

लमने- एक सर्प। माण्डव में मिलता हैं। (तुकोजी;जहूर)

लम्बक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

लम्बकर्ण- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

लरहासन- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

ललन- १.प्रमुख नाग का नाम २.बालक, लडका ३.चिरोंजी का पेड ४.सालवृक्ष। (नी.पु.;मानक)

ललाटा- सर्प नाम।(तुकोजी)

लव- १.सर्प नाम २.राम के पुत्र का नाम। (दिलीप; जहूर; सं.हि.को)

लसनाक- सर्प नाम,सिरऔर शरीर धागे सा होता है,काफी लम्बा होता है, अत्यधिक जहरीला, हैदराबाद के आसपास मिलता है।(ति.म.)

लांगली- १.प्रमुख नाग का नाम २.नारियल ३.सांप ४.एक नदी का नाम। (नी.पु.;मानक)

लाटू- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

लाड़लड़ा- प्रायःवृक्षों पर रहने वाला एक सर्प। (नालन्दा)

लाड़ा- १.सर्प नाम, सफेद रंग का घटिया-घोंसला के आस-पास मिलता है २.दुल्हा / वर। (तुकोजी; मानक; जहूर)

लाड़ी- १.एक सर्प, मादा, कम जहरीला, आगर की तरफ मिलती हैं २.दुल्हन-नववधु। (तुकोजी; मानक; जहूर)

लात- सर्प नाम।(नागोबा; जहूर)

लाभ- १.सर्प नाम, लाल खून की तरह रंग, बिना फण, पोले-झाडों में रहता हैं। (तुकोजी; नागोबा)

लालड़ा जूनसिरा- सर्प नाम, गेरुआ रंग, काले धब्बे कमर पर होते हैं विषहीन।(ति.म.)

लालड़ा पलक- सर्प नाम, इसकी कमर पर सफेद गुल होते हैं,विष नहीं होता, बस्तियों में मिलता है। (ति.म.)

लासीनी- सर्प नाम लिपटे जाने वाला सर्प। (सां.सं.)

लालदोमुंहा- सर्प नाम। (सां.सं.)

लांहुर-सर्प नाम, एक प्रमुख नाग का नाम।(नी.पु.)

लाहोटी-१.सर्प नाम,फणवाला, मालवा में मिलता हैं,२.मानव जाति का एक गोत्र।(जहूर; दिलीप)

लिंगाय- सर्प नाम। (तुकोजी; नागोबा)

लिंगायत-१.सर्प नाम २.एक प्रसिद्ध शैव सम्प्रदाय जो दक्षिण में है। (तुकोजी;मानक)

लिंगेश्वर- १.सर्प नाम, लिंग के आकार से मिलता जुलता है। ५-६ ईंच लम्बा, पथरीली जगह में मिलता है। (जहूर; नागोबा)

लीडवाल-१.सर्प नाम, लकडी जैसा। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

लीलडया- १.सर्प नाम हरियाली पसंद करता है, बिना जहर वाला हरियल भी कहते है २.मानव जाति का गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

लुणिया- १.सर्प नाम प्रायःखांखरे के झाड में मिलता हैं, उज्जैन में गंभीर नदी के ऊपर की और मिलता हैं। २.मानव जाति के गोत्र का नाम। (तुकोजी; दिलीप; जहूर)

लुबान- १.सर्प नाम बगैर फण का, छोटा २.एक गांव का नाम। (जहूर; नागोबा)

लेदिर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

लेलिहान- १.प्रमुख नाग का नाम, जीभ से चाटने वाला, स्पर्श ज्ञान आदि करने वाला २.शिव का एक नाम। (नी.पु.; सां.सं., मानक)

लोखन्डे - १.सर्प नाम, पतला, काफी लम्बा, धड के कई खण्ड महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति की कई जातियों में पाये जाने वाला गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

लोखाडिया- सर्प, नाम बिना फण वाला, खजूर के पेडों में, नदी किनारे मिलता है। (जहूर)

लोटन- १.सर्प, नाम लोटने की प्रवृति पाई जाती है। बिना जहरीला, सुखी मिट्टी धूल वाले इलाके में राजस्थान में मिलता है २.लुढकने वाला ३.कटीली झाडी। (जहूर; मानक)

लोड़ेतिया-१.सर्प नाम २.छोटासर्प ३.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर; दिलीप)

लोदवाल- सर्प नाम, गीली मिट्टी में उत्तरप्रदेश में धान के खेतों में पाया जाता है। (जहूर)

लोध्रपुष्प- १.सर्प नाम, एक प्रकार का राजिल सांप २.महूए का वृक्ष। (सां.सं.; नालन्दा)

लोरवाडिया- १.सर्प नाम, जहरीला, राजस्थान के बीकानेर, अजमेर, जयपुर के पहाडी इलाकों में मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

लोलभ- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

लोलाई- १.सर्प नाम २.एक कुलदेवी का नाम। (तुकोजी; दिलीप)

लोहार- १.सर्प नाम, लोहे जैसा मजबूत होता है, २.एक जाति, जो लोहे की चीजें बनाने का काम करती है। (तुकोजी; जहूर)

लोहारिया- १.सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, तेज दोडता है म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

लोहित- १.लाल रंग का फणवाला सर्प २.लाल रंग ३.मंगल ग्रह ४.गौतम बुद्ध का एक नाम। (सां.सं.;मानक)

लोहिताक्ष- १.लाल आंख वाला सर्प २.कोकिल, कोयल ३.विष्णु का विशेषण ४.लाल रंग का सर्प। (सु.स.; नालन्दा; मानक)

लोहिताक्षक- सर्प नाम। (मानक)

लोहिताही- लाल रंग का सर्प। (सां.सं.नालन्दा)

लोहिया- १.सर्प नाम,म.प्र.में मिलता हैं। २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

लोहेरी- सर्प नाम, फणवाला, जहरीला, म.प्र. राजस्थान में पहाडी इलाके में पाया जाता है। (जहूर)



व

वंशनग- सर्प नाम। (नी.पु.)

वकवार- सर्प नाम जहरीला, म.प्र.राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

वट- १. नाग का नाम २.बरगद का पेड़। (नी.पु.; नालन्दा)

वण्ठक- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वत्स-१.प्रमुख नाग का नाम। २.बच्चा बालक ३.एक देश का नाम ४.कंस का एक अनुचर। (नी.पु.;नालन्दा)

वधिराजा-सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

वनपुरिया-१.सर्प नाम, जहरीला मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

वनमाला- १.सर्प नाम बगैर फण का २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

वनमाली- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वरघोण- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वरढा-१.सर्प नाम, धरती पर रहने वाला २.मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी)

वरवंद- सर्प नाम, पेड़ों के खोखलो में-आम के या पीपल के पेड़ों में रहता है म.प्र. में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

वराह- १. प्रमुख नाग का नाम २.वराह, विष्णु का एक अवतार जिसने पृथ्वी को अपनी नथुनी से उभारा ३.एक पर्वत का नाम ४.सुअर ,शुकर। (नी.पु.; नालन्दा)

वराहक- १.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प, छोटे सुअर को निगल जाने वाला२.हीरा ३.सूंस नामक जल जन्तु। (महा.; सां.सं.; नालन्दा)

वरूण- १. सर्प नाम २.एक ऋषि का नाम ३.एक वैदिक देवता जो जल का अधिपति माना जाता है। (जहूर; नालन्दा)

वर्धन- नाग नाम। (तुकोजी; नागोबा)

वर्मा- १.सर्प नाम, ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे मिलता हैं, वर देने वाला है। २.एक उपाधि जो कायस्थ, खत्री आदि जातियों के लोग अपने नाम के अंत में लगाते हैं। (नागोबा; मानक; तुकोजी)

वर्षाहिक- १.सर्प नाम वर्षा काल में निकलने वाला सर्प २.एक प्रकार का बरसाती सांप जिसमें विष नहीं होता। (सां.सं.;मानक)

वल-१.सर्पनाम २ऋग्वेदकालीन एक शक्तिशाली और महान योद्धा जिनकी मृत्यु इन्द्र द्वारा हुई ३.वृत्र का भाई। (वेद;नाग)

वलीर- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वशाला-सर्प नाम। (ति.म.)

वशिष्ठ- १.प्रमुख नाग का नाम २.वैदिक कालीन सुर्यवंशी राजाओं के पुरोहित तथा ऋग्वेद के सातवें मण्डल के रचयिता कहे गये है। ३.एक स्मतिकार ऋषि का नाम। (मानक; नी.पु.; नागोबा)

वसु- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है, शान्त प्रवृति का बिना जहरीला फणवाला, अधिक लम्बा नहीं २.शिव ३.सज्जन या साधु ४.नृग राजा के पुत्र का नाम। (नालन्दा; मुकेश; जहूर)

वहस्तेश्वर - सर्प नाम पूजा योग्य, फणवाला, जहरीला म.प्र. में मिलता है। (जहूर; नागोबा)

वहिरूप- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वहिल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वांसखोवा- सर्प नाम। (कन्हैया;दिलीप)

वाकाटक- १.सर्प नाम २.गुप्तों के समकालीन सबसे शक्तिशाली राजकुल का एक नाम। (दिलीप; जहूर)

वाघमारे- १.सर्प नाम प्रकृति वाघ जैसी, फणवाला, डरता नहीं, हिम्मतवाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

वातकर्ण- एक नाग। (सां.सं.)

वातिक- १.प्रमुख नाग का नाम २.तुफान या बवंडर से सम्बन्ध रखने वाला। (नी.पु.;मानक)

वानखड़े- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

वानर- १.सर्प नाम, सर्प मुख से बन्दर की शक्ल का हो २.बन्दर ३.हनुमान की जाति का नाम। (वेद नाग)

वाप- १.सर्प नाम, बिना फन वाला २.क्षेत्र/खेत ३.बीज बोना। (तुकोजी; नागोबा)

वामणवाल- सर्प नाम, पीयूणा जैसा। (दिलीप;जहूर)

वामदेवाय- सर्प नाम। (तुकोजी; नागोबा)

वामन- १.प्रमुख नाग का नाम, सुमुख का नाना, छोटा सांप २.छोटे कद का ३.विष्णु का एक अवसर जो राजा बलिको छल कर उससे सारी पृथ्वी दान के रूप में ले ली थी ४.शिव। (सां.सं.; नी.पु.; महा.; नालन्दा)

वायु- १.प्रमुख नाग का नाम, २.हवा/वात ३.धार्मिक क्षेत्र में एक देवता ४.पवन देवता। (नी.पु.; मानक)

वायुभदय- सर्प नाम। (नालन्दा)

वारि- १.सर्प नाम बगैर जहरीला २.जल पानी। (नालन्दा; तुकोजी)

वारूंड- १.सांपों का राजा २.वह तशला जिससे नाव में पानी निकाला जाता है। (नालन्दा)

वाल- १.सर्प नाम, बांस की झाडियों में होता है, जहरीला हल्का पीला- छीटेवाला २.पूंछ के बाल। (मानक; तुकोजी)

वालदी- १.सर्प नाम, जहरीला नहीं, पतला, बगैर फणवाला २.मानव जातिका गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

वालिश- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वालिशिख- सर्प नाम। (महा.)

वाली- प्रमुख नाग का नाम २.सुग्रीव का बडा भाई एक वानर ३.अंगद का पिता। (नालन्दा; नी.पु.)

वाल्मीकि- १.सर्प नाम, पूजा योग्य, सीधा, जहरीला नहीं, राजस्थान में मिलता हैं। २.संस्कृत भाषा के आदि- कवि तथा रामायण के रचयिता ३.सीता का शरणदाता तथा उसके दोनों पुत्रों का पालन पोषण किया, उन्हें शिक्षा दी। (मानक; जहूर)

वाष्कल- १.सर्प नाम, जहरीला फणवाला २.बडा ३.यौद्धा। (मानक; जहूर)

वासनीक- १.सर्प नाम, मालवा, महाराष्ट्र में मिलता हैं गंध से काटता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

वासुकि- १. प्रमुख नाग का नाम जिसकी पूजा होती है। इसी नाग ने समुद्र मंथन के समय देवों और असुरों के बीच मथनी का कार्य किया था २.जरत्कारू ऋषि का साला ३.आठ नाग राजाओं में से दूसरा। (महा; नी.पु.)

वासुदेव- १.प्रमुख नाग, का नाम २.पीपल का पेड। (नी.पु.)

वासौटिया- सर्प नाम, तेज भागने वाला, जहरीला, झाबुआ जिले में मिलताहै। (जहूर; तुकोजी)

वाहस- १.सर्प नाम शिकार की गति रोकने वाला २.वडा नाग, अजगर। (सा.सं.; सं.हि.को.)

विकुम्भ- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

विक्रम- १.सर्प नाम, मूछ जैसे रेखे वाला, मालवा, मान्डो में मिलता है २.विशिष्ट पौरूष या बल ३.बहादुरी। (दिलीप; तुकोजी; जहूर; मानक)

विक्रमादित्य- १.सर्प नाम जहरीला २.उज्जैयिनी के प्रसिद्ध राजा, जिन्हें विक्रम संवत को चलाने वाले बताया गया है। (मानक; दिलीप; जहूर; तुकोजी)

विक्रांतभैरव- सर्प नाम, बडा सर्प, रंग भूरा मालवा में मिलता है। (तुकोजी; नागोबा)

विक्षर- सर्प, नाम। पतला, तेज दौडने वाला, रेतीले इलाको में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

विचित्रकुसुम- सर्प नाम। रंग बिरंगे फूलों में रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

विजय- १.प्रमुख नाग का नाम २.अर्जुन का नाम ३.जैनियों के एक जिन का नाम ४.जयद्रथ के एक पुत्र का नाम ५.जय। (नी.पु.; नालन्दा)

विठर- १.प्रमुख नाग का नाम २.बृहस्पति का नाम। (नी.पु.;सं.हि.को.)

विडरथ- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

विडालसर्प- १.सर्प नाम, मुख बिल्ली सा २.बिल्ली। (मोना; नालन्दा)

वितलवाल- सर्प नाम, बहुत खुबसूरत, चमकीला, बगैर फणवाला, जहरीला राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

वितारण- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

विदिशा- १.सर्प नाम २.वर्तमान भेलसा नामक नगर का पुराना नाम ३.मालवा की एक पौराणिक नदी का नाम। (नागोबा; नालन्दा; तुकोजी)

विद्- १.प्रमुख नाग का नाम २.पंडित।(नी.पु.; नालन्दा)

विधाधर- १.सर्प नाम २.देवयोनि विशेष। (नी.पु.; नालन्दा)

विधान- १.प्रमुख नाग का नाम २.नियम उपदेश /अध्यादेश। (नी.पु.; सं.हि.को.)

विधुन्माली- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

विनत- १.प्रमुख नाग का नाम २.शिष्ट ३.शिव ४.बन्दर का एक नाम जो सुग्रीव की सेना में था। (नालन्दा; नी.पु.)

विनता- १.सर्प नाम (मादा)तेज दौडने वाला उ.प्र.में मिलता हैं २.कुबडी ३.दक्ष प्रजापति की एक कन्या का नाम ४.सीता को समझाने के लिये रावण द्वारा नियुक्त की गई एक राक्षसी। (जहूर;मानक)

विनताप्रिय- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

विनेखिला- १.सर्प नाम। कच्ची दिवारों में, गांव के मकानों में रहता हैं, फणवाला, जहरीला २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

विबुधाय- सर्प नाम।(तुकोजी; नागोबा)

विभीषण- १.प्रमुख नाग का नाम २.रावण का भाई जिसे राजा रामचन्द्र ने लंका का राजा बनाया था। ३.भयानक/डरावना। (नी.पु.;नालन्दा)

विभूति- १.प्रमुख नाग का नाम २.शिव के अंग में लगाने की राख या भस्म ३.लक्ष्मी ४.दिव्य अस्त्र। (नी.पु.;नालन्दा)

विमलक- १.प्रमुख नाग का नाम २.एक प्रकार का नग या बहूमूल्य पत्थर। (नी.पु.;मानक)

विमलपिण्डक- १.सर्प नाम। साफ सुथरे शरीर वाला सर्प। (सां.सं.;महा)

विमुक्ता- सर्प नाम। (तुकोजी)

वियूपीर- सर्प नाम, विषैला, गर्मी में मिट्टी में छिप जाता है और शिकार हेतु सिर बाहर रखता है। (ति.म.)

विरजा- १.नाग नाम, बगैर धारियों वाला २.नहुष की स्त्री ३.कृष्ण की एक सखी। (महा.;सां.सं.;मानक)

विरणाक- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला सर्प। (महा.)

विरस- १.प्रमुख नाग का नाम २.अप्रिय ३.क्रूर/निर्दय। (नी.पु.;महा;सं.हि.को.)

विरासनी- नारी सांप, देवता तुल्य, असिरगढ के किले के आसपास मिलता है। (जहूर;दिलीप)

विरीग- शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

विरूपाक्ष- १.सर्प नाम, पूजा योग्य २.शिव ३.शिव के एक गण का नाम ४.रावण के एक मंत्री का नाम। (नालन्दा; दिलीर; जहूर)

विरोचन- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला २.राजा बलि के पिता का नाम, ३.चन्द्रमा ४.प्रकाशवान चमकना। (नालन्दा; जहूर)

विरोहण- सर्प नाम, यह सर्प जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला था २.वृक्षों पर चढ जाने वाला। (महा; सां.सं.)

विलिगी- १.सर्प नाम, जिसका स्वभाव अलग रहने का है २.मन्डली वंश का एक सर्प। (सां.सं.)

विल्वतेजा- सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा.)

विल्वपत्र- १. सर्प नाम २.बेल पत्र। (महा.;नालन्दा)

विल्वेश्वर- सर्प नाम, जहरीला, तेज भागने वाला, पूजा योग्य विल्व पत्र के पेड के सुखे खोखलों में पाया जाता है। (तुकोजी; जहूर)

विशाख- १.प्रमुख नाग का नाम २.कार्तिकेय ३.शिव। (नी.पु.; मानक)

विशाला- १.सर्प नाम २.इन्द्र वारूणी नामक एक लता ३.प्रजापति की एक कन्या ४.दक्ष की कन्या ५.एक प्राचीन तीर्थ ६.उज्जयिनी का एक प्राचीन नाम। (जहूर; नागोबा; मानक)

विशालाक्ष- १.प्रमुख नाग का नाम २.महादेव ३.गरूड ४.धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम ५.जिसकी आंखें बड़ी और सुन्दर हो। (नी.पु.; नालन्दा)

विशुशिड- एक नाग। (महा.)

विश्व १.प्रमुख नाग का नाम २.संसार जगत दुनिया ३.शिव। (नी.पु.;नालन्दा)

विश्वकर्मा- सर्प नाम, जहरीला, पथरीले इलाकों में पाया जाता है २.ईश्वर ३.शिव ४.इमारत का काम करने वाले बढई, राज, लौहार आदि। (तुकोजी; जहूर; मानक)

विश्वनाथ- १.सर्प, नाम भूरे रंग का २. महादेव ३.काशी का एक प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग। (मानक; दिलीप; जहूर)

विश्वामित्र- १.सर्प नाम, प्रसिद्धी प्राप्त २. अनेक रंगधारी ३.गाधि नामक कान्यकुब्ज क्षत्रिय नरेश के पुत्र जिन्होंने घोर तपस्या से ब्राह्मणत्व प्राप्त किया था। (मानक; दिलीप)

विश्वासु- १.प्रमुख नाग का नाम २.पुराणोक्त एक गंधर्व का नाम ३.एक संवत्सर का नाम। (नी.पु.;नालन्दा)

विश्वेश्वर- १.सर्प नाम बिना जहरीला देवता रूप, माथे पर लाल सिन्दुर २.ईश्वर ३.शिव की एक मूर्ति। (नालन्दा; तुकोजी; जहूर)

विष- १.सर्प नाम २.बछ नाग ३.जहर ४.पद्म केसर। (मानक; नालन्दा)

विषकपुरा-१.सर्प नाम, अत्यधिक जहरीला। (जहूर; तुकोजी)

विषखापडा-सर्प नाम, विषैला सर्प। (जहूर; नागोबा)

विषदंतक- सर्प नाम। (नालन्दा; मानक)

विषधर- सर्प नाम। विषैला। (वृ.प.;सां.सं.)

विषयाबरा- सर्प नाम, लाल पीले रंग का होता है, बहुत तेज दौड़ता है, जयपुर इलाके में मिलता है। (ति.म.)

विषहा- १.सर्प नाम २.देवपाली ३.निर्विषी। (वृ.प.;मानक)

विषानन- सर्प नाम। (नालन्दा; मानक)

विषायुध-१. सर्प नाम २.जहर से बुझा अस्त्र। (नालन्दा)

विषार- सर्पनाम। (नालन्दा;मानक)

विषास्त्र- १.सर्प नाम २.वह अस्त्र जो जहर में बुझा या हुआ हो। (नालन्दा)

विषास्य- सर्प नाम। (नालन्दा)

विष्किर- १.सर्प नाम २.पक्षी चिडिया ३.जमीन को कुरेदकर आहार ढूंढने वाला, मुर्गी आदि पक्षियों को खाने वाला सर्प। (सां.सं.;मानक)

विष्णु- १.सर्प नाम २.हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध देवता। (दिलीप;जहूर)

विसर्पग- सर्प नाम, रेंग कर चलने वाला कुशल सर्प। (सां.सं.)

विसारा- सर्प नाम।

विहगंम- १.प्रमुख नाग का नाम २.पक्षियों को खाने वाले या पक्षियों की तरह उड़ने वाला। (नी.म.; सां.सं.)

विहुत- सर्प नाम, कुटिल सांप। (सां.सं.)

वीर- १.प्रमुख नाग का नाम, २.पुत्र/बेटा ३.भाई के लिये सम्बोधन ४.बहादुर बलवान ५.जिन ६.खस। (नी.म.; मानक)

वीरणक- सर्प नाम छोटा खस की जडो में रहने वाला। (सा.स.)

वीरभद्र- १.सर्प नाम २.अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा ३.शिव के जटा से उत्पन्न एक वीर, जिसने दक्ष का यज्ञ नष्ट कर दिया था। (मानक; जहूर)

वीरसेन- सर्प नाम, निडर प्रवृति का सर्प, गति तेज, जहरीला, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

वीरेश्वर -सर्प नाम, बहादुर/निडर सर्प, बडा जहरीला, फणवाला, पूजा योग्य चित्तोड आमेर की तरफ मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

वृक्ष- सर्प नाम। (दिलीप)

वृक्षेशय-१. सर्प नाम २.वृक्षों पर रहने वाला सर्प वृक्ष देवता भी कहा जाता है और मान्यता है कि वे भी नागों की तरह इच्छा शक्ति से मानव रूप धारण कर सकते है। (सां.सं.)

वृत- १.सर्प नाम घेरा बनाकर कुन्डली में बैठना जिसका स्वभाव है २.कछुआ ३.गोल। (सां.सं.; महा; मानक)

वृत्र- १.सर्प नाम, पानी के किनारे नदी के पास मिलता है, जहरीला, तेज दौड़ने वाला २.अंधकार अंधेरा ३.बादल ४.एक शुरवीर असुर जो त्वष्टा का पुत्र था तथा जिसका वध इन्द्र ने किया था। वेद नाग। (मानक; जहूर; दिलीप)

वृद्धगोनस- सर्प नाम, बडा गोनस सर्प (सर्प विशेष)। (सां.सं.; नालन्दा

वृश्चिक- १.सर्प नाम जहरीला २.मकडी के तरह का पर उससे बडा, एक तरह का जन्तु जिसका डंक बहुत अधिक जहरीला होता है ३.ज्योतिष की बारह राशियों में से आठवीं राशि जिसके तारे बिच्छु का सा आकार बनाते है। (जहूर; मानक.)

वृषभ- सर्प नाम १.बैल सर्प कहते है प्रायः बबूल के झाड में मिलता है, २.बैल सांड ३.एक प्राचीन तीर्थ ४.सूर्य की एक वीथी। (तुकोजी; मानक)

वृषल- १.सर्प नाम मालवा में मिलता है आवाज करता है जहरीला पथरीले इलाकों में पाया जाता है, २.चन्द्रगुप्त मौर्य का एक नाम ३.शूद्र। (जहूर; मानक; तुकोजी)

वृहस्पति- १.सर्प नाम,मालवा में मिलता हैं २.एक प्रसिद्ध देवता ३.सौर जगत का एक बडा ग्रह। (मुकेश; मानक)

वेगडू- सर्प नाम, बरगद की जड़ में पुराने देव स्थानों में पाया जाता है। (जहूर)

वेगवान- १.सर्प नाम २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३.तेज चलने वाला ४.विष्णु। (महा;मानक)

वेगी- १.सर्प नाम पतलाजहरीला तेज दौड़ने वाला तीन फूट तक लम्बा राजस्थान के रेतीली इलाकों में मिलता है २.जिसमें बहुत वेग हो। (नालन्दा; जहूर)

वेणी- १.सर्प नाम जो वेणी का आकार सर्प सा है। २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३.एक प्राचीन नदी का नाम। ४.सप्त ऋषि देवीकी पहाडी पर मिलता है। (नालन्दा; नागोबा; महा.; सां.सं.)

वेणीस्कन्ध- सर्प नाम जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा.)

वेणुपत्रक- १.सर्प नाम, बांस के पत्ते की तरह चपटा होता है। (सां.सं.;सु.सं.)

वेणुसर्प- सर्प नाम। (सर्प.द.)

वेतस्ता- १.प्रमुख नाग का नाम। २.एक नदी का नाम। (नी.पु.)

वेताल- १.सर्प नाम २.द्वारपाल ३.एक प्रकार की भूतयोनि ४.शिव के गणों में से एक प्रधान गण। (नालन्दा;सर्प.दं.)

वेतेडा- १.सर्प नाम, बडी घाटियों में, मध्यप्रदेश में मिलता है २. मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर)

वेद- १.प्रमुख नाग का नाम २.भारतीय आर्यों के सर्व प्रधान तथा धार्मिक ग्रंथ जो संख्या में चार है- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद। (नी.पु.; नालन्दा; दिलीप)

वेधिर- नाग नाम। (महा.)

वेद्य- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वेनतैय- सर्प नाम। (जहूर)

वेपथु- १.सर्प नाम २.कापने की क्रिया। (सां.सं.)

वेरी नाग- सर्प नाम, इसे नील नाग भी माना है (वेद; नाग)

वेली- सर्प नाम, छोटा, तेज दौड़ने वाला, बगैर फण, चमकीला। (जहूर)

वेल्लतिक- सर्प नाम। (सु.सं.)

वेल्लितक- सर्प नाम, घुमने वाला सांप। (सां.सं.)

वेश्रमण- एक प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

वैरिण - सर्प नाम। (सां.सं.)

वैशालय- एक नाग। (जहूर; तुकोजी)

वैश्य- १.सर्प नाम, चिकना काँचली कम निकलती हैं चमकीला, सुनहरा २.तृतीय वर्ण का पुरुष, इसका व्यवसाय व्यापार एवं कृषि है। (नागोबा; तुकोजी; जहूर)

व्याधेश्वर -सर्प नाम जहरीला, पूजा योग्य व्याध्र के मुंह जैसा उज्जैन जिले में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

व्याल- सर्प नाम १.चोट करने के लिये तत्पर सांप २.चीता बाघ ३.राजा ४.दुष्ट हाथी। (मानक; नालन्दा; सां.सं.)

व्रज- सर्प नाम। (मीणा)



श

शंकचूड- १.बहुत जहरीला नाग २.कंस द्वारा कृष्ण को मारने के लिये भेजे गये एक राक्षस का नाम ३.कुबेर के दूत और सखा का नाम। (नालन्दा)

शंकर- १.सर्प नाम, पतला, जहरीला, फणवाला, २.शिव ३.कल्याणकारी/शुभ। (दिलीप; जहूर; नालंदा)

शंकरचूर- लम्बा सर्प। (नालन्दा)

शंकशिरा- सर्प नाम। जिसके सिर पर शंख के निशान। (महा.सां.सं.)

शंकशीर्षा- एक नाग। (महा)

शंकाक्ष- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शंकुकर्ण- १.सर्प नाम, खुटे की तरह जिसके कान हो, नुकीले कानों वाला २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला सर्प। (महा; सां.सं.; नालन्दा)

शंख- १.सर्प नाम, शरीर पर शंख के समान निशान हो २.एक दैत्य का नाम ३.विराट राजा के पुत्र का नाम। (महा; सां.सं.; नालन्दा)

शंखनी- सर्प नाम। (सर्प.:दं)

शंखपाल- १. नाग का नाम २. कर्दम के एक पुत्र का नाम। (सु.सं.; नालन्दा)

शंख पिण्ड- १. सर्प नाम, जिसके पीठ पर शंख के निशान हो। (महा.सां.सं.)

शंख मुख- सर्प नाम। शंख की तरह जिसका मुख हो। (महा;सां.सं.)

शंडयक- एक प्रमुख नाग। (नी.पु.)

शंदरी-शिमला जनपद का एक नाग। (ना.प.)

शबंर- १. महान नाग का नाम, २. एक असुर का नाम, शम्बरासुर, ऋग्वेदिक महान योद्धा जिसके सौ दुर्ग थे ३. एक पर्वत का नाम ४. भाग्यवान, सुखी ५. बहुत बढ़िया। (नी.पु; नालंदा; वेद. नाग)

शंभु- १. प्रमुख नाम का नाम २. महादेव का एक नाम, शिव ३. एक दैत्य का नाम ४. एक प्रकार के सिद्ध पुरुष। (नी.पु; मानक)

शक- सर्प नाम, जहरीला सुखे पेड़ों के खोखलों में लकड़ी के गोदाम में, राजस्थान के बीकानेर जेसलमेर में मिलता है २. एक प्राचीन जनजाति का नाम ३. शकाब्द ४. तातार देश का पुराना नाम। (जहूर; तुकोजी; नागोबा; नालन्दा)

शकुनि- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २. पक्षी की तरह उड़ने वाला अर्थात् शक्तिशाली सर्प ३. दुर्योधन के मामा का नाम ४. एक दैत्य का नाम। (महा; सां.सं)

शक्तिक- १. प्रमुख नाग का नाम २. गन्धक। (नी.पु; नालन्दा)

शक्रवापी- एक नाग। (महा.)

शखनाग- कुल्लू जनपद का एक नाग। (ना.प.)

शठ- १. प्रमुख नाग का नाम २. धुर्त्त चालाक ३. मन किसी दूसरी स्त्री से रमाये रखने वाला व्यक्ति ४. धतुरे का वृक्ष। (नी.पु; नालंदा)

शतचार- नाग का नाम। (नी.पु.)

शतपाद- १. काश्मीर में रहने वाला एक नाग २. कनखजूरा ३. च्यूँटी। (नी.पु; नालन्दा)

शतमुख- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शतानन्द- १. प्रमुख नाग का नाम २. ब्रह्मा ३. कृष्ण ४. गौतम मुनि ५. राजा जनक के एक पुरोहित का नाम। (नी.पु; नालन्दा)

शत्रु- १. प्रमुख नाग का नाम २. विनाशक ३. राजनैतिक विरोधी। (नी.पु; सं.हि.को.)

शत्रुदमन- १. नाग नाम २. शत्रुओं का दमन या नाश करने वाला। (महा; नालन्दा)

शत्रुघ्न- १. प्रमुख नाग का नाम २. दशरथ पुत्र शत्रुघ्न (नी.पु.)

शनि- १. सर्प नाम, रंग काला, धीमी गति से चलने वाला तेल लगा हुआ जैसा चमकीला २. शनि ग्रह ३. शनिवार ४. शिव। (जहूर; दिलीप; तुकोजी; सं.हि.को.)

शनेश्वरी- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शपाल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शबर- १. सर्प नाम, चितकबरा २. एक जंगली जाति ३.शूद्र तथा भील ४. शिव। (जहूर; नालन्दा)

शबल- १. नाग नाम २. रंग बिरंगा ३. अगिया घास। (नी.पु; नालन्दा)

शमन- १. नाग नाम २. यम ३. बलि ४. दमन। (नी.पु; नालन्दा)

शयु- १. अजगर, बड़ा सांप २. वैदिककाल के ऋषि का नाम। (नालन्दा; सं.हि.को.)

शयुन- सांप का नाम। (नालन्दा)

शरण- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २. घर के अन्दर रहने वाला सांप ३. सारन प्रदेश का पुराना नाम ४. घर/मकान। (महा; सां.सं; मानक)

शरपगरी- सर्प नाम। (तुकोजी)

शरभ- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २. राम की सेना का एक यूथपति बंदर ३. दनुज के पुत्र का नाम ४. सिंह ५. विष्णु। (महा; नालन्दा)

शरमला- एक नाग। (ना.प.)

शरशाई- नाग। (ना.प.)

शराबन- नाग नाम। (ना.प.)

शरास- सर्प नाम झाडियों में रहने वाला। (जहूर)

शरी- नाग नाम। (ना.प.)

शर्कोटी- सर्प नाम सरकण्डो में घर बनाकर रहने वाला। (सां.सं.)

शर्मिष्ठा- सर्प नाम/मादा/तेज दौडने वाला जहरीला बांस के जंगलों में पाया जाता है २. दैत्यों के राजा वृषपर्वा की कन्या जो शुक्राचार्य की कन्या देवयानी की सखी थी। (मानक; जहूर)

शल- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प, बासुकी वंश का नाम २. हिंसा प्रकृति वाला ३. धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम ४. कंस के आमात्य का नाम ५. भृङ्गी नाम का शिव का गण। (महा; सां.सं; नालन्दा)

शलकर- १. सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला सर्प २. छिलको वाला। (महा; सां.सं)

शवल- १. सर्प नाम, चितकबरा सांप २. चीता ३. जल/पानी। (नी.पु; सां.सं; मानक)

शशकार पथड़ा- सर्प नाम, काला नीले रंग का होता है, अत्यधिक जहरीला। (ति.म.)

शाखामुख- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शाथला- नाग नाम। (ना.प.)

शाप्य- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शामरकट- १. सर्प नाम, शांभर के सिंग जैसे गोलाई वाला धड २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

शामी- १. प्रमुख नाग का नाम २. शाम देश संबंधी। (नी.पु.)

शालिपिण्ड- सर्प नाम, पीठ पर शालिधान्यो जैसे छोटे-छोटे निशान हो। (महा; सां.सं.)

शालीय- १. प्रमुख नाग का नाम २. शाला या घर संबंधी ३. शालवृक्ष का ४. एक वैदिक आचार्य का नाम (नी.पु; नालन्दा)

शिखरवासी- एक नाग। (नी.पु.)

शितिकण्ठ- १. एक नाग २. शिव ३. नाग देवता ४. मोर। (महा; मानक)

शिनीरि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शिप्रा- १. सर्प नाम, नीमच-कोटा में मिलता हैं, पत्थर वाली जगह में। लम्बा सर्प। दांत बारीक, पतले, सुनहरी हल्के धारी वाले २. एक नदी जिसके तट पर उज्जयिनी (उज्जैन) नगर बसा हुआ है ३. स्कन्द पुराण में शिप्रा की उत्पत्ति शिव के कमण्डल से कही गई है ४. शिप्रा की उत्पत्ति वराह के हृदय से भी कही गई है। (दिलीप; तुकोजी; जहूर; उज्जयिनी का सांस्कृतिक इतिहास)

शिबि- सर्प नाम, हल्के सफेद रंग का २. शिबि-एक प्रसिध्द दानवीर राजा जो उशीनर के पुत्र और ययाति के नाती थे ये शरीर का मांस देने हेतु उद्यत हो गये थे। (जहूर; मानक)

शियाल- सर्प नाम, चकोर, जहरीला, राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

शिरधन- नाग नाम (ना.प.)

शिरबी- १. प्रमुख नाग का नाम २. मानव जाति का नाम। (नी.पु. महा)

शिरस- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शिरीषक- एक नाग। (महा.)

शिरोजड- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शिली- १. सर्प नाम, जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २.पहाड़ों पर रहने वाला ३.तीर/बाण ४.भोज पत्र। (महा., सां.सं., मानक)

शिवहारी- नाग नाम, पूजा योग्य, फणवाला, राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

शिवाय- सर्प नाम। (सर्प.दंश)

शिवेश्वर- सर्प नाम, पूजा योग्य, बडा, जहरीला, तेज दौड़ने वाला। हिमालय, उत्तर भारत में पाया जाता है। (जहूर)

शिशुक- १.सर्प नाम, शिशुक नामक वृक्ष में मिलने वाला २. एक प्रकार का वृक्ष ३. छोटा शिशु। (सां.सं; मानक)

शिशुनाग- १. सर्प नाम २. नंदों के पूर्ववर्ती शासकों मे से एक शासक जिसने लगभग ४० वर्ष तक शासन किया। (वेद.नाग)

शिशूमार- १.सर्प नाम २. सूँस नामक जल जंतु ३. कृष्ण ४.सौर जगत। (जहूर; दिलीप; मानक)

शिशूरोमा- १. सर्प नाम २. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३. छिलके इतने छोटे हो कि छोटे-छोटे रोम नजर आते हो। (महा, सां.सं

शीतला- १. सर्प नाम (मादा) २. नीली दूब ३. चैचक नामक रोग ४. एक अधिष्ठात्री देवी का नाम। (तुकोजी; जहूर; मानक)

शीतार्त- १. प्रमुख नाग का नाम २. शीत से पीडित। (नी.पु.; नालन्दा)

शुंग- १. सर्प नाम, पतला, जहरीला, बगैर फण वाला महाराष्ट्र उ.प्र. में मिलता है २. एक साम्राज्य का नाम जिसे पुष्यमित्र ने स्थापित किया था और जिसने मोर्य साम्राज के वृहद्रथ का वध किया था ३. वटवृक्ष/बरगद। (जहूर, मानक; तुकोजी)

शुक्र- १.प्रमुख नाग का नाम २. चमकीला/ देदीप्यमान ३. पुराणोनुसार दैत्यों का गुरू ४. पुरुष का वीर्य। (नी.पु., जहूर, मानक)

शुक्ला- १. एक नाग हल्का भूरा २.शक्कर (नी.पु., जहूर, नालन्दा)

शुजाअ- सर्प नाम। (ति.म.)

शुभ- १ .सर्प नाम सुबह सूर्य के दर्शन करता है, मालवा में मिलता है २. चमकीला/ सुन्दर ३.लाभप्रद/सुखप्रद/कल्याणकारी (तुकोजी)

शूक- १. एक सर्प/आंखे बारिक होती है २. एक प्रकार का कीड़ा। (दिलीप, जहूर, मानक)

शूकपत्र- १. सर्प नाम २. ऐसा सांप जिसमे विष न होता है आगे से पतला व पीछे से मोटा होता है। (सु.सं, मानक)

शूकरनासा- सर्प नाम, जिसका नाक सुअर जैसा होता है। (सां.सं)

शूकवक्त्र- सर्प नाम, तोते की चोंच की तरह , जिसका मूँह नुकिला हो। (सां.सं)

शूचि- एक नाग। (नी.पु.)

शूद्र- १. प्रमुख नाग, विषैला एवं तेज दौडता है २. आर्यो के चार वर्णो में से चौथा ३. इस वर्ग का मनुष्य ४. दास/सेवक ५. एक प्राचीन देश ६. पादज, अन्त्यज, द्विज सेवक, अवर वर्ग। (तुकोजी, जहूर, नागोबा, नी.पु.नालन्दा)

शून्य- १. सर्प नाम जहरीला होता है तथा अमरावती के आसपास में मिलता है २.निराकार ३. एकान्त स्थान/खाली जगह ४.आकाश ५.बिंदी ६.ईश्वर। (नागोबा, नालन्दा)

शूरवाल- प्रमुखनाग का नाम। (नी.पु.)

शूरसेनी- १. सर्प नाम फणवाला, जहरीला, तेज दौडने वाला राजस्थान में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

शूर्पारकि- नाग नाम। (नी.पु.)

शूली- १. प्रमुख नाग का नाम २. शिव ३. एक प्रकार की घास। (नी.पु. नालन्दा)

शूलेश्वर- सर्प नाम, लम्बा, तेज दौडने वाला, म.प्र. राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

शृङ्गवेर- १. जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २. जिसमें सिंग की तरह कोई रचना हो। (महा, सां.सं)

श्रृंगी- १.सर्प नाम २. शिव ३. ऋषि-विशे, ४. वृक्ष ५. पर्वत ६. नंदिकेश्वर। (वृ.प)

शेट्टी- १. सर्प नाम, बगैर जहरीला, सीटी जैसी आवाज करता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

शेर- १. सर्प नाम फण वाला २. प्रसिद्ध हिंसक पशु ३. अत्यन्त निर्भीक वीर और साहसी पुरूष। (मानक; जहूर)

शेव- १. सर्प नाम २. शिश्न, लिंग ३. अग्नि का एक नाम। (नालन्दा)

शेषढात- सर्प नाम, विशेषता है कि रंग बदलता हैं। सीधा सांप, जहरीला नहीं, मालवा में मिलता है। (तुकोजी)

शेषनाग- १. सर्प नाम, सांपों का राजा २.बलराम ३.परमेश्वर ४. पुराणानुसार सहस्त्र फर्णो के सर्पराज जो पाताल में है और जिसके फणों पर पृथ्वी को ठहरा होना कहा गया है। (महा.नालन्दा)

शैद्र- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

शोभमंडली- सर्प नाम। (सां.सं.)

श्याम- १. सर्प नाम २. काला/कृष्ण ३. सांवला ४. प्रयाग के अक्षयवट का एक नाम ५. बादल/मेघ ६. प्राचीन भारत में कन्नोज के पश्चिम का एक प्रदेश। (वेद नाग;नालन्दा)

श्येन- १.प्रमुख नाग का नाम २. बाज नामक एक शिकारी पक्षी ३.पीला रंग/४. हिंसा। (नी.पु.,मानक)

श्री- १. सर्प नाम फणवाला उज्जैन, मालवा में मिलता है २. लक्ष्मी ३.धन-दौलत ४.कीर्ती/यश ४.शुभ/श्रेष्ठ ५.एक प्रकार का आदर सूचक विशेषण जो पुरूषो के नाम के पहले लगाया जाता है। (कन्हैया; जहूर; मल्हार; दिलीप; मानक)

श्रीबुध्द- एक नाग (ना.प)

श्रीवह- एक सुन्दर सर्प। (महा;सां.सं)

श्रीवास्तव- सर्प नम। (जहूर)

श्वभ्र- एक नाग। (नी.पु.)

श्वसन- १. अधिक स्पष्ट श्वास वाला सर्प २. श्वास लेने की क्रिया। (सां.सं,मानक)

श्वित्र- सफेद सर्प या सफेद धब्बे वाला सर्प। (सां.सं)

श्वेत- १.सफेद फनियर २. शिव ३. एक पुराणिक द्वीप ४. एक केतु या पुच्छलतारा ५. चांदी। (सां.सं;मानक)

श्वेतकपोत- १.सफेद कबुतर के रंग का सर्प २. एक प्रकार का चूहा। (सु.सं;नालन्दा)

श्वेतपिच्छ- एक सर्प श्वेतपिजा भी कहते है। (सां.सं)

श्वेतमंडल- सर्प जिसकी पीठ पर गोल गोल चकते हो। (सु.सं)

श्वेतशंड- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

श्वेतहन- सर्प नाम सफेद ढोडी वाला। (सु.सं)

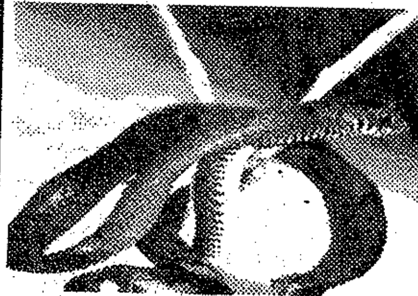
श्वेतोदर- १. सफेद पेट वाला सर्प २. कुबेर का एक नाम ३. एक पर्वत का नाम। (सां.सं;सु.सं;नालन्दा)



ष

षड्ग- सर्प नाम। (सु.सं)

षड्गुल- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)



स

संकर्षण - १.प्रमुख नाग का नाम २.बलराम का एक नाम ३.एक रूद्र का नाम ४.एक सम्पद्राय ५.अपनी और खींचने की क्रिया या भाव। (नी.पु.; नालन्दा)

संगमेश्वर- सर्प नाम लम्बा, पूजा योग्य, जहरीला, फणवाला, म.प्र. में नदी के किनारे पहाडी इलाके में पाया जाता है। (जहूर)

संघचूर-सर्प नाम,काला रंग, पीठ पर सिर से पूंछ तक सफेद फूल होते हैं,भावलपुर में पाया जाता है। (ति.म.)

संत- १.सर्प नाम, गंभीर प्रवृत्ति क्रोध हीन, २.साधु, सन्यासी, महात्मा। (नागोबा;नालन्दा)

संवत्सर- १.प्रमुख नाग नाम २.वर्ष/साल ३.शिव। (नी.पु.नालन्दा)

संवर्तक- १. नाग नाम, अच्छी तरह कुण्डली मारने वाला २.लपटने वाला ३.एक ऋृषि ४.प्रलय नामक मेघ ५.कृष्ण के भाई बलराम का एक नाम। (महा. सां.सं.नालन्दा)

संवृत- सर्प नाम। (महा.)

संहतापन- १.सर्प नाम ऐसा सर्प जिसके डसने से ताप चढता हो। २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा. सां.सं.)

सआवान- सर्प नाम। (ति.म.)

सकनिया- १.सर्प नाम, बगैर फणवाला, कम जहरीला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सकरवाल- सर्प नाम, जहरीला, काला रंग, खेत की मेढ़ पर हरी घास में मिलता है। (जहूर)

सकर्दम- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

सग- १.प्रमुख नाग का नाम २.कुत्ता श्वान। (नी.पु.)

सगर- १.सिन्धु सर्प २.एक सूर्यवंशी राजा। (सां.सं.)

सगरालप- सर्प नाम, जिसका घर समुद्र है। (सां.सं.)

सतकडीफाड- १.सर्प नाम, हरियाणा फरीदाबाद में मिलता है। (जहूर; छोटूनाथ)

सतनामी- नाग नाम,जहरीला,बिलासपुर इलाके में मिलता है २. एक शुद्ध आचार विचार का पंथ। (रमेश; तुकोजी)

सतपुडा- १.सर्प नाम जहरीला फणवाला तेज दौड़ता है २.एक पर्वत का नाम। (नागोबा)

सती- १.सर्प नाम, सिन्दुरिया रंग का कम जहरीला उज्जैन में मिलता है २.साध्वी पतिव्रता ३.दक्ष प्रजापति की कन्या का नाम ४.विश्वामित्र की पत्नि का नाम। (तुकोजी; जहूर; मानक; नालन्दा)

सतीन कंकत- जल में रहने वाला सर्प। (सां.सं.)

सतूहर- चम्बा क्षेत्र का प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

सत्यवर्धन- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सत्याकुल- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सनन- सर्प नाम जहरीला, बडा सर्प, उज्जैन के आस-पास मिलता है। (तुकोजी;जहूर)

सनिटि- प्रमुख नाग का नाम। (नी.पु.)

सनोड़िया- १.सर्प नाम, सन में रहता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

सन्दोहला- चम्बा क्षेत्र का एक नाग। (ना.प.)

सपहरा-सर्प नाम,सिर हरे रंग का, कमर पर गीलहरी जैसी रेखाएं,जहरीला, कपूरथला व सुल्तानपुर इलाके में पाया जाता है। (ति.म.)

सपेरिया- सर्प नाम, अपने आपको टिपारा जैसा बना लेता है। (तुकोजी; दिलीप)

सप्तशीर्ष- १.प्रमुख नाग का नाम २.विष्णु का एक नाम। (नी.पु.;मानक)

सबकाल- सर्प नाम अत्यधिक जहरीला, सांप फूफकार दें तो वह मर जावे, फण वाला, पूजा योग्य, उज्जैन में कम मिलता है। (तुकोजी; नागोबा)

सबड़ी- सर्प नाम। (मल्हार;कन्हैया; दिलीप)

सब्जिया कीड़ू- सर्प नाम,हरा रंग सा होता है, कम जहरीला,कांगडा के आसपास मिलता है। (ति.म.)

सम- १.प्रमुख नाग नाम २.विष जहर। (नी.पु.;नालन्दा; ति.म.)

समरप्रिय- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

समृद्ध- एक सांप। (महा.)

समृद्ध पुट- सर्प नाम, जिसकी पीठ पट्टी (पट) की तरह चपटी हो या मोटी केचूली वाला। (सां.सं.)

सरंध्रहरित- सर्प नाम। (सर्प.;दंश)

सर- १.चम्बा जनपद का नाग २.जलाशय/तालाब। (ना.प.)

सरखराडया- एक सर्प, धीरे चलने वाला। (जहूर)

सरथला- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

सरबा- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सरवाल- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

सरसूनिया- सर्प नाम, जहरीला तेज, फणवाला, सरसों के खेत में रहता है। (जहूर; तुकोजी)

सरह-सर्प नाम,यह सर्प बड़े जानवर को निगल जाता है पेड़ से लिपट कर उसकी हड्डियोंका चुरी कर देता है। (जहूर: तुकोजी)

सराफ- सर्प नाम, मटियाले- भूरे रंग का जहरीला, तेज दौडने वाला, राजस्थान में पाया जाता है। (जहूर; तुकोजी)

सरिया- १.सर्प नाम, पोला नहीं, ठोस है सरिया जैसा कडक सांप, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सरोदे- १.सर्प नाम, बगेर फणवाला, म.प्र.में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

सर्प- १.सांप २.एक प्राचीन जाति। (नालन्दा)

सर्पप- सांपों को खाने वाला सर्प। (सां.सं.)

सर्पराज- १.सर्प नाम, छाया देने वाला २.वासुकि ३.शेष नाग। (नागोबा;नालन्दा)

सर्पिका- १.छोटा सांप २.एक नदी। (नालन्दा)

सर्वकृष्ण- सर्प नाम सारी चमडी काले रंग वाली। (सां.सं.)

सर्वसारङ्ग- सर्प नाम सब और सारंग के रंग वाली। (महा.;सां.सं.)

सर्षपक- सर्प नाम, सरसों जैसी मोटी-मोटी बिन्दुओं वाला। (सु.सं.)

सल-सर्पनाम, इसको मकलला भी कहते हैं, इसके सिर पर गंज जैसी होती है, जो वस्तु सामने आती है वह जल जाती है इसके रहने के आसपास घास नहीं उगता। (ति.म.)

सलवाडिया- सर्प नाम, इस सर्प के सल होते है। (तुकोजी;जहूर)

सली- सर्प नाम, प्रायः लचका के पास मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

सवई- सर्प नाम, फणवाला म.प्र.में मिलता है। (तुकोजी; दिलीप)

सवनामुख- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सवली- सर्प नाम बांसों में मिलता हैं। (तुकोजी; दिलीप)

सहदेव- १.सर्प नाम २.पान्डु के सबसे छोटे पुत्र का नाम ३.जरा सन्ध का एक पुत्र। (दिलीप; जहूर; मानक)

साँखी हो राजा-सर्प नाम, जहरीला। (ति.म.)

साँभरया- १.सर्प नाम इसकी प्रवृत्ति छलांग मारते चलने कीहै २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सांकलतोडा- १.सर्प नाम, ताकतवर, सांकल तोड सकता है उज्जैन में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सांखला- सर्प नाम, २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सांगोदिया- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

सांगोलकर- १.सर्प नाम, बिना फणवाला महाराष्ट्र में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

सांटीवाल- १.सर्प नाम, साटियों के ऊपर, निमाड में मिलता हैं जहरीला, तेज दौडता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सांपिना-सर्प नाम,मिट्टी जैसा रंग का,बदन पर भूरे बाल,रेती में रहता है, भागलपुर के आसपास मिलता है। (ति.म.)

सांसी- १.सर्प नाम मूछों वाला जहरीला, गति तेज, निडर, राजस्थान में मिलता है २.मानव जाति का नाम। (जहूर; मानक)

साग-१.कुल्लू क्षेत्र का नाग २.पकाई हुई भाजी, तरकारी। (ना.प.)

सागटा- चम्बा क्षेत्र का प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

सागर-१.प्रमुख नाग नाम २.समुद्र ३.बडा ताल/जलाशय ४.दसनामी सन्यासियों का एक भेद। (नी.पु.)

साठे-१.सर्प नाम, महाराष्ट्र में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

सात- १.सर्प नाम २.चार और तीन (७) ३.सात की संख्या को भी नाग सम्बंधित बताया गया है। (तुकोजी; सं.हि.को.)

सातवाहन- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है खास तौर पर गेहूं के खेत में २.एक राजकुल का नाम ३.राजा शालिवाहन। (तुकोजी; जहूर; नालन्दा)

सात्रासह- सर्प नाम, यग्म सर्प। (सां.सं.)

साथी- १.सर्प नाम, सीधा, किसी भी जीव के पास बैठ जाता है २.वह जो एक साथ रहता हो,३.संगी दोस्त मित्र। (नागोबा; नालन्दा)

साद्दक- सर्प नाम, आधा काला आधा सफेद, गर्दन पतला, पूछ तीखी, उज्जैन जिले में मिलता है। (तुकोजी; जहूर)

सानद- सर्प नाम। (ति.म.)

साफा- १.सर्पनाम, काली पीली आडी धारी तेज भागने वाला जहरीला निमाड में मिलता है २.सिर पर बांधने की पगडी।(जहूर)

साबान- सर्प नाम, असावान सांप, बड़ा सर्प, मिश्र में मिलता है, शरीर में गर्मी अधिक होती है। (ति.म.)

साबिर- १.सर्प नाम २.सब्र करने वाला सहनशील। (जहूर;मानक)

सामू- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

सारंग- १.नाग नाम २.शंख ३.चन्द्रमा ४.शिव ५.ईश्वर ६.मध्यप्रदेश में सारंगपुर नामक एक नगर। (वृ.प.;नालन्दा)

सारस-१.प्रमुख नाग नाम २.एक प्रकार का सुन्दर बडा पक्षी ३.हंस ४.चन्द्रमा। (वृ.पु.; नालंदा)

सारस्वत- सर्पनाम। (तुकोजी; नागोबा)

साल्व- १.प्रमुख नाग नाम २.एक प्राचीन जाति जो किसी समय मध्य (या उत्तरी) पंजाब में रहती थी ३.एक दैत्य जाति का व्यक्ति जिसका वध विष्णु ने किया था।(नी.पु.; नालन्दा)

सावंत- १.सर्प नाम, बिना फण का २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

सावन-१. सर्प नाम, सुनहरी कलर का पवित्र सर्प २.असाढ के बाद का महिना ३.यज्ञ की समाप्ति ४.वरूण ५.इस मास में उज्जैन में भगवान महाकाल की सवारी निकलती है। (जहूर;मानक)

साहुनीमध्य- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सिंदूर- १.सिन्दुरिया सांप २.वह लाल चूर्ण जो सौभाग्यवती हिन्दू स्त्रियाँ अपनी मांग में भरती है। (नागोबा; मानक)

सिंधिया चितरावला- सर्प नाम, रंग आसमान तथा अन्य रंग जहरीला,सिर हरा व चकला व लंबा सा गला पतला। (मि.त.)

सिंधु- १.सर्प नाम, चम्बा क्षेत्र का एक नाग गर्दन से पूछ मोटी। आगर के आसपास मिलता है। २.गंधर्वों के एक राजा का नाम ३.सिंध प्रदेश ४.सिंध प्रांत का निवासी ५.बडी नदी/नद।(ना.प.;जहूर; नालन्दा)

सिंह- १.सर्प, तेज रफ्तार, मालवा में एवं सेंधवा में मिलताहै २.शेर बबर ३.बहुत बडा वीर ४.ज्योतिष में बारह राशियों में से एक ५.वेंकट गिरी का एक नाम। (जहूर; तुकोजी; मानक)

सिंहगौड-१.नाग नाम, २.एक गांव का नाम।(जहूर; तुकोजी)

सिंहिक-सर्प, जहरीला, तेज दौडने वाला। (जहूर; नागोबा)

सिंहवत्या- सर्प नाम। (तुकोजी; दिलीप)

सिकलीगर- १.सर्प नाम, इसकी पूंछ पर धार होती है २.तलवार और छुरी आदि पर धार देने वाला कारीगर। (तुकोजी;नालन्दा)

सिद्धभुर्तार्थ- सर्प नाम। (तुकोजी; नागोबा)

सिद्धि- १.सर्प देवी। २.दुर्गा का एक नाम ३.गणेश की एक पत्नि का नाम। ४.सुख समृद्धि। (जहूर; तुकोजी)

सिद्धेश्वर -१.सर्प नाम, सिद्ध सर्प, सफेद रंग दुधिया छोटा, पतला, जहरीला, मारवाड की पत्थरों की चट्ठानों में मकराने में राजस्थान में मिलता है २.महादेव ३.बहुत बडा सिद्ध महायोगी। (जहूर; तुकोजी; मानक)

सिमतिया- सर्पनाम फणवाला, जहरीला। (जहूर; दिलीप; किशोर; तुकोजी; कन्हैया)

सिमरैय्या- १.सर्प नाम मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर)

सिया- १.सर्प नाम, मालवा में मिलता है २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सिस- सर्प नाम। (कन्हैया;दिलीप)

सिसोदिया- सर्प नाम, सफेद, बगैर फण, मालवा में मिलता है। (तुकोजी; दिलीप)

सीठायता- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; दिलीप)

सीता- १.सांप (मादा)२.श्री रामचन्द्र की पत्नि का नाम। (दिलीप; जहूर; नालन्दा)

सीना-सर्प नाम,प्रायः लाल रंग का होता है,सिर पर सफेद गुल,जंगल में नदियों के पुलों में रहता है,यह उछल कर काटता है, अत्यधिक जहरीला, इसे सीजा भी कहते हैं। (ति.म.)

सीपी- सर्प नाम प्रायःगहरा भूरा एवं पीला रंग वाला पतला होता है। (तुकोजी; जहूर)

सीवत्या- १.सर्प नाम। शंकर के गले में २.मानव जाति का गोत्र। (किशोर; कन्हैया; दिलीप; तुकोजी)

सीहरा- सर्प नाम। (तुकोजी; कन्हैया; दिलिप; जहूर)

सुंकरिया-१.सर्प नाम, धीमी गति वाला, राजस्थान में मिलता हैं, २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सुआपंखी- सर्प नाम। (जहूर; दिलीप)

सुई- १.नुकीले मुंह वाला सांप। मालवा में मिलता है। २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; जहूर)

सुकतिया-नाग नाम। (रमेश; जहूर; तुकोजी)

सुकर- १.प्रमुख नाग नाम २.जो सहज में हो सके ३.जो सहज में सुव्यवस्थित किया जा सके ४.वराह/सुअर। (नी.पु.)

सुकुमार- १.प्रमुख नाग नाम २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३.नाजुक सांप ४.एक दैत्य ५.तम्बाकू का पत्ता। (महा.; नी.पु.सां.सं.; नालन्दा)

सुगल- चम्बा क्षेत्र का प्रसिद्ध नाग। (ना.प.)

सुग्गासांप- सर्प विशेष। (नालन्दा)

सुग्रीव- १.सर्प नाम, सुन्दर गर्दन वाला २.सुग्रीव जो बालि का भाई था, राम ने बालि को मार कर सुग्रीव को राजगद्दी पर बिठाया। (नालन्दा; सं.हि.को.)

सुच- सर्प नाम। (तुकोजी; दिलीप)

सुचित्र-१.सर्प नाम, सुन्दर चितकबरा। (महा.सां.सं.)

सुचिमंडली- सर्प नाम, ऐसा मंडली सर्प जिसके दांत लम्बे व तेज है। (सां.सं.)

सुढेलो-सर्प नाम, हाथी की सुंड जैसा। (तुकोजी)

सुत- सर्प नाम, पतला, तेज दौडने वाला बगैर फणवाला, रोहतक में मिलता हैं २.पुत्र बेटा। (जहूर; नालन्दा)

सुतसली- सर्प नाम। (तुकोजी; दिलीप)

सुतार- १.सर्प नाम, जहरीला, सुखी लकड़ियों में मिलता है, इसे सुतारिया भी बोलते हैं सर से पूंछ तक आरी जैसा निशान होता है २.बढई, शिल्पी। (तुकोजी; जहूर; नालन्दा)

सुदास- १.सर्प नाम, कलर भूरा, चमकीला, ज्यादातर चट्टानों, पथरीली जगह में पाया जाता है मध्यप्रदेश के ओंकारेश्वर, खण्डवा, मान्डु आदि में पाया जाता है २.सुदास राजा था तथा विश्वामित्र का यजमान था। सुदास, भारी योद्धा था सुदास महादानी भी था। (वेद.नाग)

सुधामा- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुधुन- चम्बा जनपद का एक नाग। (ना.प.)

सुनार-१. सर्प नाम, सोने के रंग जैसा तेज दौड़ने वाला, म.प्र.में नर्मदा जी के किनारे मिलता हैं २.स्वर्णकार जो सुनारों के वंश में उत्पन्न हुआ हो ३.वह जिसका पेशा सोने-चांदी के आभूषण बनाना है। (जहूर; तुकोजी; मानक)

सुनास- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुनीथ- १.नाग नाम। २.कृष्ण के एक पुत्र का नाम ३.शिशुपाल का एक नाम ४.एक दानव ५.न्यायशील। (महा; नालन्दा)

सुनेत्र-१.प्रमुख नाग नाम २.सुंदर नेत्रों वाला, सुलोचन ३.धृतराष्ट्र का एक पुत्र ४. बौद्धों के अनुसार मार का एक पुत्र ५.चकवा। (मानक;नी.पु.)

सुन्ड सांप- सर्प नाम। (वेद;नाग)

सुपार्श्व- १.प्रमुख नाग नाम २.सुन्दर पार्श्ववाला ३.पारस ४.पीपल। (नी.पु.;नालन्दा)

सुप्रिया- सर्प नाम, सुखी घास गंजी में गाय के स्थान पर रहता है तेज दौड़ने वाला, जहरीला, फणवाला, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; नागोबा)

सुफेद संगचुर- सर्प नाम,सफेद हल्के रंग का, सिर चकला और पेट सफेद होता है, जहरीला। (ति.म.)

सुबाहु- १.सांप नाम, जिसकी भुजाओं या टांगों के अवशेष स्पष्ट नजर आते हो २.दृढ़ या सुन्दर बाहों वाला ३.एक नागासुर ४.एक बौधिसत्व का नाम ५.कृष्ण के पुत्र का नाम ६.एक दानव का नाम। (नालंदा ; सां.सं.)

सुभचंद्र- सर्प नाम,जहरीला। (ति.म.)

सुभद्र- १.प्रमुख नाग नाम २.अत्यन्त भाग्यवान भला। (नी.पु.;नालन्दा)

सुभाट- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुमंगल- १.प्रमुख नाग नाम २.कल्याण कारी ३.सदाचारी ४.एक प्रकार का विष। (नी.पु.; नालंदा)

सुमन- १.सर्प नाम, फूलों का वासी २.देवता / ज्ञानी/विद्वान ३.पुष्प/फूल ४.सुन्दर सुहृदय। (सां.सं.)

सुमना- १.सांप नाम २.चमेली सेवती ३.कबरी गाय ४.कैकैयी का असली नाम। (महा; नालन्दा)

सुमाली- १.प्रमुख नाग नाम २.राम की सेना का एक वानर ३.सुकेश राक्षस के पुत्र का नाम।(नी.पु.; मानक)

सुमुख- १.प्रमुख नाग नाम, जिसका मुख सुन्दर हो २.शिव ३.गणेश ४.द्रोण का पुत्र। (नी.पु.; सां.सं.; नालन्दा)

सुरजा- १.सर्प नाम, सुरजना के पेड की जडो के पास रहता हैं पहाडी इलाकों में पाया जाता हैं निमाड क्षेत्र में मिलता हैं, जहरीला, २.एक पौराणिक नदी ३.एक अप्सरा। (नालन्दा; जहूर; तुकोजी)

सुरजू- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

सुरभि-१.प्रमुख नाग नाम २.पृथ्वी ३.सुगंध /खुशबू ४. कार्तिकेय की एक मातृका का नाम। ५.गौ/गाय। (नी.पु.; नालन्दा)

सुरमेर- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

सुरस- १.नाग नाम। २.सुन्दर ३.रसीला सरस ४.मधुर। (महा.नालन्दा)

सुरसा- १.सर्प नाम, बांस के जंगलों में २.दुर्गा का एक नाम ३.एक राक्षसी ४.प्रसिद्ध नागमाता जिसने हनुमान को समुद्र पार करते रोका था। (जहूर;नालन्दा)

सुरोमा- १.सर्प नाम २. जिसके सूक्ष्म छिलके सुन्दर लगते हो सुन्दर रोमों वाला ३.एक यज्ञ का नाम।(सां.सं.; नालन्दा)

सुरौया- सर्प नाम। गीली मिट्टी में तालाब किनारे, खेतों की मेढ़ पर रहता है। (जहूर;उम)

सुर्वचल- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुर्वताक्ष- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुलानिया-१. सर्प नाम, सुखी घास, घास डिपों में मिलता है २. मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सुवाना- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

सुशीम- १. प्रमुख नाग नाम २.एक सर्प विशेष ३.चन्द्रकान्ता मणि। (नी.पु.; नालन्दा)

सुशुभ- प्रमुख नाग नाम।(नी.पु.)

सुषेण- १.एक सर्प २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प ३.एक नागासुर ४.धृतराष्ट्र का एक पुत्र। (महा)

सुसावत-सर्प नाम। (तुकोजी; दिलीप; कन्हैया)

सुस्मव- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

सुहास्या- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गौत्र। (तुकोजी; जहूर)

सूंगा- सर्प नाम, बादामी रंग का,पीठ पर फूल होते हैं, अत्यधिक जहरीला,नदी के किनारे मौनापुर और बूंदी के इलाकों में पाया जाता है। (ति.म.)

सूचीक- १.सर्प नाम, मूंह पतला और नौकदार जैसा २.सूई जैसा डंक रखने वाला जंतु जैसे मच्छर आदि। (जहूर; नालन्दा)

सूत- १.सर्प नाम २.रथ हांकने वाला,सारथी ३.भाट्ट चारण। (तुकोजी; दिलीप)

सूदन- १.प्रमुख नाग नाम २.वध करने या मार डालने वाला ३.प्रिय/प्यारा। (नी.पु.; मानक)

सूर्य- १.प्रमुख नाग नाम २.रंग सफेद ३.पुराणों के अनुसार सूर्य को कश्यप और अदिति का पुत्र माना जाता है। (नी.पु.)

सूर्यमुखी- १.सर्प नाम, जहरीला, चमक तेज, सुबह सूर्य के सामने मुंह करने वाला २.एक पौधे का नाम। (जहूर; तुकोजी)

सूर्यवंशी- १.सर्प नाम। जहरीला पतला, मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सेंदीवाल- १.सर्प नाम २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सेटोके- १. सर्प नाम, लाल पत्थरीली चट्टान में रहता हैं राजस्थान में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

सेत- सर्प नाम, भयानक। (वेद;नाग)

सेमदे- १.सर्प नाम, मुडा हुआ, फण वाला, सेमदे की फली जैसा मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी;नागोबा)

सेमरे- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

सेरभ- सर्प नाम, सोते हुए पर हमला करने वाला। (सां.सं.)

सेरभक- सर्प नाम। (सां.सं.)

सेलिया- सर्प नाम, जहरीला, तेज दौड़ने वाला, खेतों में, म.प्र.राजस्थान में मिलता है। (नालन्दा; जहूर)

सेवृध- सर्प नाम। (सां.सं.)

सेवृधक- सर्प नाम। (सां.सं.)

सेहरा- १.चम्बा क्षेत्र का प्रसिद्ध नाग २.विवाह का मुकुट मौर। (ना.प.;नालन्दा)

सैण्ड्राकोटस- १.नाग नाम। जहरीला पंजाब तथा केरल में मिलता है २.डा.डी.आर भंडार कर के अनुसार ग्रीक लेखकों ने सेण्ड्रा कोटस नाम से चंद्र गुप्त मौर्य को जिक्र किया है। (जहूर; तुकोजी; ना.शो.)

सैर्य- सर्प नाम, खेत के कीडों को खाने वाला सर्प। (सां.सं.)

सौंधिया- १.सर्प नाम आगर के पास मिलता हैं २.मानव जाति का नाम। (तुकोजी; जहूर)

सोगिन- सर्प नाम। (मल्हार; कन्हैया; दिलीप)

सोटा- १.सर्प नाम, गन्ने के खेतों में, म.प्र. राजस्थान में मिलताहै२.मोटा डंडा। (जहूर;नालन्दा)

सोधर- सर्प नाम। जहरीला, पथरीले इलाकों में, विशेषकर राजस्थान में मिलता है। (जहूर)

सोनाने- १.सर्प नाम, पतला, ज्यादा मोटा नहीं, सोने की चैन जैसा चोकड, खुबसूरत मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी; नागोबा)

सोनाया- १.सर्प नाम, सोने जैसे रंग वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

सोनी- १.सर्प नाम, निमाड में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; नागोबा)

सोम- १.प्रमुख नाग का नाम चितकबरा २.उज्जैन के आसपास मिलता है ३.एक प्राचीन वेदिक देवता ४.चन्द्रमा ५.सोमवार ६.एक वानर का नाम ७.एक पर्वत का नाम। (नालन्दा; तुकोजी)

सोमनाथ- सर्प नाम, एक प्रसिद्ध मंदिर। (जहूर; तुकोजी)

सोमेश्वर-१.सर्प नाम, बडा सर्प खरगोन, ओकारेश्वर, बडवाह क्षेत्र में मिलता है २.सोमनाथ ३.काशी में स्थापित एक शिव लिंग। (जहूर;नालन्दा; तुकोजी)

सोरव्या- १.सर्प नाम, जहरीला, फणवाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

सोलीवाल- १.सर्प नाम, बिना फण वाला २.मानव जाति का एक गोत्र। (तुकोजी)

सोवाल- १.सर्प नाम बगैर फणवाला,जहीराल म.प्र.में मिलता हैं २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सौगुण- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

सौढानी- १.सर्प नाम, भूरा रंग, बगैर फणवाला, पीली मिट्टी की खदानों में रहता हैं म.प्र.में मिलता हैं। (जहूर; दिलीप)

सौनिया- १.सर्प नाम, पीला रंग का, जहरीला, बैगर फणवाला मालवा में मिलता हैं २.मान्नव जाति का एक गोत्र। (जहूर; तुकोजी)

सौभाग्य- सर्प नाम, पूजा योग्य फणवाला, जहरीला, खूबसूरत, राजस्थान में मिलता है। (जहूर; तुकोजी)

सौमानी- १.सर्प नाम, २.मानव जाति का एक गोत्र। (जहूर; दिलीप)

स्कन्ध- १.सर्प नाम, भूरे व काले ज्यादा छपके वाले व लाइन वाला , मालवा में मिलता है २.हिन्दू दर्शन शास्त्र में शब्द, स्पर्श, रूप,रस और गंध ३.मार्ग/रास्ता ४.समूह /घूंड। (तुकोजी;नालन्दा)

स्तोही- चम्बा जनपद का नाग। (ना.प.)

स्थलनी- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

स्थूल- १.चम्बा क्षेत्र का नाग २.भारी या मोटे अंगोवाला ३.शिव का एक गण। (ना.प.;मानक)

स्याह जूनसिरा- सर्प नाम, पनैला सर्प है, विषहीन ढांकके पेड़ के पास रहता है। (ति.म.)

स्याह पलक- सर्पनाम ,विषहीन, कमर पर सफेद गुल के चिन्ह मिलते हैं,पतला होता है। (ति.म.)

स्याह विष- सर्प नाम, जहरीला,बूंदी के आसपास मिलता है। (ति.म.)

स्वज- १.सर्प नाम २.स्वयं उत्पन्न होने वाला ३.स्वाभाविक प्राकृतिक ४.पुत्र। (सा.सं.)

स्वरूप- १.प्रमुख नाग नाम २.आकृति, रूप शक्ल ३.पंडित, विद्वान ४.प्रकृति स्वभाव ५.सुन्दर ,खुबसूरत।(नी.पु.;मानक)

स्वर्ग- १.प्रमुख नाग नाम पीला रंग पतला तेज भागने वाला जहरीला पीली मिट्टी की खदानों, दरारों में उ.प्र. में मिलता है २.देव लोक ३.एक लोक, जिसमें ईश्वर तथा देवताओं का निवास माना गया है। (नी.पु.; जहूर; तुकोजी; मानक)

स्वर्ण- १. सर्प नाम, सुनहरी, जहरीला, तेज दौड़ने वाला सोना-पाली के पेड में अधिकतर पाया जाता है २.सुवर्ण या सोना नामक बहुमूल्य धातु ३.नाग केसर ४.कामरूप देश की एक नदी। (जहूर; तुकोजी; मानक; नालन्दा)

स्वस्तिक- १.नाग नाम २.एक प्रकार का बहुत प्राचीन मंगल चिन्ह जो शुभ अवसरों पर दीवारों आदि पर अंकित किया जाता है ३.सांप के फन की नीली रेखा। (महा)

स्वामी- १.सर्प नाम २.मालिक ३.पति/शौहर ४.साधु सन्यासी आदि का सम्बोधन ५. ईश्वर, शिव, राजा। (तुकोजी; जहूर)

स्वालक- सर्प नाम। (दिलीप; जहूर)

स्निग्धराजि- सर्प नाम, चिकनी धारियों वाला। (सां.स.)

ह

हंसली- १.यह सर्प बहुरंगी होता है लगातार चलता है उज्जैन जिले में मिलता है. २.महिलाओं के गले में पहिनने का एक गहना। (तुकोजी; मानक)

हंसवाल- १.सर्प नाम, हंस जैसा मुँह रहता है २.मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी)

हक तमोरी- कुल्लू क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

हकवा- सर्प नाम। (सर्प.दं)

हज्जाम- १.सर्प नाम, फन वाला, जहरीला, म.प्र. में काली मिट्टी में गेहूँ के खेतों में मिलता है २.हजामत बनाने वाला/नाई। (जहूर;मानक)

हडप्पा- १.पानी वाला सर्प २. मारना ३. सिन्धु प्रदेश का एक प्राचीन जनपद जहां एक बहुत प्राचीन संस्कृति के भग्नावशेष मिले है। (जहूर; तुकोजी; मानक)

हनुमान- १. प्रमुख नाग का नाम, भारी दाड या जबडे वाला २.बहुत बडा वीर ३.एक वीर बन्दर जो राम का परम भक्त माना गया है। (नागोबा; नालन्दा; नी.पु.)

हनौतिया- सर्प नाम, सीधा, खेतों में पाया जाता है। (जहूर)

हबक- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हमासी- चम्बा क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

हयनागस- सर्प नाम, पथरीले इलाकों में महाराष्ट्र, राजस्थान में मिलता है। (मल्हार; दिलिप)

हयस- सर्प नाम। (मल्हार; दिलिप)

हयातआजम- सर्प नाम, बड़ा सर्प, बड़े-बड़े दो सिंग, दो बड़े दांत तथा नाक उभरी हुई होती है। (ति.म.)

हय्या- सर्प नाम, लंबी आयु वाला सर्प, बंगाल में मिलता है। (ति.म.)

हर- १. प्रमुख नाग नाम २.महादेव/शिव ३.माली नामक राक्षस का पुत्र जो विभीषण का मंत्री था। (नी.पु.; मानक)

हरणोद-१.सर्प नाम करोंदे की झाडियों में निमाड में मिलता हैं २.एक गांव का नाम। (जहूर)

हरदुण्या- १. सर्प नाम २. मानव जाति का गौत्र नाम। (तुकोजी; दिलीप)

हरनियां विष- सर्प नाम, जहरीला, सिर आधा हरा आधा अन्य रंग का, काटने से नींद आती है। (ति.म.)

हरपारी- सर्पनाम, जहरीला। (ति.म.)

हरवोला- सर्प नाम, झाड पर रहता है मिलता है। (तुकोजी; दिलीप)

हरहरा- सर्प नाम, हरा स्याहीनुमा रंग, कमर पर एक प्याजी रंग की रेखा, अत्यधिक जहरीला, लोहार व जैपुर प्रांत में मिलता है। (ति.म.)

हरहार- १.सर्प नाम २. शिव का हार ३.शेषनाग। (वृ.प.;मानक)

हरि- १. प्रमुख नाग नाम जीवन को हरने वाला २.शिव ३. एक प्राचीन पर्वत ४.बौद्धों के अनुसार एक बहुत बडी संख्या ५.विष्णु। (सां.सं.नी.पु.;वृ.प.;मानक)

हरिण- १.सर्प नाम, रंग हरा २. मृग हिरन ३.शिव ४.पुराणानुसोक। (सां.सं.;मानक)

हरिद्रक- १.सर्प नाम, हल्दी के रंग जैसा २.पीला चन्दन। (मानक; सां.सं.; महा.)

हरिया- १. सर्प नाम, जनमेजय में सर्प यज्ञ में जला एक सर्प २.हल जोतने वाला हलवाहा। (नालन्दा; महा)

हरियाल- सर्प नाम, जहरीला, बिना फ़णवाला। (जहूर; तुकोजी)

हरिश्चन्द्र- १.सर्प नाम, सीधा सर्प, राजस्थान में मिलता है २.एक प्रसिद्ध दानवीर राजा। (जहूर; दिलीप)

हरीदास- सर्प नाम बगैर जहरीला, घास की बीडों में मिलता हैं। (तुकोजी; जहूर)

हरीश सांप- सर्प नाम, शरीर में काले सफेद बिन्दु होते हैं। (ति.म.)

हरीश्वर- सर्प नाम, हरी घास में, पानी के किनारे बेसरम में रहता है। (तुकोजी; नागोबा)

हरेवा- सर्प नाम, काटने पर दस्त में खून आता है, डेढ़-दो फीट लंबा, नदी के किनारे मिलता है। (ति.म.)

हर्ष- १. सर्प नाम, घास में, बीड में तथा मैदानों में मिलता है उ.प्र. में पाया जाता हैं २.उत्तरी भारत का एक प्रसिद्ध राजा, जो कुशल शासक एवं महान विजेता था। बौध्द धर्म को मानता था। (जहूर; तुकोजी)

हलिक- सर्प नाम। (महा.)

हलिमक- १. सर्प नाम, खेतों में रहनेवाला, २.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सांप। (महा;सां.सं.)

हल्दिया कुंडल- सर्प नाम, खाक लिपटा सा पीले रंग का होता है, काफी लंबा होता है, कमर पर सफेद गुल होते हैं, भागलपुर, मुलथान की भूमि पर मिलता है। (ति.म.)

हल्दिया जूनसरा-सर्प नाम, सिर काला, बदन पीला उस पर तिल के चिन्ह, विषहीन। (ति.म.)

हल्दिया नाग्ड़ा- सर्प नाम, इस सर्प पर गर्दन से पूंछ तक रेखाएं होती है, प्रवृत्ति चालाक, खड़ा होता है जब पूंछ ही पूंछ पृथ्वी पर रह जाती है बहरायच में पाया जाता है। (ति.म.)

हल्दिया पलक- सर्प नाम, डेढ़-दो फूट लंबा, सिर गोल व सादा होता है, कपूरथला में पाया जाता है। (ति.म.)

हल्दिया राजविष- सर्प नाम, फण वाला पीले रंग का, सिरके दोनों ओर दो सफेद फूल दिखते हैं, आँख का घेरा पीला होता है, अत्यधिक जहरीला, इसका काटा व्यक्ति अंधा होकर मरता है तथा जोर से उसे दर्द उठता है। (ति.म.)

हल्दिया विष- सर्प नाम, विषैला होता है, पेट पीला सरसों के फूलों की तरह होता है, जालंधर इलाके में मिलता है। (ति.म.)

हवोत्सव- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हस्ताभरण- सर्प नाम; शिवजी के हाथ का आभूषण। (सु.सं.)

हस्ति- १. प्रमुख नाग नाम २. हाथी। (नी.पु.;मानक)

हस्तिकर्ण- १. प्रमुख नाग नाम २. एक गण देवता ३. शिव का एक गण ४. टैसू/पलास। (नी.पु.;मानक)

हस्तिपद- १.सर्प नाम २. हाथी के कोमल भाग को डसने वाला सर्प। (सां.स.;महा.)

हस्तिपिण्ड- सर्प नाम हाथी की चमडी की तरह जिसकी खाल कडी है। (सां.सं.;महा)

हस्तिभद्र- एक नाग। (महा.)

हांटल- सर्प नाम, जहरीला, बरगद के पेडों में रहता है। (तुकोजी; दिलीप; कन्हैया)

हाटकेस्वर- १. सर्प नाम पूजा योग्य छोटा चमकीला बिना जहरीला राजस्थान में मिलता है २. एक पूज्यनीय देवता। (जहूर)

हाटवा- १ सर्प नाम, हर जगह रुक जाता है हट जाता है, रास्ता दे देता है २.मानव जाति का गोत्र नाम। (तुकोजी; जहूर)

हाड़ा- १.सर्प नाम २.क्षत्रियों की एक शाखा। (मीना)

हान- सर्प नाम,यह सर्प हर साल कैंचुली बदलता है, चमकदार होता है। (ति.म.)

हार- १.सर्प नाम २.अतिथियों, राजनेताओं, धार्मिक गुरूओं को हार (फूलों के) से सम्मानित किया जाता है। (वृ.प.; जहूर)

हाल- १.सर्प नाम २.एक प्रकार का घातक विष जो समुद्र-मंथन के परिणाम स्वरूप मिला था। (तुकोजी; किशोर; सं.हि.को.)

हासी -प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हिनोतिया- १.सर्प नाम मालवा में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; दिलीप)

हिन्दा- सर्प नाम,पहाड़ी सांप,रंग गुलाबी, ३ फूट लंबा, कांगड़ा और नेपाल में मिलता है। (ति.म.)

हिफात- सर्प नाम, विषहीन। (ति.म.)

हिम- १.चम्बा क्षेत्र का नाग २.हिमालय पर्वत /हिम लिंग ३.ठंडा /शीतल ४.पुराणोनुसार पृथ्वी का एक भूखण्ड। (नालन्दा;ना.प.)

हिमतला- शिमला क्षेत्र का नाग। (ना.प.)

हिमसर- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हिरडिया- सर्प नाम, चमकीला, हरियाणा में मिलता है। (जहूर; दिलीप)

हिरण्यकशिपु- १.सर्प नाम, तेज ज़हरीला बडा सर्प छीटे वाला ओंकारेश्वर के पास मिलता हैं। २.एक प्रसिद्ध विष्णु-विरोधी दैत्य राजा जो प्रहलाद के पिता थे। (जहूर; दिलीप)

हिरण्यबाहु-१. सर्प नाम।२.जनमेजय के सर्प यज्ञ में जला एक सर्प। (महा)

हिरण्यय- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हिरन तूतिया- सर्प नाम,जहरीला, सिर पर सफेद और लाल धब्बे होते हैं, यह कूदकर काटता है, मारक शक्ति अधिक होती है,बंबई के समीप पाया जाता है। (ति.म.)

हिरालाल-सर्प नाम। (सर्प.दं.)

हुकम- १.सर्प नाम, मालवा व निमाड में मिलता है २.अधिकारिक रूप से दिया जाने वाला ऐसा आदेश जिसका पालन औरों के लिये आवश्यक हो। आज्ञा। (नागोबा;मानक)

हुकीणा- सर्प नाम। जहरीला, बगैर फणवाला, निमाड क्षेत्र में मिलताहै। (जहूर;तुकोजी)

हुण- १.सर्प नाम राजस्थान के पथरीली इलाकों में खण्डहरों में बावडी किले आदि में मिलता है। २.बहुत बडा उज्जड और क्रूर व्यक्ति। ३.एक प्राचीन जाति। (जहूर; मानक)

हुणहाज- सर्प नाम। (दिलीप; तुकोजी)

हुरवा- सर्प नाम। (जहूर; नागोबा)

हूंकरिया- १.सर्प नाम, पतला, बगैर फणवाला पतली लकडी में पाया जाता हैं२.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

हेथियार- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हेम- सर्प नाम, सोने के रंग का सर्प। (सां.सं.)

हेमगुह- सर्प नाम, सोने के खजाने पर रहने वाला सर्प या सर्दियों में गुफा के अन्दर चला जाय। (सां.सं.)

हेमियार- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हेलेव- १.सर्प नाम, हिलता रहता हैं, मूंह को सही नहीं रखता है जहरीला, छोटा, उ.प्र.में मिलता हैं। (जहूर; तुकोजी)

हेलावा- सर्प नाम, कबरा, छीटेवाला, राजस्थान में मिलता हैं। (जहूर; दिलीप)

हेलियार- प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

हेवस- सर्प नाम। (जहूर; दिलीप)

हैंडिया- सर्प नाम। (जहूर; दिलीप)

होचर-प्रमुख नाग नाम। (नी.पु.)

होता- १. प्रमुख नाग नाम २. यज्ञ में आहूति देने वाला ३. शिव ४. अग्नि। (नी.पु.; मानक)

होलिया- १.सर्प नाम जहरीला, म.प्र में मिलता हैं २.मानव जाति का गोत्र नाम। (जहूर; तुकोजी)

ह्राद-१.नाग नाम २.ध्वनि शब्द आवाज ३.बादल की गरज ४.हिरण्यक शिपु का एक पुत्र। (महा;मानक)



लेखक की अन्य कृतियां



द्र : एक प्राचीन नागजाति

आर्य समाजिक व्यवस्था में शूद्रों की स्थिति तिरस्कृत एवं अपमानित रही हैं। परन्तु सदैव ऐसी स्थिति नहीं थी। लेखक ने 'शूद्र' शब्द के प्रचलित अर्थों को नकारते हुए विद्वानों के समक्ष 'शूद्र' शब्द की नवीन व्युत्पत्ति अर्थ को प्रस्तुत किया हैं, जिसके अनुसार 'शूद्र' जाति एक प्राचीन नागजाति हैं।



मीणा : नागवंश क्यों और कैसे

पुस्तक में इस जाति तथा इससे सम्बंधित अन्य जैसे मेद, मेव, मारण आदि जातियों के गोत्रों, खांपों, धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मान्यताओं का विशद साहित्यिक विश्लेषण किया हैं तथा सर्प टोटमवाद की उपस्थिति इस लड़ाकू एवं वीर जाति में पाई गई हैं। नागवंश पर शोध करने वाले के लिये यह मार्गदर्शी ग्रन्थ हैं।



वेद कालीन नाग जातियों, राजाओं तथा संस्कृति की खोज

पुस्तक में सामाजिक संरचना तथा मानव नस्ल की खोज हेतु नवीन सिद्धान्तों को प्रतिपादित किया हैं। वैदिक अनार्य जातियों तथा राजाओं पर नवीन व्युत्पत्ति के आधार पर भारत में नागवंश की विद्यमानता एवं प्राचीनता को उजागर किया हैं। सर्प टोटम को खोजकर संस्कृति के क्षेत्र में भी नये अनुसंधान कार्य का आहवान किया गया हैं।



ड़:एक नागजाति का प्रतिरूप

लेखक ने भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की धनी जाति "द्रविड़" के वर्तमान अर्थ संदर्भों के प्रति सहमत न होते हुए एक नवीन व्युत्पत्ति के माध्यम से यह सिद्ध किया हैं कि "द्रविड़" का अर्थ नाग या नागजाति से हैं।



दलितायन

"दलितायन" विचारोत्तेजक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से परिपूर्ण आलेखों का संग्रह है। वर्ण व्यवस्था तथा दलित वर्ग पर अनुसंधानात्मक शोध संग्रह, सम[illegible] समाज के लिये विचारार्थ बि[illegible]स्तुत करते हैं।



नागवंशीय शोध - आलेख

पुस्तक में "सर्प टोटम वाद के" प्राचीन सिद्धान्त तथा साहित्यिक अन्वेषण के आधार पर भगवान बुद्ध, मौर्यवंश, दलित जातियों, नागपूजा एवम् राजकीय सिक्कों का सम्बंध नागवंशीय परम्पराओं से स्थापित किया गया हैं। शोध-आलेख अनुसंधान परक तथा ऐतिहासिक महत्त्व का होकर पठनीय हैं।

नाग स्मृति प्रकाशन, 79, अशोक नगर, उज्जैन (म. प्र.)